वार्षिक प्रतिवेदन

2016–17

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन

2016—2017

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

Published by:
The Registrar
Ambedkar University Delhi
Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi-110 006

Designed & Printed at:
AP INDIA
D-15/1 Okhla Industrial Area
Office No: 011-49070738
Email: design@mailap.com

अनुक्रमणिका

विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
1. विश्वविद्यालय	1
2. विश्वविद्यालय के स्कूल	11
2.1 व्यवसाय लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल	11
2.2 सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल	17
2.3 डिजाइन स्कूल	24
2.4 विकास अध्ययन स्कूल	28
2.5 शैक्षिक अध्ययन स्कूल	34
2.6 मानव पारिस्थितिकी स्कूल	42
2.7 मानव अध्ययन स्कूल	48
2.8 कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल	62
2.9 लिबरल अध्ययन स्कूल	64
2.10 लेटर्स स्कूल	79
2.11 स्नातक अध्ययन स्कूल	81
2.12 वोकेशनल स्टडीज स्कूल	88
3. विश्वविद्यालय केंद्र	89
3.1 सामुदायिक ज्ञान केंद्र	89
3.2 विकास प्रणाली केंद्र	93
3.3 प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र	96
3.4 अँग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र	101
3.5 एयूडी उद्‌भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र	103
3.6 मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र	106
3.7 प्रकाशन केंद्र	112
3.8 सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र	114
3.9 शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र	117
4. प्रकाशन	120
5. अंतरराष्ट्रीय साझेदारियाँ	137
6. अनुसंधान परियोजनाएँ	142

विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या

7. विश्वविद्यालय के विभाग	151
7.1 पुस्तकालय सेवा	151
7.2 सूचना एवं तकनीकी विभाग	155
7.3 छात्र सेवा	158
7.4 आंकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति	183
7.5 शैक्षिक सेवाएँ	186
7.6 मानव संसाधन	189
7.7 योजना विभाग	194
7.8 अभिशासन विभाग	196
7.9 परिसर विकास विभाग	197
7.10 प्रशासन विभाग	200
7.11 सम्पदा विभाग	203
7.12 वित्त विभाग	207
8. यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति	209
9. परिशिष्ठ	210

1. विश्वविद्यालय

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार द्वारा 2007 में पारित विधानमंडल के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया है। इसे जुलाई 2008 में अधिसूचित किया गया था। डॉ. अम्बेडकर के समानता और सामाजिक न्याय सम्बन्धी विचारों से प्रेरित होकर यह विश्वविद्यालय समाज विज्ञान और मानविकी में शोध तथा अध्यापन को केंद्र में रखते हुए अध्यादेशित किया गया है। यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा तक पहुंच एवं सफलता के बीच, सतत और प्रभावी सम्पर्क निर्धारित करने को अपना लक्ष्य समझता है। एयूडी मानवता, गैर–सोपानीकरण, सामूहिक कार्य और सृजनात्मकता को परिपोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय कश्मीरी गेट परिसर, लोथीयन रोड, से अपने सभी कार्य संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय इस परिसर को इंदिरा गांधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ साझा करता है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग, ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय को अपने परिसर के निर्माण के लिए दो स्थानों पर भूमि प्रदान की है। इसमें से एक रोहिणी सैक्टर–3 (7.02 हेक्टेयर क्षेत्रफल) में और दूसरा धीरपुर फेज–1 (20 हेक्टेयर क्षेत्रफल) में है। दोनों ही स्थानों पर परिसर निर्माण का कार्य जारी है।

कर्मपुरा परिसर, जहां पहले दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय का कार्य संचालित होता था उसे जून 2016 में अम्बेडकर विश्वविद्यालय को हस्तांतरित कर दिया गया। 27 सितंबर 2016 को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा इस परिसर का उद्घाटन किया गया। शिवाजी मार्ग, कर्मपुरा, नई दिल्ली में स्थित 6.5 एकड़ क्षेत्रफल के इस परिसर में कई इमारतें भी हैं। यह परिसर मोती नगर मेट्रो स्टेशन (ब्लू लाइन), इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन (रेड लाइन) तथा कर्मपुरा बस अड्डे के नजदीक है।

सभी अकादमिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए इस विश्वविद्यालय ने अपने विभिन्न स्कूल एवं केन्द्रों के साथ विकेंद्रीकृत संरचना को अपनाया है। इसने अपने स्कूल, केन्द्रों एवं उसके कार्यक्रमों की कल्पना नई–नई संभावनाओं को तलाशने के लिए किया है। इन संभावनाओं को आकार देने के लिए ऐसा प्रारूप अपनाया गया है जो अंतर्विषयक पद्धतियों के साथ अनिवार्य रूप से कार्य करे। साथ ही स्कूल की अवधारणा को इस प्रकार से निरूपित किया गया है कि इसका प्रत्येक कार्यक्रम अंतर्विषयक हो। साथ ही अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्रों की संकल्पना शोध परियोजना, अधिवक्तृत्व नीति, प्रशिक्षण, अभियंत्रीकरण और गृह–कार्य समाशोधन के अनुरूप की गई है ताकि समकालीन महत्व के क्षेत्रों को और अधिक बढ़ावा मिल सके।

दृष्टि

विश्वविद्यालय उदारवादी शिक्षा, मानविकी और समाज विज्ञान पर विशेष ध्यान देने के साथ–साथ उच्चतर शिक्षा में अध्ययन, शोध, और विस्तार कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह समाज के स्थायित्व और समाज के असंतुलन के कारकों का विश्लेषण करते हुए पता लगाना चाहता है कि सामाजिक विकास किस प्रकार ऐसे समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिसमें लोग अपनी पूर्ण मानवीय क्षमता प्राप्त कर सकें।

दर्शन

समता, सामाजिक न्याय व उच्च गुणवत्ता अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के दर्शन और मूल्यों के सुदृढ़ आधार का निर्माण करते हैं। एक सार्वजनिक संस्थान के रूप में, अम्बेडकर विश्वविद्यालय स्वयं को सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखता है। साथ ही यह सभ्य समाज एवं राज्य की अन्तः क्रिया हेतु सामाजिक क्रियाकलाप पर ध्यान केन्द्रित करता है।

लक्ष्य

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान और मानविकी में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता के प्रति प्रयासरत है। उच्चतर शिक्षा तक पहुँच और सफलता के बीच एक स्थायी और प्रभावशाली कड़ी का निर्माण करना अम्बेडकर विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य है। यह विश्वविद्यालय मानवतावाद, गैर–सोपानिकता और विकेंद्रीकृत कार्यकलाप, सामूहिक कार्य और सृजनात्मकता की सांस्थानिक संस्कृति के सृजन के प्रति प्रतिबद्ध है।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय को उदार शिक्षा, मानविकी और समाज विज्ञान पर ध्यान के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण व्यापक उच्चतर शिक्षा विकसित करने का दायित्व सौंपा गया है। इसे दूरस्थ और सतत शिक्षा के संचालन का प्रभार दे दिया गया है। उच्च गुणवत्ता का पालन करने वाले किसी भी अन्य विश्वविद्यालय की तरह, इसमें भी उन्नत अध्ययनों को शामिल करने, शोध को बढ़ावा देने, व्याख्यानमालाओं, परिसंवादों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करते हुए ज्ञान व कार्य प्रक्रियाओं का वितरण करने और भारत व अन्य देशों में उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थाओं से संपर्क करने की अपेक्षा की जाती है। इससे शोध, विनिबंधों, प्रबंधों, पुस्तकों, प्रतिवेदनों एवं पत्रिकाओं के प्रकाशन की अपेक्षा भी की जाती है। इन उद्देश्यों को विस्तार देने के साथ ही इससे सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की अपेक्षा भी की जाती है।

शैक्षणिक संरचना

विश्वविद्यालय के प्राध्यापक वर्ग की संरचना में पूर्णकालिक, नियमित, मुख्य प्राध्यापक और अंशकालिक, अतिरिक्त अतिथि व मानद प्राध्यापकों का प्रावधान है। इस विस्तृत प्राध्यापक वर्ग में शिक्षण सहायकों के रूप में वरिष्ठ स्नातकोत्तर एवं शोध छात्र भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय की शिक्षा कार्मिक नीति इस प्रकार तैयार की गई है कि यह विश्वविद्यालय के सरोकारों को अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों की अपेक्षा ज्यादा बेहतर प्रतिबिम्बित करे। अपने सभी कार्मिकों में साझा शासन की भावना को प्रोत्साहित करने तथा विश्वविद्यालय के मूल्यों और दर्शन को बल व स्थायित्व प्रदान करने वाली कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु यह सुनिश्चित करना विश्वविद्यालय का कार्य होगा कि कार्यकलापों का संचालन पारदर्शी, क्रमबद्ध, समुचित एवं न्यायसंगत ढंग से हो। आरक्षण के लिए संविधान में अधिदेशित प्रावधानों–उपबंधों का पालन करते हुए, यह सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने और विशेष रूप से प्राध्यापकों की नियुक्ती में एक सक्रिय लैंगिक–संवेदनशीलता की नीति लागू करने का प्रयास भी करेगा।

विश्वविद्यालय का संचालन

विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों का संगठनात्मक ढाँचा

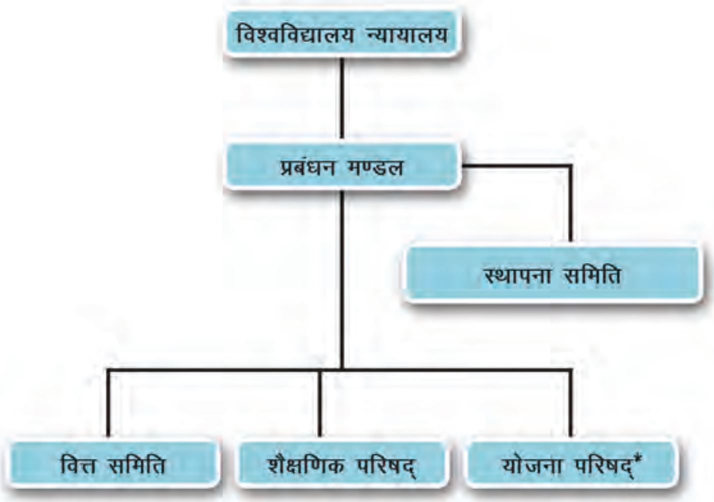

*योजना परिषद् को सक्रिय करने का प्रस्ताव

विश्वविद्यालय न्यायालय

श्री नजीब जंग, कुलाधिपति (अध्यक्ष) (22 दिसम्बर 2016 तक)
श्री अनिल बैजल कुलाधिपति (अध्यक्ष) (31 दिसम्बर 2016 से)
प्रोफेसर श्याम बी मेनन, कुलपति
जस्टिस लीला सेठ (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
डॉ. बिमल जालान (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
श्री श्याम शरण (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर ए. के. जलालुद्दीन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर एस. आर. हाशिम (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रमुख सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी
सचिव, उच्च शिक्षा, जीएनसीटीडी
सचिव, कला और संस्कृति, जीएनसीटीडी
प्रोफेसर उमेश राय (यूजीसी के प्रतिनिधि)
कुलसचिव, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव)
6 वीं बैठक 18 नवम्बर 2016 को सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढांचा

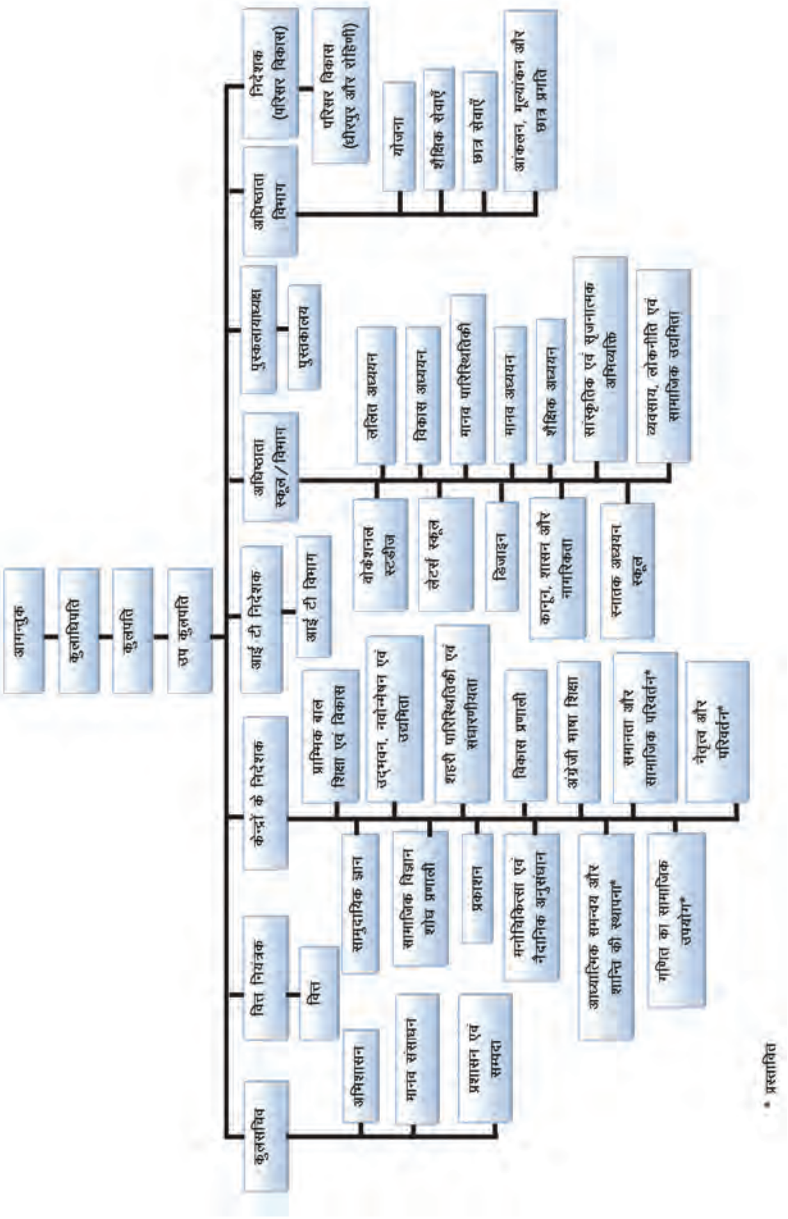

विश्वविद्यालय के अधिकारी
प्रबंधन मण्डल के सदस्य

प्रोफेसर श्याम बी मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
प्रोफेसर एन. आर. माधव मेनन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर एस. परशुरामन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
डॉ. किरण दातार (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
प्रोफेसर अशोक नागपाल (कुलाधिपति द्वारा नामित)
प्रोफेसर जतिन भट्ट (कुलाधिपति द्वारा नामित)
प्रोफेसर सलिल मिस्रा (कुलाधिपति द्वारा नामित)
प्रमुख सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी
सचिव, उच्च शिक्षा, जीएनसीटीडी
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव)
19वीं बैठक 19 अप्रैल 2016 को और 20वीं बैठक 13 फरवरी 2017 को सम्पन्न हुई।

शैक्षणिक परिषद्

प्रोफेसर श्याम बी मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
प्रोफेसर के. रामचंद्रन, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर फरीदा ए. खान, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर माधवन के. पलाट, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
डॉ. मिहिर शाह, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य, जीएनसीटीडी द्वारा नामित
प्रोफेसर ए. के. शर्मा, यूजीसी द्वारा नामित
अधिष्ठाता (डीन), व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, विकास अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, डिजाइन स्कूल
अधिष्ठाता, शैक्षिक अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, मानव पारिस्थितिकी स्कूल
अधिष्ठाता, मानव अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, लिबरल अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, स्नातक अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, कानून, शासन और नागरिकता स्कूल

अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ लेटर्स
प्रोफेसर सलिल मिश्रा, लिबरल अध्ययन स्कूल, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर हनी ओबेरॉय वहाली, मानव अध्ययन स्कूल, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर गीथा वेंकटरमन, लिबरल अध्ययन स्कूल, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर चन्दन मुखर्जी, लिबरल अध्ययन स्कूल, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर राधारानी चक्रवर्ती, लिबरल अध्ययन स्कूल, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. सत्यकेतु सांकृत, एसोसिएट प्रोफेसर, कुलपति द्वारा नामित (4 अप्रैल 2016 तक)
डॉ. ओइनम हेमलता देवी, सहायक प्राध्यापक, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव)
8वीं बैठक 1 अप्रैल 2016 और 9वीं बैठक 31 जनवरी 2017 को संपन्न हुई ।

अध्ययन मंडल

विश्वविध्यालय ने निम्नलिखित स्कूलों के लिए अध्ययन मण्डल का गठन किया है–
व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
डिजाइन स्कूल
विकास अध्ययन स्कूल
शैक्षिक अध्ययन स्कूल
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल
लिबरल अध्ययन स्कूल
स्नातक अध्ययन स्कूल

वित्त समिति

प्रोफेसर श्याम बी मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, जीएनसीटीडी
प्रधान सचिव, वित्त विभाग, जीएनसीटीडी
डॉ. किरण दातार, प्रबंधन मंडल द्वारा नामित
प्रोफेसर जतिन भट्ट, प्रबंधन मंडल द्वारा नामित (03 नवम्बर 2016 से)
श्री जे. एर्नेस्ट सैम्यूएल रतनाकुमार, वित्त नियंत्रक (सचिव)
इस संबंध में 14वीं बैठक 11 अप्रैल 2016 को, 15वीं बैठक 27 सितंबर 2016 को तथा 16वीं बैठक 19 अक्टूबर 2016 को सम्पन्न हुई।

अधिष्ठान समिति

प्रोफेसर श्याम बी मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
डॉ. किरण दातार, प्रबंधक मंडल द्वारा नामित
प्रोफेसर अशोक नागपाल, कुलपति द्वारा नामित
प्रोफेसर जतिन भट्ट, कुलपति द्वारा नामित
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुल सचिव (सदस्य सचिव)
16 वी बैठक 19 अक्टूबर 2016 को सम्पन्न हुई।

विश्वविद्यालय के अधिकारी गण

कुलपति	**श्याम बी. मेनन**
उप कुलपति	**रिक्त**
अधिष्ठाता (डीन)/ओएसडी ऑफ स्कूल्स	
व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल	कुरियाकोस ममकूट्टम (22 मई 2016 तक) कार्तिक दवे (24 मई 2016 से)
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल	राजन कृष्णन
डिजाइन स्कूल	जतिन भट्ट
विकास अध्ययन स्कूल	सुमंगला दामोदरन
शैक्षिक अध्ययन स्कूल	वनिता कौल (09 दिसम्बर 2016 तक) श्याम बी मेनन (10 दिसम्बर 2016 से)
मानव पारिस्थितिकी स्कूल	अस्मिता काबरा
मानव अध्ययन स्कूल	अशोक नागपाल
लिबरल अध्ययन स्कूल	डेनिस पी लेटन
स्नातक अध्ययन स्कूल	रचना जौहरी
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल	जतिन भट्ट
लेटर्स स्कूल	राधारानी चक्रवर्ती
वोकेशनल स्टडीज स्कूल	आखा काइह्री माओ

डीन, प्रभाग

शैक्षिक सेवा प्रभाग	श्याम बी. मेनन
छात्र सेवा प्रभाग	कुरियाकोस ममकूट्टम (22 मई 2016 तक) संजय कुमार शर्मा (23 मई 2016 से)

आंकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति	गीथा वेंकटरमन (27 मई 2016 से)
योजना प्रभाग	प्रवीण सिंह
कुलसचिव	एम. ए. सिकंदर
वित्त नियंत्रक	जे. एर्नेस्ट सैम्युएल रतनाकुमार

अन्य अधिकारी गण

पुस्तकालय अध्यक्ष	देबल सी. कार
निदेशक, आईटी सेवा	चन्दन मुखर्जी
निदेशक, परिसर विकास	जतिन भट्ट
ओएसडी, करमपुरा परिसर	सत्यकेतु संकृत (26 मई 2016 से)

केंद्र के निदेशक

सामुदायिक ज्ञान केंद्र	संजय कुमार शर्मा
विकास प्रणाली केंद्र	अनूप कुमार धर
प्रारंभिक बाल विकास एवं शिक्षा केंद्र	वनिता कौल (09 दिसम्बर 2016 तक) सुनीता सिंह (10 दिसम्बर 2016 से)
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र	हनी ओबेरॉय वहाली
प्रकाशन केंद्र	राधरानी चक्रवर्ती
सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र	चन्दन मुखर्जी
शहरी पारिस्थितिकी और संधारणीयता केंद्र	सुरेश बाबू
एयूडी उद्‌भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र	एम. एस. फरूकी
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र	रिक्त

विश्वविद्यालय के स्कूल एवं केंद्र

मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अपने स्कूलों एवं केंद्रों के माध्यम से कार्य करता है। यह मुख्य रूप से व्यावसायिक विशेषज्ञता एवं ज्ञान संबन्धित क्षेत्रों पर आधारित है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जो आज के दौर में काफी प्रासंगिक हैं, बावजूद इसके अन्य विश्वविद्यालयों में इन क्षेत्रों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है।

वर्तमान में एयूडी में कुल बारह (12) स्कूल हैं। ये स्कूल सामाजिक विज्ञान कला, मानविकी, गणितीय विज्ञान एवं लिबरल अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान कार्यक्रम चला रहे हैं। ये स्कूल इस प्रकार हैं :

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
डिजाइन स्कूल
विकास अध्ययन स्कूल
शैक्षिक अध्ययन स्कूल
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल
कानून, शासन और नागरिकता स्कूल
लेटर्स स्कूल
लिबरल अध्ययन स्कूल
स्नातक अध्ययन स्कूल
वोकेशनल स्टडीज स्कूल

विश्वविद्यालय ने कई केंद्र भी स्थापित किए हैं। ये हाशिये के या उपेक्षित क्षेत्रों से संबन्धित विषयों के लिए शोध एवं ज्ञान प्रसार की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। एयूडी के केंद्र परियोजना आधारित अनुसंधान, नीति प्रतिपालन, क्षमता निर्माण तथा समुदायों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए विशिष्ट रूप से पहचाने जाते हैं। वर्तमान में एयूडी में निम्नलिखित केंद्र संचालित हो रहे हैं–

सामुदायिक ज्ञान केंद्र
विकास प्रणाली केंद्र
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र
एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र
प्रकाशन केंद्र
सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र
शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र

स्कूल और केंद्र 7 स्नातक, 16 स्नातकोत्तर, एक पीजी डिप्लोमा, 3 एमफिल और 4 पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय के प्रभाग

विश्वविद्यालय की संरचना मे कई प्रभाग शामिल हैं। ये विभिन्न कार्य करते हैं। प्रभाग इस प्रकार हैं–

पुस्तकालय सेवाएँ
सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएँ
छात्र सेवाएँ
आंकलन, मूल्यांकन और छात्र प्रगति
शैक्षिक सेवाएँ
मानव संसाधन
योजना प्रभाग
परिसर विकास
प्रशासन
सम्पदा
वित्त
अभिशासन

कश्मीरी गेट कैम्पस

2. विश्वविद्यालय के स्कूल

2.1. व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल को व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रबंधन, लोकनीति व सामाजिक उद्यमिता के प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया। इसका प्रयास, समाज व अर्थव्यवस्था के बृहत्तर संदर्भ के भीतर, व्यवसाय एवं लाभ की एक सर्वांगीण पद्धति विकसित करना है। यह स्कूल वर्ष 2012 से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर के रूप में दो वर्ष का पूर्णकालिक कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

व्यवसाय लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल उन परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने का कार्य करता है जिससे अंतर्विषयक माहौल बनाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे विभिन्न प्रकार के ज्ञान और विचारों के आदान–प्रदान मे सहयोग होता है।

व्यवसाय प्रबंधन स्नातकोत्तर कार्यक्रम

दो वर्षीय एमबीए कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के लिए प्रबन्धकों को व्यावसायिक शिक्षा देना, इस कार्य से जुड़े विश्व के तमाम अन्य कार्मिकों के ज्ञान एवं कौशल का उत्थान व नवीकरण करना है और नए उद्यम आरंभ करने हेतु प्रतिभागियों में प्रेरणा जागृत कर ज्ञान एवं कौशलों का विकास करना है। यह कार्यक्रम धन प्रबंधन के साथ–साथ धन सृजन पर भी ध्यान केन्द्रित करता है। एमबीए कार्यक्रम का पाठ्यक्रम नवोन्मेषी पाठ्यक्रम संरचना पर आधारित है, जिसमें प्रबंधन शिक्षा में नवीनतम विकासक्रम को शामिल किया गया है। नवीन प्रबंधन के सभी सिद्धांत और अवधारणाएँ प्रदान करने के साथ–साथ इस कार्यक्रम की विशिष्टता एक वृहत्तर समाज एवं उसकी अर्थव्यवस्था के संदर्भ में व्यवसाय एवं लाभ के प्रति आग्रही बनाना है। सैद्धांतिक अवधारणाओं की शिक्षा और अनुप्रयोग कौशलों का एक वातावरण तैयार करने के अतिरिक्त यह कार्यक्रम व्यावहारिक कौशलों के महत्व पर भी ध्यान देता है। दो वर्षीय एमबीए कार्यक्रम का उद्देश्य भविष्य के लिए प्रबन्धकों को व्यावसायिक शिक्षा देना, इस काम में लगे विश्व के अन्य कार्मिकों के ज्ञान एवं कौशल का उत्थान व नवीकरण करना और नए उद्दयम आरंभ करने हेतु भागीदारों में प्रेरणा जागृत करके ज्ञान एवं कौशलों का विकास करना है। यह कार्यक्रम शिक्षण के एकीकृत पद्धति को व्यवहार में लाता है जो कई प्रकार की शिक्षण पद्धतियों जैसे नमूना अध्ययन, अनुरूपण, वार्तालाप गतिविधियाँ, व्याख्यान, क्षेत्रिय अध्ययन आदि पर आधारित होता है।

इस कार्यक्रम से जुड़े विद्यार्थी अच्छे ढंग से प्रशिक्षित हैं जो अपने–अपने क्षेत्रों में एक बेहतर नेतृत्व क्षमता वाले प्रबन्धक और उद्यमी बनने की पूर्ण क्षमता रखते हैं। अकादमिक क्षेत्र के अलावा नीति निर्धारक, प्रबंध कौशल और इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हमेशा छात्रों के अध्ययन, प्रशिक्षण से जुड़े रहते हैं और उन्हें समय–समय पर बेहतर परामर्श देते हैं

जिसका मुख्य ध्यान अंतर्विषयक शिक्षण पर होता है। इस प्रकार की एक अनूठी पद्धति छात्रों को समाज, संस्कृति एवं व्यवसाय के क्षेत्र में व्यावहारिक स्तर पर होने वाले किसी भी प्रकार की जटिल समस्याओं को समझने में मददगार होती है ।

सहकार्यता (सहयोग)

अंतरराष्ट्रीय सहयोग हेतु स्कूल अन्य विश्वविद्यालयों से विचार–विमर्श कर रहा है। बोलयाई विश्वविद्यालय, क्लूज नापोका, रोमानिया में कार्तिक दवे तथा निधि केकर ने मार्च 2017 में ट्रांसिल्वेनिया बिजनस स्कूल में वहाँ के छात्रों को पढ़ाया । इसके साथ साथ भविष्य में शोध कार्यों में सहयोग तथा छात्रों के एक्स्चेंज प्रोग्राम की संभावनाओं पर भी विचार–विमर्श किया गया।

शोध–परियोजनाएँ

निधी केकर, इंटरनेशल फंड फॉर एग्रिकल्चर डेवलपमेंट, रोम, के सहयोग से एशिया पैसिफिक प्रभाग द्वारा निकाली जाने वाली रीजनल आउटलुक रिपोर्ट के लिए सलाहकारी परियोजना में शामिल हुईं, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य–सुरक्षा तथा ग्राम सुधार के लिए अध्ययन की प्रष्टभूमि तैयार की गयी ।

प्रस्तुतियाँ

अंशु गुप्ता : 8–10 फरवरी 2017 को एमिटी यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोयडा में एमिटी अंतर्विषयक शोध केंद्र तथा विश्वसनीयता संगोष्ठी में "क्वालिटी मैनेजमेंट इन द एनोडाइजिंग स्टेज ऑफ द अम्प्लीफायर प्रोडकशन प्रौसेस : ए सिक्स सिग्मा मेथोडोलोजी" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 19–21 दिसम्बर 2016 को बैंगलौर में आपरेशनल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया, बैंगलौर द्वारा आयोजित आईसीबीएआई के चौथे संगोष्ठी में "इफैक्ट ऑफ डाइनैमिक मार्केट साइज ऑन ओप्टिमल प्रोमोशन ड्यूरेशन अंडर द मास एंड सेगमेंट ड्रिवेन प्रोमोशन स्ट्रटेजिज" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कांचरला वैलेंटिना : डिपार्टमेंट ऑफ ट्राईबल स्टडीज ऑफ द इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट , दिल्ली द्वारा 4–5 फरवरी 2017 को आयोजित 'ट्राइबल राइट्स इन इंडिया एंड डिमांड फॉर डेव्लपमेंट विथ डिग्निटी' नामक संगोष्ठी में पैराडोक्स ऑफ डेव्लपमेंट वर्सेस ट्राइबल राइट्स : एन एम्पेरिकल स्टडी ऑफ आदिवासीज डिस्प्लेस्ड ड्यू टू ओपेन कास्ट कोल माइनिंग बाइ सिंगारेनी कोललेरीस लिमिटेड इन तेलंगाना स्टेट" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : जामिया मिल्लिया इस्लामिया में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 1–2 मार्च 2017 को आयोजित संगोष्ठी में "कॉन्फ्लिक्टिंग रोल ऑफ द स्टेट एज ए कस्टोडीयन एंड वायलेटर ऑफ ह्यूमन राइट्स इन इंडिया" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कृतिका माथुर : अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 29–31 जुलाई 2016 को आयोजित वर्लड

फाइनेंस कॉन्फ्रेंस में "डायनामिक्स ऑफ डे–अहेड ट्रेडिंग ऑफ ईलेक्ट्रिसिटी इन इंडिया" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

रिचा अवस्थी ने 24–27 अगस्त 2016 को "पार्टीसीपेटरी एक्शन रिसर्च इन इंडियन कांटेक्स्ट : ए केस स्टडी" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसे उनके सहयोगी अमित ने आईओडीए द्वारा आयोजित वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस 2016 में प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अंशु गुप्ता ने 11–13 फरवरी 2017 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, हरियाणा में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी "स्टेटिस्टिक्स एंड ऑप्टिमाइजेशन टेकनिक्स", जो की आईएआरएस के साथ भारत मे दूसरी संगोष्ठी में 'ऑप्टिमाइजेशन मॉडेल्स फॉर प्लेसमेंट ऑफ एडवरटाइजमेंट्स ऑन ए पिक्सेलेटेड वेब बैनर' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

–––––– एस.पी. जैन प्रबंधन एवं शोध संस्थान, एवं हावर्ड बिजनेस पब्लिशिंग, जेन्पैक्ट, गुरुग्राम में 31 मार्च– 1 अप्रैल 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी "टीचिंग विथ सिम्यूलेशन्स" में हिस्सा लिया।

कालिंदी माहेश्वरी ने 21–22 अप्रैल 2016 को 'संबोधी' द्वारा ललित होटल, दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन "इम्पैक्ट इवोल्यूशन" में हिस्सा लिया।

कार्तिक दवे ने ई–गेलेक्टिक, पुणे द्वारा 25–26 नवंबर 2016 को आयोजित एक कार्यशाला "मार्क्स्ट्राट सिम्युलेशन" में हिस्सा लिया।

कृतिका माथुर ने 21–22 अप्रैल 2016 को संबोधी द्वारा ललित होटल, दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन "इम्पैक्ट इवोल्यूशन" में हिस्सा लिया।

–––––– हावर्ड बिजनेस पब्लिशिंग, एवं एस.पी.जैन प्रबंधन एवं शोध संस्थान, के सहयोग से गुरुग्राम में 31 मार्च– 1 अप्रैल 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी "टीचिंग विथ सिम्यूलेशन्स" में हिस्सा लिया।

निधि केकर ने विश्व जीविका वेतन गंठबंधन के लिए कालीन उद्योग भदोई, उत्तर प्रदेश द्वारा दिये गए परिपेक्ष में अस्थाई मजदूर संगठन का अध्ययन किया।

–––––– आईएफएडी द्वारा बैंगकॉक, थाईलैंड में 15–16 नवंबर 2016 को आयोजित एक कार्यशाला "एशिया एंड द पेसिफिक रुरल डेवलपमेंट आउटलुक" में हिस्सा लिया।

–––––– 21–22 अप्रैल 2016 को संबोधी द्वारा ललित होटल, दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन "इम्पैक्ट इवोल्यूशन" में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

ब्रिटिश परिषद के अनुदान से डिजाइन स्कूल द्वारा 11–13 मई 2016 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं इंडिया हेबिटेट सेंटर में "सोशल इंटरप्राइज एजुकेशन प्रोग्राम इन इंडिया" सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आईआईसी, दिल्ली में 23 सितंबर 2016 को आयोजित सीएफओ सम्मेलन "मैनेजिंग रिस्क इन ए डायनामिक मार्केट" का आयोजन किया गया।

आईएचसी, दिल्ली में 24 अगस्त 2016 को "इज देयर ए नीड़ फॉर इंडिया स्पेसिफिक रिसर्च इन मैनेजमेंट" विषय पर विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में मार्च 2017 में एमबीए प्रोग्राम के छात्रों ने रक्त दान शिविर, कैंसर जागरूकता परिचर्चा, इन्टरनेट शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया।

मौखिक अभ्यास शृंखला के तहत 30 विशेष व्याख्यान–माला का आयोजन किया गया।

9 नवम्बर 2016 को शिव नादार स्कूल के अध्यापक ओ.पी. प्रजापति द्वारा काव्य–रचना तथा चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

स्कूल के पूर्व छात्र समिति ने एमबीए के छात्रों के साथ 15 जनवरी 2017 को खेल–कूद कार्यक्रम का आयोजन किया।

9 नवम्बर 2016 को सामूहिक दिवाली मेला का आयोजन किया गया जिसमें बिक्री से प्राप्त आमदानी से सुरक्षाकर्मियों एवं गृह–प्रबंधन कर्मचारियों के लिए उपहार खरीदे गए।

4–5 नवम्बर 2016 को औडेसिटी (AUD@city) में इंटरनेशनल बिजनस स्ट्रेटजी कोर्स के अंतर्गत एक नए उत्पाद के लॉच का मिथ्याभास किया गया।

आईआईसी, दिल्ली में 23 सितंबर 2016 को आयोजित सीएफओ सम्मेलन "मैनेजिंग रिस्क इन ए डायनामिक मार्केट" का आयोजन किया गया।

आईएचसी, दिल्ली में 24 अगस्त 2016 को "इज देयर ए नीड फॉर इंडिया स्पेसिफिक रिसर्च इन मैनेजमेंट" विषय पर विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में मार्च 2017 में एमबीए प्रोग्राम के छात्रों ने रक्त दान शिविर, कैंसर जागरूकता परिचर्चा, इन्टरनेट शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया।

मौखिक अभ्यास शृंखला के तहत 30 विशेष व्याख्यान–माला का आयोजन किया गया।

9 नवम्बर 2016 को शिव नादार स्कूल के अध्यापक ओ. पी. प्रजापति द्वारा काव्य–रचना तथा चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

स्कूल के पूर्व छात्र समिति ने एमबीए के छात्रों के साथ 15 जनवरी 2017 को खेल–कूद कार्यक्रम का आयोजन किया।

9 नवम्बर 2016 को सामूहिक दिवाली मेला का आयोजन किया गया जिसमें बिक्री से प्राप्त आमदानी से सुरक्षाकर्मियों एवं गृह–प्रबंधन कर्मचारियों के लिए उपहार खरीदे गए।

4–5 नवम्बर 2016 को औडेसिटी (AUD@city) में इंटरनेशनल बिजनस स्ट्रेटजी कोर्स के अंतर्गत एक नए उत्पाद के लॉच का मिथ्याभास किया गया।

26 अक्टूबर 2016 को स्कूल ने "रेस्पोंसिबल बैंकिंग इन इंडिया : डायलॉग ऑन बेस्ट पॉलिसिज एंड प्रैक्टिसेज" विषय पर एक परिचर्चा का आयोजन किया।

10 फरवरी 2017 को वाद–विवाद, क्विज कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गई।

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने 15 सितंबर 2016 को हावर्ड ऑनलाइन लीडरशिप एंड टीम सिम्युलेशन : एवरेस्ट कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

जमघट एनजीओ द्वारा संस्थानिक सेवा कार्यक्रम के रूप में दो बार स्टाल लगाया गया तथा उससे प्राप्त आमद को उनकी गतिविधियों में खर्च किया गया।

औडेसिटी (AUD@city) के तहत 4 नवंबर 2016 को 'चक्रव्यूह' – एसबीपीपीएसई का ध्वजपोत कार्यक्रम – आयोजित किया गया।

धरम पाल द्वारा द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए अक्टूबर 2016 से जनवरी 2017 तक कैप्सटोन बिजनेस सिम्युलेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इनोसर्व सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संस्थापक–निदेशक राहुल जैन ने 16 दिसंबर 2016 को डिजिटल मार्केटिंग कार्यशाला का आयोजन किया।

क्षेत्र अध्ययन

26 अक्टूबर 2016 को इनलैंड कंटेनर पटपरगंज, दिल्ली, के लिए क्षेत्र अध्ययन का आयोजन किया गया।

पूर्ववर्ती छात्र संघ (AUDBAA) के सदस्यों के साथ अवारा एडवेंचर फार्म (राइसीना गाँव) में 6 नवंबर 2016 को क्षेत्र अध्ययन का आयोजन किया गया।

20 नवम्बर 2016 को छात्रों ने 'सेबी' (SEBI) द्वारा आयोजित भारतीय अंतराष्ट्रीय व्यापार मेला, प्रगति मैदान, दिल्ली, में किसानों के लिए व्यापार सामाग्री के महत्व तथा उस पर नोटबंदी के प्रभाव के ऊपर एक परिचर्चा में भाग लिया।

31 जनवरी 2017 को रामनगर के समीप कालागढ़ के लिए क्षेत्र यात्रा का आयोजन किया गया।

22 फरवरी 2017 को सलाम बालक ट्रस्ट के सहयोग से विविधता तथा अंतर सांस्कृतिक प्रबंधन (डाइवर्सिटी एंड इंटरकल्चरल मैनेजमेंट) के विकल्प को चुनने वाले छात्रों ने चाँदनी चौक क्षेत्र का दौरा किया ।

नियोजन सहायता

प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण परियोजना के लिए चुने गए। द्वितीय वर्ष के कुछ छात्र भी कैम्पस प्लेसमेंट गतिविधि के लिए चुने गए। स्कूल के कैम्पस प्लेसमेंट की संस्कृति को विकसित करने तथा स्कूल द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु हमेशा प्रयत्नशील रहने के क्रम में,संकाय प्लेसमेंट सलाहकार, छात्रों को अपने व्यक्तित्व विकास तथा वाक् कौशल को बढ़ाने की सलाह देते हैं। इसके लिए विभिन्न प्रकार के कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें खेल, नाटक आदि के द्वारा छात्रों के व्यक्तित्व को निखारने का प्रयास किया जाता है।

द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए वर्ष 2016 में 12 से 17 दिसंबर के बीच नियोजन तैयारी सप्ताह का आयोजन किया गया। इसके लिए पेशेवर तथा उस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा साक्षात्कार की तैयारी तथा कई अन्य मूल्यवान गतिविधियों का आयोजन किया गया।

संस्कृति, खाद्य, व्यापार और समाज में विषमता को समझने के लिए परियोजना

2.2. सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

स्कूल निम्नलिखित विषयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम उपलब्ध कराता है : (1). दृश्य कला, (2). साहित्य कला : सृजनात्मक लेखन, (3). अभिनय अध्ययन एवं (4). फिल्म अध्ययन। इन कार्यक्रमों में ऐतिहासिक और सैद्धांतिक शिक्षा प्रदान करते हुए शोध उन्मुखी एवं प्रायोगिक अभ्यासों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिनमें विवेचनात्मक अध्ययन–पठन और अभ्यास अनिवार्य होते हैं। इनमें सृजनात्मकता से संबद्ध क्षेत्रों में भी शिक्षा और कौशल प्रदान किए जाते हैं।

एम.ए. फिल्म अध्ययन

यह कार्यक्रम भारत में सिनेमा का अध्ययन करने के लिए सुरुचिपूर्ण श्रेष्ठता और कलात्मक उत्कृष्टता के किसी पूर्व–निर्धारित पदानुक्रम के बिना वैश्विक तुलनात्मक विधा को अपनाने की कोशिश करता है। यह कला के रूप में फिल्म की दार्शनिक समझ और सांस्कृतिक अध्ययन के अंतराल को पाटना चाहता है। इसके लिए यह बेंजामिन, क्रेकाउर और डेल्यूज की समृद्ध सैद्धांतिक विरासत के माध्यम से फिल्मों की संचार मीडिया की भूमिका को समझता है और उसी नजरिये से फिल्मों मे कला और सांस्कृतिक दोनों ही पहलुओं को दर्शाता है। यह कार्यक्रम मानता है कि भारत में बहु–स्तरीय फिल्म निर्माण पर विशेष ध्यान देने के लिए बॉलीवुड के अध्ययन पर अतिरिक्त जोर नहीं देना चाहिए, जिससे कि भारत में फिल्म संस्कृति की बहुलता को ग्रहण किया जा सके। यह कार्यक्रम सिनेमा के ऐतिहासिक,मनोवैज्ञानिक तथा शास्त्रीय विश्लेषण की अंतर्निहित प्रकृति के लिए देश के सामाजिक एवं राजनीतिक इतिहास पर भी ध्यान केन्द्रित करता है।

एम.ए. साहित्य कला : सृजनात्मक लेखन

इस कार्यक्रम ने भारत में सृजनात्मक लेखन के अध्यापन की शुरुआत की है। विशेष तौर पर यह कार्यक्रम छात्रों में व्यावहारिक तथा साहित्यिक लेखन के सिद्धांतों पर ध्यान केन्द्रित करता है। यह लेखक की व्यक्तिगत साहित्यिक प्रकृति पर गहराई से प्रभाव डालते हुए उसके ऐतिहासिक, सामाजिक एवं अस्तित्व संबंधी ज्ञान की सीमा को कल्पनात्मक रूप प्रदान करने की कोशिश करता है। यह सिर्फ अँग्रेजी भाषा में दक्ष छात्रों को तैयार करने की जगह उन्हें पूरक कौशल के रूप में उपमहाद्वीप और यूरोप की कई भाषाओं की साहित्यिक जानकारी देकर शिक्षित करता है। यह कार्यक्रम छात्रों की रचना पद्धति, मीडिया (नृत्य, फिल्म, रंगमंच व दृश्य कला) एवं ऐतिहासिक व भौगोलिक सीमाओं को व्यापकता तथा नवीनता प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

एम.ए. अभिनय अध्ययन

एमए अभिनय अध्ययन कार्यक्रम एयूडी एवं भारत का एक अनूठा कार्यक्रम है। यह न सिर्फ अभिनय की व्यापकता पर केन्द्रित है बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन का

एक केंद्रीय तत्व भी है। इसमें रंगमंच और नृत्य ही शामिल नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के रीति–रिवाज व प्रथाएँ अग्रगामी अभिनय कला, लोकप्रिय मनोरंजन, खेल, राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं संभावित रूप से भावपूर्ण व्यवहार या सांस्कृतिक अधिनियमन की कोई भी प्रेरणा शामिल हो सकती है। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की संस्कृति एवं विरासत में मौजूद समृद्ध और विविध अनुभवों को ध्यान में रखकर उसमें मौजूद संभावनाओं के क्षेत्र में छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है।

एम.ए. दृश्य कला

दृश्य कला कार्यक्रम लिबरल आर्ट्स के शिक्षण में आ रही समस्याओं पर ध्यान केन्द्रित करता है। इसी कारण यह नए शैक्षणिक मॉडल की आवश्यकता पर जोर देता है। यह कार्यक्रम अंतर्विषयक प्रकृति के विभिन्न अवदानों को कौशल। पद्धतिगत ढांचे, वैचारिक सोच, सैद्धांतिक व ऐतिहासिक ज्ञान, सामाजिक–राजनीतिक जागरूकता और नैतिक अखंडता के साथ एकीकृत करने का प्रयास करता है।

पीएचडी

स्कूल भारत में पहली बार दृश्य कला, साहित्य कला तथा फिल्म अध्ययन में पीएचडी कोर्स भी उपलब्ध करा रहा है।

सम्मान

दीपन शिवरमन, वायला वासुदेवन पिल्लई स्मारक सम्मान (कनाल–वायला सम्मान) 2017, से सम्मानित किए गए।

प्रस्तुतियाँ

अनीता ई. चेरियान : सूक्म्युंग विश्वविद्यालय, सियोल, दक्षिण कोरिया, में 6 जुलाई 2016 को आयोजित 9वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में "रीडिफायनिंग द पब्लिक, नेचुरलाइजिंग द प्राइवेट : द रीवायरिंग ऑफ कल्चरल पॉलिसी डिस्कोर्स इन इंडिया, 1989–2005" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

बेनिल बिस्वास : आईजीएनटीयू अमरकंटक, मध्य प्रदेश में 2–4 सितंबर 2016 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "दलितध्आदिवासी साहित्य और समाज में उभरती नई अस्मिता" में "बिटवीन रेडिकल एस्थेटिक्स, इम्बॉडीड मेमोरीज एंड परफोर्मेंस ऑफ आइडेंटिटीज : कोबी गान एज ए मोड ऑफ मटुआध्नमासुद्र कल्चरल एस्सरशन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

––––– : 1–2 दिसम्बर 2016 को सेंट पॉल केथेडरल मिशन कॉलेज, कोलकाता के अँग्रेजी विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ओरैलिटी, औरैलिटी एंड इम्बॉडीड मेमोरीज : हिस्टोरीसईजिंग कास्ट थ्रू नामासुद्र परफॉरमेंस" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : फ्लेम विश्वविद्यालय, पुणे में 21—22 जनवरी 2017 को आयोजित दक्षिण एशिया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र 2017 में "फिनोमेनोलॉजी ऑफ ए रेडिकल एस्थेटिक्स : इम्बॉडीड मेमोरीज एंड एनमेष्ड 'शब्द—ओ—संगीत' इन कोबी गान फ्रॉम द मटुआ/नामासुद्र परफॉरमेंसरेपेट्र्वा" विषय पर अपना शोध—पत्र प्रस्तुत किया।

——— : अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 2 मार्च 2017 को संगीत पर आयोजित संगोष्ठी 'रेफ्राईन' में "बिटविन रेडिकल एस्थेटिक्स, इम्बॉडीड मेमोरीज एंड परफोर्मेंस ऑफ आइडेंटिटीज : कोबी गान एज ए मोड ऑफ मटुआ/नमासुद्र कल्चरल एस्सरशन" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मे 22—23 मार्च को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "परफॉरमेटिविटी ऑफ बीइंग ए रिफ्यूजी ऑर द पैरेबल ऑफ अनटचेबलिटी : द नामासुद्र एक्सपेरिएंस" विषय पर अपना शोध—पत्र प्रस्तुत किया।

दीपन शिवरमन : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के 9वें भारत रंग महोत्सव में 16 फरवरी 2017 को 'एक्टर एंड डिजाइन' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राजन कृष्णन : डेलेयूज स्टडी सर्किल तथा टीआईएसएस मुंबई द्वारा मुंबई में 16—17 फरवरी 2017 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "सिग्निफाइंग टाइमः रिटैरिटोरिलाइजिंग डेलेयूज ऑन टू इंडियन सिनेमाज एंड डिटैरिटोरिलाइजिंग इंडियन फिल्म ईमेजेज फॉर ग्लोबल थॉट" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया

शेफाली जैन : जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, दिल्ली में 14—16 सितंबर 2016 को अनुवाद अध्ययन पर आयोजित संगोष्ठी में "विक्लांग : परफॉरमिंग लैंगवेज अँड कृपिंग मोडेर्नीटी थ्रू ट्रांसलेशन" विषय पर अपना शोध—पत्र प्रस्तुत किया।

शिवाजी के. पणिक्कर : 4—6 अप्रैल 2016 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, राष्ट्रपति निवास, शिमला में आयोजित संगोष्ठी में "इंटिमेसी एंड बिलोंगिंग अंडर ड्यूरेस : द क्राइसिस इन द क्वीयर एक्सप्रेसिव प्रैक्टिकेस (द रिजेक्शन ऑर द फेलिंग ऑफ क्वीयर आर्ट)" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : लंदन में 10—11 जून को आयोजित "'क्वीयर' एशिया डाइवर्सिटी कंटेस्टेशन्स एंड डेवलपमेंट्स" नामक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "आर्ट ऑफ फेल्योरः द क्राइसिस इन द एक्स्प्रेसिव प्रैक्टिस ऑफ ए गे पेंटरय भूपेन खाकर अमंग फ्रेंड्स एंड विदिन द एलिटिस्ट आर्ट वर्ल्ड" विषय पर अपना शोध—पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान/उपलब्धियाँ

अनीता ई. चेरियन ने सूक्म्यूंग विश्वविद्यालय, सिओल, दक्षिण कोरिया में 6 जुलाई 2016 को आयोजित 9वें अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में एशिया की सांस्कृतिक नीति पर अपना व्याख्यान दिया तथा 'आर्टिस्ट पॉलिसी' सत्र के परिचर्चा में भाग लिया।

——— : ने ऑडबर्ड थियेटर, छत्तरपुर, दिल्ली में 16 अक्टूबर 2016 को आयोजित इग्नाइट फेस्टिवल ऑफ कोंटेमपररी डांस, सम्मेलन में एक सत्र 'टिल्ट पौज शिफ्टः डांस इकोलोजिज इन इंडिया' की परिचर्चा में भाग लिया।

——— : ने अट्टाकलरी, बैंगलौर में 3–7 फरवरी 2017 को आयोजित संगोष्ठी 'अट्टाकलरी इंडिया बाइनियल 2017' में व्याख्यान दिया तथा एक सत्र की परिचर्चा में भाग लिया,'डांस लेबॉरेटरी' विषय पर आलेख लिखा।

बेनिल बिस्वास ने हारवर्ड यूनिवर्सिटी के मेल्लोन स्कूल ऑफ थियेटर एंड परफॉरमेंस रिसर्च से अनुदान प्राप्त किया तथा 6–17 जून 2016 को स्कूल थीम में 'सेक्रेड एंड प्रोफेन' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

——— : ने सृष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट, बेंगलोर में 27 जून से 1 जुलाई 2016 को आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय ओरल हिस्ट्री असोशिएशन कोन्फरेंस में 'डिजाइन एंड टेक्नॉलॉजी', बेंगलोर "ओरैलिटी औरैलिटी एंड इम्बॉडीड मेमोरीजः हिस्टोरीसाईजिंग कास्ट थ्रू नामासुद्र परफॉरमेंस" कार्यक्रम आयोजित किया।

——— : ने फोरे स्कूल ऑफ मेनेजमेंट, नई दिल्ली में 12–13 जुलाई 2016 को 'कल्चर एंड इट्स रेलेवेन्स' विषय पर व्याख्यान माला प्रस्तुत किया।

——— : ने 8 अक्टूबर 2016 को आकाशवाणी के दिल्ली केंद्र से प्रसारित कार्यक्रम में 'भारतीय लोक नाट्यशाला' पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

——— : ने ऋषि बंकिम चंद्र सांध्य महाविद्यालय, नैहाटी के इतिहास विभाग तथा इंडियन एशोसियन फॉर एशियन एंड पैसिफिक स्टडीज, कोलकाता के सहयोग से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सानिध्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 14 दिसम्बर 2016 को 'आर्कियोलोजी ऑफ ए नेशन एंड द बिलोंगिंगनेस परफॉर्म्ड : कोबी गान फ्रॉम नामासुद्र' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : ने नामासुद्र थिंकर्स एंड एक्टिविटीज फोरम कोलकाता में 18–19 फरवरी 2017 को आयोजित नामासुद्र हिस्ट्री कॉंग्रेस में "फेनोमेनोलोजिज ऑफ ए रेडिकल एस्थेटिक्स, इमबोडिड मेमोरीज एंड परफोर्मेंस ऑफ आइडेंटिटीज : कोबी गान एज ए मोड ऑफ मटुआ/नामासुद्र परफॉरमेंस रेपेट्र्वा" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : ने केरल में 24 फरवरी 2017 को आयोजित 9वें केरल इन्टरनेशनल थियेटर फेस्टिवल, त्रिस्शुर में 'द केबिनेट ऑफ डॉ. कलीगरी' नामक नाटक में अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निभाई।

——— : ने गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज किल्लिमंगलम, केरल में 25 फरवरी 2017 को 'रियलिज्म एंड थियेटर' विषय पर व्याख्यान दिया।

दीपन शिवरमन ने निर्देशक नीलम मानसिंह चौधरी के साथ राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली में 23 अगस्त 2016 को 'नेक्ड वॉइसेस' नामक एक नाट्य–प्रस्तुति की जो सआदत हसन मंटो की लघु कथा पर आधारित है।

—————— : ने वुज़्हेन इंटरनेशनल थियेटर फेस्टिवल, संघाई, चीन में 21 अक्टूबर 2016 को 'यूज ऑफ ट्रेडीशन इन मॉडर्न एशियन थियेटर' विषय पर आयोजित परिचर्चा में भाग लिया।

—————— : ने निर्देशक अभिषेक पिल्लई के साथ सर्कस थियेटर प्रदर्शन 'तलातुम' (विलियम शेक्सपियर के नाटक 'टेम्पेस्ट' पर आधारित) की प्रस्तुति की। सेरेनदीप्ति आर्ट ट्रस्ट द्वारा निर्मित इस प्रदर्शन को 15 दिसंबर 2016 को गोवा में सर्वप्रथम प्रदर्शित किया गया।

—————— : ने 13 फरवरी 2017 को केरल इंटरनेशनल थियेटर फेस्टिवल (आईटीएफओके) में हिस्सा लिया।

—————— : ने 7 मार्च 2017 को महिंद्रा एक्सलेन्स थियेटर अवार्ड के निर्णायक (जूरी) मण्डल में शामिल हुए।

राजन कृष्णन ने 13–15 फरवरी 2017 को डेलेयूज स्टडी सर्किल, इंडिया तथा टीआईएसएस के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के कैंप सत्र में 'एस्थेटिक एंड द पॉलिटिकल इन कंटेंपररी इंडिया" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संतोष एस. ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के तुलनात्मक साहित्य केंद्र में 28–29 नवंबर 2016 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'ह्यूमन साइन्स एंड द फ्यूचर ऑफ द यूनिवर्सिटी' में 'द डिससेन्सुअल पैराडाइम' विषय पर अपना आख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : ने कोच्चि में 10–12 मार्च 2017 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'द फ्यूचर ऑफ इंडियन आर्ट एजुकेशन' में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : ने डॉ. भाऊ दाजी लाड मुंबई सिटी म्यूजियम, मुंबई में 2–4 सितंबर 2016 को 'कंटेंपररी क्रिटिकल थ्योरी' पर अपने तीन व्याख्यान दिये।

—————— : ने फाउंडेशन फॉर इंडियन कंटेंपररी आर्ट तथा प्रो–हेलवेटिया, स्विस आर्ट काउंसिल द्वारा आयोजित इमर्जिंग आर्टिस्ट अवार्ड 2016 के चयन के लिए निर्णायक मण्डल में शामिल हुए।

—————— : ने श्रीनगर बाइनियल बासिल 2016–17 के ज्यूरी मेम्बर (निर्णायक समिति) में शामिल हुए।

शिवाजी के. पणिक्कर ने पांडुचेरी विश्वविद्यालय के यांत्रिक मीडिया और जनसंपर्क विभाग में 8–9 मार्च 2017 को शोध छात्रों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 'विजुअल कल्चर रिसर्च थ्योरी एंड प्रैक्टिसेज' का आयोजन किया।

शेफाली जैन खोज तथा सहयोग के लिए एक ऑनलाइन फोरम www.bluejackal.net की सह–स्थापक बनी।

कार्यक्रम/गतिविधियां

मंदीप राइखी तथा सैंडबॉक्स कलेक्टिव के अन्य कलाकारों के सम्मिलित प्रयास से 17 अगस्त 2016 को 'क्वीन साइज ए कोरियोग्राफिक रेस्पोंस टू सेक्शन 377' प्रदर्शनी आयोजित की गई।

स्वर्णमाल्या गणेश ने 7 सितंबर 2016 को भरतनाट्यम नृत्य के इतिहास पर एक व्याख्यानध्प्रदर्शन का आयोजन किया।

पीटर मार्क्स ने 16 सितंबर 2016 को 'हाउ टु राइट थियेटर हिस्ट्री इन ए डिजिटल ऐज" विषय पर अपना गंभीर वक्तव्य दिया।

विशाल रावले ने 21 सितंबर 2016 को मोबाइल फोन एप तथा सेंसर के संबंध में आख्यान प्रस्तुत किया।

सुरभि शर्मा ने 19 अगस्त 2016 को मौनराग, 28 सितंबर 2016 को डॉलर सिटी, तथा 7 अक्टूबर 2016 को जहाजी फिल्म प्रदर्शनी का आयोजन किया।

नीलम मानसिंह ने 10 फरवरी 2017 को 'डिविसिंग थिएयटरः प्रोसैस एंड कोलेबोरेशन' विषय पर आख्यान प्रस्तुत किया।

रिचर्ड एच. मैडो तथा अजीत कुमार पटेल ने 17 फरवरी 2017 को इंडस सिविलाइजेशनः मिथ एंड रियलिटी' तथा 'साउथ एशियन कॉट्रिब्यूशन टू एनिमल डोमेस्टीकेशन इन प्रि हिस्ट्री' विषय पर आख्यान प्रस्तुत किया।

मोलोयश्री हाशमी और सुधन्वा देशपांडे ने 10 मार्च 2017 को जन नाट्य मंच में 'शेपिंग ए पॉकेट ऑफ रेसिस्टेंस' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कृस्ज़्टिना लङ्क्ज्कोर और गबोर लङ्क्ज्कोर ने 15 मार्च 2017 को '20वीं शताब्दी के पहले दौर में यूरोपियन सोलो फ्लूट पीसेस' विषय पर आख्यान प्रस्तुत किया।

31 मार्च– 1 अप्रैल 2017 को आर वी रमानी की डॉक्यूमेंटरी फिल्म संग्रह की प्रदर्शनी तथा परिचर्चा का आयोजन किया।

एमए विजुअल आर्ट्स डिस्प्ले

2.3 डिजाइन स्कूल

एयूडी का डिजाइन स्कूल अपनी संकल्पना में विशिष्ट है– भारत में यह पहली बार है कि डिजाइन शिक्षा को मानविकी एवं समाज विज्ञान में संस्थागत रूप से सन्निहित और संबद्ध किया गया है। डिजाइन की मुख्य विशेषताओं को सामाजिक स्तर पर जटिल समस्याओं, आवश्यकताओं एवं क्षेत्रों से जोड़ने की दृष्टि से स्कूल का मानविकी एवं समाज विज्ञान विश्वविद्यालय के भीतर अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। वस्तु–केन्द्रित डिजाइन को पुनः 'सामाजिक' पर केन्द्रित कर डिजाइन स्कूल नए परिणामों, सेवाओं, प्रणालियों, अंतराफलकों और दृश्य–विधानों के जरिये सुशिक्षित, संवेदनशील, सशक्त और संतुलित समुदायों के निर्माण का विचार रखता है। तेजी से बदलते, परस्पर गहराई तक जुड़े स्थानीय एवं वैश्विक परिदृश्य से मिली विभिन्न प्रकार की चुनौतियों को सृजनात्मक ढंग से पूरा करने के लिए यह विन्यास डिजाइन शिक्षा एवं कार्य प्रणाली की पुनरकल्पना का एक अवसर प्रदान करता है। वहीं, डिजाइन स्कूल डिजाइन के माध्यम से सामाजिक कार्यकलाप के जरिये समतामूलक, न्यायविहित एवं स्थायी समाज के निर्माण मे एयूडी के अधिदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है।

स्कूल पूरे विश्व में डिजाइन शिक्षा एवं प्रणाली के भीतर प्रचलित विशेषताओं के प्रति प्रश्न पूछने, प्रचलित पाठ्यक्रम संरचनाओं एवं अध्यापन विधियों की पड़ताल करने और भारतीय संदर्भ में डिजाइन की एक बृहत्तर भूमिका एवं संभावना पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली पर ध्यान देने के साथ–साथ स्कूल का लक्ष्य डिजाइन के छात्रों को नई सेवा प्रणालियों, अंतराफलकों, उत्पादों और उद्यमों की संकल्पना की चुनौतियों को दूर करने हेतु तैयार करना है।

एसडीज की कल्पना डिजाइन शिक्षा को स्नातक स्तर से एम.फिल/पीएचडी स्तर तक पहुंचाने के लिए एक अभ्यास एवं शोध आधारित स्कूल के रूप में की जाती है। मौजूदा सामाजिक डिजाइन कार्यक्रम के अलावा स्कूल भविष्य में सेवा डिजाइन, डिजाइन समीक्षा, डिजाइन सिद्धांत, डिजाइन इतिहास और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम तथा उसके अनंतर स्नातक कार्यक्रम और अंततः एमफिल/पीएचडी कार्यक्रम प्रस्तुत करना चाहता है।

एमए सामाजिक डिजाइन

सामाजिक डिजाइन में एमए कार्यक्रम ढाई वर्षों का एक पूर्णकालिक गहन, अभ्यास एवं अनुप्रयोग उन्मुखी कार्यक्रम है, जिसका केंद्र समाज से जुड़ी समस्याएँ और परिस्थितियाँ हैं। भागीदारी एवं सह–सर्जना विधियों के माध्यम से समावेशन, पहुँच, समानता और अवसरों के गंभीर मुद्दों के सृजनात्मक ढंग से निदान हेतु इसमें अभिकल्प विधाओं की विशिष्ट विधियों,उपकरणों और पद्धतियों को समाज विज्ञान की पद्धतियों, विधियों और उपकरणों में सम्मिलित किया जाता है। समाज की गंभीर समस्याओं (समानता,

पहुँच, सहभागिता, समावेशन एवं अवसर) जो समुदायों, संस्थाओं, संगठनों व राज्यों में सन्निहित हो सकती है। इन समस्याओं के निदान हेतु कार्यक्रम में आवश्यक उद्यमिता क्षमताओं एवं नेतृत्व गुण के साथ छात्रों को तैयार करने पर बल दिया जाता है।

सहकार्यता (सहयोग)

तीन वर्षीय अकादमिक 'इरेस्मस प्लस स्टाफ मोबिलिटी' कार्यक्रम के अंतर्गत प्राध्यापक वर्ग व छात्रों के विनिमय कार्यक्रम (एक्स्चेंज प्रोग्राम) हेतु स्कूल ने ग्लास्गो स्कूल ऑफ आर्ट, यूके के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस परियोजना की अवधि 2015–2017 की है, जो यूरोपियन संघ से वित्तपोषित है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

जतिन भट्ट एवं ऐलूनेड एडवर्ड्स को उनकी परियोजना 'सस्टेनिंग कल्चर इन लोकल एन्वाय्रमेंट्स', नौटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी में ब्रिटिश अकादमी द्वारा तीन वर्ष के लिए 30,000 डॉलर का अनुदान दिया गया।

जतिन भट्ट को निम्नलिखित दो परियोजनाओं के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 3 साल के लिए एक करोड़ राशि का अनुदान दिया गया है – 1. लास्ट माइल कनेक्टिविटी बाय इंटीग्रेटिंग साइकल रिक्शा थ्रू टेक्नॉलॉजी इंटरफेस तथा 2. अर्बन फार्मिंग अंडर हब एंड स्पोक स्कीम।

उपलब्धियाँ/सम्मान/पुरस्कार

अबीर गुप्ता ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल के लिए कार्य करने हेतु 2016–17 के लिए अनुदान प्राप्त किया।

सुचित्रा बालसुब्रमण्यम जर्नल ऑफ डिजाइन हिस्ट्री, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, लंदन में संपादकीय सलाहकार समिति की सदस्य चुनी गई।

दिव्या चोपड़ा आईएसओसीएआरपी स्टूडेंट अवार्ड 2016 के निर्णायक मण्डल में शामिल हुई।

प्रस्तुतियाँ

अबीर गुप्ता ने सीएसएलएएलसी द्वारा जाधवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता में 19–20 जनवरी 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओल्ड रुट्स/न्यू जरनीज' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

दिव्या चोपड़ा ने रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, लंदन में 21–22 नवंबर 2016 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्लेस, पीपुल, प्राक्सिस : कलेक्टिव इङ्गेजमेंट्स टुवर्ड्स मेडिएटेड अरबन फ्यूचर्स' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

जतिन भट्ट ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 7 जनवरी 2017 को 'हूज हेरिटेज इज इट एनिवे–क्रिएटिंग सस्टेंड पेट्रोनेज फॉर क्राफ्ट्स, इन ए सिंपोसियम, सस्टेनिंग कल्चर इन लोकल एन्वाग्रमेंट्स' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वेणुगोपाल मद्दीपट्टी ने 'फेथ इन जियोलोजी नाइंटिन्थ सेंचुरी कोलोनियल डिस्निंसन बिटविन नेचुरल हिस्ट्री एंड ह्यूमन हिस्ट्री' विषय पर यूएनएएम, मेक्सिको में 20 फरवरी 2017 को तथा बर्लिन में 10 अक्टूबर 2016 को अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : ने बर्लिन में 27 मार्च 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'द फोर्गेटिंग ऑफ स्पेस इन लटेंट वर्ल्ड्सः गांधी एंड द आर्किटेक्चर ऑफ इकोलोजिकल साइलेंस इन ट्वेंटीअ्थ सेंचुरी इंडिया' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन ने अंतराष्ट्रीय शीतकालीन विद्यालय, ग्लासगों स्कूल ऑफ आर्ट्स एट फोरेंस, स्कॉटलैंड में 23 जनवरी 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय के डिजाइन स्कूल में होने वाले क्रियाकलापों के बारे में अपना एक आलेख प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अबीर गुप्ता ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कला एवं सौंदर्य विभाग में 2, 6, 9 तथा 13 फरवरी 2017 को 'विजुअल कल्चर एंड द रिप्रजेंटेशन ऑफ डिफरेंस' विषय पर व्याख्यान दिया।

–––––– : ने नेशनल म्यूजियम, नई दिल्ली में 15–17 मार्च 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'कलेक्टिंग विथ कलेक्शन, एशिया–यूरोप म्यूजियम नेटवर्क' विषय पर व्याख्यान दिया।

–––––– : ने हेरिंगटन स्ट्रीट आर्ट्स सेंटर, कोलकाता में 10–12 नवंबर 2016 को नेशनलिज्म, बार्डर एंड कंस्ट्रकशन, वॉइसेज फ्रॉम द ग्राउंड' विषय पर जैनब अख्तर, परीसमिता सिंह तथा मालिक सजाद के साथ मिलकर एक सामूहिक परिचर्चा आयोजित की।

दिव्या चोपड़ा ने 30 मार्च 2017 को हिन्दू कॉलेज में डिजाइन स्कूल का एक प्रोमोशनल कार्यक्रम आयोजित किया।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में 31 अगस्त 2016 को समाज विज्ञान विभाग के शोधार्थी प्रीता हुसैन के एम.फिल लघु शोध प्रबंध सिंबॉलिक मेरिटल आर्टिफैक्ट्स एंड नेगोसिएशन ऑफ आइडेंटिटी अमंग कंटेम्परारी इंडियन वुमेन' के पर्यवेक्षक नियुक्त की गई।

–––––– : ने 2–6 मई 2016 को ब्यूरो ऑफ परलियामेंट्री स्टडीज एंड ट्रेनिंग, भारत सरकार के 27वें कोर्स 'एप्रिसिएशन कोर्स ऑन पार्लियामेंट्री प्रोसेस एंड प्रोसिड्युर्स' में भाग लिया।

——— : ने ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट, यूके में 17 जनवरी 2017 को 'डिजाइन इन द रियल वर्ल्ड : ए व्यू फ्रॉम इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

——— : ने 18 फरवरी 2017 विलिंगडन क्लब मुंबई मे 'द ग्लोबल गुजराती: एट होम इन द वर्लड' विषय पर व्याख्यान दिया।

सिस्टम डिजाइन प्रदर्शनी

2.4 विकास अध्ययन स्कूल

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के विकास अध्ययन (एसडीएस) का उद्देश्य समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं अर्थशास्त्र जैसे विषयों के आधार पर अंतर्विषयक पद्धतियों के जरिए समाज विज्ञान की शिक्षा एवं शोध की व्यवस्था को सशक्त करना है। विश्वविद्यालय की विस्तृत और बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहन की समग्र संकल्पना से स्कूल का विशेष संबंध है, जिसका समाज की आवश्यकताओं से गहरा संबंध है। यह इस समझ के अनुरूप चलता है कि विकास सिद्धांत, विकास के अनुभव, अस्मिता एवं भेदभाव के सरोकारों, पर्यावरण के सरोकारों और विकास प्रबंध के अन्य स्वरूपों का, वर्तमान के संदर्भ में, संचालन एवं अंतर्विषयक पद्धति से अधिक प्रभावशाली ढंग से किया जा सकता है। स्कूल का लक्ष्य संकटग्रस्त, उपेक्षित और वंचित समूहों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक मुद्दों, क्रियाकलापों और यथार्थताओं के क्षेत्र में नवोन्मेषी एवं उच्च शोध को प्रोत्साहन देना है। अपने एमए कार्यक्रम के जरिए शिक्षक वर्ग के माध्यम से और शिक्षा जगत तथा व्यवहार जगत के विशेषज्ञों के सलाह के अनुरूप यह 2009 से विकास की अंतर्विषयक पद्धतियों की शिक्षा प्रणाली के सृजन में रत है। इसके पाठ्यक्रम सैद्धांतिक एवं वैचारिक संकल्पनात्मक ज्ञान को वास्तविक क्षेत्र–आधारित शिक्षा से जोड़ते हैं, जिसमें स्नातकोत्तर स्तरों पर शोध केन्द्रित शोध निबंध लेखन पर विशेष बल दिया जाता है। यह अंतर्विषयक दृष्टिकोण को केंद्र में रखते हुए छात्रों को विशेष अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर अधिक ध्यान देने की भी अनुमति प्रदान करता है। साथ ही अगर वे चाहते हैं तो उन्हें अन्य शिक्षण योजनाओं से भी अवगत कराता है।

एम.ए. विकास अध्ययन

2009 से यह स्कूल स्नातकोत्तर विकास अध्ययन कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। इसमें संकाय एवं शैक्षिक दुनिया के विशेषज्ञों की सहायता से विद्यार्थियों की अंतर्विषयक दृष्टि को विकसित करने के उद्देश्य से अध्यापन का कार्य किया जाता है। यह पाठ्यक्रम अनुसंधान के माध्यम से स्नातकोत्तर स्तर पर क्षेत्र आधारित शिक्षा के साथ–साथ सैद्धांतिक और वैचारिक समझ को निर्मित करने का कार्य करता है। अंतर्विषयक दृष्टिकोण पर ध्यान केन्द्रित करते समय यह छात्रों को इच्छानुसार अन्य विषयों के विशेष अनुशासनात्मक दृष्टिकोणों पर भी ध्यान केन्द्रित करने की अनुमति देता है।

सहकार्यता (सहयोग)

स्कूल ने द इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, नीदरलैंड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जिसमें दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से शोध कार्य करने के लिए सहमत हुए जिसके तहत 2017 में यह शोध कार्य शुरू हुआ।

अनुसंधान परियोजनाएँ

अमृता छाछी (मुख्य शोधार्थी) और सुमंगला दामोदरन (सहायक शोधार्थी) : एजीनिंग इन द सिटी : ए कंपरेटिव स्टडी ऑफ दिल्ली एंड द हेग। (रिसर्च इनोवेशन फैसिलिटी, इन्स्टीट्यूड ऑफ सोशल स्टडीज द्वारा वित्त पोषित, 25000 यूरो जारी)

दीपिता चक्रवर्ती (शोध–निर्देशक) और समिता सेन (शोधार्थी) : लव, लॉ एंड लेबर (स्त्री अध्ययन स्कूल, जाधवपुर विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित)

नंदिनी नायक : राइट्स एंड डेव्लप्मेंट्स : एन इथ्नोग्राफी ऑफ वेलफेयर पॉलिसी इम्प्लीमेंटेशन इन साउथ वेस्ट मध्य प्रदेश एंड दिल्ली (अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा वित्तपोषितय 3 साल के लिए 2 लाख जारी)

बाबू पी रमेशः चेंजिंग डाइमेंशन ऑफ लेबर एंड इम्प्लोयमेंट इन मीडियाः अ स्टडी ऑफ प्रिंट जर्नलिस्ट (आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित य 8 साल दो वर्ष के लिए जारी)

सुमंगला दामोदरन : रिसेंटरिंग एफ्रो एशिया थ्रू एंड आर्क ऑफ लमेंट। (यूनिवर्सिटी ऑफ केपटाउन फॉर यूएस द्वारा वित्तपोषित, 8 लाख प्रति वर्ष, 6 साल के लिए जारी)

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

दीपिका चक्रवर्ती, 'इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली' पत्रिका के समीक्षक मण्डल में शामिल हुई।

सुमंगला दामोदरन ने नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइन्स, दक्षिण अफ्रीका में नियो मुयांगा तथा साजी द्लामिनी के साथ संयुक्त रूप से कोंपेक्ट डिस्क के लिए 'बेस्ट कोंपोजीशन अवार्ड' का पुरस्कार जीता।

प्रस्तुतियाँ

अनिर्बान सेनगुप्ता ने मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में 22–25 जनवरी 2017 को स्त्री–अध्ययन विषय पर आयोजित 45वें राष्ट्रीय संगोष्ठी 'इंक्लूडिंग वुमन इंटर्प्रेनर्सः डेवलपमेंट स्ट्रेटजिज एंड डाइवर्सिटी ऑफ जेंडर्ड लाइफ्स' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दीपिता चक्रवर्ती ने 23 मार्च 2017 को आईआईसी, दिल्ली में यूनिवर्सिटी ऑफ मेंचेस्टर एंड इन्स्टीट्यूट ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ, दिल्ली द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'स्टेट बिजनेस रिलेशन इन तमिलनाडु' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : ने समाज अध्ययन केंद्र कोलकाता में 7 नवंबर 2016 को दिल्ली स्कूल ऑफ इक्नोमिक्स तथा लंदन स्कूल ऑफ इक्नोमिक्स द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'डोमेस्टिसिटी एंड द लेबर मार्केट चॉइसेस ऑफ वुमेन इन वेस्ट बंगाल' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

―――――― : ने इंडिया हेबिटेट सेंटर में मानव विकास संस्था तथा अंतरराष्ट्रीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित एक कार्यगोष्ठी 'पॉलिसी ओपशंस फॉर डोमेस्टिक वर्क इन कांटेक्स्ट ऑफ इंडियाज केयर इकॉनमी' में 4 अप्रैल 2017 को 'एजेंसी ऑफ वुमन, माइग्रेशन एंड डोमेस्टिक वर्ड' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

―――――― : ने 17 दिसंबर 2016 को हावड़ा महिला महाविद्यालय, बंगाल में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वुमन, वर्क एंड पेट्रीयार्की : लेबर मार्केट चॉइसेस ऑफ वुमेन इन वेस्ट बंगाल' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

―――――― : ने इंडियन एसोशिएशन ऑफ वुमेन्स स्टडीज, चेन्नई में 22 जनवरी 2017 को आयोजित एक वार्षिक संगोष्ठी में 'ए जेंडर क्रिटिक ऑफ लैंड रीफोर्म्स इन वेस्ट बंगाल' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

आइवी धर ने 25 नवंबर 2016 को आबेर्य्स्त्व्यथ यूनिवर्सिटी, मौरिशश में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'माइ डॉटर टू इंडियाज डॉटरः साइलेंस एंड प्रोटेस्ट ओवर वायलेंस' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

नंदिनी नायक ने इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली मे 12 दिसंबर 2016 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'चेजिंग राइट्स इन दिल्ली : रिफलेक्शन ऑन द नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

बाबू पी. रमेश ने 12–13 सितंबर 2016 को यूनिवर्सिटीज ऑफ जोहान्स्बर्ग, दक्षिण अफ्रीका मे आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'डज इम्प्लोयमेंट गारंटी सपोर्ट ए सोशल प्रोटेक्शन फ्लोर? ए केस स्टडी ऑफ मानरेगाज इन इंडिया' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

―――――― : ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली के नॉर्थ ईस्ट अध्ययन तथा नीति अनुसंधान केंद्र में 8–9 मार्च 2017 को 'आइडेंटिटी क्राइसिस एंड मरजिंग इंटरनल बाउंडरीज : द केस ऑफ आउट माइग्रेशन फ्रॉम नॉर्थ ईस्ट टू दिल्ली रीजन' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

―――――― : ने विकास अध्ययन संस्थान, कोलकाता में 7–8 फरवरी 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'शेयर्ड आइडेंटिटीज एंड ब्लरिंग बोर्डर्स : द केस ऑफ नॉर्थ ईस्ट माइग्रेशन' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

―――――― : ने विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर में 28–29 मार्च 2017 को आयोजित संगोष्ठी में 'माइग्रेशन ऑफ ट्राइबल यूथ टू अर्बन सेंटर्सः ए केस ऑफ नॉर्थ ईस्ट माइग्रेशन इन दिल्ली रीजन' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

सुमंगला दामोदरन ने 17 जून 2016 को केप टाउन यूनिवर्सिटी के समाज शास्त्र विभाग

में आयोजित एक कार्यगोष्ठि में 'लेबर्स पावर एंड क्वेश्चन्स ऑफ फरीडम' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

सुमंगला दामोदरन एवं अरि सितस ने 19 सितंबर 2016 को केपटाउन यूनिवर्सिटी, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित एक कार्यगोष्ठी में 'रिसेंटरिंग अफ्रो एशिया थ्रू एन आर्क ऑफ लेमेंट' विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

इवी धर ने इंडिया हेबिटेट सेंटर नई दिल्ली में 28–30 नवंबर 2016 को राष्ट्रीय सलाहकार सम्मेलन "इफेक्टिव कम्यूनिकेशन एंड इंटर्वेंशन स्ट्रेटजिज टू काउंटर वायलेन्स अगेन्स्ट वुमन" में भाग लिया।

—————— : ने नई दिल्ली में 16 मार्च 2017 को आयोजित उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित लेखकीय सम्मेलन "उच्च शिक्षा में व्याप्त विविधता तथा भेद–भाव" में हिस्सा लिया।

नंदिनी नायक ने 8 जुलाई 2016 को सामाजिक विज्ञान संस्थान, द हेग यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड में आयोजित कार्यगोष्ठी "कन्सेप्चुलायजेशन एंड प्रेक्टिस ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज" में एक सत्र के संचालन समिति के सदस्य के रूप में हिस्सा लिया।

—————— : ने 18 जनवरी 2017 को विकास अध्ययन स्कूल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित एक कार्यगोष्ठी "रिसर्च एंड एक्शन इन ए कोलोक्विवयम ऑन डेवलपमेंट स्टडीज" में बतौर सत्र संचालक हिस्सा लिया।

सुमंगला दामोदरन ने अप्रैल 2016 को सेंट स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली के अर्थशास्त्र विभाग में "ग्लोबलाइजेशन, इन्फोर्मलाईजेशन एंड लेबर" विषय पर व्याख्यान दिया।

—————— : ने जनवरी 2017 में सेंट स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली में कला एवं संस्कृति के विद्यार्थियों के बीच प्रोटेस्ट थ्रू म्यूजिक" विषय पर व्याख्यान दिया।

—————— : ने जनवरी 2017 में फ्लेम विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सिंगिंग रेसिस्टेंसः अनरीविलिंग प्रोटेस्ट थ्रू सॉन्ग टेक्स्ट" विषय पर व्याख्यान दिया।

—————— : ने मार्च 2017 में कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के समाज शास्त्र विभाग में म्यूजिक, मेमोरी एंड सोसाइटीः अंडर्स्टेंडिंग फोर्गोटेन ट्रेडीशंस" विषय पर व्याख्यान दिया।

—————— : ने मार्च 2017 में दिल्ली कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के वार्षिक साहित्यिक समारोह में "म्यूजिक एंड सोशल चेंज" विषय पर सभा को संबोधित किया।

——— : ने मार्च 2017 में सेंट स्टीफन महाविद्यालय, दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इमेजिनिंग रिवोल्यूशन–म्यूजिक एंड द रेडिकल इंपल्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

——— : ने मार्च 2017 में लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के इतिहास विभाग के वार्षिक अकादमिक समारोह में "हिस्ट्री, मेमरी एंड म्यूजिकः पर्फोर्मिंग फोर्गोटेन ट्रेडीशंस" विषय पर व्याख्यान दिया।

——— : जुलाई 2016 में द हेग यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड में आयोजित संगोष्ठी "डिफायनिंग द फील्ड ओंटोलॉजिज एंड मेथोडॉलॉजिज इन डेवलपमेंट स्टडीज" में एक सत्र के संचालन समिति का सदस्य नामांकित हुई।

संगोष्ठी / कार्यक्रम / गतिविधियाँ

स्कूल द्वारा 18–19 जनवरी 2017 को एक समूहिक परिचर्चा "डूइंग डेवलपमेंट स्टडीज इन इंडिया" आयोजित की गई जिसमें भारत मे विकास अध्ययन पर शिक्षा एवं शोध करने वाली कई संस्थाओं ने भाग लिया।

सामाजिक विज्ञान संस्थान, हेग के प्रोफेसर अश्वनी साइथ, आठ महीने की अवधि के लिए स्कूल में अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

6 सितंबर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक विनय कुमार श्रीवास्तव ने मानवजाति वर्णन (इथनोग्राफी) पर व्याख्यान दिया।

27 सितंबर 2016 को द इंडियन एक्सप्रेस के सहायक संपादक अमृत लाल ने वार, पोलोटिक्स एंड मेमरीः द प्रोसैस ऑफ पोस्ट वार मेमोरियलाइजेशन एंड इट्स पॉलिटिक्स इन श्रीलंका" विषय पर व्याख्यान दिया।

27 सितंबर 2016 को फिल्म एंड टेलीविजन केंद्र, पुणे की छात्रा सुरभि शर्मा द्वारा "केन वी सी द बेबी बम्प प्लीज" फिल्म की प्रदर्शिनी आयोजित के गई।

4 अक्टूबर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अश्विनी देशपांडे ने "डज अफरमेटिव एक्शन वर्क? कास्ट डिसएडवांटेज एंड पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ द डिमांड फॉर कोट्स" बिषय पर व्याख्यान दिया।

1 नवंबर 2016 को इंडिया क्लाइमेट जस्टिस के नागराज अदवे ने 'कैपिटलिस्ट डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट चेंज : द इंडियन सेनेरियो' विषय पर व्याख्यान दिया।

22 नवंबर 2016 को जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल, सोनीपत के सन्नोय दास ने ट्रेड लॉ, डबल्यूटीओ डिसप्यूट एंड द फाल्स प्रॉमिस ऑफ डेवलपमेंट' विषय पर व्याख्यान दिया।

2 दिसंबर 2016 को आइवी धर ने 'जेंडर, कोन्फ्लिक्ट ट्रांस्फोर्मेशन एंड पीस बिल्डिंग' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित किया।

31 जनवरी 2017 को को प्रवीण कु. सिन्हा, फरेडरिक एबेर्ट स्टीफ्टंग, नई दिल्ली ने 'लेबर ऐज इन्स्ट्रुमेंट एंड पर्पस ऑफ डेवलपमेंट' विषय पर व्याख्यान दिया।

24 जनवरी 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय की पीएचडी शोधार्थी स्वाती एम. कृष्णन तथा एमफिल शोधार्थी हिमालया आहूजा ने "मरकेटप्लेस टू प्लेस इन मार्केट्स : इनसाइट फ्रॉम वीकली मार्केट्स इन दिल्ली" विषय पर व्याख्यान दिया।

14 फरवरी 2017 को सीएमएसी के संस्थापक सह निर्देशक पार्थिव शाह ने "डिजाइन फॉर द रियल वर्ल्डः अंडर्स्टेंडिंग डेवलपमेंट कम्यूनिकेशन" विषय पर अपना सारगर्भित भाषण दिया।

21 फरवरी 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय की शोध छात्रा इशिता डे ने "स्वीट बायोग्राफी, एंड मीनिंग्स ऑफ 'कारीगरी'" विषय पर व्याख्यान दिया।

14 मार्च 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा, यूएसए की शोध छात्रा आनंदिता चटर्जी ने बिटर पिल ? स्केटर्ड थौर्डस ऑन लॉ, डेवलपमेंट एंड इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी इन द फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री" विषय पर अपना वक्तव्य पेश किया।

21 मार्च 2017 को नीति अनुसंधान केंद्र, नई दिल्ली की शोधार्थी ईशा कुंदुरी ने इंडस्ट्रियल वर्क, माइग्रेंट आइडेंटिटीज एंड कास्ट जेंडर इंटरेकशंस : इनसाइट फ्रॉम टू इंडियन सिटीज" विषय पर व्याख्यान दिया।

29 मार्च 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय की शोधार्थी इवी धर ने स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए फोटो एस्से प्रदर्शनी का आयोजन किया।

2.5 शैक्षिक अध्ययन स्कूल

एस ई एस की स्थापना एक विधा एवं प्रणाली के रूप में शिक्षा की विभिन्न चुनौतियों को समझने, उनका विश्लेषण व उन्हें दूर करने के ध्येय से की गई थी। अधिकृत शोध व अभ्यास के माध्यम से शिक्षा को उसके ऐतिहासिक एवं समकालीन संदर्भों में समझने के लिए इसके अध्ययनकर्ताओं और इस दिशा में प्रयासरत विद्वानों के एक समुदाय के रूप में विकसित होने की अपेक्षा की जाती है। स्कूल का लक्ष्य अपनी विभिन्न अवस्थितियों में शिक्षा के सिद्धांत और अभ्यास के बीच के अंतर को दूर करना है। इस हेतु यह एक सामाजिक अभिप्राय के रूप में शिक्षा के अध्ययन एवं व्यावसायिक शिक्षकों की तैयारी के बीच वृहत्तर योजना स्थल के विकास का प्रयास करता है। शिक्षक, शिक्षा अध्यापन, पाठ्यक्रम, नीति, योजना और प्रशासन के अतिरिक्त विश्लेषण व शोध के लिए यह एक विशुद्ध अभ्यास आधारित सैद्धांतिक परिदृश्य के विकास के प्रति कार्य करता है। अपनी संकल्पना के अनुरूप एसईएस ने वर्ष 2012 में अपना पहला कार्यक्रम, एमए शिक्षाशास्त्र से शुरू किया। प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) तथा सर रत्न टाटा ट्रस्ट के सहयोग से स्कूल ने 2014 में एमए शिक्षा (प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा) कार्यक्रम की शुरुआत की। निकट भविष्य में यह शिक्षा में एम.फिल./पीएचडी, पूर्व सेवा अध्यापक शिक्षा और सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करना चाहता है।

एमए शिक्षाशास्त्र

एमए शिक्षाशास्त्र कार्यक्रम शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि के लिबरल और पेशेवर दोनों पहलुओं को केंद्र में रखता है। आधारित क्षेत्रों और विभिन्न सैद्धांतिक परिदृश्यों तथा वाद–विवादों के अतिरिक्त, छात्र कार्यक्रम संरचना में एसईएस के भीतर और बाहर अपनी रुचि के अनुरूप क्षेत्रों और दिशाओं में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। इस कार्यक्रम की खास विशेषता शिक्षा के उन स्थलों से इसका संबंध है, जो स्कूली और गैर–स्कूली दोनों है। इस संरचनाबद्ध क्षेत्रों को विभिन्न शिक्षक शिक्षा नीति मंचों द्वारा न सिर्फ स्वीकृत किया गया, बल्कि इनकी सराहना भी की गई।

एमए शिक्षा शास्त्र : प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा (ईसीसीई)

दो वर्षों का एमए शिक्षा (ईसीसीई) कार्यक्रम अद्वितीय है। साथ ही इसे पूरे भारत में बहुत कम संस्थानों में पढ़ाया जाता है। यह राष्ट्रीय प्रारम्भिक बाल संरक्षण तथा शिक्षा नीति, 2013 के साथ कार्यान्वित है। इससे इस क्षेत्र से संबन्धित प्रशिक्षित व्यवसायिकों की बृहत्तर संख्या प्राप्त होगी, जो पूरे देश में ईसीसीई से संबन्धित कार्य सफलता पूर्वक कर सकेंगे। यह कार्यक्रम बहुविध विषयों– बाल विकास, समाजशास्त्र, इतिहास, मनोविश्लेषी संरचना, मानव विज्ञान, गंभीर अध्यापन और प्रबंधन का उपयोग करते हुए प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा का गहरा ज्ञान प्रदान करता है। कार्यक्रम में छात्र विभिन्न

व्यावसायिक दिशाओं का चयन कर सकते हैं जैसे शिक्षक शिक्षा, शोध, पाठ्यक्रम विकास, व सामाजिक उद्यमिता। कार्यक्रम का लक्ष्य ईसीईसी के क्षेत्र में पाठ्यक्रम निर्माताओं, सामाजिक उद्यमियों और शिक्षक अध्यापकों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

शोध परियोजनाएं

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक, मनीष जैन : "एक्सप्लोरिंग द फेनोमेनन ऑफ प्रैवेटाइजेशन ऑफ स्कूल्स (इन विलेजेज अक्रॉस थ्री स्टेट्स इन इंडिया) : यूनिसेफ द्वारा वित्तपोषित (रु. 9,00,000, 2016,परियोजना संपन्न)

मनीष जैन, परियोजना सहयोगी : "एजुकेशन ऑफ गर्ल्स इन हरियाणा" फेयरचांस फाउंडेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक द्वारा वित्तपोषितय 250,000 युरो, चार वर्ष के लिए, जारी

शिवानी नाग, प्रधान अन्वेषक एवं अभिश्वेता झा : "कैपैसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर स्केलिंग अप ऑफ मदर टंग बेस्ड मल्टी लिंगुअल अर्ली लर्निंग एंड पेरेंट." बरर्नार्ड वान लीर फाउंडेशन–दिशा द्वारा वित्तपोषित(रु. 3,852,800, एक वर्ष के लिए, जारी)

उपलब्धि/सम्मान/पुरस्कार

आखा काइह्री माओ 23 जून 2016 से वोकेशनल स्टडी स्कूल में विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं।

आनंदिनी डर 2014 से सेज प्रकाशन में रेफरी के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर रही है।

—————— : ने एक ऑनलाइन वेबसाइट–http://email.rutgers.edu/mailman/listinfo/exploring_childhood_studies का संचालन कर रही हैं जो बच्चों के शिक्षा एवं ज्ञान के क्षेत्र में विकास करने में सहाता करती है।

मनीष जैन ने जीएचआईएल में अनुवाद शोध समूह के साथ "भारत में गरीबी एवं अशिक्षा" विषय पर मई–जुलाई 2016 में छात्रवृत्ति प्राप्त की।

—————— : ने सितंबर 2016 से अगस्त 2017 तक यूनिवर्सिटी ऑफ वारवीक, यूके में छात्रवृत्ति प्राप्त किया।

गुंजन शर्मा ने अगस्त 2016 से मई 2017 तक ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी में "पॉलिसी इंप्लीकेशन्स ऑफ एकेडमिक प्रोडक्टिविटी रिक्वायरमेंट्स एंड कोलेबोरेशन नेटवर्क्स अमंग टीचर एजुकेशन फैकल्टी इन द यूएस" विषय पर शोध करने हेतु नेहरू पोस्ट–डॉक्टरल छात्रवृत्ति प्राप्त किया।

प्रस्तुतीकरण

आखा काइह्री माओ ने मोरंग में नागाओं के परम्परिक शिक्षा व्यवस्था पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 8–9 दिसम्बर 2016 को कोहिमा संस्था और उसके सहयोगियों 'नार्थ

ईस्ट फोरम', सेण्टर फॉर कम्युनिटी नॉलेज (अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली), और साउथ एशियनिस्ट जर्नल ऑफ एडिन्बुर्ग यूनिवर्सिटी, यूके द्वारा 'हट्टन व्याख्यान संगोष्ठी' में माओ–नागाओ पर अध्ययन किया गया।

आनंदिनी डर ने 29 अगस्त 2016 को नयी दिल्ली में 'वुमन इन सिक्योरिटीज, कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट एंड पीस' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार "एजुकेशन फॉर सोशल चेंज" के तहत अनंदिनी डार ने 'मैपिंग दी टेरेन : इश्यूज फॉर डेलीबरेशन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मानसी थपलियाल ने 19–21 नवम्बर 2016 को वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी तिरूपति इंडिया द्वारा आयोजित सी. ई.एस. आई. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत कम्पेरेटिव एजुकेशनल देस्तिनिएसः विजन्स, डिलेमाज एंड चौलेंजेज के तहत 'फ्रेमिंग रिफॉर्म्स, रेफोर्मिंग फ्रेम्स : पॉलीटिक्स ऑफ एकेडमिक रिफॉर्म्स एंड हायर एजुकेशन इन इंडिया' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 27–29 अक्टूबर 2016 को हाँगकाँग में ए.पी.एच.ई.आर.पी एंड दी एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग द्वारा आयोजित 'जेंडर एंड दी चेंजिंग फेस ऑफ हायर एजुकेशन इन एशिया पैसिफिकः एशिया पैसिफिक हायर एजुकेशन रिसर्च पार्टनरशिप सीनियर सेमिनार' के अंतर्गत जेंडर जस्टिस एंड कैंपस लाइफ इन यूनिवर्सिटीजः ए स्टेप रोड टुवर्ड्स जेंडर – फेयर एक्सेस टू हायर एजुकेशन इन इंडिया पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

–––––– : 7–9 दिसम्बर 2016 को यूके में एस्टी क्रॉस कॉलेज, ऑक्सफोर्ड के नवें इंटरनेशनल ऑक्सफोर्ड एजुकेशन रिसर्च सिम्पोजियम के तहत कार्टोग्राफीज ऑफ अकादमिक रिफार्म एंड हायर एजुकेशन इन इंडिया : 'फ्रेमिंग रेजिस्टेंस एस नेगोशिएशन ओवर दी आईडिया ऑफ यूनिवर्सिटी' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

मनीष जैन और चुघ्तई, एम. ने 5–7 सितम्बर 2016 को स्पेन में यूनिवर्सिटी ऑफ मुर्सिया, मुर्सिया के फैकल्टी ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित तेरहवे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के हिस्ट्री एजुकेटर्स इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क के तहत इंडिया एंड पाकिस्तान : कंटेस्टेड हिस्टरिज, हिस्टोरिओग्राफी एंड पैडागौजी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मनीष जैन ने 19–21 नवम्बर 2016 को इंडिया में श्री वेंकटेशवर यूनिवर्सिटी, तिरुपति के दी कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सी.ई.एस.आई. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कम्पेरेटिव एजुकेशनल डेस्टिनीज : विजन, डायलेमाज एंड चैलेंजेज के तहत मनीष जैन ने नेशनलिस्ट इमेजिनेशन इन दी कोलोनियल वर्ल्ड : सिविक्स एंड सिटिजन इन इंडिया सिंस फर्स्ट वर्ल्ड वार पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 7 जुलाई 2016 को यूके में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सेंटर फॉर हिस्टोरिकल रिसर्च इन एजुकेशन के ग्रीष्मकालीन सम्मेलन में

'पोस्टकोलोनिअल प्रेडीकामेंट : टीचिंग हिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इन मॉडर्न इंडिया 'पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

——— : 4 जुलाई 2016 को यूके में इंस्टिटयूट ऑफ एजुकेशन, लन्दन द्वारा आयोजित यूनिवर्सिटी कॉलेज लन्दन में हिस्ट्री इन एजुकेशन स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप के अंतर्गत करैक्टर एंड सिटीजनशिप एजुकेशन इन लेट कोलोनियल इंडिया : एनालिसिस ऑफ सिविक्स टेक्स्ट बुक्स सी.1920—सी. 1940 पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

——— : 28 जून 2016 यूके के जर्मन हिस्टोरिकल इंस्टिटयूट लन्दन, लन्दन में मार्जिन्स ऑफ कोलोनियल मॉडर्निटी : रूरल सिटिजन्स, पावर्टी एंड सिविक्स एजुकेशन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

——— : 22 जून 2016 यूके में यूनिवर्सिटी ऑफ वार्विक, वार्विक के इंस्टिटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी द्वारा आयोजित साउथ एशिया डे के तहत एजुकेटिंग मॉडर्न इंडिया : दी क्यूरियस कैटेगोरिज ऑफ पब्लिक एंड प्राइवेट पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

———: 2 मार्च 2017 नई दिल्ली में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड रिसर्च द्वारा आयोजित इंडिजेनस नॉलेज सिस्टम्स एंड यूथ एम्पावरमेंट पालिसी सम्मेलन के तहत इंडिजेनस एजुकेशन इन नइंटीन्थ सेंचुरी इंडिया एंड दी पॉलिटिक्स ऑफ इन्डिजेनिंटी एंड पोस्टकोलोनिलिटी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

——— : 16 मार्च 2017 एयूडी में अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली एंव यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन — बोथेल्ल, डब्ल्यू. ए. द्वारा आयोजित जेंडर एंड ह्यूमन राइट्स इन इंडिया कार्यशाला के तहत एजुकेशन, गर्ल एंड कॉरपोरेट सोशल रेस्पोंसिबिलिटी पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

मोनिमलिका डे ने 9—11 नवम्बर 2016 नई दिल्ली में दी नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा आयोजित 'पैडागौजी एंड प्रैक्टिसेज इन आर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन' नेशनल कंसल्टेशन मीट के तहत क्वालिटी पैडागौजी : हाउ डस आर्ली लर्निंग हैपन ? पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 18 नवम्बर 2016 नई दिल्ली में आल इंडिया इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंस के कॉम्प्रेहेंसिव अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड डेवलपमेंट : हेल्थ केयर एंड लर्निंग कांफ्रेंस के तहत अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट फॉर दी पुअर : इंपैक्टिंग एट स्केल पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

मोनिमलिका डे एंड मेघिर ने 20—21 अक्टूबर 2016 अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली के दी सेण्टर फॉर अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड डेवलपमेंट द्वारा आयोजित नेशनल कांफ्रेंस के तहत एक्सप्लोरिंग मोडालिटिज फॉर अर्ली स्टीम्यूलेशन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रभात राय न 17—23 जनवरी 2017 भूटान में रॉयल अकादमी, भूटान, पारो द्वारा

आयोजित 'रॉयल अकादमी ओयूडीईई–टीचर सिम्पोजियम' के तहत डेवेलपिंग रेफ्लेक्टिंग टीचर्स : एक्शन इन्क्वायरी मॉडल्स पर विडियो कांफ्रेंस द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियां

गुंजन शर्मा ने 24 मार्च 2017 यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका में ब्रिग्हम यंग यूनिवर्सिटी, प्रोवो, उटाह के डेविड ओ. मिक्केय स्कूल ऑफ एजुकेशन में कॉन्टेक्स्टूअलाईजिंग चाइल्डहुड एंड एजुकेशनल एस्पिरेशन इन ए स्लम इन दिल्ली पर प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

मनीष जैन ने 6 जुलाई 2016 यूके में यूनिवर्सिटी ऑफ सुस्सेक्स, सुस्सेक्स के फैकल्टी ऑफ एजुकेशन में ऑथेंटिक एंड ग्लोबल सिटीजन : दी पॉलिटिक्स ऑफ करिकुलम इन ग्लोबलाइज्ड इंडिया पर प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

–––––– : 5 जुलाई 2016 यूके में यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज, कैंब्रिज के फैकल्टी ऑफ एजुकेशन में पब्लिक, प्राइवेट, एंड एजुकेशन इन इंडिया : ए हिस्टोरिकल ओवरव्यू पर प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया।

आयोजन / गतिविधियां

3, 6, 7 अक्टूबर 2016 यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, एयूडी एंड इंटरनेशनल गेस्ट हाउस में प्रशिक्षुक और शिक्षाविधो के साथ मिलकर फोर इयर इंटीग्रेटेड बीए – बीएड प्रोग्राम के लिए तीन संवादात्मक बैठकों का आयोजन किया गया।

9, 11 मार्च 2017 को ऑल इंडिया फोरम फॉर राईट टू एजुकेशन के सहयोगियों द्वारा' प्रोटेक्शन ऑफ एजुकेशनल राइट्स इन स्कूल्स एंड हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूटस' पर संवादात्मक बैठकें आयोजित की गई।

गुंजन शर्मा एवं आखा काइह्वी माओ ने मार्च–अक्टूबर 2016 को सीएसएसआरएम से एक परियोजना पर सहयोग लिया है जिसका विषय है: "नीड एसेस्मेंट ऑन डिमांड फॉर टेरिटियरी एजुकेशन इन एनसीटी एरिया ऑफ दिल्ली"।

17 अगस्त 2016 को एसिस्टेंट प्रोफेसर हिलाल अहमद ने सेंटर फॉर दी डेवलपिंग सोसाइटीज में नेशनललिज्म एंड इलेक्शन : आइडियाज ऑन मुस्लिम पोलिटिकल रिप्रजेंटेशन इन कोलोनियल एंड पोस्टकोलोनिअल पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

31 अगस्त 2016 विस्कोम्प द्वारा आयोजित एजुकेशन फॉर सोशल चेंज कार्यशाला में भागीदारी के लिए, आनंदिनी डर के साझा सत्र का नेतृत्व रजित अरोरा और गोपिका पिल्लई ने किया।

मोनिमलिका डे ने 13–15 सितम्बर 2016 पश्चिम बंगाल में आगंनवाड़ी पर्यवेक्षकों के लिए दो दिन की कार्यशाला मेंटरिंग, मॉनिटरिंग एंड चाइल्ड असेसमेंट संचालित किया।

16 नवम्बर 2016, कनाडा के यॉर्क यूनिवर्सिटी में एसिस्टेंट प्रोफेसर कविता चक्रबर्ती ने इन बिटवीन रोमांस एंड सेक्शुअल हरास्स्मेंट : यंग पीपल्स एक्सपीरियंस ऑफ ईव टीजिंग इन दी अर्बन स्लम्स पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

22 नवम्बर 2016, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ नार्थ कैरोलिना के फ्रैंक ग्राहम चाइल्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट में कात्लेत्त, कामिल्ले, एमेरिता वैज्ञानिक ने एक्सेस, पार्टिसिपेशन एंड सिस्टमिक सपोर्ट : बिल्डिंग दी बेस एंड कैपेसिटी फॉर इंक्लुजन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

1 दिसम्बर 2016, यूके में यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स के स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल वर्क में शिक्षा के वरिष्ट व्याख्याता क्रोस्सौअर्द, बारबरा ने यूथ आइडेंटिटीज एंड ग्लोबल सिटीजनशिप पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मोनिमलिका डे ने 10 दिसम्बर 2016, नोएडा के शिव नादर स्कूल में पैनल डिस्कशन में स्कूल–एम्ब्रसिंग इन्क्लूश़न के तहत रीडिफाइंग, रीथिंक्किंग, रीडिजाइनिग एंड रीइन्वेंटिंग स्पेशल एजुकेशन इन स्कूल में भाग लिया।

आनंदिनी डर ने 16 मार्च 2017, विस्कोम्प साहस अवार्ड सेरेमनी, जो कि पूरे भारत के ऑनरिंग वीमेन, मेन एंड ट्रांसजेंडर के लिए हुआ, में भाग लिया।

13 अप्रैल 2017, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के सेण्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन के प्रोफेसर कृष्णा कुमार ने एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया जो कि एजुकेशन, कनफ्लिक्ट, एंड पीस पर आधारित था।

प्रभात राय एंड विकास बेनिवाल ने एम.ए एजुकेशन प्रोग्राम के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए कोऑर्डिनेटेड फील्ड अटैचमेंट कार्यक्रम को रखा।

आनंदिनी डर, शीतल नागपाल, एंव रेशमा वत्स ने नौ स्कूलों के प्रिंसिपल्स के साथ मिलकर एम.ए एजुकेशन एंड पीजी डिप्लोमा के फील्ड अटेचेमेंट के 27 छात्रों के लिए कोऑर्डिनेटेड किया।

क्षेत्र–अध्ययन

11 अगस्त से 2 सितम्बर 2016 तक एम. ए. एजुकेशन के छात्रों (अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन) ने आई. आई. टी. नर्सरी स्कूलय लेडी इरविन नर्सरी स्कूल प्रथम बालदिवस, त्रिलोकपुरी मोबाइल क्रेचेस, राजा बाजार आगा खान फाउंडेशन ई. सी. सी. ई. सेंटर्स, निजम्मुदीन बस्ती का दौरा किया।

26–27 मार्च 2017 को आठ फैकल्टी के साथ सतरह छात्रों ने बोध शिक्षा समिति, बोध, अलवर, राजस्थान के लिए एक यात्रा का आयोजन किया।

छात्र उपलब्धियां

प्रकाशन

पिल्लई, जी. एस (2016). बच्चे स्कूल में अभ्यास के दौरान किस तरह अपने अधिकारों की भूमिका को समझें ? वॉइसेस अनहर्ड : टीचर रिसर्च एंड रिफ्लेकशन (252–259). दिल्लीः आर. आर. सी. ई. ई.।

सुरभि चावला ने 24 फरवरी 2017, मेघालय में नार्थ ईस्ट रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन, एन. सी. ई. आर. टी., शिलोंग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के तहत वर्तमान समय में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर 'पढ़ने का बेलौस मजा : समझ बनाने से या जोर–जोर से पढ़ने में' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ?

–––– : 3 मार्च 2017, दिल्ली में यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित लैंग्वेज, लिटरेचर एंड सोसाइटी : ए कंटेम्परری एजुकेशनल डिस्कोर्स राष्ट्रीय संगोष्ठी (अंडर दी एजिस ऑफ आई. ए. एस. ई., एम. एच. आर. डी., गोई) के तहत अस्मिता पर प्रहार करती कहावतें पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

सुमेधा सेठ ने 27–28 फरवरी 2017, दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित 'एजुकेशन, चेंज, एंड कॉंटीन्यूटी' सेमिनार के तहत जेंडर इन एजुकेशन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

अरोरा, रजित एवं पिल्लई, गोपिका ने 29–30 अगस्त 2016, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में वुमन इन सिक्योरिटी, कॉन्फिलक्ट मैनेजमेंट एंड पीस द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

सुरभि चावला ने 24–25 दिसम्बर 2016, नई दिल्ली के विवेकानंद आश्रम, नजफगढ़ में ऑर्फंस ऑन क्रिएटिव आर्ट के लिए एक कार्यशाला का संचालन किया।

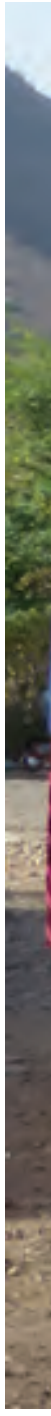

नियोजन सहायता

2017 में, आह्वान ट्रस्ट, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, डीपीएस सोसाइटी (गाजियाबाद), निर्मल भारती स्कूल, शिव नादर ग्रुप ऑफ स्कूल आदि संगठनो ने एस. ई. एस. प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लिया। गुडगाँव के शिक्षांतर में श्रेया सहगल, अरुषि डाबलिश, नयना बत्रा और दिल्ली में प्रेसिडियम स्कूल के गरिमा भाटिया, चार छात्रों को स्कूल मे प्लेसमेंट मिला।

एसईएस छात्र और संकाय शैक्षिक
बोध शिक्षा समिति, राजस्थान की यात्रा

2.6 मानव पारिस्थितिकी स्कूल

मानव पारिस्थितिकी स्कूल (एसएचई) एयूडी के सबसे पुराने स्कूल में से एक है। इसकी शुरुआत पारिस्थितिकी एवं समाज के अन्तराफलक मुद्दों पर कार्य करने के उद्देश्य से हुई थी। स्कूल का लक्ष्य सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों के परिदृश्यों से युक्त पर्यावरण सरोकारों के एक गहरे एवं बहुआयामी ज्ञान का विकास करना है। यह उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण एवं शोध को बढ़ावा देता है, जो सामाजिक न्याय के लिए सिद्धांत को प्रयोगों के अलावा संधारणीयता संबन्धित गहरे मुद्दों से जोड़ता है। स्कूल मानव समाज के आपसी सरोकारों और ग्लोबल साउथ के अनुभवों में निहित परिदृश्यों के साथ–साथ जैवभौतिक पर्यावरण के अंतर्विषयक शिक्षण, शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देता है।

पर्यावरण एवं विकास में एमए (एमईडी) तथा मानव पारिस्थितिकी में पीएचडी कार्यक्रम एसएचई के प्रमुख कार्यक्रम हैं। ये अपने विन्यास एवं क्षेत्र में भारत के विशिष्ट कार्यक्रम हैं। ये कार्यक्रम इस संकल्पना से प्रेरित हैं कि सामाजिक, राजनैतिक एवं जैव भौतिकी कारकों के एक–दूसरे पर जटिल प्रभाव के फलस्वरूप वायुमंडल में प्रदूषण, संसाधनों में कमी और पर्यावरण प्रणालियों तथा जैव–विविधता के समक्ष संकट जैसी चुनौतियों का सामना किया जा सके।

सामाजिक समता, अकादमिक पकड़ और पारिस्थितिकी के संतुलन को ध्यान में रखते हुए, स्कूल अपने छात्रों से पर्यावरण सरोकारों का विश्लेषण तथा समाधान करने संबंधी ज्ञान एवं कौशलों के साथ स्नातक होने की अपेक्षा रखता है। एसएचई के अध्यापन की अनूठी विशेषताओं में क्षेत्र आधारित शिक्षा, छात्रों को व्यक्तिगत परामर्श एवं पाठ्यक्रम के विशेषज्ञों की सलाह तथा विद्यार्थियों के मत पर आधारित नियमित मूल्यांकन पर बल दिया जाना शामिल है।

एमए पर्यावरण और विकास एवं पीएचडी मानव पारिस्थितिकी

पर्यावरण और विकास में एम.ए, एवं पीएचडी मानव पारिस्थितिकी में पीएचडी स्कूल के सबसे प्रमुख कार्यक्रम हैं । यह कार्यक्रम, भारत में अपनी नीति और अभिप्राय, दोनों ही मामले में अनन्य है और इस शिक्षा का मार्गदर्शन इस सोच से होता है कि पारिस्थितिकी चुनौतियाँ जैसे प्रदूषण, संसाधनो कि क्षीणता और उसके साथ आने वाले पर्यावरण और जीव विविधता पर खतरनाक असर एक प्रकार की जटिल सामाजिक और राजनैतिक अन्योन्यक्रिया का नतीजा हैं। स्कूल कि शिक्षा नीति अंतर्विषयक है और क्षेत्र से प्रभावित अध्ययन होने के कारण अनन्य है। कोर्स छात्रों के गहन मार्गदर्शन और विशेषज्ञों द्वारा सलाह पर आधारित नियमित अद्यतनीकरण पर आधारित है।

सहकार्यता (सहयोग)

15–21 नवम्बर 2016, में यूनिवर्सिटी ऑफ इलेनॉइस के मुख्य फैकल्टी के प्रोफेसर डेनियल डब्लू. स्च्नेइदेर के साथ मिलकर स्कूल ने दी ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अकादमिक नेटवर्क्स प्रोग्राम के तहत एक कोर्स 'अर्बन इकोलॉजी' का संचालन किया।

परियोजनाएं

2016–2017 में अम्बेडकर यूनिवर्सिटी रिसर्च ग्रांट द्वारा अर्बन फ्यूचर्स इन दी इण्डियन हिमालय को 3.94 लाख रुपये का अनुदान दिया गया, जिसमें प्रधान अन्वेषक रोहित नेगी थे।

आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा मैपिंग सोशिओ इकोलॉजिकल वल्नेरबिलिटी को 21.88 लाख रुपये का अनुदान दिया गया, जिसमें प्रधान अन्वेषक प्रवीण सिंह थे।

2016–2017 में अम्बेडकर यूनिवर्सिटी रिसर्च ग्रांट द्वारा लॉन्ग–टर्म स्टडीज ऑन इकोसिस्टम डायनामिक्स एंड नेचुरल रिसर्च रिसोर्स यूज, ग्रेट निकोबार आइलैंड को 88,000 रुपये का अनुदान दिया गया, जिसमें प्रधान अन्वेषक सुरेश बाबू थे।

सेल द्वारा इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन ऑफ डीग्रेडेड लैंडस्केप्स इन बोलानी आयरन ओर माइंस को 74.9 लाख रुपये का अनुदान दिया गया, जिसमें प्रधान अन्वेषक सुरेश बाबू थे।

यूरोपियन यूनियन द्वारा चार सालों के लिए एन्हैंसिंग अंडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया : ई–क्वल (इंटर–यूनिवर्सिटी कोलेबरेटिव प्रोजेक्ट इन पार्टनरशिप विथ दी ब्रिटिश काउंसिल) को 132.6 लाख रुपये का अनुदान दिया गया, जिसमें कोऑर्डिनेटर और डी.डी.ओ. के रूप में सुरेश बाबू, रोहित नेगी, अस्मिता काबरा और पुलक दास थे।

उपलब्धि / सम्मान / पुरस्कार

अस्मिता काबरा टी ई आर आई में स्थापित सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन, पुनर्वास और पुनस्थापन के लिए ज्ञान केंद्र को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ समिति में शामिल हुई (मार्च 2017)।

दिल्ली सरकार द्वारा सुरेश बाबू को मेरिटोरियस टीचर अवार्ड प्रदान किया गया।

जून 2016, रोहित नेगी को साउथ अफ्रीका के यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में ह्यूमन इकॉनमी पोस्टडाक्टोरल फेलोशिप अवार्ड प्रदान किया गया।

प्रस्तुतीकरण

अस्मिता काबरा ने 1 जुलाई 2016, हैदराबाद में इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के सोशल साइंस द्वारा पांचवे ग्लोबल कांफ्रेंस के इनिशिएटिव ऑन क्लाइमेट एडाप्टेशन रिसर्च एंड

अंडरस्टैंडिंग के तहत 'दी एवरीडे स्टेट इन लैंड एक्वीजीशन : ए केस स्टडी ऑफ ए माइनर इरीगेशन प्रोजेक्ट इन सेंट्रल इंडिया' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : 9 अगस्त 2016, आई.आई.एम बैंगलोर में पब्लिक पालिसी एंड मैनेजमेंट के ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लाइवलीहुड ट्रांसफॉर्मेशन एंड दी चेंजिंग प्रोफाइल ऑफ रिस्क, वल्नेरबिलिटी एंड अडैप्टेशन इन एन आदिवासी विलेज इन दी सेंट्रल ड्राईलैंड रीजन' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

—————— : 19 अगस्त 2016, दिल्ली में येल यूनिवर्सिटी एंड उकिएरी के पॉलटिकल विभाग द्वारा आयोजित दी फ्यूचर ऑफ डेवलपमेंट एथिक्स स्टडीज कार्यशाला के तहत एथिकल डेलिमाज ऑफ डेवलपमेंट पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

रोहित नेगी ने 27—29 अक्टूबर 2016, जर्मनी के मैक्स प्लान्क इंस्टिट्यूट के इनहैबिटिंग दी कॉरिडोरः वर्कशॉप ऑन सर्जिंग रिसोर्स इकनोमिक एंड अर्बन लाइफ इन ईस्ट अफ्रीका कार्यशाला के तहत माइनिंग इन दी 'दी बुश' : स्पेशियलाइजिंग ट्रांस्लोकल कैपिटल इन जाम्बिया पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : 15—16 मार्च 2017, हैदराबाद में हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के "ग्लोबलाइजेशन एंड इंटरनेशनल रिलेशनः पॉलटिकल, इकॉनोमिक एंड कल्चरल इम्प्लीकेशॅनस फॉर दी ग्लोबल साउथ" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ग्लोब्लिज्म, एंटी—ग्लोब्लिज्म एंड एन्वाय्रमेंटल फ्यूचर्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

ओइनाम हेमलता देवी ने 24—25 अगस्त 2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी "ओरल एंड एक्सप्रेसिव ट्रेडिशन ऑफ इंडिजेनस पीपल्सः पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम ईस्टर्न एंड नार्थईस्टर्न इंडिया रीजन" के तहत 'एन्टोंमोफेजी एंड एन्टोंमोथेरेपीः अंडरस्टैंडिंग दी फोक ट्रेडिंशन एंड नॉलेज (ए स्टडी इन अरुणाचल प्रदेश एंड नागालैंड)' विषय पर शोध—पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियां

अस्मिता काबरा ने 20—22 फरवरी 2017 को मनिला के एशियन डेवलपमेंट बैंक और फिलीपींस के साझेदार इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर इम्पैक्ट असेसमेंट द्वारा आयोजित संगोष्ठी में टॉक, रीसेटेल्मेंट एंड लाइवलीहुड पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

—————— : 1 दिसम्बर 2016, नई दिल्ली में काउंसिल फॉर सोशल डेवलपमेंट द्वारा आयोजित रिसेटलमेंट ट्रेनिंग—वर्कशॉप के तहत बेस्ट प्रैक्टिसेस ऑफ रीसेटेल्मेंट पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

—————— : 8—10 अगस्त 2016, आई.आई.एम बैंगलोर में ग्यारहवें इंटरनेशनल कांफ्रेंस के पब्लिक पॉलिसी एंड मैनेजमेंट के तहत अग्ररियन एंड रूरल चेंज इन इंडिया पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

——— : 21–22 अक्टूबर 2016, को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में ई–क्वल परियोजना के द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "एक्सेस, क्वालिटी एंड स्केल इन टेक्नॉलॉजी एनेबिल्डएंड ब्लेंडेड लर्निंग" विषय पर संबोधन दिया।

——— : 1 अक्टूबर 2016 को ई–क्वल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला में 'टेक्नॉलॉजी एनेबिल्डलर्निंग टूल्स' विषय पर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

पुलक दास ने 27–28 सितंबर 2016 को इग्नू, नई दिल्ली के दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम हेतु पर्यावरण विज्ञान के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में हिस्सा लिया।

रोहित नेगी ने 11 नवंबर 2016 को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय विधि एवं प्रशासन केंद्र में "टॉक्सिक अर्बनिज्मः एयर, पॉलिटिक्स एंड लर्निंग इन दिल्ली" विषय पर व्याख्यान दिया।

सुरेश बाबू ने ई–क्वल परियोजना दल के सदस्य के रूप में बोलोंगना विश्वविद्यालय में 9–10 जून को तथा किंग्स कॉलेज लंदन में 13–15 जून को एक प्रदर्शनी श्रंखला का आयोजन किया तथा विमर्श में हिस्सा लिया।

——— : 4–5 नवंबर 2016 वुड्ज मनोर, कोच्चि में आयोजित एशियन सेमिनार में "चेंजिंग हाइयर एजुकेशन सिनारियोंः एक्स्पीरीअन्स इन ओपेन एजुकेशनल प्रैक्टिसेस" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया।

——— : आईएचसी, दिल्ली में 1 अक्टूबर 2016 को ई–क्वल शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला में 'टेक्नॉलॉजी एनेबिल्ड लर्निंग टूल्स' विषय पर शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

——— : 21–22 अक्टूबर 2016 को ई–क्वल अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एक्सेस, क्वालिटी एंड स्केल इन टेक्नॉलॉजी एनेबिल्ड एंड ब्लेंडेड लर्निंग" विषय पर आयोजित एक सत्र के बहस में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

सुरेश बाबू, अस्मिता काबरा एवं रोहित नेगी ने इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 21–22 अक्टूबर 2016 को "एक्सेस, क्वालिटी एंड स्केल इन टेक्नॉलॉजी एनेबिल्डएंड ब्लेंडेड लर्निंग" विषय ई–क्वल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी को सफल बनाने में सहयोग दिया।

सुरेश बाबू, अस्मिता काबरा एवं रोहित नेगी ने 1 अक्टूबर 2016 को इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में "स्मार्ट टीचिंग : टेक्नॉलॉजी एनेबिल्ड पैडगोजीज" विषय पर कार्यशाला आयोजित करने में अपना सहयोग दिया।

रोहित नेगी ने 7–8 अक्टूबर 2016 को भारतीय विज्ञान शिक्षण एवं शोध संस्थान,

मोहाली में आयोजित कार्यशाला "कृटिकल ज्योग्राफिज ऑफ द इंडियन हिमालयाज" में सह–आयोजक की भूमिका निभाई।

कैलिफोर्निया एयर रिसोर्स बोर्ड के पूर्व निदेशक कैथरीन विथर्स्पून ने 18 अप्रैल 2016 को "नोट्स ऑन द हिस्ट्री ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट" विषय पर अपना वक्तव्य दिया।

पब्लिक इंटरनेशनल फाइनान्स एवंएन्वाग्रमेंट् के विशेषज्ञ एवं वकील ब्रूस रिच ने 2 नवंबर 2016 को "सस्टैनबल डेवलपमेंट, द वर्ल्ड बैंक ग्रुप एंड ग्लोबलाइजेशन इन क्राइसिस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन सेटलमेंट, बेंगलुरु के गौतम भान ने 22 फरवरी 2017 को "व्हाट मस्ट बी आर अर्बन क्वेश्चन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

रेंससेलेर पॉलीटेक्निक इंस्टीट्यूट, न्यू यॉर्क के प्रोफेसर किम फोर्चुन ने 23 फरवरी 2017 को "फ्राम भोपाल टू इंडस्ट्रियलिज्म स्टडीज ऑफ एयर पल्यूशन गवर्नेंस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

यूएनडीपी के सहयोग से 10 अगस्त 2016 को एयूडी के इको क्लब 'टेरा' के साथ मिलकर सतत पोषणीय विकास लक्ष्य पर छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

क्षेत्र–यात्राएं

13–17 अक्टूबर 2016 को विकास अध्ययन कार्यक्रम में अध्ययनरत स्नातकोत्तर के प्रथम एवं तृतीय सत्र के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों के मुख्य एवं वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत अगारा एवं शिवपुर गाँवो में 6 दिन का दौरा किया गया।

30 नवंबर से 5 दिसंबर 2016 के बीच परिस्थितिकी के विद्यार्थियों ने पारिस्थितिकी प्रणाली एवं परिस्थितिकी समुदाय को समझने हेतु असन बैराज एवं टिमली रिजर्व फॉरेस्ट में 6 दिन का दौरा किया।

6–10 मार्च 2017 को पारिस्थितिकी विज्ञान के स्नातकोत्तर में अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'रेस्टोरेशन इकोलोजी' कार्यक्रम हेतु लंबिधर माइंस, उत्तराखंड में 5 दिन का दौरा आयोजित किया गया।

8–11 अप्रैल 2016 को एमएईडी के वैकल्पिक पाठ्यक्रम में शामिल तृतीय सत्र के विद्यार्थियों ने देहरादून, उत्तराखण्ड में 3 दिन का दौरा किया गया।

22 अक्टूबर 2016 को वैकल्पिक पाठ्यक्रम, एन्वाग्रमेंट्ल इम्पैक्ट असेसमेंट के तृतीय सत्र के विद्यार्थियों ने दिल्ली के कुछ हिस्सों का दौरा किया।

20 नवंबर 2016 को वैकल्पिक पाठ्यक्रम, शहरी विकास एवं पर्यावरण के तृतीय सत्र के विद्यार्थियों ने दिल्ली रिड्ज का दौरा किया।

छात्र कौशल

प्रस्तुतियाँ

रश्मि सिंह ने 27–29 मई 2016 को लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में रॉयल एन्थ्रोपोलोजिकल इंस्टीट्यूट एवं द डिपार्टमेंट ऑफ अफ्रीका, ओशीआनिया एंड द आमेरिकाज ऑफ द ब्रिटिश म्यूजियम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'एंथ्रोपोलोजी, वेदर एंड क्लाइमेट चेंज', 2016, में अपना शोध पत्र "अण्डरस्टैंडिंग क्लाइमेट चेंज एज ए सोशिओ–ईकोलाजिकल फिनोमेनन इन इंडियन ट्रांस हीमाल्यास" प्रस्तुत किया।

—————— 8–10 दिसम्बर 2016 को आईजीएनसीए एवं सहजीवन–एफईएस के संयुक्त तत्वाधान में इन्दिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स, दिल्ली में आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में "ट्रांसफॉरमेशन ऑफ एन एग्रो–पास्टोरल सिस्टम : ए केस स्टडी फ्रम अपर स्पीती लैंडस्केप, हिमाचल प्रदेश"विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

टिमली वन रेंज में फील्ड ट्रिप

2.7. मानव अध्ययन स्कूल

शिक्षण के माध्यम से व्यक्तिगत जीवन के और जीवन के प्रति अपने वातावरण– परिवार, समुदाय, बदलती जीवनशैलियों, आपसी संबंधों, यौनिकता, कार्य स्थलों के बदलते चरित्र, जीवन की अवस्थाओं (खास तौर पर वृद्धावस्था) आदि से जुड़े मुद्दों के समाधान हेतु मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस) ने भारतीय शिक्षा जगत में शायद पहली बार मनोविज्ञानियों, सामाजिक मानव विज्ञानियों, समाजशास्त्रियों, राजनीति विज्ञानियों, नारीवादी विद्वानों तथा दर्शनिकों के एक अंतर्विषयक समूह का समाहार किया है। मानवीय अनुभव, सोच और सपने को संरक्षित एवं मुक्त रखते हुए एसएचएस हमारे समय की खास यथार्थताओं के साथ सोद्देश्य तथा महत्वपूर्ण संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। स्कूल की कल्पना वैचारिक धुरी और संबद्ध प्रणालियों, जिनसे इसके कार्यक्रमों के महत्व की जानकारी मिलती है, तथा शिक्षण, सलाह, मूल्यांकन, शोध की प्रणालियों और समाज की परंपरा के क्षेत्रों की सहभागिता के एक विन्यास पर की गई है। इसके अलावा मानव जीवन और जीवन की घटनाओं के प्रति कुछ गंभीर मुद्दों को आसान तरीकों से समझने के लिए भी, जिसका सामान्य स्थिति में उच्चतर शिक्षा से कोई संबंध नहीं होता, स्कूल आबद्ध है। वर्तमान में, स्कूल में मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन), एम.फिल. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन, एमए जेंडर अध्ययन, एम. फिल/पीएचडी महिला एवं जेंडर अध्ययन, पीएचडी मनोविज्ञान तथा एम. फिल. विकास प्रणाली की शिक्षा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, एसएचएस विकास प्रणाली केंद्र, मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र तथा एक मनोचिकित्सा एवं परामर्श निदान–गृह 'एहसास' की मेजबानी करता है।

एमफिल मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन

यह एक तीन वर्षीय कार्यक्रम है। इसमें मनोविज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत मनोचिकित्सकों और नैदानिक शोधकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसका मुख्य कार्य मानसिक स्वास्थ्य अध्यवसायियों को तैयार करना है जो संवेदनशील, सक्षम एवं खुले मन के साथ ही संस्कृति, इतिहास तथा राजनीति के भी जानकार हो। इसके आलावा वे परामर्शकर्ता के रूप में भी कार्य कर सकें। लक्षणों को किसी व्यक्ति अथवा परिवार के जीवन इतिवृत्त से जोड़ते हुए, मानव द्वंदों एवं एक सुस्पष्ट अवस्थिति से संघर्षों के उतार–चढ़ावों को समझने पर बल दिया जाता है। सिधान्त की गहन शिक्षा, सर्वेक्षित नैदानिक कार्य, चिकित्सक की व्यक्तिगत चिकित्सा और नैदानिक शोध कार्य समेत इससे नैदानिक दृष्टि से चिंतन करने की क्षमता को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है। इसमें मानसिक अवस्थाओं की पहचान, निरूपण एवं अभिव्यक्ति शामिल है। इस लयात्मक प्रक्रिया को अपनाने तथा इसके मनन से चिकित्सा और तदन्तर शोध के प्रति एक प्रवृत्ति को बल मिलता है। मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन में एम. फिल कार्यक्रम को पीएचडी कार्यक्रम से सीधे जोड़ा गया है। इसके लिए स्थानों की संख्या सीमित है।

एमफिल विकास प्रणाली

यह एमफिल कार्यक्रम कोशिश करता है कि कक्षा एवं क्षेत्र (फील्ड) दोनों ही से विकास के बारे में उत्पन्न समीक्षा पर आधारित अधिगम–प्रक्रम को बढ़ावा दिया जाय। उम्मीद यह है कि ज्ञान, संबंध और कार्यकलापों, तीनों में जो आमूमन तौर पर विकास के संदर्भ में गहरा अलगाव है, उनमे एक संवाद हो पाये। इसके लिए यह कार्यक्रम एक वर्ष के समय के लिए मध्य भारत में आदिवासी और दलित जीवन की परिस्थितियों में छात्रों को क्षेत्र में ही रह कर तन्मय अनुभव करने के लिए भेजता है और एक 'एक्शन रिसर्च' पर आधारित शिक्षा पद्दती पर जोर देता है।

ज्ञान का प्रक्रम यहाँ विकास की स्थापित प्रणाली के साथ एक आलोचनात्मक, विश्लेषक, और चिंतनशील रिश्ते को प्रथम सेमेस्टर के कोर्स जैसे "फिलॉसफी ऑफ डेवलपमेंट प्रैक्टिस" और "अण्डरस्टैंडिंग द रुरल" द्वारा अंतर्निविष्ट करवाता है। यही शैली और प्रणाली दूसरे सेमेस्टर में "इक्वालिटी डिस्कृमिनेशन मार्जिनलाइजेशन", "जेंडर एंड डेवलपमेंट", "एनवायरनमेंट नैचुरल रिसोर्सेस डेवलपमेंट" और तीसरे सेमेस्टर में "फिलॉसफी ऑफ जस्टिस", "डिस्कोर्सेज ऑन वेल बीइंग" सरीखे विषयों में भी इस शिक्षा का आधार है। यह कार्यक्रम छात्रों में विकास को आंकड़ों में मापने के चलन से परे मानवीयता, संबंधपरक, मनोवैज्ञानिक समझ और अनुभव पर केन्द्रित है।

यह कार्यक्रम अंतर्विषयक फैकल्टी और डेवलपमेंट सैक्टर से जुड़े पेशेवरों को प्राध्यापक के रूप में एक ही स्तर पर ले कर आता है। इसके अलावा 'प्रादन' (PRADAN) ने 29 क्षेत्र विशेषज्ञों को छात्रों को निरीक्षण के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। इसके अलावा छात्रों का निरीक्षण और मार्गदर्शन करने के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट प्रैक्टिस, स्कूल ऑफ ह्यूमन स्टडीज, स्कूल ऑफ लिब्रल स्टडीज और स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज के प्राध्यापक भी सुलभ हैं।

एमए मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन)

एमए मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन) एक ऐसा अनोखा कार्यक्रम है जिसे विद्यार्थियों की आलोचनात्मक और नैदानिक सोच को प्रोत्साहित करने हेतु तैयार किया गया है। साथ ही यह इस विषय को और अधिक सूक्ष्म रूप से समझने में मदद भी करेगा। आशा की जाती है कि इससे छात्र जीवन की विभिन्नताओं एवं अनेकताओं को बेहतर ढंग से मूल्यांकित करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा विद्यार्थियों में उन गतिशील प्रक्रियाओं को समझने की समझने की समीक्षात्मक दृष्टि भी उत्पन्न होगी जो अप्रत्यक्षता एवं अपवर्जन को बढ़ावा देते हैं।

एमए जेंडर अध्ययन

कार्यक्रम एयूडी के अंतर्विषयक, अंतरनुभागीय एवं गतिशील दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है। यह विद्यार्थियों को सामाजिक वास्तविकताओं एवं मुद्दों से संबंधित आलोचनात्मक

वैचारिक ढांचा प्रदान करता है। जहां दक्षिण एशिया एवं वैश्विक नारीवाद (साउथ एशिया एवं ग्लोबल फेमिनिज्म) जैसे मुख्य पाठ्यक्रम लिंग (जेंडर) तथा महिलाओं संबन्धित आंदोलनों का ऐतिहासिक और पद्धतिगत विश्लेषण प्रदान करते हैं, वहीं वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को उन विकल्पों का चयन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

एमफिल/पीएचडी महिला एवं जेंडर अध्ययन

महिला एवं जेंडर अध्ययन कार्यक्रम में एमफिल/पीएचडी का पाठ्यक्रम 27 अगस्त 2012 से शुरू किया गया। एयूडी एवं महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडबल्यूडीएस) के सहयोग से उद्भूत ये कार्यक्रम एक विशिष्ट प्रयास है। यह सहयोग एक शोध क्षेत्र, (सीडबल्यूडीएस) के सहयोग से उद्भूत ये कार्यक्रम एक विशिष्ट प्रयास है। यह सहयोग एक शोध क्षेत्र, सीडबल्यूडीएस और एक नितांत शैक्षिक क्षेत्र, पाठ्यक्रमों एवं अध्यापन के नए रूपों के साथ प्रयोगरत ए यू डी के एकजुट होने का परिणाम है। कार्यक्रम देश भर में महिला शोध कार्यक्रमों द्वारा किए गए श्रेष्ठ एवं समृद्ध कार्य का इस्तेमाल करता है। इस एमफिल/पीएचडी कार्यक्रम की एक विशिष्टता यह भी है कि यह मानव अध्ययन स्कूल अध्ययन के भीतर अवस्थित है। साथ ही यह अपने भीतर तथा विषय के बाहर के आयाम में अपना ध्यान विषय (जेंडर केन्द्रित) की जटिलता पर केन्द्रित रखता है। कार्यक्रम में महिला अधीनता के कारणों, संदर्भों और परिणामों के अतिरिक्त जांच की एक वस्तु के रूप में जेंडर (संबंध) के महत्व एवं शक्ति की वाहिकाओं तथा विन्यास के अध्ययन की आवश्यकता के विश्लेषणात्मक ज्ञान को शामिल किया जाता है। कार्यक्रम एयूडी में पहले से ही जारी एमए जेंडर अध्ययन से संबद्द है इसलिए एम.फिल तथा पीएच.डी कार्यक्रमों को शोध उपाधि के लिए आवेदकों के आंतरिक स्रोत और मौजूदा प्राध्यापक वर्ग व प्रशासनिक सहायता समेत संस्थागत आधारभूत संरचना का लाभ मिलता है। यही नहीं, एमए कार्यक्रम उन आगंतुक शोध छात्रों के लिए एक सेतु का कार्य भी करता है, जिन्हें क्षेत्र में कुछ पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों की आवश्यकता महसूस होती है।

पीएचडी मनोविज्ञान

इस कार्यक्रम से मनोवैज्ञानिक खोज की एक स्व–विवेचित व्याख्या का संवर्धन करने की अपेक्षा की जाती है। अंतर्विषयक शक्ति (संयोजन) और स्व–चिंतनशील परिप्रेक्ष्य से प्रेरित शोध का यह मनोवैज्ञानिक ढांचा ज्ञान एवं शक्ति दोनों के प्रति अविरत जिज्ञासा बनाए रखने का प्रयास करता है। इसके आलावा तदनंतर एक मनोवैज्ञानिक मानव विज्ञान अपनाने की इच्छा रखता है जो सांस्कृतिक स्तर पर संवेदनशील, उपनिवेशी मनोदशा से मुक्त और सामाजिक–राजनैतिक दृष्टि से विवेकशील हो। यह एक अंतर–विषयक शोध संवेदनशीलता को केंद्र में रखने का प्रयास करता है, जिसके भीतर जीवन की चेतन और अचेतन धाराओं, अनुभूतियों तथा घटना–क्रमिक प्रवाह को प्रमुखता दी जाये। जीवन और उसके संघर्षों के लिए कार्य करते एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य, जिसमें सतत सहभागिता

को स्थान व शोधकर्ता एवं शोध के स्व में रुपांतरकारी क्षमताओं का प्रसार किया जाता है, पर ध्यान देते हुए, पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक गतिशीलन की दृष्टि से प्रवण (प्रवृत), विवेचनात्मक, सहभागी और संवाद–संचार उन्मुखी कार्य आरंभ करने के इच्छुक भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए आधारशिला प्रस्तुत करता है।

परियोजनाएँ

कृष्णा मेनन, प्रधान निरीक्षक, रचना जोहरी, सुमंगला दामोदरन, रुक्मिणी सेन बिन्दु के.सी एवं अन्य : "टीचिंग फेमिनिज्म ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स क्वेश्चन्स ऑफ आइडेंटिटी, पैडागौजी एंड वायलेन्स इन इंडिया एंड यूके", यूजीसी–यूकेआईईआरआई द्वारा वित्तपोषित, 2 वर्ष हेतु, 49 लाख, जारी,।

कृष्णा मेनन, प्रधान निरीक्षक, रचना जौहरी : न्यू अर्बन स्पेसेस एंड द निगोशीऐशन ऑफ वुमन्स सब्जेक्टिविटी। अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित, 2 लाख जारी।

उपलब्धि / सम्मान / पुरस्कार

तारा अटलुरी ने भूगोल विभाग, बिर्क्बेक कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय में जनवरी से अप्रैल 2016 तक अतिथि अनुसंधानकर्ता के रूप में कार्य किया।

शुभ्रा नागलिया, 6–15 मार्च 2017 तक बेब्स–बोल्याई विश्वविद्यालय, क्लूज नपोका में एरेसमस प्लस कार्यक्रम के सदस्य के रूप में शामिल किए गए।

प्रस्तुतियाँ

आशीष रॉय ने बोस्टन विश्वविद्यालय, बोस्टन, यूके में 28–30 अक्टूबर 2016 को आयोजित आईएसपीएस–यूएस 15वें वार्षिक बैठक में "लिमिटलेसनेस एंड फ्रेग्मेंटेशन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

अनीता घई ने मेंचेस्टर मेट्रोपॉलिटन विश्वविद्यालय में 25–26 जुलाई 2016 को "इंगेजिंग विथ ए डिसेबल बॉडी : सम अनआन्सर्ड क्वेश्चन्स" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : फोर सीजन्स होटेल, सिडनी में 20–22 सितंबर 2016 को आयोजित ऑस्ट्रेलेशिया–पेसिफिक पोस्ट पोलियो कॉन्फ्रेंस में "माइ स्टोरी" विषय पर बहुमाध्यमिक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

अनूप धर ने मनोचिकित्सा एवं नैदानिक शोध एवं जापानी मनोवैश्लेषिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी–'भारत–जापान वार्ता' में "द जापनीज वाइफ : लव्स लेटर्स" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : डेल्युज कैंप, टीआईएसएस मुंबई में 13–15 फरवरी 2017 को "द स्किट्जो पॉलिटिकल : रीडिंग डेल्युज विथ गुयाट्टरी" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : टीआईएसएस, मुंबई में 16–17 फरवरी 2017 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "साइकोएनलाइसिस ऑफ टेरर : टेरर ऑफ साइकोएनलायसिस" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में 3 मार्च 2017 को मेलनकॉली फिलॉस्फी लिट्रेचर, में मेलनकॉली फिलॉस्फी विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : आईपी महाविद्यालय, दिल्ली के मनोविज्ञान विभाग में 9 मार्च 2017 को "मी माइसेल्फ एंड आई : ए लुक इंटू द मिरर ऑफ नार्सिसिजम" विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में 'फेमिनिस्ट री–रीडिंग ऑफ नार्सिसिजम' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : दिल्ली विश्वविद्यालय, मनोविज्ञान विभाग में 10 मार्च 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "रिजीम्स ऑफ नार्सिसिजम : रिजीम्स ऑफ मेलनकोलिया" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 31 मार्च–1 अप्रैल 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में "द रियल (ऑफ) मार्क्स" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

अशोक नागपाल ने एयूडी के मनोविश्लेषण एवं नैदानिक शोध केंद्र तथा जापानी मनोवैश्लेषिक संस्था के सहयोग से आईआईसी नई दिल्ली में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी में 6–8 जनवरी 2017 को "ऑन सल्क : ऑन कम्यूनिकेटिंग ऑर नॉन–कम्यूनिकेटिंग" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

बिन्दु के. सी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में 19 अप्रैल 2016 को आयोजित एक संगोष्ठी में "डिस्कशन ऑफ कोर्स इन ए कॉन्फ्रेंस, करीकुलम एंड पैडागौजी" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : साहित्य अकादमी, थ्रिसुर में 29 मई 2016 को आयोजित एक कार्यशाला "पावर, सॉव्रेनटी, पीपल" में जेंडर सॉव्रेनटी विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : श्री केरलावर्मा कॉलेज, थ्रिसुर में 21 जून 2016 को आयोजित एक कार्यशाला में "रीडिंग जेंडर" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 11 फरवरी 2017 को आयोजित एक वैचारिक गोष्ठी में "रिप्रजेंटेशन ऑफ आदिवासी वुमन : क्वेश्चन्स ऑफ सेक्सुअलिटी, मोडेर्नीटी, कल्चर" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के लॉ स्कूल में 9 मार्च 2017 को आयोजित एक विचार गोष्ठी में "डिमोनेटाइजेशन : ए कल्चरल टेक्स्ट" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 10 मार्च 2017 को आयोजित एक विचार गोष्ठी में "लैंगवेज क्वेश्चन इन हाइयर एजुकेशन : थियोरेटिकल डिबेट ऑन ट्रांसलेशन ऐेज पैडागौजी "विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : आईआईएएस, शिमला में 27–29 मार्च 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "नेचुर्ली प्योर आदिवासी एंड करप्ट मोडेर्नीटी : सिचुएटिंग द एंटी मोडेर्नीटी डिबेट विथ रेफरेंस टू द आदिवासी" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

हनी ओबेरॉय वहाली ने रुट्गर्स विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी में 13–15 अक्टूबर 2016 को आयोजित एक वार्षिक गोष्ठी में "फोर्गोटेन, इंटरप्टेड एंड अंडरएम्ट ड्रीम्स : साइकोएनलायसिस एंड विजन्स फॉर सोशल जस्टिस" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : आईआईसी, नई दिल्ली में मनोचिकित्सा एवं नैदानिक शोध एवं जापानी मनोवैश्लेषिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी– 'भारत–जापान वार्ता' में 'सर्चिंग फॉर माइसेल्फ, मदर आई रीडिस्कवर यू : ए साइकोएनालाइटिकल रिफ्लेक्सन ऑन मदर–डॉटर रिलेशनशिप' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : एसवी गवर्मेंट कॉलेज, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में 11–12 मार्च 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वॉइसेस फ्रॉम द डार्क सेलर : द साइकोलॉजिकल स्ट्रगल्स एंड पॉलिटिकल रेसिस्टेंस ऑफ तिब्बतन वुमन सरवाइवर्स ऑफ टॉर्चर एंड सेक्शुअल वायलेन्स" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

कृष्णा मेनन ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 17 नवंबर 2016 को "डिवाइन म्यूजिक एविल वुमन, कास्ट जेंडर एंड म्यूजिक इन द मेकिंग ऑफ मॉडर्न साउथ इंडिया" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : विस्कौमप द्वारा नई दिल्ली मे 30 नवंबर 2016 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एजुकेशन एंड सोशलाइजेशन टू काउंटर जेंडर बायस एंड डिस्क्रिमिनेशन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : चेन्नई में इंडियन एसोसिएशन ऑफ वुमन्स स्टडीज द्वारा 23 जनवरी 2017 को आयोजित 15वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में "अंडरस्टेंडिंग द नेचर ऑफ द इंडियन स्टेट : ए फेमिनिस्ट पर्सपेक्टिव" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 11 फरवरी 2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा आयोजित एक विचार गोष्ठी में "जेंडर एंड डेवलपमेंट क्वेश्चन ऑफ गवर्नेंस फेमिनिज्म" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : टोरंटो, कनाडा में 17 मार्च 2017 को एशियन स्टडीज एशोसिएशन द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "द मेनी बोडीज ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

लोविटोली जीमो ने लुंद विश्वविद्यालय, स्वीडन में 20–22 सितंबर 2016 को आयोजित एसएएसएनईटी संगोष्ठी में "स्टेजिंग लव ऑर पावर मेटेरियलिटी ऑफ वेडिंग्स इन इंडियाज नॉर्थ ईस्ट रीजन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : भारतीय समाज संस्था, नई दिल्ली में 4–5 फरवरी 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी "ट्रैवल्स राइट इन इंडिया एंड डिमांड फॉर डेवलपमेंट विथ डिग्निटी" में "कल्चर ऑन माई प्लेटर : द फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : इग्नू, नई दिल्ली में 16–17 मार्च 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में "कल्चरल साइलेंस : मटिरीऐलिटी ऑफ जेंडर्ड गिफ्ट एंड ई इन एक्सचेंज इन सूमी मैरेज प्रैक्टिसेस ऑफ नागालैंड" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

नीतू सरीन ने एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, उत्तर प्रदेश में 17 फरवरी 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में "व्हाट वी लर्न एंड नीड टू अनलर्न फ्रॉम साइकोएनालिसिसः ए डेवलपमेंट एंड कल्चरल चौलेंज टू फ्रीयुड्स मेटासाइकोलोजी" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

पल्लवी बनर्जी ने लोरेटो कॉलेज, कोलकाता में 25 नवंबर 2016 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पाराडोक्सेस थ्रू थेरप्यूटिक लेंसेस" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

रचना चौधरी ने लुंद विश्वविद्यालय, स्वीडन में 20–22 सितंबर 2016 को स्वीडिश साउथ एशियन स्टडीज नेटवर्क द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "फ्रॉम प्रोस्टिट्यूट तो सेक्स वर्कर : रीहेबिलिटेटिंग द डिविएन्ट एंड द नेशन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : आईआईसी दिल्ली में 11–12 नवंबर 2016 को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एक अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में "काउंटरिंग एलिनेशन : रि–रीडिंग सब्वर्जन इन डिस्कर्सिव प्रैक्टिसेस" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : अरबिक एंड अफ्रीकन अध्ययन केंद्र द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 27–29 दिसंबर 2016 को आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में

"इंजेंडरींग पॉलिसी इन कॅन्टेम्पॅरॅरि इंडियाः क्रियेटिंग ए जेंडर–जस्ट वर्क कल्चर" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

रचना जौहरी ने आईआईसी, नई दिल्ली में मनोचिकित्सा एवं नैदानिक शोध एवं जापानी मनोवैश्लेषिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी–'भारत–जापान वार्ता' में "इन सर्च ऑफ द मदर–डॉटर डायड : ए डिस्कन्टेन्डेड जर्नी इनटू द हिन्दू सिविलाइजेशन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : टोरंटो, कनाडा में एशोसिएशन ऑफ एशियन स्टडीज द्वारा 17 मार्च 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय "वियरिंग मल्टीपल बॉडीजय टुवर्ड्स ए साइकोलॉजिकल एनालिसिस ऑफ वुमन्स बॉडीज इन ग्लोबलाइजिंग इंडिया" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

शिफा हक ने बर्लिन में 17 जून 2016 को "रेडिकल सूलेन एथीस्ट्स ऑर डेवोटेड मोनर्स? ऑन मोर्निंग डिसएपियरेंसेस इन कश्मीर" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : आशीर्वाद केंद्र, बैंगलोर में 25–26 नवंबर 2016 को आयोजित चौथे अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में "ऑफ मर्डर्ड स्लिप एंड साइलेंस – रिफ्लेकशंस ऑन पर्वर्जन प एंड नॉर्मलिटी इन द क्लीनिक" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : आईआईसी, नई दिल्ली में मनोचिकित्सा एवं नैदानिक शोध एवं जापानी मनोवैश्लेषिक संस्था के संयुक्त तत्वाधान में 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी–'भारत–जापान वार्ता' में "द अनटेमिंग ऑफ टंग्स –लिसनिंग टू द पर्वर्स एंड द नॉर्मल" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : स्वामी विवेकानंद गवरमेंट कॉलेज एवं आईसीएसएसआर के सहयोग से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में 11–12 मार्च 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ए प्लेस फॉर कलेक्टिव मोर्निंग–द रोल ऑफ एशोसिएशन ऑफ द पैरेंट्स ओ डिसएपियर्ड पर्सन्स" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 22 मार्च 2017 को ए यू डी एवं डबल्यूएसएस द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में "मोर्निंग डाइरिज फ्रॉम कश्मीर" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

शुभ्रा नागलिया ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 18 अप्रैल 2016 को आयोजित एक संगोष्ठी में "कन्सेप्चुलाइजिंग वुमन्स स्टडीज करिकुलम डिस्कशन ऑफ कोर्स" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : टर्टू विश्वविद्यालय, टर्टू, इस्टोनिया में 12–14 जून 2016 को आयोजित पहली वार्षिक संगोष्ठी में "आइडेंटिटी होम एंड एन इमेजिंड फ्युचर : रशियन वुमन माइग्रेंट्स एंड नेशनलिज्म, (व्हाट इज टू बी डन ?)" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 2–4 नवंबर 2016 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "25 इयर्स ऑफ पोस्ट–सोवियट एक्सपिरियन्सः इज इट ए पोस्टकलोनियल कंडीशन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : सिक्किम गवरमेंट कॉलेज, तडोंग में 23–25 फरवरी 2017 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ट्वेंटी फस्ट सेंचुरी डिजिटल इम्पॉवर्ड इंडिया : विदर वुमन" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अनीता घई ने बापू न्यास पुणे द्वारा 17–19 मार्च 2016 को आयोजित एक संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में अपनी भूमिका निभाई।

—————— : विज्ञान भवन में राष्ट्रीय महिला नीति 2016 के सलाहकार दल के सदस्य के रूप में हिस्सा लिया।

—————— : कोर्डिंडिया द्वारा आईआईसी दिल्ली में 11 अगस्त 2016 को आयोजित एक कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : बी.ईएल.ईडी विभाग, गार्गी कॉलेज, दिल्ली में 25 अक्टूबर 2016 को एक कक्षा में व्याख्यान दिया।

—————— : ब्राक विश्वविद्यालय, काठमाण्डू के पी ग्रांट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में 11–21 दिसम्बर 2016 को महिला केंद्र द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण हेतु आयोजित एक सलाहकार सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन की भूमिका निभाई।

—————— : सेंट्रल वर्ल्ड, बैंगकॉक, थाईलैंड में 29 जनवरी–3 फरवरी 2017 को आयोजित प्रिंस महिदोल अवार्ड कान्फ्रेंस के संगोष्ठी दल का हिस्सा बने।

—————— : एसएनडीटी वुमन्स विश्वविद्यालय, मुंबई में स्त्री–अध्ययन, स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम विकास हेतु 9–10 फरवरी 2017 को आयोजित सलाहकार बैठक में रिसोर्स पर्सन के रूप में हिस्सा लिया।

—————— : जीसस एंड मैरी कॉलेज, नई दिल्ली में 28 फरवरी 2017 को "डिसएबिलिटी एंड साइंस" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

—————— : यूएन, दिल्ली में 9 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के क्रम में यूएनआईसी द्वारा फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया जिसमें अनीता घई ने "वुमन डिसएबिलिटी" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

अनूप धर ने आईएन सोशल साइंस, कोलकाता (सीएसएसएससी) में 12–21 मार्च 2016 को आयोजित सांस्कृतिक अध्ययन कार्यशाला में "सेक्शुअल वायलेंस" विषय पर सत्र को संबोधित किया।

गंगमूमेई कामेई ने दिल्ली विश्वविद्यालय में सीपीडीएचई द्वारा 25 नवंबर से 23 दिसंबर 2016 को आयोजित एक अभिविन्यास कार्यक्रम "इंडियन एंड वेस्टर्न आस्पेक्ट्स" में हिस्सा लिया।

हनी ओबेरॉय बहाली ने राष्ट्रीय मानसिक स्वस्थ्य एवं न्यूरो विज्ञान केंद्र, बैंगलोर में 30–31 जनवरी 2017 को "यूजिंग साइकोएनालिटिकल कन्सेप्ट्स इन द थेरेपी रूम" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : आईपी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 22 मार्च 2017 को अकादमिक विकास कार्यक्रम में "रिसर्च इन काउन्सलिंग एंड साइकोथेरेपी" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 17 मार्च 2017 को "साइकोएनालिटिकल इमेजेज ऑफ सेल्फ" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कृष्णा मेनन ने 17 मार्च 2017 को टोरंटो, कनाडा में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "द फीमेल बॉडी एंड इट्स फ्रेगमेंट्स : नेगोशिएशन, वायलेंस एंड रेजिस्टेन्स इन साउथ एशिया" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता किया।

—————— : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली में 5 अगस्त 2016 को "मीराबाईः समेकित पूनर्मूल्यांकन" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जेंडरिंग भक्ति इन साउथ इंडिया," विषय पर व्याख्यान दिया।

नीतू सरीन ने सीएमटीएआई, नई दिल्ली में 23–25 मई 2016 को "क्रिएटिव आर्ट्स थेरेपी" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

रचना जोहरी ने गोआ साइकियाट्रिक सोशायटी में 25 जून 2016 को आयोजित एक वार्षिक सम्मेलन में "पोजीशन ऑफ वुमन इन टुडेज सिनारीयो" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

—————— : शिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में 24 सितंबर 2016 को आयोजित चौथे उत्तर क्षेत्र समाज विज्ञान कॉंग्रेस में "जेंडर एंड साइकोलॉजी" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया।

—————— : आईपी कॉलेज डबल्यूडीसी में 27 जनवरी 2017 को "डीकन्स्ट्रक्टिंग वुमनहुड एंड आइडेंटिटी" विषय पर आयोजित परिचर्चा में सदस्य के रूप में शामिल किए गए।

—————— : जाकिर हुसैन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 17 फरवरी 2017 को "फेनोमेनोलॉजिकल साइकोलॉजी" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : जाकिर हुसैन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 8 मार्च 2017 को "नॉर्मलाइजिंग पेट्रीयार्की इन ट्वेंटी फस्ट सेंचुरी इंडिया : जेंडर रिफ्लेकशंस इन इंडियन मीडिया एंड मार्केट" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

मैत्रेयी मुखोपाध्याय, दीप्ता भोग, रीता थापा, फिरदौस आजिम, मेरी ई. जॉन, ने 24 अगस्त 2016 को मैत्रयी मुखोपाध्याय द्वारा लिखित पुस्तक 'फेमिनिस्ट सब्वर्जन एंड कंप्लीसिटीः गवार्मेंटलिटीज एंड जेंडर नॉलेज इन साउथ एशिया' के पुस्तक–परिचर्चा में भाग लिया।

हिसिला यामि एवं मानुषी ने 2 सितंबर 2016 को 'डेमोक्रेसी एंड वुमन इन नेपाल' विमर्श में हिस्सा लिया।

कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के असिस्टेंट प्रोफेसर अंबर अहमद ने 28 सितंबर 2016 को 'द पॉलिटिक्स ऑफ अनकवर्ड बॉडीज' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सामाजिक कार्यकर्ता बीनयक सेन एवं इलिना सेन ने टीआईएसएस, मुंबई में 11 अक्टूबर 2016 को 'क्रिटिकल मेडिकल प्रैक्टिस, सोशल ट्रांसफॉरमेशन एंड जेंडर' विषय पर परिचर्चा में भाग लिया।

यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन बोथेल्ल के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा 'जेंडर एंड ह्यूमन राइट्स इन इंडिया' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

पीटर वर्नेज ने 30 मार्च से 6 अप्रैल 2017 तक एमफिल एवं पीएचडी के शोधार्थियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

जाकिया सोमन (भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन) ने 30 सितंबर 2016 को ने 'नीड टू रिफॉर्म मुस्लिम पर्सनल लॉज : भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन एक्स्पीरीएन्स' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू के विधि एवं शासन केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर प्रतीक्षा बक्षी ने 02 नवंबर 2016 को "सेंट्रल फेमिनिज्म एज जुडीसियल बायसः द डिसकंटेंट अराउंड स्टेट वर्सेज वी. महमूद फारुकी" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्वाती शाह, एसोसिएट प्रोफेसर, वुमन जेंडर एंड सेक्सुअलिटी स्टडीज, ने 'कास्ट, केपिटल एंड द स्ट्रीट : माइग्रेंट वुमन वर्कर्स नेगोशियेटिंग सरवाइवल' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एसओएएस साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के उप निदेशक नवतेज परेवल ने 18 जनवरी 2017 को 'द रेप्रो पॉलिटिक्स ऑफ क्रिमिनलाइजेशन, अबोर्शन एंड जेंडरसाइड' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

नेशनल साइकोलॉजिकल एसोसिएशन फॉर साइकोएनलाइसिस के मनोविश्लेषक एलन रोनाल्ड ने 'रोल ऑफ कल्चर इन साइकोएनलाइटिक थियरी एंड क्लीनिकल वर्क' विषय पर 8 फरवरी 2017 को व्याख्यान दिया।

इग्नू के महिला एवं विकास अध्ययन केंद्र के असोशिएट प्रोफेसर हिमाद्रि रॉय ने 15 फरवरी 2017 को 'क्विरिंग सब्जेक्ट्स : अंडरस्टेंडिंग क्वीर रिसर्च अक्रौस वेरियस डिसिप्लिन' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उर्वशी बुटालिया, वालुणीर, जेम्स पोश्चेरी एवं लोविटोली जीमो ने 27 फरवरी 2017 को 'जेंडर ट्रेडिशन एंड कान्स्टीट्यूटनल राइट्सः डिबेट्स इन कंटेम्प्ररी नागालैंड' विषय पर आयोजित एक सामूहिक परिचर्चा में भाग लिया।

साउथ एशिया मानवाधिकार आयोग के कार्यक्रम निदेशक रीटा मनचन्दा ने 1 मार्च 2017 को 'कोन्फ्रोंटिंग द ब्लैकहोल ऑफ फेमिनिस्ट पॉलिटिक्स : वुमन पार्टीसिपेटिंग इन वायलेंट पॉलिटिकल मूवमेंट्स' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, इतिहास विभाग के प्रोफेसर मृणालिनी सिन्हा ने 7 मार्च 2017 को 'फ्रॉम वुमन तो जेंडर एंड बैक अगेन : सम रिफ्लेक्सन्सफ्रॉम द हिस्टोरीयोग्राफी ओ कोलोनियल इंडिया' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मनोविज्ञान के छात्रों ने 28 सितंबर से 9 अक्टूबर 2016 तक धर्मशाला में एक कार्यक्रम 'पर्सपेक्टिव ऑफ इमोशनल हीलिङ्ग इन साइकोलोजी एंड बुद्धिज्म' कार्यक्रम में भाग लिया।

कुसुम धर ने 23 मार्च 2017 को 'ड्रीमिंग हीलिंग एंड रिचुअल्स इन युन्गियन साइकोएनलाइसिस' विषय पर व्याख्यान दिया।

हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली के राजनीतिक वैज्ञानिक जगदीश कुमार ने 21 अक्टूबर 2016 को 'अंडर्स्टेंडिंग डिसएबिलिटी स्टडीज इन कांटेक्स्ट ऑफ डिसएबिलिटी राइट्स मूवमेंट' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

'वी केयर' नामक लघु फिल्म की प्रदर्शनी 9 सितंबर 2016 को आयोजित की गई।

आकांक्षा चित्कारा की ईल 'ए बिस्ट काल्ड ब्यूटी'की प्रदर्शनी 16 सितंबर 2016 को आयोजित की गई।

महिला एवं जेंडर अध्ययन केंद्र द्वारा 21 नवंबर 2017 को शोधार्थियों की एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

छात्र कौशल

प्रकाशन

अस्मिता शर्मा ने मनोचिकित्सा केंद्र एवं नैदानिक शोध केंद्र तथा जापानी मनोवैश्लेषिक सभा द्वारा 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी में ''द स्ट्रेंजर एंड द विटनेस : पीरिंग थ्रू द क्रैक्स ऑफ द ड्याद' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अस्मिता शर्मा एवं थंपी ई. ए. एनआर टीआईएसएस, मुंबई में 17 फरवरी 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में 'द पॉलिटिक्स ऑफ लाफ्टर : ए डेलेयूजेन एक्स्प्लोरेशन' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अस्मिता शर्मा ने जीसस मेरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अँग्रेजी विभाग में मार्च 2017 में आयोजित एक संगोष्ठी में 'द स्ट्रेंजर एंड द इंटीमेट अदर : एक्सप्लोरिंग द एजेज ऑफ पेन' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अंबिका सिंह ने आशीर्वाद केंद्र, बेंगलुरु में 25 नवंबर 2016 को आयोजित चौथे अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द इनेस्केपेबल इंटीमेशन : कटिंग ऐज ए बॉडिली रिमाइंड' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : मनोचिकित्सा केंद्र एवं नैदानिक शोध केंद्र तथा जापानी मनोवैश्लेषिक सभा द्वारा 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी में 'बिटविन फ्रेग्मेंटेशन एंड फेथ : द सर्च फॉर द थिरेप्युटिकइन द ड्याद' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वशिष्ठ, लतिका (2016) : द पॉलिटिक्स ऑफ मोर्निंग : जस्टिस एंड हीलिंग्स इन मणिपुर, इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

लतिका वशिष्ठ एवं उषा रमानाथन ने भारतीय विधि संस्थान में 3–4 मार्च 2017 को "डिकोडिंग द डिजिटल प्रोजेक्ट" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

लतिका वशिष्ठ ने भारतीय विधि संस्थान में 26 सितंबर से 1 अक्तूबर 2016 तक "डेथ एंड सेक्स इन क्रिमिनल लॉ" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सांस्कृतिक शाम–आवाज 2016

2.8. कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल

कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल का औपचारिक गठन 2016–17 से शुरू हुआ और यह अगस्त 2017 से स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए नामांकन की सुविधा उपलब्ध है । पिछले वर्ष स्कूल के प्रमुख उद्दयेश्यों एवं दीर्घकालिक लक्ष्यों को साधने हेतु इस पर पर्याप्त मेहनत की गई है। यह अगले कुछ सालों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में पठन–पाठन के साथ–साथ स्कूल के संकाय के रूप में भी कार्य करेगा।

स्कूल का उद्देश्य कानून, संस्कृति, राजनीति और सामाजिक संरचनाओं के गहन और जटिल बातचीत पर एक अन्तर्वीषयक दृष्टिकोण प्रदान करना है। कानून को कानूनी अभ्यास के एक क्षेत्र के रूप में या वकील और कानूनी विद्वानों के लिए आरक्षित ज्ञान के रूप में कानून के प्रशोधन के बजाय, स्कूल कानून को एक रचनात्मक और सहयोगी अभ्यास के रूप में मानता है। जबकि कानून का अध्ययन परंपरागत रूप से विश्वविद्यालयों के भीतर विधि स्कूल या विधि विभाग के अंतर्गत किया जाता है। सामाजिक विज्ञान और मानविकी विश्वविद्यालय के भीतर कानून के अध्ययन के लिए इस स्कूल का स्थान कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मक रूप से हस्तक्षेप करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है, साथ ही साथ यह छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान करता है। यह विद्यालय इस असंबद्ध अंतर को समाप्त करने और अन्तर्वीषयक दृष्टिकोण से कानून के अध्ययन के लिए दीर्घकालिक बौद्धिक मंच बनाने के कोशिश करता है।

इस प्रकार न्यायिक सिद्धांतों और सामाजिक वैज्ञानिकों का अध्ययन करने वाले न्यायविदों के बीच श्रम का एक विभाजन रहा है जो कानूनी बातचीत की असली दुनिया पर विचार करते हैं। स्कूल इस विभाजन को विशेषाधिकार देने के बजाय इन दो दृष्टिकोणों को एकीकृत करके इस विशिष्ट दृष्टिकोण से संचालित होता है। दरअसल यह कार्यक्रम इस विश्वास के साथ क्रियान्वित किया जाता है कि इन दृष्टिकोणों में से किसी एक को चुनना कानून के अध्ययन के लिए न्यायसंगत नहीं है।

एमए कानून, राजनीति एवं समाज

हमारा पहला कार्यक्रम कानून, राजनीति एवं समाज विषय में स्नातकोत्तर है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एक सुंदर आधुनिक भारत के निर्माण के लिए कानून एवं राजनीति की बेहतर समझ एवं उसके महत्वों से परिचित करना है। यह प्रोग्राम एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण को सम्मिलित करते हुए इन समस्याओं के बारे मे एक ऐसी समझ बनाने की कोशिश करेगा जिसमे यह देखा जा सके कि यह समस्यायें अँग्रेजी शासन काल से आजादी के बाद तक के दौर में उपजने लगीं और कैसे संविधान–सभा जैसे निकाये राष्ट्रवाद, शाशन और नागरिकता के बारे मे अलग अलग विचारधाराओं के लिए एक अहम स्थान सिद्ध हुए। यह प्रोग्राम न्याय के दृष्टिकोण से कुछ खास राजनीतिक सवालों को देखने कि कोशिश करता है (धर्म, अल्पसंख्यता, लिंग और योनिकता)। यह

आजादी के बाद विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका के सबसे तीव्र राजनैतिक घमासान का विश्लेषण करेगा, खासतौर से संविधान एवं उसमे सन्निहित लोकतान्त्रिक सिद्धांतों के रक्षण के बारे में।

आने वाले साल में यह स्कूल विभिन्न अनूठे एम ए कार्यक्रमों को शुरू करेगा जैसे न्याय और संस्कृति, न्याय और रजनीति विद्या, तुलनात्मक संविधानवाद, न्यायिक समाजशास्त्र, और एल एल एम के जैसे विषयों में अग्रणी भूमिका में रहेगा।

सम्मान / उपलब्धियाँ

लारेंस लियांग ने येल विश्वविद्यालय में अतिथि संकाय के रूप मे दो कोर्स, 'लीगल ट्रायल्स दैट शेप्ड इंडियन हिस्ट्री' पे और दूसरा 'सोशल वल्डस ऑफ सिनेमा इन इंडिया' पे पढ़ाये।

व्याख्यान / उपलब्धियां

लारेंस लियांग ने 30 सितंबर 2016 को ब्राउन यूनिवर्सिटी में जस्ट एनिमलरू द लीगल चौलेंज ऑफ एनिमल इन कोण्टेंपोररी केस इन इंडिया पर एक व्याख्यान दिया ।

------ : 22 अक्टुबर 2016 को एनुअल साउथ यूनिवर्सिटी, मैडीसन में कम्पलसरी अफेक्सन एंड कोंटेजियस एंगर एंड शैडो कोर्ट्स एंड द क्लेम्स ऑफ लव विषय परव्याख्यान दिया ।

------ : 18 अक्टुबर 2016 को न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी, न्यू यॉर्क में मीडीएटेड पॉप्यूलिजम इन इंडिया एट कोलंबिया ग्लोबल थौट सिंपोजियम ऑन पॉप्यूलिजम विषय पर व्याख्यान दिया ।

------ : 29 नवंबर 2016 को एनवाईयू में वाइरल इंडिग्नेशन एंड इमिडीएट (द) : द पॉलिटिक्स ऑफ लीगल ट्राएल्स एंड सोशियल सोशल मीडिया इन कन्टेंपोररी इंडिया विषय पर व्याख्यान दिया ।

------ : 20 जनवरी 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग में इरोटिक इनकाउन्टर्स ऑफ एन एक्सट्रा ज्यूडिशीयल काइन्ड : द चेंजिंग फेसेस ऑफ कॉप्स एंड क्रिमिनल्स इन पब्लिक कल्चर विषय पर व्याख्यान दिया ।

------ : 10 मार्च 2017 को येल यूनिवर्सिटी में अफेक्टिव सरप्लस ऑफ ज्यूडिशीयल पॉप्यूलिजम पर व्याख्यान दिया ।

------ : 23 मार्च 2017 को रीविजिटिंग द एशियन रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस, बर्लिन में नाउ इज द टाइम ऑफ मोंस्टसरू व्हाट कम्स आफ्टर द नेशन विषय पर व्याख्यान दिया ।

2.9. लिबरल अध्ययन स्कूल

लिबरल अध्ययन स्कूल चार एम.ए कार्यक्रमों–अर्थशास्त्र, अँग्रेजी, इतिहास एवं समाजशास्त्र के अलावा हिन्दी तथा इतिहास में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है। कार्यक्रमों का स्वरूप अंतर्विषयक है। ये उच्च कोटी के पाठ्यक्रमों, परस्पर प्रभावी अध्यापन और शिक्षा के माध्यम से लिबरल शिक्षा को प्रोत्साहित करके उसकी पुनर्व्याख्या करते हैं जो कक्षा के परिवेश से बाहर काम आती है। स्कूल अपने कार्यक्रमों से संबंधित क्षेत्रों में व्यवसायी निपुणता के साथ सामाजिक रूप से संवेदनशील शोधकर्ताओं को उत्पन्न करना चाहता है।

एमए अर्थशास्त्र

एमए अर्थशास्त्र कार्यक्रम का केंद्र बिन्दु आर्थिक विश्लेषण में विद्यार्थियों को दृढ़ एवं गहराई से प्रशिक्षण प्रदान करना है। इसके साथ ही यह कार्यक्रम विकासशील देशों जैसे– भारत के समकालीन आर्थिक मुद्दों को समझने हेतु छात्रों को विभिन्न कौशलों से निपुण भी करना चाहता है।

एमए अँग्रेजी

एमए अँग्रेजी कार्यक्रम अल्प ज्ञात भाषाओं एवं क्षेत्रों के साहित्य को सामने लाने के लिए ब्रिटिश और अँग्रेजी के अन्य साहित्य (अनुवाद सहित) के बीच श्रेणीबद्धता को विघटित करने हेतु प्रस्तावित करता है। यह कार्यक्रम संस्कृति, समाज एवं राज्य संबन्धित राजनीति के प्रति समालोचनात्मक साहित्य को बढ़ावा देता है।

एमए इतिहास

एमए इतिहास कार्यक्रम ऐतिहासिक घटनाओं एवं प्रक्रियाओं के साथ–साथ ऐतिहासिक विश्लेषण संबंधित कौशलों अन्य विषयों संबंधित व्याख्यात्मक तकनीक और आलोचनात्मक नजरिए को जानने हेतु तैयार किया गया है। इससे विद्यार्थियों को शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों को भी समझने में मदद मिलेगी।

एमए समाजशास्त्र

ज्ञान और कौशल द्वारा विद्यार्थियों की समालोचनात्मक सोच एवं प्रतिक्रियात्मक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु एमए समाजशास्त्र कार्यक्रम तैयार किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विषय एवं संदर्भ स्वयं तथा समाज और अतीत व वर्तमान के बीच संबंधों की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षित करना है। इससे विद्यार्थी सामाजिक न्याय सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध होकर सक्रिय शिक्षार्थियों के रूप में विकसित हो सकेंगे।

एमफिल एवं पीएचडी हिन्दी

एमफिल हिन्दी कार्यक्रम अनुसंधान पद्धति एवं हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि से संबंधित समस्याओं का दृढ़ प्रशिक्षण प्रदान करना चाहता है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों

को पर्यवेक्षण द्वारा स्वाबलम्बी शोध विद्वान बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एमफिल एवं पीएचडी इतिहास

एमफिल इतिहास कार्यक्रम को ऐतिहासिक कार्यप्रणालियों और पद्धतियों का दृढ़ एवं केन्द्रित प्रशिक्षण देने हेतु तैयार किया गया है। इसके अलावा यह अनुसंधान विद्वानों के लघु शोध–प्रबंध की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूरा करने का प्रयास करेगा, जिससे स्वाबलंबी अनुसंधान को बढ़ावा मिल सके।

सहकार्यता (सहयोग)

अरिंदम बनर्जी ने यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल एशिया , बिश्केक, किरगिस्तान एंड फूड एंड एग्रिकल्चर ओर्गेनाइजेशन के सहयोग से "फूड सिक्योरिटी पॉलिसी एंड न्युट्रिशन प्रोग्राम रोड मैप फॉर बेटर एंड इफेक्टिव इंप्लीमेंटेशन ऑफ फूड सिक्योरिटी पॉलिसी इन किरगिस्तान" विषय तैयार किया। 6 दिसंबर 2016 को 'फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इंप्लीमेंटेशन : इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव' विषय पर एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया गया था ।

शोध परियोजनाएं

बालचंद प्रजापति, बी (अन्वेषक प्राचार्य) और आर. के. शर्मा। डेरिवेशन ऑन ग्रुप अलजेब्रा एंड इट्स एप्लिकेशन डिपार्टमेंट ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलजी द्वारा वित्त पोषित (रुपये 491,198 जारी)।

प्रीति सम्पत. अन्वेषक प्राचार्य. लिविंग हिस्टीरिज ऑफ लैंड म्यूजियम, वेनर ग्रीन फाउन्डेशन इंगेज्ड अंथ्रोपोलोजी ग्रांट द्वारा वित्त पोषित (5000 डॉलर एक वर्ष से जारी)।

रुक्मिणी सेन और अमांडा गिल्बर्स्टन (अन्वेषक प्राचार्य) ए हिस्टरी ऑफ जेंडर ट्रेनिंग इन डेलही, डाइसन फेलोशिप, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया द्वारा वित्त पोषित (नवंबर 2016 से फरबरी 2017 तक 3100 ऑस्ट्रेलियन डॉलर्स, जारी

सम्मान / उपलब्धियाँ

गीथा वेंकटरमन ने सितंबर 2016 से क्लिक्स ईनीशिएटिव, टी आई एस एस मुंबई मे गणित विषय के लिए एड्वाइजरी कमिटी की सदस्य हैं ।

—————— : 3–5 मई 2016 को केप टाउन, साउथ अफ्रीका में लीडर्स ऑफ इंटरनेशनल एडुकेशन कॉन्फ्रेंस के लिए गोइंग ग्लोबल कॉन्फ्रेंस 2016 में भाग लेने के लिए ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आमंत्रित की गई थी।

—————— : 28 मई 2016 को एमिटी ग्रुप द्वारा आयोजित वेलीडीक्टरी सेरेमनी के 18वें नेशनल मैथेमैटिक्स ओलंपियाड वर्कशॉप में गेस्ट ऑफ ऑनर थी।

——— : 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2019 तक रामानुजन मैथेमैटिकल सोसाइटी में एग्जेक्युटिव कमेटी की सदस्य रहीं ।

——— : 2015–2017 रेजोनेंस के एडिटोरियल बोर्ड की सदस्य है–जर्नल ऑफ साइंस एडुकेशन, इंडियन अकादेमी ऑफ साइन्सेज एंड स्प्रिंगर।

——— : अप्रैल 2014 से अमेरीकन मैथेमैटिकल सोसाइटी के मैथेमैटिकल रिव्यूज की रिव्यूअर है ।

——— : नेशनल बोर्ड ऑफ हाइयर मैथेमैटीक्स, डीएई, भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत। 2016–2019 इंडियन वुमेन एंड मैथेमैटीक्स प्रोजेक्ट्स के लिए एक्सकुटिव कमिटी की सदस्य हैं ।

प्रस्तुतियाँ

अरिंदम बनर्जी ने 8–10 अगस्त 2016 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंग्लोर द्वारा आयोजित 11वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, पब्लिक पॉलिसी एंड मैनेजमेंट में चेंजिंग पैराडाइम्ज ऑफ फूड सेक्यूरिटी पॉलिसी इन इंडियाः कॉन्टेस्टेशन्स ओवर 'वेलफेयर' अंडर इकोनॉमिक रीफोर्म्स' इन द ट्रैक अग्रेरिअन एंड रुरल चेंज इन इंडिया विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

धरित्री नरजारी ने 21–29 अप्रैल 2016 मोफा द्वारा आयोजित पेकिंग यूनिवर्सिटी, बीजिंग में कन्फ्यूशनिजम इन 21वें सेंचुरी चाइना विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

——— : 6–8 अप्रैल 2016 को सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ हवई, होनोलूलू, हवई द्वारा आयोजित "एनुअल सिम्पोजियम, बॉर्डर्स एंड मोबोलिटी में नोशन ऑफ मार्जिनलिटी एंड आइडैनटिटि इन द बार्डरलैण्ड्स ऑफ लोअर असम" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

——— : 8–9 दिसंबर 2016 को 4जी एनुअल हटन लैक्चर एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम, कोहिमा, नागालैंड में नैरेटीव्स ऑफ एब्रीडे इन द सोसीओ–पोलिटिकल कांटेक्स्ट ऑफ द बोडोस विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 24–25 जनवरी 2017 को चेन्नई सेंटर फॉर चाइना स्टडीज, चेन्नई द्वारा आयोजित चाइनाः कल्चरल एंड हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव–लेसन्स फॉर फ्युचर, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में चाइना–जापान पॉलिटिक्स विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

धीरज कुमार नीटे ने 15 दिसंबर 2016 को सेंटर फॉर कॉन्करन्सी इन कलोनियल एंड पोस्टकलोनियल स्टडीज, लिन्नेउस यूनिवर्सिटी, स्वेडन में ए फॉर्च्यून मेकरः लाइफ एंड बिजनेस ऑफ जोसेफ स्टेफेंस, इंडिया एंड स्काण्डीनाविया 1860–1869 विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 17 मार्च 2017 को डीएवी कॉलेज अमृतसर में लेबर, वैजेज, एंड लिविंग स्टैंडर्ड्सः द इंडियन सबकोंटीनेंट 1600–1870, इन ए कॉन्फ्रेंस, अंबेडकर्स कोंटरीब्यूसन टू इंडियन पॉलिटिक्स एंड सोसाइटी विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

–––––– : 21–23 मार्च 2016 को एसोसीएशन ऑफ इंडियन लेबर हिस्टोरियंस, न्यू दिल्ली के कॉन्फ्रेंस में एम्प्लॉई बेनेफिट्स एंड द माइग्रेंट वर्कर्स : द इंडियन कोलफील्ड (झरिया), 1895–1970 विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

डायमंड ओबेरॉय वाहाली ने 24–25 नवम्बर 2016 को जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में रीडिंग महास्वेता देवीज कुंती एंड द निषादीन्स ऐज ए पोलिटिकल ट्रांसक्रीएशन ऑफ द महाभारता विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 10 नवम्बर 2016 को वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर सीपीएचएस, ए यू डी, दिल्ली द्वारा आयोजित सेमिनार में इक्स्पीरीएन्शियल पैडागौजी इन आवाज 2016– पैडागौजीऐज साइकोलोजिकल फर्स्ट ऐड विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 14–15 अक्टूबर 2016 को एसोसीएशन फॉर द साइकोनालिसिस ऑफ कल्चर एंड एम्प,सोसाइटी, रुट्गरस यूनिवर्सिटी, न्यू जर्सी, यूएसए द्वारा आयोजित एसोसीएशन फॉर द साइकोएनालिसिस ऑफ कल्चर एंड सोसाइटी के एनुअल मीटिंग में द ड्रीम ऑफ इंडियन्स इंडिपेंडेंस एंड नाइटमेएर ऑफ इट्स पार्टिशन : ए साइकोएनालिटिकल रीडिंग ऑफ द सिनेमा ऑफ ऋत्विक कुमार घटक इन 'ड्रीम्स एंड नाइटमेएरः साइकोएनालिसिस एंड सोशल जस्टिस इन द 21वीं सेंचूरी' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

दीपा सिन्हा ने 6 अप्रैल 2016 को जेएनयू में एलएसइ इंडिया अब्जर्वेट्री, सीएसएच, जेएनयू, एंड डिपार्टमेंट फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (डीफएफआईडी) द्वारा आयोजित वर्कशॉप में वुमेन इन ए विलेज, ए विलेज एंड ए कंट्रीः डेवलपमेंट थ्रू सेवन डिकेड्स ऑफ पालनपुर विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

–––––– : 22–25 जनवरी 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास में इंडियन एसोसीएशन फॉर वुमेनस स्टडीज के वार्षिक कॉन्फ्रेंस में अण्डरस्टैंडिंग फीमेल एम्प्लॉइमेंट थ्रू ए विलेज सर्वे विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया ।

गोपालजी प्रधान ने 10–11 मार्च 2016 को पॅलिटिकल विभाग, आर्यभट्ट कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली द्वारा आयोजित और यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "पॅलिटिकल लीडरशिपः ट्रेंड्स एंड चौलेंजेज, पॅलिटिकल लीडरशिप इन इंडिपेंडेंट इंडिया : चौलेंजेज एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 28–29 मार्च 2016 को हिन्दी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "नई सदी की हिन्दी कविताः चुनौतियाँ एवं संभावनाएं, नई सदी का साहित्यः चुनौतियाँ और संभावनाएं" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 2–3 मार्च 2017 को हिन्दी विभाग, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अकादमिक संस्थान और साहित्य में "अस्मिता विमर्श, साहित्यिक विमर्शों का दौरः दमित अस्मिताओं का उत्थान" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

पल्लवी चक्रवर्ती ने 27–30 जुलाई 2016 को साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ, वारसॉ, पोलैंड में 24वें यूरोपियन कॉन्फ्रेंस में रिटेलिंग पार्टिशनः द ईस्ट वेस्ट स्टोरी विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

–––––– : 26–27 नवंबर 2016 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में द ग्लोबल रिसर्च फोरम ऑन डाएस्पोरा एंड ट्रांसनेशनलिज्म द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पल्लवी चक्रवर्त्ती ने रिविजिटिंग द डिफिनेशन ऑफ द पार्टिशन रीफ्यूजी, ग्लोबल माइग्रेशन : रिथिंकिंग स्किल्सय नॉलेज एंड कल्चर विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

प्रीति सम्पत ने 28–30 जून 2016 को अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बैंग्लोर में स्कूल ऑफ डेवलपमेंट द्वारा आयोजित वर्कशॉप में द रेंटीयर इकोनोमी एंड द पॉलिटिक्स ऑफ वर्क इन रुरल अग्रेरिअन ट्रन्जिशन ट, अग्रेरिअन चेंज एंड अर्बनईजेशन विषय पेपर प्रस्तुत किया ।

–––––– : 16–17 दिसंबर 2016 को सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, न्यू दिल्ली द्वारा आयोजित वर्कशॉप में इन्फ्रास्ट्रक्चर लैंड–ग्रैब्स एंड डिस्पाजेशन इन इंडिया : द वैल्यू ऑफ नेचर एंड वर्क इन वर्कशॉप, रिसर्च हैंडबूक ऑन लॉ, एन्वाग्रमेंट् एंड पो पावर्टी : ऑथर्स वर्कशॉप विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

रुक्मिणी सेन ने 10–14 जुलाई 2016 को इंटरनेशनल सोसिओलोजिकल एसोसीएशन कॉन्फ्रेंस, वियाना, ऑस्ट्रीया में प्रैक्टिस इन डेवलपमेंट, प्रैक्टिसिंग डेवलपमेंटः शिफ्टिंग काउन्टर्स ऑफ नॉलेज फ्रॉम द फील्ड विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

संजय शर्मा ने 27–30 जुलाई 2016 को यूनिवर्सिटी ऑफ वर्साव, पोलैंड में साउथ एशियन स्टडीज (2016) के 24वें यूरोपियन कॉन्फ्रेंस में पुअरहाउसेस एंड पॉलिटिक्स ऑफ हंगर इन कलोनियल नॉर्थ इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

–––––– : 1 नवंबर 2016 को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल हिस्टरी (आई आई एस एच), एम्स्टर्डैम, द निदरलैण्ड्स में कूक्ड फूड ऐज डिटरेंसः मैनेजिंग प्रिजंस एंड फैमिन रिलीफ इन कलोनियल इंडिया विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

–––––– : 4–5 नवंबर 2016 को यूट्रेचट, द निदरलैंड में एक वर्कशॉप में फ्रॉम चौरिटी टू फैलेन्थ्रोपी : फैमिन एंड द रिटोरिक ऑफ बिनेवोलेंस इन कलोनिएल नॉर्थ इंडीया', विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

तनुजा कोठियाल ने 18 मार्च 2017 को एसोसीएशन ऑफ एशियन स्टडीज, टोरंटो,

कनाडा के वार्षिक कॉन्फ्रेंस में ए मर्डर्र इन शाह जहान्स कोर्ट : लोयल्टी एंड रिबेलियन इन द सेवेंटींथ सेंचुरी' एंड 'बिऑन्ड विक्टरी एंड डिफीट : हिस्टरी एंड मेमोरी इन द बैटल नैरेटिव्स फ्रॉम अर्ली मॉडर्न साउथ एशिया' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

योगेश स्नेही ने 28 जुलाई 2016 को साउथ एशियन स्टडीज, वारसॉ, पोलैंड में बोराईं लरिओस (हेडेल्बेर्ग यूनिवर्सिटी) और राफेल वोइक्स (सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज, पेरिस, सीएनरआरएसइएचइएसएस) द्वारा बुलाई गई साउथ एशियन स्टडीज के 24जी यूरोपियन कॉन्फ्रेंस में स्ट्रीट श्राइनज एंड सक्रेड पब्लिक्स इन अमृतसर, इन ए पैनल ऑन स्ट्रीट श्राइनजः रिलीजन ऑफ द एव्रीडे इन अर्बन इंडिया विषय पर पेपर प्रस्तुत किया ।

—————— : 24–25 मार्च 2017 को नेशनल कॉन्फ्रेंस में स्पेशलाइजिंग सूफी श्राइनज इन कन्टेंपोररी पंजाब, कनाडा यूनिवर्सिटी, हम्पी, कर्नाटक में सूफी ट्रेडिशन ऑफ इंडियाः फिलॉस्फी, म्यूजिक एंड पोएट्री विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अरिंदम बनर्जी ने 1 मार्च 2016 को एआरएसडी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के इकोनॉमिक्स डिपार्टमेन्ट में फूड मैनेजमेंट पॉलिसी इन इंडियाः एक्सप्लोरिंग द डिबेट्स, इन क्यूटस, विषय पर उद्घाटन भाषण दिया।

—————— : 16 मार्च 2016 को मिरान्डा हाऊस, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में डज इंडिया निड ए पल्स रिवोल्यूसन?के विचार–विमर्श विषय के पैनलिस्ट थे।

—————— : 8 जुलाई 2016 को इंटरनेशनल समर स्कूल, 2016,जेएनयू, नई दिल्ली में इंडियन एग्रिकल्चर अंडर इकॉनोमिक रीफौर्म्स, 18 जुलाई 2016 को ग्लोबल फूड सिचूएशन : ए हिस्टॉरिकल पर्सपेक्टिव और 21 जुलाई 2016 को फूड सिचूएशन एंड न्यूट्रिशन इन इंडिया विषय पर तीन व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : होटल मेपल एक्सप्रेस, नई दिल्ली में डेवलपमेंट एप्रेन्टिसेज ऑफ प्रदान के तीन समूह को क्रमशः 10 जुलाई 2016, 31 जुलाई 2016 और 6 अगस्त 2016 को इंडिया : डेवलपमेंट एंड अंडरडेवलपमेंट अंडर कलोनियल कंडिशन्स' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : 27 अक्टूबर 2016 को सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्यूनिटी हेल्थ, स्कूल ऑफ सोशल साइन्सेज, जेएनयू, नई दिल्ली में एग्रेरियन स्ट्रक्चर इन इंडिया एंड क्राइसेज अंडर निओ–लिबरल रीफोर्म्स विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : 24 जनवरी 2017 को राजधानी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में डीमोनिटाइजेशन एंड कैशलेस इकॉनमीः रिसेंट इंडियन एक्सपिरियन्स विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 24 मार्च 2017 को डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस इकॉनमिक्स, शिवाजी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के इनवोक 17 में फूड सेक्यूरिटी इन इंडियाः सम डिबेट्स पर उदघाटन व्याख्यान दिया ।

——— : 27 जून से 22 जुलाई 2016 तक सेंटर फॉर एसकलेशन ऑफ पीस, जेएनयू, नई दिल्ली में इंटरनेशनल समर स्कूल, 2016 में इकॉनमिक्स कोर्स को निर्देशित किया।

डेनिस लीघटन ने 6–15 जून 2016 को एयूडी संकाय समन्वयक के रूप में किंग्स कॉलेज लंदन और यूनिवर्सिटी ऑफ बोलोगना में आयोजित (इयू–ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट, 2013–2017 में) कार्यशाला में भाग लिया।

धरित्री नरजारी ने 4–7 फरवरी 2017 को साहित्य सभा, सिमेन चपोरी, जिला ढेमाजी, असम द्वारा आयोजित 56जी वार्षिक कॉन्फ्रेंस में हिस्टरी–कम–लिटेररी सत्र, बोड़ो मीडियम एजुकेशन : इट्स पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्युचर सत्र में रिसोर्स पर्सन के रूप मे रहीं।

——— : 17 अगस्त 2016 को डेवलपमेंट स्टडीज, सेंटर फॉर जवाहरलाल नेहरू स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया में राजीव कुमार के एम.फिल शोध– प्रबंध इथनिक कॉन्फ्लिक्ट इन असम : ए स्टडी पीएफ बोड़ो–मुस्लिम वाइलेन्स विषय के बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया ।

धीरज कुमार नीटे ने 15 नवंबर 2016 को सेंटर फॉर मॉडर्न इंडियन स्टडीज, गोट्टींगन यूनिवर्सिटी, जर्मनी में एक व्याखयान दिया जिसका शीर्षक 'लेबर प्रैक्टिस, वेज एंड द वेल बीइंग : द कन्स्ट्रकशन वर्कर इन इंडिया (महाराष्ट्र)' था।

——— : 29 मार्च 2017 को राजधानी कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में लेबर प्रैकटीसेस, वेजेज, एंड लिविंग स्टेंडर्ड्स : द इंडियन सबकॉन्टिनेंट 1600–1870 विषय पर बातचीत किया ।

डायमंड ओबेरॉय ने 20–21 मार्च 2017 को डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय अंतर्विषयक संगोष्ठी में नैरेटिव्स इन ब्लाइंडस्पॉट, रीडिंग माईग्रेसन : फ्रैक्चर्ड हिस्टरिज, फोर्ज्ड नैरेटिव्स विषय सत्र की अध्यक्षता की।

दीपा सिन्हा ने 5 मई 2016 को हेनरिच बोल्स्टफिंग (एचबीएस) के सहयोग से इन्सटीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज ट्रस्ट (आईएसएसटी) द्वारा आयोजित जेंडर एंड इकनॉमिक पॉलिसी (जीइपी) विचार–विमर्श फोरम में मेटेरनल हेल्थ एंड मैटरनिटी इंटाइटलमेंट्स फॉर सोशली डिसएडवांटेज वुमेन इन इंडिया विषय पर सदस्य के रूप में विचार–विमर्श में हिस्सा लिया।

——— : 1 जुलाई 2016 को अंडरस्टेंडिंग पॉलिसी रिसर्च, इन एक्शन ऐड कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम विषय पर एक सत्र का आयोजन किया।

——— : ने 13 जुलाई 2016 को अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन स्कूल, 2016 में पब्लिक हेल्थ एंड हेल्थ केयर इन इंडिया विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 23 अगस्त 2016 को पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क, यूएसआई प्रमाईसेस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित न्यूट्रिशन ट्रेनिंग वर्कशॉप में इंट्रोडक्शन टू न्यूट्रिशन : स्टेटस एंड डिटर्मिनेंट्स विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 31 अगस्त से 2 सितंबर 2016 तक लंदन इंटरनेशनल डेवलपमेंट सेंटर, लंदन और 14–16 दिसंबर 2016 तक स्कूल ऑफ एडवांसड इंटरनेशनल स्टडीज, वॉशिंग्टन के मेजबानी में आयोजित दो वर्कशॉप फूड सिस्टम्स एंड न्यूट्रिशन ऑफ एचएलपीइय विषय में भाग लिया।

——— : 11 नवंबर 2016 को सोशल सैक्टर, प्री–बजट परामर्श मीटिंग में, वित्त मंत्री के साथ राइट तो फूड कैम्पेन विषय का प्रतिनिधित्व किया।

——— : 15 फरवरी 2017 को टेरी यूनिवर्सिटी के सेमिनार में वुमेनस स्टेटस इन ए चेंजिंग विलेज एंड ए चेंजिंग इंडिया विषय का प्रतिपादन किया।

——— : मार्च और अप्रैल 2017 को सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्यूनिटी हेल्थ, जेएनयू, दिल्ली में 'एपिडेमियोलॉजी' विषय पर एम.फिल के विद्यार्थी को पाँच अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किये।

गीथा वेंटकरमन ने 13 अप्रैल 2016 को दयाल सिंह कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली में थ्रू द सिमेट्री लेंस विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 6 मई 2016 को डिपार्टमेन्ट ऑफ मैथेमैटिक्स एंड अप्लाइड मैथेमैटिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ केप टाउन, केप टाउन, साउथ अफ्रीका में एन्यूमरेटिंग फाइनाइट ग्रुप्स विषय पर बातचीत किया ।

——— : 5 जून 2016 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, न्यू दिल्ली में मेंटर यस द्वारा आयोजित अंडरग्रेजुएट अपोर्चुनिटी विषय के विचार–विमर्श में पैनलिस्ट थी।

——— : 20 जून 2016 को नेशनल कॉलेज तिरुचिराप्पली में रामानुजन मैथेमैटिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित वार्षिक कॉन्फ्रेंस में करेंट मैथेमैटिक्स एजुकेशन विषय के संगोष्ठी में पैनलिस्ट थी।

——— : 27 जुलाई 2016 को अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत,हरियाणा में अंडरग्रेजुएट करिकुलम इन फिजिक्स, बायोलॉजी एंड मैथेमैटिक्स के रिव्यू की कार्यशाला में भाग लिया ।

——— : 16–18 जुलाई 2016 को गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के टेक्नोलॉजी विजन 2035 टू प्रीपेयर ए रोडमैप फॉर द एजुकेशन सैक्टर अंडर द एजिस ऑफ टिफाक के लेखकीय कार्यशाला में भाग लिया।

——— : 17 सितंबर 2016 को आईआई टी दिल्ली में 'ए सेंटर फॉर आईटी एंड सोसाइटी', केन्द्र को स्थापित करने की एक कार्यशाला में भाग लिया।

——— : 15 दिसंबर 2016 को अमेरिकन सोसाइटी (एएमएस) के सहयोग से इंडियन मैथेमैटिक्स कॉनसोरटियम (आईसीटीएमसी) द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में वुमेन इन मैथेमैटिक्स : स्टेटस एंड आऊटलूक विषय के विषय के विचार–विमर्श मे सदस्य के रूप में हिस्सा लिया।

——— : 27 जनवरी 2017 को एनइएस रत्नम कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, भांडूप, मुंबई में मैथेमैटिक्स एंड वुमेन इन मैथेमैटिक्स संगोष्ठी में चौलेंजेज फेस्ड बाइ वुमेन इन द फील्ड ऑफ रिसर्च विषय के पैनल डिस्कशन में अध्यक्षता की ।

——— : 13 फरवरी 2017 को सेंटर यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के इंस्टीट्यूटेड अंडर द एजिस ऑफ द विजिटर्स प्रोग्राम ऑफ द इंडियन वुमेन इन मैथेमैटिक्स के व्याख्यान सीरीज के तहत ग्रुप थ्योरीः फ्रॉम ओरिजिंस टू ओपेन क्वेश्चन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

——— : 25 मार्च 2017 को अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा में ग्रुप एंड सिमेट्री विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 4 मार्च 2017 को लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमेन के कॉन्फ्रेंस में स्कूल एंड कॉलेज मैथेमैटिक्स : ब्रिजिंग द गैप, इनोवेशन इन द मैथेमैटिक्स एजुकेशन : करेंट ट्रेंड्स एंड इशूज विषय के विचार–विमर्श की पेनालिस्ट थी।

——— : 6 मार्च 2017 को इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेकनोलोजी, अवन्तीपोरा, कश्मीर में इंस्टीट्यूट अंडर द एजिस ऑफ द विजिटर्स प्रोग्राम ऑफ द इंडियन वुमेन इन मैथेमैटिक्स विषय के व्याख्यान सीरीज के तहत ग्रुप्स : एन एक्सप्लोरेशन थ्रू सिमेट्री विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 18 फरवरी 2017 को मेरिस स्टेला कॉलेज, विजयवाड़ा में इमर्जिंग ट्रेंड्स इन मैथेमैटिक्स एंड मैथेमैटिक्स एजुकेशन के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सोल्यूशन ऑफ इक्येसन एंड फ्रूप थ्योरी विषय पर व्याख्यान दिया।

गोपालजी प्रधान ने 17–18 मार्च 2016 को ए यू डी में अम्बेडकर चिंतन और हिन्दी साहित्य (अम्बेडकर थॉट एंड हिन्दी लिटरेचर) विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

कनिका महाजन ने 29 अगस्त 2016 को आईएफपीआरआई, दिल्ली में जेंडर जस्ट फूड एंड न्यूट्रिशन सिक्योरिटी इन इंडिया के कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

——— : 27 मार्च 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वानिया के सेंटर फॉर द एडवांस्ड स्टडी ऑफ इंडिया में कास्ट, फीमेल लेबर सप्लाई, एंड द जेंडर वेग गैप इन इंडियाः बोसेरप रीविजिटेड विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 16, 17 जून 2016 को बोर्डेऔक्स, फ्रांस में छठे 'ग्रेथा डेवलेपमेंट कॉन्फ्रेंस' में और 23, 24 मार्च 2017 को वाशिंगटन में जेंडर एंड मैक्रोइकॉनोमिक्स के 'आईएमएफ कॉन्फ्रेंस' में भाग लिया।

पल्लवी चक्रवर्ती ने 15 फरवरी 2017 को अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा में रीविजिटेड द डेफिनेशन ऑफ द पार्टिशन रीफ्यूजी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रीति सम्पत ने 23 सितंबर 2016 को रांची, झारखंड में राइट टू फूड कैंपेन द्वारा आयोजित 6जी राष्ट्रीय सम्मेलन में अग्रेरियन डिस्ट्रेस, लैंड–ग्रैब्स एंड फूड सेक्यूरिटी विषय के विचार–विमर्श में पैनालिस्ट थी ।

——— : 30 दिसंबर 2016 को भीम, राजस्थान के स्कूल फॉर डेमोक्रेसी द्वारा आयोजित लैंड एक्युजीशन विषय के परिचर्चा में भाग लिया।

रुक्मिणी सेन ने प्रदान, नई दिल्ली में 30 जुलाई 2016 को आयोजित प्रशिक्षण शिविर में "जेंडर, कास्ट एंड क्लास" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट डैथ एंड सेक्स इन क्रिमिनल लॉ, नई दिल्ली, में 28 सितंबर 2016 को आयोजित कार्यशाला में "फ्रेमिंग सेक्शुयल वायलेंस" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : महिला विकास मंच द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय, दिल्ली में 18 अक्टूबर 2016 को आयोजित विचार गोष्ठी में "द कल्चर ऑफ साइलेंसः वायलेंस अगेन्स्ट वुमेन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : स्त्री अध्ययन, जेएनयू द्वारा दिल्ली में नवंबर 2016 को आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "लीगल ट्रांसफोरमेशन्स एंड वुमेन्स मूवमेंट इन इंडिया" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : द लॉ एंड सोशल साइन्स नेटवर्क इंटरनेशनेल कॉन्फ्रेंस,नई दिल्ली में 12 दिसंबर 2016 की संगोष्टी में हिस्सा लिया।

——— : सेंटर ऑफ स्टडी इन लॉ एंड गवर्नेंस, जेएनयू, नई दिल्ली में 26 सितंबर 2016 को "लाइफ हिस्टोरीसः रिटेन एंड ओरल ऐज मेथड्स इन रिसर्च" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित संगोठी 16–17 सितंबर 2016 में "एक्सपिरियान्सिंग फील्ड्स, एक्सपिरियंसेस इन फील्डः री–कान्स्टिटियुटिंग द बाउंडरीज ऑफ फील्ड" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : विधि एवं समाज शास्त्रीय शोध तंत्र, नई दिल्ली द्वारा 12 दिसंबर 2016 में

आयोजित अंतर–राष्ट्रीय संगोष्ठी में "थिंकिंग विथ एविडेन्सः सीकिंग सर्टेन्टी, मेकिंग ट्रुथ" विषय पर एक सत्र का आयोजन किया।

——— : यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, चेन्नई में 22–25 जनवरी 2017 को आयोजित एक विचार गोष्ठी में इनेविटेविलिटी ऑफ लॉ एंड द इंपोसिबिलिटी ऑफ लॉ : रेजिस्टेंस एंड रिकोग्नीशन" विषय पर एक सत्र का आयोजन किया।

——— : मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, समाज विज्ञान विभाग द्वारा वार्षिकोत्सव में 15 फरवरी 2017 को आयोजित एक कार्यक्रम में "टेक्नॉलॉजी एंड द इंटिमेट रिलेशनशिप्स एट वायर्ड : डिकोडिंग टेक, ईंकोडिंग सोसाइटी "विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 22 मार्च 2017 को आयोजित एक कार्यक्रम में "ऐज वी गो मार्चिंग : फेमिनिस्ट क्वेश्चन ऑन रिवोल्यूशन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संजय शर्मा ने मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय में 2 मार्च 2017 को वार्षिक इतिहास उत्सव "तारीख ऑफ मिरांडा" में "इरिगेटिंग द लैंड्स, इरिगेटिंग द माइंड्सः बैटलिंग फैमिन्स एंड एपिडेमिक्स इन कलोनियल इंडिया" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संतोष कुमार सिंह ने 18 फरवरी 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग में "रिइमेजिनिंग साउथ एशियाः एन एक्सप्लोरेशन इन टू द हिस्ट्री ऑफ आइडियाज" विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

——— : 13 जनवरी 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय, इंडिया इन्टरनेशनल सेंटर एवं सेज प्रकाशन के सहयोग से आयोजित सशांक परेरा की किताब वार जोन टूरिजम इन श्रीलंकाः टेल्स फ्रॉम डार्कर प्लेसेस इन ए पारडाइज" पुस्तक–परिचर्चा में सदस्य के रूप में हिस्सा लिया।

सत्यकेतु सांकृत ने कलिकट विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग में 16 जनवरी 2017 को "समकालीन हिन्दी साहित्य की स्त्री" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : फरूक महाविद्यालय, कलिकट के हिन्दी विभाग में 17 जनवरी 2017 को "हिन्दी भाषा एवं साहित्य" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, कोझिकोड, कलिकट के स्नातकोत्तर विभाग शोध केंद्र में 17 जनवरी 2017 को "प्रवासी साहित्य" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : खालसा महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 11 फरवरी 2017 को "हिन्दी साहित्य और मीडिया" विषय पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर में 26–27 मार्च 2017 को शोध नर्मदा (अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में "शोध प्रविधिः वर्तमान परिदृश्य एवं चुनौतियाँ" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : संघ लोक सेवा आयोग एवं लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ की परीक्षा समिति द्वारा आयोजित एक गोपनीय कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में हिस्सा लिया।

—————— : 6 फरवरी 2017 को विश्व भारती शांति निकेतन, हिन्दी विभाग के अध्ययन समिति की बैठक में शोध विशेषज्ञ के रूप में हिस्सा लिया।

—————— : जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 17 फरवरी 2017 को एमफिल हिन्दी की मौखिक परीक्षा में शोध–विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए।

तनुजा कोठियाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय, इतिहास विभाग में 24 मार्च 2017 को आयोजित एक वैधानिक इतिहास कार्यशाला में "माइग्रेशन,फेमिली एंड कस्टम इन अर्ली मॉडर्न मारवार" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : शिव नादर विश्वविद्यालय, जीबी नगर में 24–25 फरवरी 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी में "द शिफ्टिंग फ्रंटियर्स ऑफ अल–हिंदः द मेकिंग ऑफ द मिडिवल" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—————— : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 4–5 नवंबर 2016 को आयोजित एक संगोष्ठी में "वुल प्रोडकक्शन एंड सर्कुलेशन इन द थार डेजर्ट इन द एटीन्थ सेंचुरी" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

योगेश स्नेही ने इंद्रप्रस्थ महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में 7 अक्तूबर 2016 को इतिहास विभाग में "इन परसूट ऑफ प्रैक्टिस" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

अँग्रेजी अध्ययन केंद्र, जेएनयू के सेवानिवृत प्रोफेसर हरीश नारंग ने अतिथि शिक्षक के रूप में एमए अँग्रेजी कोर्स में छात्रों को अफ्रीकन साहित्य पढ़ाया।

फ्रांस के अरुंधति वीरमानी बौटियर ने अतिथि शिक्षक के रूप में शहरी परिस्थितिकी के स्नातक छात्रों एवं शोधार्थियों को दिल्ली शहर का पारिस्थितिकी तंत्र पर एक क्षेत्र शोध आयोजित किया, कई कार्यशालाओं का आयोजन किया एवं कक्षाएं ली।

जेएनयू, सीएसएस के मैत्रयी चौधरी ने 2 अगस्त 2016 को "सोशियोलोजी टुडेः इश्यूज एंड पर्सपेक्टिव" विषय पर व्याख्यान दिया।

सूचना तकनीकी, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, मानविकी केंद्र, हैदराबाद के अनिकेत आलम ने अतिथि शिक्षक के रूप में 7 सितंबर 2016 को "अलाट मी ए फादरः ए हिस्ट्री ऑफ

फैमिली, प्राइवेट प्रॉपर्टी एंड द स्टेट इन कलोनियल हिमाचल प्रदेश" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इग्नू के. बी. उपाध्याय ने 7 सितंबर 2016 को एमफिल के शोधरथियों के बीच "प्री मॉडर्न प्रैक्टिसेस ऑफ राइटिंग हिस्ट्री" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, एसएसएस के प्रोफेसर विवेक कुमार ने 16 सितंबर 2016 को "हाऊ इगेलिटेरियन इन इंडियन सोशियोलोजी" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू के सेवानिवृत प्रोफेसर टी. के. ओम्मेन ने 23 सितंबर 2016 को इंडियन सोसाइटीः चेंजेज एंड चौलेंजेज, विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, सीईएसपी की प्रोफेसर जैन्ती घोस ने 23 सितंबर 2016 को "ब्रेक्जिट एंड द फ्यूचर ऑफ ग्लोबल कैपिटलिज्म" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

टेरी विश्वविद्यालय, दिल्ली के नीति अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर शिजू, एम.वी ने 28 सितंबर 2016 को "कान्स्टीट्यूशनल लॉ"/(संवैधानिक कानून) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रकाशक एवं लेखक ऋतु मेनन, 18 अक्टूबर 2016 को "वुमन इन पोस्ट पार्टिशन इन साउथ एशिया" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा के इतिहास एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रोफेसर महेश रंगराजन ने 21 अक्टूबर 2016 को "नेचर एंड नेशन : इमर्जेंट थीम इन एन्वाय्रमेंटल हिस्ट्री" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिल्ली स्कूल ऑफ इक्नोमिक्स के असिस्टेंट प्रोफेसर सुगाता बाग ने 26 अक्टूबर 2016 को "अंडरस्टेंडिंग स्टेंडर्स ऑफ लिविंग एंड कोरिलेट्स इन स्लम्स : एन एनलायसिस यूजिंग मोनेट्री वर्सेस मल्टीडाइमेनशनल एप्रोचेज इन थ्री इंडियन सिटीज" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, सीईएसपी के प्रोफेसर सतीश कुमार जैन ने "इश्यूज अबाउट कोस थ्योरम" विषय पर दिनांक 9,11,12,19 नवंबर 2016 को क्रमशः चार व्याख्यान प्रस्तुत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अनुजा अग्रवाल ने 18 नवंबर 2016 को "फैमिली, मैरेज एंड किनशिप इन इंडिया : एग्जामीन इमर्जिंग कौंटर्स" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, सीएसएसएस के अविजित पाठक ने 15 नवंबर 2016 को "कंटेम्प्ररी डिबेट्स इन इंडियन सोशियोलोजी" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, सीईएसपी के अवकाश प्राप्त शिक्षक प्रभात पटनायक ने 18 नवंबर 2016 को "नियोलिब्रलिज्म एंड इंडियन इकॉनमी" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सार्क यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के समाज विज्ञान विभाग के डीन सशांक परेरा ने 3 दिसंबर 2016 को "केन देयर बी ए सोशियोलोजी इन साउथ एशिया" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

राजनीतिक आर्थिक शोध संस्था (पीईआरआई) के शोधार्थी शौविक चक्रवर्ती ने 20 जनवरी 2017 को "रिइन्वेस्टिगेशन द प्रेबिश्च–सिंगर हायपोथेसिस" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

ट्रिनिटी कॉलेज, डबलिन के अवकाश प्राप्त शिक्षक निकोलस ग्रीन ने 27 जानवरी 2017 को "फ्राम द ऐन्ड टू द बिगनिंग ऑफ द एम्पायर" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल के अँग्रेजी विभाग के रंजन घोष ने 22 फरवरी 2017 को "ट्रांस (इन) फ्यूजनः रिथिंकिंग हयूमनिटीज" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, कला एवं सौन्दर्य स्कूल के सामिक बंदोपाध्याय ने 23 फरवरी 2017 को "महाश्वेता देवीः द रेडिकल टर्न" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू के असिस्टेंट प्रोफेसर शरतचंद, सी. ने 22 फरवरी 2017 को "ए थ्योरेटिकल इवैल्यूएशन ऑफ ए टार्गेटेड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

भारतीय सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली के शोधार्थी सुतीर्था बंदोपाध्याय ने 3 मार्च 2017 को "बार्डर प्राइसेस, पास थ्रू एंड वेल्फेयर : पाम ऑइल इन इंडिया" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू, सीईएसपी के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर अंजान मुखर्जी, और आईसीएसएसआर के सतीश कुमार जैन ने 9 मार्च 2017 को "केन्थ एरोज : ए लाइफ इन इक्नोमिक्स" विषय पर अपना–अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

सब्यसाची दास एवं मौसमी दास ने 15 मार्च 2017 को "इफिसीएन्सी कॉन्सिक्वेन्सेस ऑफ अफरमेटिव एक्शन इन पॉलिटिक्स : थ्योरी एंड एविडेंस फ्रॉम इंडिया" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एयूडी करमपुरा परिसर में 1–2 मार्च 2017 को धारित्रि नारजरी ने दो दिवसीय संगीत कार्यशाला आका आयोजन किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर निशांत कुमार ने 7,14 मार्च 2017 को "सेंसरशिप/ट्रांसग्रेशन इन मॉडर्न इंडिया" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर होशांग मर्चेन्ट ने 20 मार्च 2017 को काव्य–पाठ का आयोजन किया।

जेएनयू, एसएसएस के रजिब दास गुप्ता ने 14 मार्च 2017 को "मेकिंग सेंस ऑफ सोशल डिटर्मिनेशन ऑफ हेल्थ" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जेएनयू के सिद्धि ज्ञान पाण्डेय ने 21 मार्च 2017 को "एक्स्पोनेंशियल रेंडम ग्राफ मॉडलिंगः एन इंटरोडक्शन" तथा 23 मार्च 2017 को "यूजिंग आर पैकेज स्टेटनेट टू विजुअलाइज नेटवर्क डाटा एंड एस्टिमेट ईआरजीएमएस" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उत्तराखण्ड फील्ड ट्रिप

2.10. लेटर्स स्कूल

5 मार्च 2017 को नए स्कूल के रूप में लेटर्स स्कूल की शुरुआत हुई। यह स्कूल मानविकी साहित्य से संबंधित व्यापक अंतर्विषयक कोर्स एवं कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है जो साहित्य, संस्कृति, भाषा एवं मानविकी के ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में व्याख्या करता है। यह स्कूल एक खुले मंच के रूप में खुद को प्रस्तुत करता है जहां समाज एवं इसके अवयवों के साथ लगतार संवाद की स्थिति बनी रह सकती है। स्कूल यह आशा करता है कि साहित्य का अध्ययन सदैव समाज के परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा जो संशयवाद को प्रोत्साहित करेगा जिससे विचार एवं विमर्श का एक बेहतर माहौल निर्मित होगा। यह अपनी पहुँच को विस्तृत एवं नवीन रखने का लक्ष्य लेकर चलता है जो मुख्यधारा के साहित्य को भी नए नजरिए से और व्यापक परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित कर सकेगा। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम जिंदगी के सभी पक्षों को व्यापक एवं नवीन दृष्टि से देखने को प्रेरित करता है।

एमफिल एवं पीएचडीः तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन

इस शोध कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य साहित्य को एक भिन्न अनुभव के रूप में देखना है जिसमें संस्कृति, राष्ट्र एवं अस्मिता मूलक बोध का अनुभव किया जा सके। जहाँ मूल पाठ के अध्ययन से पाठ के मुख्य पहलुओं का पता चलता है, वहीं शोधार्थी से यह आशा के जाती है कि वह साहित्य एवं समाज विज्ञान के मूल पाठ के अनुवाद एवं मूल पाठ का तुलनात्मक अध्ययन कर एक बेहतर निष्कर्ष पर पहुँच सके। यह कार्यक्रम अनुवाद कार्य को प्रोत्साहित करेगा तथा इसके महत्व को समझाने की भी कोशिश करेगा जिससे साहित्य के ज्यादा से ज्यादा भाषाओं में विस्तार एवं पाठ उपलब्ध कराया जा सके। यह मुख्य रूप से भारतीय तथा दक्षिण एशियाई साहित्य के अनुवाद पर केन्द्रित रहेगा।

पीएचडी अँग्रेजी

अँग्रेजी का पीएचडी कार्यक्रम शोधार्थियों को अंतर्विषयक प्रणाली में प्रशिक्षित करने की कोशिश करता है तथा शोध कार्यों में प्रवृत रखता है। यह कार्यक्रम शोधार्थियों से शोध संबंधी आलोचनात्मक, पाठात्मक एवं दार्शनिक अवधारणा की गहरी समझ होने की आशा करता है। इसके अलावा यह अकादमिक लेखन के साथ–साथ व्यापक तौर पर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक निर्माण का कार्य भी संचालित करता है। चूंकि यह कार्यक्रम पाठ आधारित व्यापक एवं स्पष्ट समझ पर आधारित है अतः इस कार्यक्रम का लाभ सांस्कृतिक उत्पादन एवं उत्पाद संबंधी प्रतिक्रियाओं को पढ़ने, सवाल करने एवं उसके विश्लेषण करने की क्षमता को विकसित करने का कार्य करता है।

एमफिल एवं पीएचडी हिन्दी

अगले अकादमिक वर्ष से हिन्दी साहित्य के एमफिल एवं पीएचडी कोर्स का संचालन लेटर्स स्कूल के अंतर्गत किया जाएगा।

एमए अँग्रेजी

अगले अकादमिक वर्ष से अँग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम का संचालन लेटर्स स्कूल के अंतर्गत किया जाएगा

प्रस्तुतियाँ

गुंजीत अरोड़ा ने टोरोनोट होटल, टोरंटो, ओंटेरियो, कनाडा में 16–19 मार्च 2017 को आयोजित एएएस वार्षिक संगोष्ठी में "रोल्स ऑफ कंफर्मिटी एंड ट्रांसग्रेशनः एक्सप्लोरिंग द कांप्लेक्सीटीज ऑफ फीमेल आइडेंटिटी इन शिव कुमार बतावलीज लूना" एवं "द मल्टीपल लोकेशनस ऑफ मॉडर्न पंजाबी लिट्रेचर" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

राधारानी चक्रवर्ती ने एसएमवीडी यूनिवर्सिटी, कटरा में 10, 11 मार्च 2017 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "बियोंड पोस्टकलोनियलिज्मः रिथिंकिंग फेमिनिस्ट एंड दलित डिसकोर्स इन साउथ एशिया" में 'ट्रांस्लेटिंग साउथ एशियाः वुमन एंड रेडिकल टेक्श्चुअलिटी' विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

लेटर्स स्कूल, 28 सितंबर 2016 के गठन पर सलाहकार बैठक

2.11. स्नातक अध्ययन स्कूल

स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस) में सात विशेष (आनर्स) कार्यक्रमों का प्रावधान है– अर्थशास्त्र, अँग्रेजी, इतिहास, गणित, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और समाज विज्ञान एवं मानविकी (एसएसएच)। तीन वर्षीय आनर्स कार्यक्रमों में से विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों को चुनने एवं उनके द्वारा उन्हें आधारिक कौशल, विषय जन्य एवं अंतर्विषयक शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है। इन स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों को लिबरल कला की एक विशिष्ट शिक्षा दी जाती है, जो युवाओं को शिक्षा की विभिन्न पद्धतियों से अवगत कराती है।

बीए आनर्स: अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र को प्रमुखता देते हुए बीए आनर्स कार्यक्रम को भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के समक्ष आने वाले मुद्दों पर जोर देने के साथ ही विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था–विश्लेषण का बुनियादी लेकिन दृढ़ प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनाया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुशासन के अंतर्गत छात्रों के विभिन्न दृष्टिकोणों को उजागर करना है। इसके अतिरिक्त उन्हें अर्थशास्त्र के सामाजिक एवं राजनीतिक आयामों से भी परिचित करवाना है।

बीए आनर्स: अँग्रेजी

बीए आनर्स : अँग्रेजी कार्यक्रम साहित्य–अध्ययन से संबंधित सभी पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराता है। पाठ्यक्रम अँग्रेजी में लिखित साहित्य के साथ ही भारतीय भाषाओं के अँग्रेजी में अनुवाद एवं विश्व के अन्य सभी महत्वपूर्ण साहित्यिक अनुवादों का एक मजबूत घटक है। छात्रों द्वारा विश्व को आलोचनात्मक रूप से देखने का इसे प्रवेश बिन्दु माना जा सकता है। कार्यक्रम से आशा है कि यह विद्यार्थियों को सांस्कृतिक एवं भाषाई पद्धति के रूप में साहित्य की व्यापक समझ देगा। इसके अलावा यह साहित्यिक व सांस्कृतिक पद्धतियों में कृत्रिम एवं स्वीकृत अनुक्रमों को विघटित करने के उपकरणों को भी साथ लेकर चलेगा।

बीए आनर्स: इतिहास

इतिहास को प्रमुखता देते हुए बीए आनर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों में व्यापक वैश्विक रुझानों के संबंध में भारतीय अतीत की विविधता के प्रति दिलचस्पी उत्पन्न करता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अतीत में प्रवेश करने के विभिन्न तरीकों से अवगत कराना है जो इतिहास–अध्ययन को रोमांचक एवं उपयोगी बनाता है। वे सिनेमा एवं प्रत्यक्ष संस्कृति खोजने और परियोजनाओं द्वारा अपनी आलोचनात्मक समझ तथा विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करते हैं। वैकल्पिक पाठ्यक्रम इतिहास के विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित है। पाठ्यक्रम के अंतर्गत ट्यूटोरियल क्षेत्र–यात्राएं, कार्यशालाएं एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं।

बीए आनर्स: गणित

गणित को प्रमुखता देते हुए बीए आनर्स कार्यक्रम के मुख्य पाठ्यक्रम में अमूर्त बीजगणित, वास्तविक विश्लेषण, संख्यात्मक विश्लेषण, अनुमान और आंकड़े, अंतर समीकरण एवं रेखीय अनुकूलन शामिल है। गणित के वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में व्यापक विविधता जैसे– गणितीय वित्त, बीमांकिक गणित, कंप्यूटर विज्ञान हेतु गणित, असतत गणित, अंक सिद्धांत और कूटलेखन, उन्नत बीजगणित, उन्नत विश्लेषण, गणितीय प्रतिरूपण आदि शामिल हैं। कंप्युटेशनल कौशल एवं प्रोग्रामिंग कौशल को विस्तृत प्रायोगिक उदाहरणों द्वारा पढ़ाया जाता है। निश्चित मापदंड हेतु विद्यार्थी एक मुख्य विषय से दूसरे विषय में भी अंतरण कर सकते हैं। पाठ्यक्रम के अंतर्गत ट्यूटोरियल, प्रयोगशाला–सत्र, कार्यशालाएं एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं।

बीए आनर्स: मनोविज्ञान

मुख्य पाठ्यक्रम इतिहास एवं मनोवैज्ञानिक–पद्धतियों का विद्यार्थियों को अभ्यास करता है। वे संवेदनशीलता ,बाल जीवन, तंत्रिका मनोविज्ञान, सामाजिक और असामान्य मनोविज्ञान के बारे में सीखते हैं। एक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम, भारतीय संदर्भ से संबंधित भी पढ़ाया जाता है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम अधिक अंतर्विषयक हैं। ये परामर्श–सेवा, संगठनात्मक व्यवहार, शिक्षा, लैंगिकता एवं कहानी–वार्ता के क्षेत्रों मे मनोवैज्ञानिक समझ कि प्रयोज्यता प्रदर्शित करते है।

बीए आनर्स: समाजशास्त्र

समाजशास्त्र को प्रमुखता देते हुए बीए आनर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों की स्वयं तथा समाज के मध्य संबंधों के प्रति आलोचनात्मक जागरूकता विकसित करने एवं रोजमर्रा की दुनिया से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान तथा मान्यताओं के बारे में सवाल पूछने हेतु तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक, पद्धतिगत एवं सामयिक विचारों के संयोजन के माध्यम से प्रतिक्रियात्मक अवधारणा को विकसित करना है।

बीए आनर्स: समाज विज्ञान एवं मानविकी (एसएसएच)

समाज विज्ञान एवं मानविकी को प्रमुखता देते हुए बीए आनर्स कार्यक्रम (एसएसएच) ऐसा अनूठा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को लिबरल कला शिक्षा का अत्यधिक लाभ देते हुए स्कूल के भीतर, गहनता द्वारा मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं गणितीय विज्ञान के तीन ज्ञान–क्षेत्रों का समन्वेषण करने की अनुमति देता है।

इस कार्यक्रम के लिए इस वर्ष 179 छात्रों ने कश्मीरी गेट परिसर में तथा 160 छात्रों ने करमपुरा परिसर में अपना नामांकन कराया। इस प्रकार दोनों परिसर को मिला कर इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की कुल संख्या इस वर्ष 724 हो गई है। लेटरल एडमिशन कमिटी के अनुमोदन पर एक छत्र का नामांकन लेटरल एडमिशन योजना के तहत किया गया।

ग्रीष्मकालीन एवं मानसून सत्र के लिए विद्यार्थियों को 70–74 क्रेडिट कोर्स में से चयन करने की सुविधा प्रदान की गई। रूकमीनी सेन की अध्यक्षता में कार्यक्रम समन्वयकों एवं संयुक्त समन्वयकों ने सभी निर्णय एसयूएस की शिक्षा समन्वय समिति (एसीसी) के माध्यम से लिए गये। धारित्री नाजरी की अध्यक्षता मे छात्र सदस्यों के चुनावों की देखरेख एवं टाईम टेबल कमेटी, रामनेक खस्सा की अध्यक्षता में की गई।

छात्र कल्याण कोष समिति (जिसमें कि इस कार्यक्रम के तीन छात्र प्रतिनिधि मण्डल में शामिल हैं), ने छः छात्रों के लिए आर्थिक मदद का अनुमोदन किया है।

प्रस्तुतियाँ

अवधेश कुमार त्रिपाठी ने फरवरी 24–25, 2017 में शिव नादर यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित एक कार्यशाला, क्यूश्चनिंग क्रोनोलॉजीज इन साउथ एशियाज पास्ट्सः ए सर्च फॉर एन अल्टरनेटिव पैडागौजी में प्रॉब्लमस ऑफ पीरियडाइजेशन इन हिन्दी लिट्रेचर : सम क्यूश्चन, सम थॉट्स विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सिबिल कु. विनोधन ने 13–17 फरवरी 2017 में, डेल्यूज स्टडीस इंडिया कलेक्टिव एंड टीआइएसएस, मुंबई द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एस्थेटिक एंड द पॉलिटिकल इन कंटेम्प्रेरी इंडियाः डेल्यूजियन एक्सप्लोरेशन्स में डेल्यूजियन क्रिटिक ऑफ लिट्रेचर एंड दलित लिट्रेचर विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : ने 12–13 मार्च 2017 में, अम्बेडकर चेयर फॉर सोशल जस्टिस, यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, प्लुरलिजम एंड द क्राइसिस ऑफ आइडेंटिटी में मल्टीट्यूड्स एंड आइडेंटिटीजः द इमर्जिंग इमार्जिङ्ग क्राइसेस इन थ्योरीज ऑफ कल्चर विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मोनिशिता हाजरा पांडे ने 22 दिसंबर 2016 में, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (एनयूईपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक शोध परिचर्चा, रिसर्च स्टडी ऑन द इम्प्लीमेंटेशन एंड इम्पैक्ट ऑफ यूजीसी स्कीम्स फॉर मार्जिनलाइस्ड ग्रुप्स में इंक्लूसिव एजुकेशन विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नुरू निक्सन ने 17–18 फरवरी 2017 में, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, रीईमैजिनिंग साउथ एशियाः एन एक्सप्लोरेशन इनटू द हिस्ट्री ऑफ आइडियाज में रबीन्द्रनाथ टैगोर पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रियंका झा ने 6–7 जनवरी 2017 में राजनीति विज्ञान विभाग, श्री अरविंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सम्मेलन, अफरमेटिव एक्शन्स इन थ्योरी एंड प्रेक्टिस : एचीवमेंट्स एंड चौलेंजेस में मेकिंग ऑफ द इंडियन कांस्टीट्यूशनल

सेल्फ थ्रो बुद्धिज्म इन डॉ. बी. आर. अंबेडकर्स राइटिंग्स विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

———— : ने 24–25 जनवरी 2017 में राजनीति विज्ञान विभाग, मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सम्मेलन, लैड्ग्वेज, एथिक्स एंड गवर्नेंस :डिकोडिंग लॉजिक, आर्ग्यूमेंटेनस एंड रिटोरिक इन इंडियन पॉलिटिक्स में द राइच्स सेल्फ इन नेशन विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

———— : ने 17–18 फरवरी 2017 में राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक सम्मेलन, रीइमेजिनिंग साउथ एशिया : एन एक्स्प्लोरेशन इनटू द हिस्ट्री ऑफ आइडियाज में धर्मपला, कुमारस्वामी एंड महाकोश एंड द मेकिंग ऑफ सिंहला विषयों पर तीन शोध पत्र प्रस्तुत किये।

———— : ने 27 फरवरी से 1 मार्च 2017 में इतिहास और फाइन आर्ट्स विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडियन आर्ट एंड हेरिटेज, में अंडरस्टैंडिंग इंडियन आर्ट थ्रू कुमारस्वामी विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिरीन मिर्जा ने 10–12 दिसंबर 2016 में, इंडिया हेबिटाट सेंटर, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, थिंकिंग विथ एविडेंस : सीकिंग सर्टेनटी, मेकिंग ट्रूथ में हिस्ट्री एंड द आउटकास्टः रीडिंग बॉडीली लेबर एज एविडेंस विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिव कुमार ने 11 मार्च 2016 में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के 125वें जन्मदिवस के स्मरणोत्सव पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा आयोजित पैनल डिस्कशन में दलित डिसकोर्स : लिट्रेरी नैरेटिव्स एंड क्रिटिकल चैलेंजेज में ग्राफिक नोवेल्स एंड भीमायना विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

———— : 29–30 मार्च 2017 में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर चेयर, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल साइंसेस एंड स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, मोर्डेनिटी, नेशन एंड डेमोक्रेसी इन कंटेम्प्रेरी इंडियाः अंबेडकर्स विजन में नैरेटिव ऑफ मोर्डेनिटी एंड अंबेडकर्स विजन विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अवधेश कुमार त्रिपाठी ने 18–19 नवंबर 2016 में गोवा में एक सम्मेलन, अभिव्यक्ति में सहभागिता की।

———— : ने 24–25 फरवरी 2017 में शिवनादर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एक कार्यशाला, क्यूश्चनिंग क्रोनोलॉजीज इन साउथ एशिय पास्ट्सः ए सर्च फॉर एन अल्टरनेटिव पैडागौजी, मे सहभागिता की।

सिबिल के. विनोदन ने 13–17 फरवरी 2017 में, डेल्यूज स्टडीस इंडिया कलेक्टिव एंड टीआइएसएस, मुंबई द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एस्थेटिक एंड द पॉलिटिकल इन कंटेम्प्रेरी इंडिया : डेल्यूजियन एक्सप्लोरेशन्स में सहभागिता की।

गुलशन बानो ने 20–26 सितंबर 2016 में सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यशाला, अकादमिक एंड क्रिएटिव राइटिंग में सहभागिता की।

मृत्युंजय त्रिपाठी ने 10 जनवरी 2017 में विश्व पुस्तक मेला, दिल्ली में मैनेजर पाण्डेय के साथ मुगल बादशाहों की कविता पर एक परिचर्चा में सहभागिता की।

–––––– : 7 अगस्त 2016 में म्यूजियम हॉल, द अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स एंड लिट्रेचर, श्रीफोर्ट इन्स्टीट्यूशनल एरिया में आयोजित एक कार्यशाला में काव्याभिव्यक्ति के नए खतरे विषय पर व्याख्यान दिया।

–––––– : 16 अगस्त 2016 में भाई वीर सिंह साहित्य सदन, दिल्ली में आयोजित एक परिचर्चा में सोफीज वर्ल्ड (जोस्टेन गार्डर) के हिन्दी अनुवाद सोफी का संसार को अनुवादकों सत्यापल गौतम, सुधीर चंद्र और अनिल भट्टी के साथ सहभागिता की।

–––––– : 31 जुलाई 2016 में जन संस्कृति मंच, वसुंधरा, गाजियाबाद, यूपी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम 'मशाल–ए–प्रेमचंद' में प्रेमचंद साहित्य में बच्चे विषय पर व्याख्यान दिया।

–––––– : 23 अगस्त 2016 में एनडीएमसी पार्क, दिल्ली में एक कल्चर–लिटरेरी ग्रुप 'हट' द्वारा आयोजित कविता पाठ कार्यक्रम में कविताओं, याद की रहगुजर, आदमी के, ख्वाबिदा का पाठ किया।

–––––– : 15–16 नवंबर 2016 में रजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यशाला, युवा–2016 में युवा आवाज विषय पर व्याख्यान दियाया और कार्यशाला में एक सेशन भी संचालित किया।

–––––– : 8 दिसंबर 2016 को जेएनयू में आयोजित रमाशंकर विद्रोही की कविता पर चर्चा में सहभागिता की।

–––––– : 12 जनवरी 2017 को जेनयू में रविशंकर उपाध्याय स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित कविता पाठ कार्यक्रम में कविताओं, कीमोथेरेपी, गाजा में सुबह, मौत का एक दिन का पाठ प्रस्तुत किया।

प्रियंका झा ने 15 फरवरी 2017 में आइईआरबी, जेएनयू, दिल्ली द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय परामर्श समागम, आइसीएमआर ड्राफ्ट इथिकल गाइडलाइन फॉर बायोमेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च इन्वाल्विंग ह्यूमन पार्टीसिपेंट्स (रिसर्च इन सोशल साइंसेस, लॉ एंड साइंसेस) में सहभागिता की।

——— : 17–18 फरवरी 2017 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित एक सम्मेलन रीइमेजिनिंग साउथ एशिया : एन एक्सप्लोरेशन इनटू द हिस्ट्री ऑफ आइडियाज में एक पैनल, पॉलिटिकल लीडरशिप इन साउथ एशिया की अध्यक्षता की।

शिरीन मिर्जा ने 10–12 दिसंबर 2016 में इंडिया हेबिटाट सेंटर, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, थिंकिंग विथ एविडेंसः सीकिंग सर्टेनटी, मेकिंग ट्रुथ, एज ए पार्ट ऑफ द एलएएसएसएनईटी (लॉ एंड सोशल साइंसेस रिसर्च नेटवर्क) की संचालन समिति में एक पैनल, एबसेंस ऑफ एविडेंस का आयोजन किया।

वैभव ने 1 अक्तूबर 2016 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में प्रोग्रेसिव नॉवेल ऑफ भीष्म साहनी पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

——— : 8 अक्तूबर 2016 में जेएनयू, नई दिल्ली में रियलिज्म एंड लिट्रेचर विथ स्पेशल रिफरेंस टू द राइटिंग्स ऑफ शिवमूर्ति पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

——— : 15 नवंबर 2016 में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में रजा फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय–स्तर के कार्यक्रम में चौलेंजेस बिफोर लिटरेरी क्रिटिसिस्म पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 16 जनवरी 2017 में केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात में कोंटेम्प्रेरी स्टोरी राइटिंग पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

——— : 24 जनवरी 2017 में भारत भवन, भोपाल में लिट्रेचर, पॉलिटिक्स और क्रिटिसिस्म पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 27 फरवरी 2017 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में राइटिंग्स ऑफ मुक्तिबोध पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : 24 मार्च 2017 में हिन्दू कॉलेज, दिल्ली में नॉवेल एंड पॉलिटिकल कौंशियसनेस पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम/गतिविधियां

कश्मीरी गेट परिसर

नॉर्थन आर्ट्स एंड कल्चर सोसाइटी, लेह ने 20 जनवरी 2017 को लद्दाखी नृत्य (जबरो नृत्य, मास्क नृत्य, द्रोपका नृत्य) प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर रवीकान्त, सीएसडीएस, ने 20 जनवरी 2017 को इंटर–मीडिएट आशंस ऑफ साउथ एशिया पर व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

रिटायर्ड प्रोफेसर हरीश नारंग, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, ने फरवरी 2017 में लैंगवेज पॉलिसी एंड प्लानिंग इन इंडिया पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मार्च 2017 में टीच फॉर इंडिया के मिहिव धर प्रभु के साथ एक परस्परिक शैक्षिक सत्र का आयोजन किया।

संजय जोशी फिल्म निर्माता के द्वारा 27 जनवरी 2017 को एक लघु फिल्म होली काऊ दिखाई गयी और थर्ड सिनेमा पर चर्चा भी की गयी।

छात्र सृष्टि सरावगी द्वारा 29 मार्च 2017 को एक पोस्टर प्रतियोगिता, अवर एक्शन फॉर नैक्सट जेनरेशन का आयोजन किया गया।

करमपुरा परिसर

सम्मेलन श्रंखला के भाग के रूप में, प्रोफेसर नीरा चंडोके, प्रोफेसर एच. सी. नारंग, इतिहासकार नारायनी गुप्ता, प्रोफेसर अजय नवारिया, लेखक शिवमूर्ति, लघु फिल्म निर्माता युसुफ सईद ने 2016 में विभिन्न मुद्दों पर छात्रों को संबोधित किया।

अवकाश प्राप्त प्रोफेसर प्रभात पटनाइक ने 18 नवंबर 2016 में निओलिब्रलिज्म एंड द इंडियन इकॉनोमी पर व्याख्यान दिया।

हिन्दी पखवाड़ा दिवस 14 सितंबर 2016 में छात्रों और कर्मचारियों के लिए काव्य गोष्ठी और हिन्दी कविता, निबंध लेखन और वाद–विवाद प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जयप्रकाश मेनन द्वारा 1–2 मार्च 2017 को द्विदिवसीय कार्यशाला, धन्यसंगीतम, रिफ्रेन, पेपर प्रस्तुति कार्यक्रम और एक गीत गोष्ठी का आयोजन किया गया।

क्षेत्र– निरीक्षण

एन्सिएंट सोसाइटीज, अंडरस्टैंडिंग द पास्ट, एंड अर्ली इंडिया के कोर्स के भाग के रूप में 13 नवंबर 2016 और 15 मार्च 2017 को नेशनल म्यूजियम का दौरा किया।

प्राकृतिक कृषि प्रथाओं से संबन्धित मुद्दों को समझने के लिए नोएडा में बीजोम नेचुरल एग्रीकल्चर फर्म का दौरा किया गया।

वन्यजीव संरक्षण, विकास, संधारणीयता और उपजीवन संबन्धित मुद्दों को समझने के लिए कॉर्बेट लैंडस्केप, कॉर्बेट नेशनल पार्क और सीताबनी वाइल्ड लाइफ रिजर्व का दौरा किया गया।

2.12. वोकेशनल स्टडीज स्कूल

वोकेशनल स्टडीज स्कूल विश्वविद्यालय के अधिनियम 12 ए के तहेत 13 फरवरी 2017 को औपचारिक रूप से स्थापित किया गया है। अपने विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा यह स्कूल अपने छात्रों में मौजूद कौशल और जो कौशल रोजगार के लिए उद्योगों मे जरूरी हैं, उनके बीच की दूरी को पाटने मे मददगार साबित होगा। यह ऐसे पेशेवरों का समाज बनाने की उम्मीद करता है जिनमे अपने चारों तरफ की सामाजिक दुनिया की पुख्ता समझ और जरूरी हुनर दोनों हों। यूजीसी गाइडलाइन को मानते हुए, स्कूल तीन प्रकार के वोकेशनल कार्येकर्मों को 2017–18 के शैक्षिक सत्र मे शुरू किया गया है जिनमे कई प्रवेश और निकास के विकल्प हैं जो कि सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, अड्वान्स डिप्लोमा और स्नातक की डिग्रीयां उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा भविष्य में छात्रों के कौशल विकास के लिए स्कूल कई अल्पकालिक सर्टिफिकेट कार्येकर्मों को उपलब्ध करायेगा जो की छात्रों को शैक्षिक पृष्ठभूमि के साथ साथ रोजगार के लिए जरूरी कौशल प्रदान करेगा।

बीवोक कार्यक्रम

अगले अकादमिक सत्र के लिए तीन बीवोक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाने हैं–

i. टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी (टीएच)

ii. रीटेल मैनेजमेंट (आरएम)

iii. अर्ली चाइल्डहुड सेंटर मैनेजमेंट एंड एंटर्प्रेन्योरशिप (इसीसीएमइ)

उद्योग विशषज्ञों, शिक्षाविदों और संस्थाओं/संस्थानों जैसे खुदरा विक्रेता संघ, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र कौशल परिषद (टीएचएससी), बाल शिक्षा और विकास केंद्र (सीइसीइडी, ए यू डी), और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) आदि के सहयोग से पाठ्यक्रम का विकास किया गया है। कार्यक्रम का पाठ्यक्रम वर्तमान चलन और भविष्य को दिमाग में रखकर बनाया गया है ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि कार्यक्रम इसके मुख्य उद्देश्य–रोजगार और उद्यमवृत्ति/उद्यमिता के लिए क्रियाशील और प्रासंगिक है। यूजीसी के दिशानिर्देश के अनुसार आगामी कार्यक्रम में एक अनिवार्य सामान्य शिक्षा घटक होगा जिसमें पाठ्यक्रम का 40% वेटेज शामिल होगा।

3. विश्वविद्यालय के केन्द्र

3.1. सामुदायिक ज्ञान केंद्र

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में स्थित सामुदायिक ज्ञान केंद्र (सीसीके) विश्वविद्यालय आधारित अंतर्विषयक अनुसंधान केंद्र है, जो हमारी ज्ञान की विविधता को समायोजित करने में नए स्रोतों, अभ्यासों एवं संभाषण को शामिल करता है तथा इनका विस्तार करता है। इस तरह, यह मौखिक एवं सामुदायिक ज्ञान को शैक्षणिक ज्ञान की मुख्यधारा में लाने की कोशिश कर रहा है। सामुदायिक ज्ञान का एक संग्रह केंद्र भी है। यह नृजातीय तथा नृवैज्ञानिक शोधकर्ताओं से प्राप्त किये गए अभिलेखों का डिजिटल अभिलेखागार सृजित करने में लगा हुआ है। इसे सामुदायिक संगठनों के साथ–साथ स्वयं आरम्भ किया गया है।

अकादमिक दृष्टि से यह केंद्र विभिन्न संकाय एवं क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम करता है। इसके अध्ययन का क्षेत्र काफी व्यापक है जो मौखिक इतिहास से लेकर क्षेत्र अध्ययन, प्रशासनिक कार्य, लोक गीत एवं शिल्प कला, पारिस्थितिकी एवं तकनीकी ज्ञान तक है जो पारंपरिक ज्ञान के क्षेत्र में एक नई एवं अलग दृष्टि प्रदान करता है। वर्तमान में यह केंद्र निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी सक्रीय भूमिका निभा रहा है :

दिल्ली नागरिक स्मृति कार्यक्रम :

दिल्ली की विरासत को समझने हेतु दिल्ली के पुराने निवासियों के अनुभवों और मौखिक श्रुतियों के संग्रह एवं प्रचार–प्रसार की इस दिर्घकालिक परियोजना के एक अंग के रूप में निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :

दारा शिकोह उत्सव : अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कश्मीरी गेट परिसर में मार्च–अप्रैल २०१५ में दारा शिकोह उत्सव का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत दिल्ली के दारा शिकोह भवन में ध्वनि तथा प्रकाश कार्यक्रम की व्यवस्था की गई और विशेष शोध द्वारा दारा शिकोह की जीवनी संबंधी एक दास्तान 'दर–ए–शिकोह' तैयार की गई जिसे दरवेश रंगमंच समूह द्वारा प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा दिल्ली की 18वीं–19वीं शताब्दी की संगीत कला पर व्याख्यान प्रदर्शन भी किया गया। 2016 में आयोजित दुसरे प्रदर्शनी में दिल्ली (1880–1980 ई.) की पुरानी और दुर्लभ तस्वीरों का प्रदर्शन, दिल्ली के पारंपरिक गीतों विशेष कर सिन्धी एवं पंजाबी के विवाह गीत तथा दिल्ली के संगीत घरानों के शास्त्रीय गीतों का प्रदर्शन किया गया।

दिल्ली मौखिक परियोजना : यह आइसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना है जो सितम्बर 2014 में शुरू हुआ तथा सितम्बर 2016 में संपन्न हुआ। इस परियोजना के अंतर्गत दिल्ली में रहने वाले 35 से 100 वर्ष के लोगों से दिल्ली के इतिहास के बारे में 102 मौखिक कथाओं का संग्रह किया गया जिसके अंतर्गत दिल्ली के भौगोलिक, ऐतिहासिक, तथा लैंगिक पृष्ठभूमि का अध्ययन किया गया। इनमें से कुछ कथाओं को

'दिल्ली स्मृति' में प्रकाशित करने की योजना बनाई गई।

दिल्ली शहर का संग्रहालय : अम्बेडकर विश्वविद्यालय एवं अर्बन नॉलेज नेटवर्क एशिया, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज सहित अन्य संस्थाओं के साथ साझेदारी के तहत केंद्र ने अक्टूबर 2016 में दारा शिकोह भवन में दिल्ली शहर के संग्रहालय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में शहरी विरासत से संबंधित विद्वान, पेशेवर व्यक्ति तथा संग्रहालय के सदस्यों को आमंत्रित किया।

दिसंबर 2016 में जेएनयु तथा इंटेक के साथ मिलकर दिल्ली शहर की विरासत तथा शहरी सेवा पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई. फिलिपिन्स, चीन, ताइवान, सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया तथा नीदरलैंड्स जैसे देश के संग्रहालयों के निर्देशक तथा सदस्य इस संगोष्ठी में हिस्सा लिया। इस संगोष्ठी में दिल्ली सरकार को एक दिल्ली शहर के संग्रहालय स्थापित करने का सुझाव दिया गया जो दिल्ली सरकार एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय के सहयोग से इसकी शुरुआत की जा सकती है। दिल्ली सरकार द्वारा चलाये जा रहे संग्रहालय निर्माण कार्यक्रम के तहत महरौली में मार्च–अप्रैल 2017 को एक संग्रहालय की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

पूर्वोत्तर क्षेत्र

मौखिक सांस्कृतिक परंपराओं एवं सामजिक परियोजनाओं हेतु केंद्र ने पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न सामुदायिक संगठनों के साथ साझेदारी विकसित की है। इसके अंतर्गत अमूर्त पारंपरिक ज्ञान का डिजिटलीकरण, सामुदायिक दृष्टिकोण से वहां के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर कार्यशाला आयोजित करना तथा सामुदाय आधारित शोधार्थियों को सहयोग करने हेतु कार्यक्रम चलाना शामिल है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम हैं :

हट्टन व्याख्यान : सामुदायिक ज्ञान केंद्र एवं पूर्वोत्तर मंच को कोहिमा संस्था द्वारा दिसंबर 2016 में कोहिमा में आयोजित हट्टन व्याख्यान की मेजबानी करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस व्याख्यान का मुख्य विषय 'स्वदेशी ज्ञान' था तथा इसका मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर हिमालयन क्षेत्र में हुए शोध कार्यों का भंडारण था।

डिजिटल अभिलेखीकरण एवं संग्रहण कार्यक्रम :

एयूडी सांस्थानिक स्मृति परियोजना : इस परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों एवं वर्तमान व पूर्व एयूडी विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा संकाय सदस्यों के साक्षात्कारों का निरंतर संचय जारी है। सितम्बर 2015 एवं सितम्बर 2016 में 'प्लेबैक' नामक पारस्परिक संवाद कार्यक्रम में इसकी प्रदर्शनी लगाई गई।

नए छात्रों के स्वागत एवं अभिविन्यास कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर एवं इसके इतिहास की जानकारी हेतु सत्र के आरम्भ में एक परिसर चहलकदमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कई सारी गतिविधियों एवं कार्यक्रमों को यु ट्यूब चैनल एवं विश्वविद्यालय के डिजिटल अभिलेखागार पर साझा किया गया है।

लतिका वरदराजन एथनॉलॉजिकल अभिलेखागार : यह अभिलेखागार 1960 से 2010 तक की अवधि में परम्परागत प्रौद्योगिकियों, बुनाई एवं समुद्री यात्राओं की परम्पराओं को सम्मिलित कर रहा है। अनुसंधान सामग्री का यह संचयन लतिका वरदराजन ने दान किया है। संस्कृति मंत्रालय से वर्ष 2013–2014 में प्राप्त अनुदान द्वारा इसको लिपिबद्ध एवं संग्रहित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कार्य की संभावना को देखते हुए इसे मुम्बई स्थित वसंत जे. सेठ संस्थान से 2015–2016 में एक अनुदान प्राप्त हुआ है। यह संकलन सितम्बर 2016 से www.maritimerachives-cck.org पर उपलब्ध है।

समाज विज्ञान शोध अभिलेखागार : यह बीसवीं सदी के साहित्यिक आंकड़ों एवं शौकिया संग्रहकर्ताओं के दुर्लभ दस्तावेजों तथा छवियों का सीसीके–एसएसएल डिजिटल अभिलेखागार है। इसकी पहली दो पत्रिकाएं और डायरियां प्रगतिशील लेखक अमृत लाल नागर के चित्रों एवं अप्रकाशित टिप्पणियों तथा नसीम मिर्जा चंगेजी, पहाड़ी इमली, दिल्ली द्वारा संग्रहीत उत्तर भारत, मध्य एशिया व फारस से फारसी, संस्कृत और उर्दू दस्तावेजों एवं कलाकृतियों पर आधारित है।

हिंदी, उर्दू तथा अन्य भाषाओं के लेखकों के कार्यों को अभिलेखित करने के कार्य में साऊथ एशिया इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, टेक्सास सहयोग देने को राजी हो गया है। इस संबंध में प्रथम कार्य दिसंबर 2016 में सज्जाद जाहिर के कार्यों का अभिलेख तैयार किया गया।

दिल्ली का दैनिक जीवन चित्र अभिलेखागार : इसमें दिल्लीवासियों से प्राप्त चित्रों एवं लोक्चित्रों का संग्रहण है, जो अनुमानतः 1930 से 1980 तक के शहरी दैनिक जीवन का चित्रण करता है। इसमें विभिन्न शौकिया (लाला नारायण प्रसाद, फौजान अली अहमद) पेशेवर (जान फ्राइज तस्वीर–पत्रकार) व्यक्तियों या चित्रकारों तथा नेबरहुड फोटो स्टूडियो (निजामुद्दीन व शादीपुर) से संचयन किया गया है। इसमें दिल्लीवासियों एवं दिल्ली शहर की लगभग 2000 डिजिटल छवियाँ सम्मिलित हैं। ये सभी छवियाँ सितंबर 2016 में विश्वविद्यालय में "कैमरा दिल्ली का" नाम से तथा दिसंबर 2016 में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में प्रदर्शित किया गया।

दारा शिकोह महोत्सव

3.2. विकास प्रणाली केंद्र

विकास प्रणाली केंद्र (सीडीपी) को जुलाई 2013 में प्रबंधन मंडल द्वारा स्थापित किया गया. इसमें दो आयामों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है–पहला ग्रामीण विकास में परिवर्तनकारी सामजिक कार्य करने हेतु व्यावसायिक संचालक संवर्ग का निर्माण एवं दूसरा सहयोगी अनुसंधान प्रलेखन व पद्धति सकलन में संलग्न और विकास व्यावसायियों तथा शिक्षाविदों के बीच बातचीत के लिए एक जीवित स्थान/मंच के रूप में सीडीपी की स्थापना। सीडीपी का मुख्य उद्देश्य वर्तमान विकास कार्यक्रम में शामिल रहना, सामुदायिक कार्यक्रमों में मनोविश्लेषनात्मक संवेदनशीलता का परिचय देना और इस प्रकार ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राजनैतिक परिवर्तन में योगदान देना है।

सहकार्यता (सहयोग)

विकास अध्ययन में एम फिल कार्यक्रम के लिए एयूडी, टाटा ट्रस्ट, एनएसडीएल इ गवर्नेंस, हेल्प योर एनजीओ, रोहिणी घदिओक फाउन्डेशन एवं भारती रमोला से वित्तीय सहयोग प्राप्त होता है।

चार्ल्स स्टुअर्ट विश्वविद्यालय एवं जेआरटीटी से केंद्र ने साझेदारी की है जिसके सहयोग से विश्वविद्यालय ने 2016 में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था : ग्रामीण विकास सुधार कार्यक्रम : सहयोगात्मक एवं सह उत्पादक ज्ञान।

शोध परियोजनाएँ

ब्यासदेब दासगुप्ता, (प्रधान अन्वेषक) एवं अनूप धर (सह अन्वेषक) : "क्लास एंड कास्ट इन इण्डिया : इन नीड ऑफ ए थेओरेटिकल एंड इम्पेरिकल री–इग्जामिनेशन" विषय पर शोध करने हेतु आईसीएसएसआर द्वारा 2 वर्षों के लिए 9,000,000 का अनुदान मिला। यह शोध पूरा कर लिया गया है।

अनूप धर एवं इशिता डे : अनलॉकिंग द वैल्यू पोटेंशियल ऑफ एनटीएफपी" विषय पर शोध कार्य हेतु फोर्ड फौंडेशन द्वारा 3 वर्षों के लिए 2.84 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ।

रोहिणी घदिओक फाउन्डेशन एवं पीडब्ल्यूसी फाउन्डेशन दो शोधार्थियों भव्या चित्रांशी एवं निशांत चौधरी को शोध कार्य में मदद कर रहा है। भव्या कोंधा आदिवासी महिलाओं की समस्याओं पर "एका नारी संगठन" के साथ मिल कर कार्य कर रही है। निशांत चौधरी दिल्ली में यमुना किनारे बसे किसानों के जीवन एवं उनके विकास संबंधी विचारों पर कार्य कर रहे हैं।

प्रस्तुतियाँ

अनूप धर : आईआईसी दिल्ली में 11 दिसंबर 2016 को आयोजित चौथे एलएएसएस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्टी में "द रियल (ऑफ) मार्क्स : आदिवासी वर्ल्ड्स ऐज टॉम्बस्टोन ऑफ द इल्लिसिट" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 4 मार्च 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो सेंटर दिल्ली में आयोजित एक संगोष्ठी में "ग्रेवल इन द शू, वर्ल्ड ऑफ द थर्ड, थर्ड वर्ल्ड एंड ग्लोबल कैपिटल लॉजिक" विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 18–19 मार्च 2017 को आईआईटी खड़गपुर में आयोजित एक कार्यशाला में "मार्क्सिजम एंड स्पिरिचुअलिटी", "कैपिटल इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी", "रीथिंकिंग मार्क्सिज्म" विषय पर तीन शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अमीन इमरान ने 19–21 अप्रैल 2016 को आईआईसी, दिल्ली में आयोजित एक विचारगोष्ठी में "एक्शनिंग रिसर्च, रिसर्चिंग एक्शन : रिफ्लेक्शंस ऑन द मेथोडोलोजी ऑफ डेवलपमेंट प्रैक्टिस" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 24–27 मार्च 2017 को मौर्या होटल पटना में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "कनफ्लिक्ट सिक्युरिटी एंड गवर्नेंस : डेवलपमेंट चौलेंजेज ऑफ बिहार एंड झारखंड" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

इशिता डे ने 19–21 अप्रैल 2016 को आईआईसी, दिल्ली में आयोजित एक विचारगोष्ठी में "द फिल्ड एंड द फिल्डवर्क : हूज क्वेश्चन इज ईट एनीवे" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— : 20–21 दिसंबर 2016 को नेहरु मेमोरियल एंड म्यूजियम लाइब्रेरी, दिल्ली में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "एथ्नोग्राफी ऑफ फ्यूजन स्वीट्स : कैडबरी मिष्ठी कैम्पेन इन वेस्ट बंगाल" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अनूप धर ने 31 अक्टूबर 2016 को जेएनयू, दिल्ली में "द स्पिरिट ऑफ मार्क्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

——— : अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बंगलौर में 1 दिसंबर 2016 को "इनोवेशंस एंड चेंज इन द यूनिवर्सिटी : चौलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स" विषय पर व्याख्यान दिया।

इशिता डे ने 20–26 फरवरी 2017 को टीआईएसएस द्वारा आयोजित एक अभिविन्यास कार्यक्रम "रिसर्च मैथड्स इन माइग्रेशन स्टडीज" में कार्यक्रम संचालक की भूमिका निभाई।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

'प्रदान' क्षेत्र संकाय के लिए केंद्र ग्रीष्मकालीन स्कूल आयोजित करता आ रहा है। 'प्रदान' के निवेदिता नारायण एवं ऋषि मीणा प्रत्येक शनिवार को इंटरनेट के माध्यम से भारत भर में एक संगोष्ठी का आयोजन करते हैं।

शोधार्थी को शोध कार्य प्रस्तुत करने से पहले शोध–पूर्व प्रस्तुति का आयोजन किया जाता है।

17–18 नवंबर 2016 को 5 एम.फिल शोधार्थियों द्वारा अपने शोध कार्य की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

23 सितंबर 2016 को प्रणब कांति बासु ने 'नियोलिबरलिज्म : पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ द सोल' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

24 अक्टूबर 2016 को बिनायक सेन एवं इलिना सेन ने 'क्रिटिकल मेडिकल प्रैक्टिस सोशल ट्रांसफॉरमेशन एंड जेंडर' विषय पर व्याख्यान दिया।

21–24 मार्च 2017 को देबल देब ने "इकोलॉजिकल इकॉनोमिक्स एंड द प्रक्सिस ऑफ कंजर्वेशन" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित किया।

नियोजन

केंद्र एम.फिल शोधार्थियों के लिए नियोजन सहायता प्रदान करता है। कुछ शोधार्थी आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित सीडीपी परियोजना में कार्य कर रहे हैं। कुछ शोधार्थी सेवा, राजिव गांधी महिला विकास परियोजना, राजिव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, टीएसआरडीएस, टाटा ट्रस्ट (पुणे, लखनऊ, कालाहांडी), आजाद फाउन्डेशन, हर्षा ट्रस्ट, खेमका फाउन्डेशन, टाटा स्टील सीएसआर, यूएनडीपी, रंग दे बंगलौर एवं विभिन्न सरकारी संस्थानों में विभिन्न पदों पर नियोजित हैं।

3.3. प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीइसीईडी) की कल्पना एक ऐसी संस्था के रूप में की गई है जिसमें सुव्यवस्थित एवं सर्वांगीण वैचारिक ढांचे के भीतर शोध, योजना और प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास क्षेत्र (ईसीईडी) का समावेश है। सीइसीईडी की सोच प्रारंभिक शिक्षा पर ध्यान देने के साथ विकास एवं सन्दर्भ की दृष्टि से समुचित एवं समावेशी ईसीईडी की सर्वांगीं शिक्षा को बढ़ावा देना है। केंद्र का लक्ष्य हर बच्चे के जीवन हेतु ईसीईडी के माध्यम से ठोस आधार के अधिकार का समर्थन एवं प्रोत्साहन करते हुए सामाजिक न्याय और समानता के राष्ट्रीय लक्ष्यों में सहयोग करना है। केंद्र शोध, क्षमता निर्माण और समर्थन से ईसीईडी में साक्ष्य आधारित गुणवत्ता के प्रोत्साहन को अपना लक्ष्य मानता है। अपनी शोध व मूल्यांकन गुणवत्ता के प्रोत्साहन क्षमता निर्माण के साथ ही साथ ईसीईडी के क्षेत्र में समर्थन एवं नेटवर्किंग के लिए सीइसीईडी ने वर्ष 2009 से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से सक्रियता पूर्वक धन जुटाना जारी रखा है।

सहकार्यता (सहयोग)

केंद्र ने निम्नलिखित संस्थाओं के साथ सहयोग किया है –

1. आंध्र महिला सभा, हैदराबाद
2. बर्नार्ड वान लीर फाउंडेशन, नीदरलैंड्स
3. केयर इंडिया सॉल्यूशन फॉर सस्टेनेबिल डेवलपमेंट, नई दिल्ली
4. सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन
5. चिल्ड्रेंस इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन, लंदन
6. दिशा, उड़ीसा
7. मोबाईल क्रेचेज, नई दिल्ली
8. क्षेत्रीय केंद्र : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक को–ऑपरेशन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट, गुवाहाटी, असम
9. प्लान इंडिया
10. रिजल्टस फॉर डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट, वाशिंगटन डीसी, अमेरिका
11. सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुंबई
12. यूनिसेफ इंडिया, यूनिसेफ वेस्ट बंगाल, यूनिसेफ राजस्थान
13. येल विश्वविद्यालय, न्यू हेवन, अमेरिका

परियोजनाएँ

शोध एवं मूल्यांकन

मोनीमालिका डे, प्रधान अन्वेषक एवं प्रीती महाल्वाल, परियोजना समन्वयक : मोबाईल क्रेशेज द्वारा वित्तपोषित 'इम्पैक्ट इवैल्युएशन ऑफ द प्रोजेक्ट "सेविंग ब्रेन्स चेंजिंग माइंडसेट" (रु. 2,314,421, दो वर्षों के लिए जारी)।

मोनीमालिका डे, प्रधान अन्वेषक एवं ऋचा गुप्ता, परियोजना समन्वयक : "इफेक्ट्स ऑफ न्युट्रिशन एंड अर्ली स्टीम्युलेशन : ए स्टडी इन उड़ीसा" (येल विश्वविद्यालय द्वारा रु. 2,793,875, चार वर्षों के लिए जारी)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक एवं अभिश्वेता झा, परियोजना समन्वयक : बर्नार्ड वैन लियर फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित 'इवैल्युएशन ऑफ प्रेम सीबीसीडी सेंटर्स' (रु. 2,057,000, 5 महीने के लिए, परियोजना पूर्ण)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक एवं रेशमा वत्स, परियोजना समन्वयक : केयर इंडिया द्वारा वित्तपोषित 'ए बेसलाइन स्टडी ऑफ अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन कॉम्पोनेन्ट ऑफ अर्ली स्टार्ट : रीड इन टाइम प्रोजेक्ट इन उड़ीसा' (6 महीने के लिए रु. 212,969, परियोजना पूर्ण)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक एवं अनीष कुरियन, परियोजना समन्वयक : आर फॉर डी द्वारा वित्तपोषित इम्पैक्ट ऑफ द रीड टू किड्स इन्टर्वेंशन ऑन केयरगिवर्स' (रु. 3,001,725, 5 महीने के लिए जारी)।

वनिता कॉल, प्रधान अन्वेषक एवं अपराजिता भारगढ़, परियोजना समन्वयक : यूनिसेफ सीआईएफएफ द्वारा वित्तपोषित द इन्डियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडीः लॉन्गीट्युडनल रिसर्च स्टडी इन राजस्थान, असम एंड तेलंगाना (6 वर्षों के लिए रु. 9,027014, जारी)।

क्षमता निर्माण एवं गुणवत्ता संवर्धन

मोनीमालिका डे, प्रधान अन्वेषक एवं शिप्रा शर्मा, परियोजना समन्वयक : यूनिसेफ द्वारा वित्तपोषित "टेक्नीकल असिस्टेंट ऑन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन टू स्टेट्स : वेस्ट बंगाल एंड राजस्थान" (रु. 1,821,267, 5 वर्षों के लिए जारी)।

शिप्रा शर्मा, प्रधान अन्वेषक : प्लान इंडिया द्वारा वित्तपोषित "डेवलपमेंट ऑफ रेस्पोंसिव केयर एंड अर्ली स्टिमुलेशन फ्रेमवर्क एंड मैनुअल्स" (रु. 291,238, एक वर्ष के लिए जारी)।

शिवानी नाग, प्रधान अन्वेषक एवं अभिश्वेता झा, परियोजना समन्वयक : बीवीएलएफ/ दिशा द्वारा वित्तपोषित "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर स्केलिंग अप मदर टंग बेस्ड मल्टीलिन्गुअल अर्लि लार्निंग एंड पेरेंट्स" (रु. 1,926,400, एक वर्ष के लिए जारी)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक : सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित "अकेडमिक प्रोग्राम एमए एजुकेशन (प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास) एवं पीजी डिप्लोमा ईसीसीई" (रु. 2000,000 समाप्त, एसईस द्वारा पुनः शुरू)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक एवं मिनाक्षी डोगरा, परियोजना समन्वयक : यूनिसेफ द्वारा

वित्तपोषित "डेवलपिंग अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टेंडर्स फॉर चिल्ड्रेन फ्रॉम बर्थ टू एट इयर्स इन द इन्डियन कॉन्टेक्स्ट" (रु. 14,722,570, 3 वर्ष के लिए जारी)।

वनिता कौल, प्रधान अन्वेषक एवं अपराजिता भारगढ़, परियोजना समन्वयक : सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित "स्टेंडरडाइजेशन ऑफ एसेसमेंट टूल्स" (रु. 750,000, 3 वर्ष के लिए जारी)।

एडवोकेसी एवं नेटवर्किंग

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक रिंकू बोरा एवं पायल साहू, परियोजना समन्वयक : सीईसीईडी क्लियरिंग हाउस : कम्युनिकेशन विभिन्न परियोजनाओं हेतु एक वर्ष के लिए वकालत एवं सुचना बजट से वित्तपोषित, जारी।

सीईसीईडी की संचार इकाई ने परियोजना समन्वयकों के साथ मिल कर कार्य किया तथा केंद्र के उद्देश्यों को पूर्ण करने हेतु उनकी सभी आवश्यकताओं को पूर्ण किया। पिछले वर्ष 2016–2017 की कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार रही :–

अर्लीस्कोप वेब पोर्टल (http://eceportal.in) : यह नीति–निर्माताओं, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, व्यवसाइयों, माता–पिता एवं स्वयं बच्चों को ध्यान में रखते हुए आपसी विचारों के आदान–प्रदान हेतु एक महत्वपूर्ण स्थान है।

सीईसीईडी वेबसाइट (www.ceced-net) : यह वेबसाइट नियमित रूप से अपडेट की जाति है जिसके तहत परियोजनाओं, कर्मचारियों, कार्यक्रमों तथा नौकरियों के अवसर के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। सीईसीईडी के विभिन्न आंतरिक एवं बाहरी सदस्यों हेतु यह वेबसाइट एक प्रमुख भूमिका निभाता है जिसके तहत ये अध्ययन सामग्री, मुख्या संक्षेपिका, नीति संक्षेपण आदि संसाधन प्रदान करता है। इस वेबसाइट में "मेरी आवाज मेरे अल्फाज" नाम से एक नया पेज भी जोड़ा गया है। यह उन छात्रों एवं ईसीई के सदस्यों के लिए है जो अपने विचार इसीसीई के साथ साझा करना चाहते हैं।

सोशल मीडिया : सीईसीईडी सोशल मीडिया एवं अर्ली स्कोप फेसबुक पेज 6000 से अधिक अनुयायियों (फोलोअर्स) तक पहुँच चुका है। इन्हें सीईसीईडी से संबंधित सभी अपडेट नियमित रूप से प्राप्त होते हैं। हाल ही में सीईसीईडी ट्विटर हैंडल (CECED_AUD) भी सक्रिय किया गया है। सीईसीईडी यू ट्यूब पर सीईसीईडी फिल्म, विषय संबंधी प्रशिक्षण वीडियो आदि मुफ्त में देखा जा सकता है।

सीईसीईडी फिल्म : सीईसीईडी एवं एयूडी द्वारा तीन फिल्में प्रोड्यूस की गई है। इस फिल्म के निर्माण में जिन विभिन्न राज्यों एवं वित्तीय साझेदार का सहयोग रहा वे इस प्रकार हैं :

दिल्ली स्पीक्स ऑन स्कूल रेडीनेस (वॉक्स पॉप शार्ट फिल्म, 9 मिनट, 2016, इन हाउस प्रोडक्शन)।

सेवन इयर्स टूगेदर (सेलिब्रेटिंग 7 इयर्स ऑफ सीईसीईडी, लघु फिल्म, 10 मिनट, 2016, इन हाउस प्रोडक्शन)।

वी कैन (पीपल्स रूरल एजुकेशन मूवमेंट, उड़ीसा, लघु फिल्म, 8 मिनट, 2017 एक्सटर्नल प्रोडक्शन)।

प्रस्तुतियाँ

अपराजिता भारगढ़ ने 20–21 अक्टूबर 2016 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय,दिल्ली एवं यूनिसेफ द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इन्डियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडी" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : 15 जून 2016 को प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास मंत्रालय एवं यूनिसेफ नेपाल में आयोजित एक अंतरराष्ट्रिय संगोष्ठी में "इन्डियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडी" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

मिनाक्षी डोगरा ने 11–13 अक्टूबर 2016 को विल्नीयास, लिथुआनिया में आयोजित एक संगोष्ठी में "अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टेंडर्स : प्रोसेस एंड चौलेंजेज" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

सुनीता सिंह ने 20–21 अक्टूबर 2016 को प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र, आंबेडकर विश्वविद्यालय एवं यूनिसेफ द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में "इन्हेंसिंग लर्निग इन्श्योरिंग फॉन्डेशन" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

—————— : 18 नवम्बर 2016 को दिल्ली विश्वविद्यालय एवं आईसीएएनसीएल ग्रुप के सहयोग से अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित एक संगोष्ठी में "अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टेंडर्स इन ए पैनल बिल्डिंग रिसर्च एंड शेयरिंग प्रैक्टिसेस : सीईसीईडी एक्सपेरिएंस" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

सुनीता सिंह ने 7 फरवरी 2017 को भारतीय शिक्षा कांग्रेस द्वारा नई दिल्ली में आयोजित एक परिचर्चा का संचालन किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

13 जुलाई 2016 को इंडिया इंटरनेश्नल सेंटर, नई दिल्ली में केयर इंडिया के सहयोग से "व्हाट वर्क्स इन गर्ल्स एजुकेशन : इश्यु एंड चौलेंजेज" विषय पर परिचर्चा आयोजित किया गया।

20–21 अक्टूबर 2016 को यूनिसेफ एवं चिल्ड्रेंस इन्वेस्टमेंट फंड के सहयोग से "इन्हान्सिंग रेडीनेस इन्श्योरिंग लर्निंग" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

"इंडियन अर्ली चाइल्डहु एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडी" विषय पर 8 नवंबर 2016 को वारंगल (तेलंगाना) में, 21 नवम्बर 2016 को गुवाहाटी तथा 8 नवम्बर 2016 को हैदराबाद में संगोष्ठी आयोजित की गई।

22 जून 2016 को इंडिया हेबिटेट सेंटर में सुभाष चन्द्र खुंतिया, (सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साहित्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार), ए.के. जलालुद्दीन, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर एवं राजन बहादुर (एमडी एवं सीईओ केयर इंडिया) ने 'अर्ली लैंग्वेज एंड लिटरेसी इन इंडिया' विषय पर पोजीशन पेपर जारी किया।

20 सितम्बर एवं 7 अक्टूबर 2016 को सलाहकार समिति की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें 4 से 8 वर्ष के बच्चों के सम्बन्ध में "डेवलपमेंट एंड स्टेंडरडाईजेशन ऑफ टूल्स फॉर असेसमेंट ऑफ क्वालिटी ऑफ प्रोग्राम" विषय पर विचार–विमर्श किया गया।

30 नवंबर 2016 को केंद्र के 7वीं सालगिरह की खुशी मानाने एवं केंद्र की उपलब्धियों एवं योगदानों पर चर्चा करने हेतु एक विमर्श गोष्ठी का आयोजन किया गया।

7–14 जनवरी 2017 को नई दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेला में सीईसीईडी द्वारा अपने प्रकाशन एवं फिल्मों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

प्रारंभिक शिक्षण विकास मानक

3.4. अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र

विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा हेतु अँग्रेजी भाषा पर पकड़ होना आज के विद्यार्थियों के लिए एक अनिवार्य जरूरत हो गयी है। नामांकन के समय विद्यार्थियों से अँग्रेजी भाषा में दक्ष होने की जितनी अपेक्षा की जाती है, अगर कोई उसे पूरा नहीं कर पाता है तो बाद में उन छात्रों को नुकसान उठाना पड़ जाता है क्योंकि अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में विषयों को पढ़ाने का माध्यम अँग्रेजी हो गया है। इसके अतिरिक्त जब से विषयों को अर्द्ध–वार्षिक पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाने लगा है तब से ऐसे छात्रों के लिए कठिनाइयाँ बढ़ती चली जाएँगी जो अँग्रेजी भाषा में कुशल नहीं हैं। क्योंकि एक बार अगर ये छात्र/छात्राएं पीछे हो गए तो उनके लिए पाठ को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। छात्रों की इसी समस्या को निरंतर दूर करने हेतु अँग्रेजी भाषा शिक्षण (ईएलटी) को सक्रिय एवं समर्पित सदस्य तथा अँग्रेजी भाषा के विशषज्ञों की जरूरत है। अँग्रेजी भाषा शिक्षण की स्थापना इस कार्य की जिम्मेदारी उठाने के लिए की गई थी।

इसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्य शामिल किए जाएँगे

1. क्रेडिट आधारित विषय का प्रस्ताव जिसमें निरंतर रूप से पाठ्यक्रम नवीकरण शामिल होगा जिससे पाठ्यक्रम ठीक रहे तथा छात्रों की बदलती हुई जरूरतों को भी पूरा कर सके।
2. अन्य छात्रों/शोध छात्रों की अँग्रेजी भाषा संबंधी जरूरतों का निरंतर हल करते रहना।

केंद्र मुख्य रूप से दो लक्ष्यों को सामने ले कर चल रहा है–पहला, विश्वविद्यालय के छात्रों के अँग्रेजी संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु उनकी सहायता करना तथा दूसरा, विशेषज्ञों की सेवाओं के माध्यम से ईएलटी का विकास करना। इन उद्देश्यों को पूरा करने हेतु केंद्र निम्नलिखित बिन्दुओं को अपना लक्ष्य बनाता है–

1. स्नातक कार्यक्रम के लिए क्रेडिट तथा स्नातकोत्तर, शोधार्थियों हेतु नॉन–क्रेडिट कोर्स के व्यवस्था।
2. सेवारत एवं सेवा में आने वाले सभी शिक्षकों के लिए डिप्लोमा/स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएचडी स्तर पर ईएलटी कोर्स की सुविधा प्रदान करना।
3. ईएलटी विशेषज्ञों की जरूरत महसूस करने वाली संस्थाओं को सलाहकारी सुविधा प्रदान करना।
4. ईएलई के अंतर्गत परियोजनाओं का परिचालन करना जैसे संस्थाओं को अँग्रेजी भाषा में मदद करने हेतु सहायता प्रदान करना।
5. संबन्धित लक्ष्य समूह/लक्ष्य दलों की भाषा संबंधी जरूरतों को पूरा करना।

कोर्स

केंद्र नियमित/अल्पकालिक/साप्ताहिक कोर्स प्रदान करने की योजना बना रहा है।

- स्नातक स्तर पर फाउंडेशन कोर्स की व्यवस्था
- जरूरत अनुसार लघु कोर्स, उदाहरनार्थ– अकादमिक लेखन, पठन–पाठन एवं मनन कौशल के सुधार हेतु एडवांस अँग्रेजी कोर्स कार्यक्रम।
- विभिन्न कार्यक्रमों/स्कूल के शिक्षकों के साथ मिल कर विद्यार्थियों को अँग्रेजी भाषा संबंधी समस्याओं का समाधान करना।
- बीए एवं एमए (अँग्रेजी) तथा एमए (शिक्षा) हेतु व्यापक तौर पर क्रेडिट कोर्स की व्यवस्था।
- एमए (शिक्षा–ईएलई) : 12 महीने अथवा 2 साल के लिए जिसमें क्रेडिट की संख्या के आधार पर डिप्लोमा अथवा सर्टिफिकेट कोर्स कर पाठ्यक्रम समाप्त करने की सुविधा।
- एमए (शिक्षा–ईएलई–) कोर अथवा वैकल्पिक मौड्यूल पर आधारित प्रारम्भिक, द्वितीयक अथवा तृतीयक कोर्स की सुविधा।
- लघु, जरूरत अनुसार, वैयक्तिक पाठ्यक्रम अर्थात शिक्षक विकास, क्रियाशील शोध, परामर्श, शिक्षक संघ की शुरुआत, प्रशिक्षक प्रशिक्षण, व्यक्तिगत स्तर पर रुचि का विकास करना।
- पीएचडी (शिक्षा–ईएलई)
- ईएलई में सलाहकारी सुविधा की व्यवस्था भी प्रदान की जाती है।

केंद्र ने सक्रिय योजनाओं की तैयारी हेतु इस क्षेत्र के विभिन्न विशेषज्ञों के साथ मिलकर कई सलाहकार बैठकों का आयोजन किया।

3.5. एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केन्द्र

एयूडी का उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केन्द्र (एसीआईआईई) को विश्वविद्यालय की वृहत्तर दृष्टि के अन्तर्गत एक गैर–लाभकारी समूह के रूप में स्थापित किया गया है। इसका प्राथमिक उद्देश्य सामाजिक रूप से उपयोगी कार्य में सैद्धांतिक और संकल्पनात्क शिक्षा का अनुवाद करना और समाज के उस अल्प–विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग तक पहुंचाना है, जो नए ज्ञान और समकालीन व्यवहार तक पहुंच नहीं रख सकते।

केंद्र का त्वरित प्रयास नवाचार और उद्यमिता का पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित करना और हमारे देश के सामने आने वाली कई सामाजिक समस्याओं को संबोधित करते हुए, एयूडी समुदाय के इच्छुक सदस्यों को उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। एयूडी के अंतर्विषयक जगह को, विशेष रूप से व्यापार, डिजाइन, विकास कार्य, शिक्षा, पारिस्थितिकी, मानसिक स्वास्थ्य इत्यादि जैसे अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में, एसीआईआईई को स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थान के रूप में देखा जाता है।

केंद्र अपने मूल उद्देश्यों के हिस्से के रूप में निम्नलिखित पहल करता है :

- अभिनव विचारों को आमंत्रित करना व उन्हें विकसित होने के अवसर देना और उन्हें निष्पादन योग्य व्यावसायिक उद्यमों, खास तौर पर देश के सामाजिक क्षेत्र की कई समस्याओं के समाधान का पता लगाने में सहयोग करना।

- उपक्रम विकास (सामाजिक) के पायलट और स्टार्ट अप चरण का समर्थन करना।

- मार्गदर्शन और एंजेल निवेशकों, उद्यमी पूँजीपतियों व अन्य सम्बंधित माध्यमों से वित्तीय संसाधनों की व्यस्था करने में सहयोग के माध्यम से तकनीकी और मनोवैज्ञानिक समर्थन का विस्तार करना।

- कार्यशालाओं, संगोष्ठियों के आयोजन और अनुभव साझा करके उद्यमिता और उससे जुड़े मुद्दों को बढ़ावा देना।

कश्मीरी गेट परिसर में केंद्र को 3000 स्क्वायर फीट विशिष्ट निर्मित भूमि आवंटित की गई है जो सभी मूलभूत सुविधाओं से लैस है और सुचारु रूप से कार्य करने हेतु यहाँ सभी उपकरण उपलब्ध हैं। यहाँ आसानी से 10–12 उद्यमियों के आवास की व्यवस्था की जा सकती है।

सहकार्यता (सहयोग)

एयूडी ने एसीआईआईई की गतिविधियों के समर्थन हेतु दिल्ली सरकार से मार्च 2016 में 1.5 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त किया है। इसके माध्यम से मूलभूत संरचना एवं मानव संसाधन में बढ़ोत्तरी की जाएगी।

केंद्र सहयोगात्मक पहल हेतु कुछ संस्थाओं जैसे एसएसई, सीआईआई, टीआईई, यूके आदि से लगातार संपर्क में है।

सम्मान

कुरियाकोस मम्कूट्टम को एयूडी में अवकाश प्राप्त प्रोफेसर के रूप में सम्मानित किया गया।

मो. शारीक राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद द्वारा आईडीसी (भारतीय डिजाइन परिषद) के सदस्य के रूप में नामित किए गए।

संगोष्ठी / सम्मेलन

केंद्र ने "सोशल एन्ट्रिप्रनियोरशिप" इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में मई 2017 को अंतरराष्ट्रीय विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

केंद्र ने छात्रों को अपने उद्देश्य एवं प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल करने हेतु अनेक कार्यशाला का आयोजन किया तथा छात्रों के साथ निरंतर संवाद की स्थिति बनाए रखी।

कैम्ब्रिज जज बिजनेस स्कूल, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कार्यक्रम निदेशक, बेलिंदा बेल ने 19–20 अक्टूबर 2016 को "सोशल एन्ट्रिप्रनियोरशिप" विषय पर छात्रों के साथ कई मुद्दों पर बातचीत की।

एन्ट्रिप्रनियोरशिप, बिजनेस प्लान, मार्केटिंग, फाइनेंशियल मॉडलिंग आदि विषयों पर अनेक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों ने अपने–अपने विचारों को साझा किया।

मेंटल हेल्थ, ई–वेस्ट प्रबंधन, प्राकृतिक रूप से सड़नशील पदार्थों के पुनः चक्रण सीढ़ीनुमा कृषि आदि के क्षेत्रों में चार प्रस्तावों को नवोन्मेषन हेतु संक्षिप्त सूची में डाला गया। तत्पश्चात छः विद्यार्थियों को उनके नवोन्मेष कार्यक्रम एवं परियोजनाओं के विकास हेतु केंद्र द्वारा मदद किया जा रहा है।

प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा, दिल्ली के एनसीटी सरकार इनक्यूबेट्स, एसीआईआईई के साथ बातचीत

3.6. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर) औपचारिक रूप से जुलाई 2013 में अस्तित्व में आया। इससे पहले केंद्र के निर्माण एवं कार्य करने संबंधी विचार मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस) द्वारा रखा गया था। अम्बेडकर विश्वविद्यालय के सदस्यों के लिए वर्ष 2011 से ही केंद्र मनोचिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करा रहा है, 2013 में जब सीपीसीआर का गठन मनोचिकित्सक एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र के रूप में हुआ तब इसका आधार एक मनोविश्लेषक नैदानिक विन्यास के रूप में बना जो आनुभविक दृष्टि से अवचेतन में विशवास रखता है, संबंधों के देखभाल के महत्व एवं करुणा(संवेदना) के पोषण की नैतिकता में विश्वास रखता है। केंद्र भारतीय दृष्टिकोण से मनोचिकत्सा संबंधी उपायों को अपनाने में विश्वास रखता है।

सीपीसीआर के लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

- अल्पतम शुल्क के साथ गुणवत्तापूर्ण मनोवैज्ञानिक सेवाएँ विकसित करना एवं उपलब्ध कराना।
- मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अध्ययन में एक गहन एम.फिल कार्यक्रम के माध्यम से मनोविश्लेषीव समाज के प्रति संवेदनशील मनोचिकित्सकों को प्रशिक्षण देना।
- अंतर–व्यक्ति परक एवं पारस्परिक रूप से परिवर्तनकारी माध्यम से समुदाय सन्दर्भों में कार्य करना।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोचिकित्सा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रकाशन एवं ज्ञान का प्रसार करना।
- मानसिक स्वास्थ्य एवं संबंधित पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के साथ ही मानविकी एवं सामजिक विज्ञान में व्यक्तिनिष्ठ मूल्यांकन व ग्रहण करने हेतु आदर्श स्थापित करना।
- मानसिक स्वास्थ्य देखभाल नीति को ध्यान में रखते हुए भारत में मनोवैज्ञानिक व मनोचिकित्सकों का संगठन तैयार करना।
- भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए पेशेवर चिकित्सकों के लिए एक मंच तैयार करना।

केंद्र ने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस वर्ष निम्नलिखित कार्य किया है :

एहसास–मनोचिकित्सा एवं परामर्श चिकित्सालय

एयूडी में स्थित एहसास चिकित्सालय मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सा हेतु प्रशिक्षण, शिक्षण एवं अभ्यास स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित यह चिकित्सालय शैक्षणिक एवं सामाजिक हाशिये की आवाजों के बीच की खाई को भरने

का कार्य करता है। विश्वविद्यालय के दृष्टि व प्रकृति के अनुसार सामजिक न्याय एवं समानता हेतु एहसास सभी सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को मुफ्त तथा मामूली शुल्क में परामर्श व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराता है। चिंतनशील नैदानिक कार्यों को सक्षम करने हेतु इन्हें एम.फिल के विद्यार्थियों को सौंप दिया जाता है। वे नियमित पर्यवेक्षण एवं सलाह के द्वारा उनका उपचार करते हैं।

इस वर्ष लगभग 231 मरीजों (164 महिला एवं 67 पुरुष) ने एहसास में दीर्घ व अल्प–अवधि मनोचिकित्सा का लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त कई अन्य लोग परामर्श तथा निदान हेतु चिकित्सालय आये। इस वर्ष चिकित्सालय का ज्यादातर महत्वपूर्ण कार्य एयूडी के विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों, दिल्ली के अन्य विश्वविद्यालय के लोगों, साथ ही साथ समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों के लिए किया गया।

सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र

सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र की शुरुआत मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र, इक्विटी स्टडीज सेंटर एवं अमन बिरादरी की परियोजना 'हौसला' के बीच एक अनौपचारिक सहयोग से हुई, जो वयस्क बेघरों के साथ काम करता है। बेघरों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को सुलझाने के लिए स्वयं सीपीसीआर की एक पहचान बनी हुई है. इस वर्ष सीपीसीआर सामुदायिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में एम. फिल प्रशिक्षुओं की भागीदारी के द्वारा इस साझेदारी को और मजबूती दे रहा है।

महिलाओं के लिए शाइन शेल्टर गृह

शाइन शेल्टर गृह राज्य द्वारा अनुमोदित शरण स्थली है जो किसी कारण वश स्थाई घर ढूंढने में मुश्किलों का सामना करने वाली बेघर महिलाओं को रहने की सुविधा प्रदान करता है, इस स्थल पर महिलाओं को सौंदर्य प्रसाधिका, प्रधान रसोइया अथवा उत्कृष्ट दर्जी बनने के लिए व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित भी किया जाता है। इसके साथ–साथ यह महिलाओं को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से इग्नू के कार्यक्रमों में नामांकन भी कराता है। इसके अलावा यह कुछ लड़कियों को शिक्षक बनने के लिए प्रशिक्षित भी करता है ताकि वे संस्था के स्कूल लक्करपुर में रोजगार हासिल कर सके।

इंटर्न के लिए काम में व्यक्तिगत रूप से या छोटे समूहों में अलग–अलग प्रकाशों में अपनी कहानियों को सुनने के तरीके, भविष्य के लिए कल्पनाओं को कैसे बनाए रखा जाए, जबकि अलग–अलग जीवन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए निरंतर बातचीत शामिल थी।

किलकारी : बाल गृह

'किलकारी' एक आश्रय स्थल है जो कश्मीरी गेट पर स्थित है। यह 5 से 16 वर्ष की करीब 120 लड़कियों को आवास उपलब्ध कराती है। लड़कियों के साथ व्यक्तिगत रूप

से मनोवैज्ञानिक रूप से काम करने के साथ साथ, कर्मचारियों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारियों को बच्चों के उम्र के विभिन्न पड़ाव से संबन्धित जोखिम भरे व्यवहारों और मनोवैज्ञानिक चिंताओं को समझने के लिए सहायता की गई। चूँकि इन आश्रय स्थलों में जोखिम भरे व्यवहार, भटकाव, यौनिकता आदि चिंता के विषय बने रहते हैं। इसलिए एक बार इन जगहों पर सहभागियों के बीच लौट के आना बच्चों के लिए भी एक हस्तक्षेप एवं उसके निर्माण में सहायक हो सकता है।

बेघर व्यक्तियों हेतु गीता घाट आश्रय स्थल

गीता घाट दिल्ली की गलियों में रहने वाले व्यक्तियों के लिए एक आश्रय स्थल है। सीपीसीआर के मुख्य कार्यों में से एक गीता घाट आश्रय स्थल में रहने वाले लोगों के बीच अपनी उपस्थिती और सम्बन्धों को मजबूत बनाना भी है जिससे उनके बीच विश्वास एवं दोस्ती कायम की जा सके। इसमें रहने वाले स्वास्थ्य कर्मचारी एवं नर्स मानसिक एवं नैदानिक उपचार हेतु मरीजों को 'एहसास' में भेजते हैं।

प्रशिक्षुओं ने यहाँ पेपर बैग बनाने का कार्यक्रम आयोजित किया तथा यहाँ 2 फिल्म की प्रदर्शनी भी आयोजित की। इन लोगों को मानसिक संबल प्रदान करने तथा इनमें आत्मविश्वास निर्मित करने हेतु प्रशिक्षुओं ने 'बिया' के सहयोग से एक कार्यशाला का आयोजन किया। प्रशिक्षुओं ने निकट भविष्य में 'अमन बिरादरी' के कर्मचारियों के साथ मिलकर एक और कार्यशाला का आयोजन करने का निर्णय लिया जिसका मुख्य विषय अनुकूलता, नैतिकता, तनाव एवं उत्तेजना, स्वास्थ्य संबंधी सामान्य मनोवैज्ञानिक अवधारणा पर आधारित होगा।

इस दिशा में एक और कार्य की शुरुआत की जा रही है जिसके अंतर्गत इस आश्रय स्थल में रहने वाले व्यक्तियों के किस्से–कहानियों और उनकी बातों को एक अभिलेख के रूप में संरक्षित किया जाएगा। 'यमुना डायरिज' नाम से एक फेसबुक पेज भी बनाया गया है जिसके माध्यम से यमुना नदी के आस–पास बसे इलाकों के जीवन का प्रलेखन तथा संरक्षित करने की उम्मीद की जा रही है।

एमफिल मनोवैज्ञानिक चिकित्सा

एमफिल मनोवैज्ञानिक चिकित्सा, मानव अध्ययन स्कूल एवं मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सी.पी.सी.आर) के संयुक्त प्रयास से शुरू किया गया है। यह 110 क्रेडिट का 3 वर्ष का कार्यक्रम है। यह आम एमफिल कोर्स से लंबा है क्योंकि इसमें मनोवैज्ञानिक चिकित्सा के प्रशिक्षण हेतु कड़े अभ्यास की जरूरत पड़ती है। यह कार्यक्रम तथ्यात्मक एवं अभ्यास आधारित शिक्षा को संतुलन के साथ प्रस्तुत करता है। इसके प्रशिक्षण में कई सारे आयामों जैसे नैदानिक एवं मनोचिकित्सकीय प्रशिक्षण, 'एहसास' चिकित्सालय में मनोवैश्लेषिक चिकित्सा, शिशुओं का प्रेक्षण, प्रतिक्रियात्मक तन्मयता आदि का अभ्यास कराया जाता है। अपने आस पास के समाज की समझ की जिम्मेदारी

तथा मनोचिक्त्सा के क्षेत्र में गहरे एवं पेशेवर शोध कार्य को महत्व देता है। इस प्रशिक्षण की एक मुख्य विशेषता यह भी है कि प्रशिक्षकों को मनोचिकित्सक द्वारा अपने मनोविश्लेषण के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। । सी.पी.सी.आर के मनोचिकित्सक एवं संकाय सदस्य एमफिल विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से पढ़ाने के साथ–साथ नैदानिक निरीक्षण एवं परामर्श देते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं हिमायत

सन् 2016 में केंद्र ने मानसिक स्वास्थ सुधार अधिनियम 2016 में कमी की ओर लोगों को जागरूक करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एक अभियान चलाया। 8 अगस्त 2016 को राज्य सभा में यह बिल पास होने के बाद सी.पी.सी.आर ने इस बिल की कई सारी खामियों को प्रकाश में लाया जैसे कि यह अधिनियम मनोचिकित्सकों, मनोविश्लेषक एवं परामर्शदाताओं को पेशेवर मानसिक स्वास्थ कर्मचारी के रूप में आधिकारिक पहचान एवं कानूनी समर्थन देने में असफल रहा है। इन मुद्दों को विशेष रूप से चिन्हित करने हेतु केंद्र ने इससे जुड़े विशेषज्ञों के साथ कई बैठके की तथा एक ऑनलाइन याचिका भी दायर की। याचिका की कुछ प्रमुख बातें इस प्रकार हैं :

• भारतीय मनोवैज्ञानिक परिषद का गठन हो जो मनोचिकित्सकों, मनोविश्लेषक एवं परामर्शदाताओं को अच्छा प्रशिक्षण दे एवं उन्हें एक पेशेवर पहचान दे। ध्यान देने योग्य बात है कि आर.सी.आई मनोचिक्त्सा के अंदरूनी तत्वों को समझने में नाकाम रही है। आर.सी.आई पुनर्वासन से जुड़े क्षेत्र और पेशेवरों के लिए सक्रिय है। अन्य मानसिक स्वास्थकर्मियों को पहचान देने का एकमात्र अधिकार आर.सी.आई के पास नहीं होना चाहिए।

• मनोचिकित्सक की परिभाषा को विस्तृत करते हुए एन.ए.ए.सी. (नैक) द्वारा प्रमाणित एवं यूजीसी द्वारा स्वीकृत विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान अथवा मनोचिकित्सा में दो अथवा दो से अधिक वर्ष का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर अथवा एमफिल करने वाले छात्रों को भी मनोचिकित्सक का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।

• मानसिक स्वास्थकर्मियों की परिभाषा को व्यापक बनाते हुए मनोरोग चिकित्सकों को भी उसमें शामिल किया जाना चाहिए।

केंद्र यह उम्मीद करता है कि जब एमएचसीबी का गठन होगा तो ये नियम अवश्य लागू किए जाएँगे।

प्रस्तुतियाँ

आशीष रॉय ने बोस्टन विश्वविद्यालय में 29 अक्टूबर 2016 को आईएसपीएस–यूएस पंद्रहवें वार्षिक गोष्ठी में "लिमिटलेसनेस एंड फ्रेग्मेंटेशन" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

------ : आशीर्वाद केंद्र, बेंगलुरु में 26 नवंबर 2016 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सेक्शुऐलिटी एंड होमलेसनेस" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

------ : मनोचिकित्सा केंद्र एवं नैदानिक शोध केंद्र तथा जापानी मनोवैश्लेषिक सभा द्वारा 6–8 जनवरी 2017 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक संगोष्ठी में 'इंटिमेसी एंड एलियनेशनः विटनेसिंग द मेकिंग ऑफ ए हिन्दू–मुस्लिम डायड' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राजिन्दर सिंह ने आशीर्वाद केंद्र, बेंगलुरु में 26 नवंबर 2016 को आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2016 में 'सेक्शुऐलिटी एंड इट्स विस्सिट्युड्स' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शालिनी मसीह ने आशीर्वाद केंद्र, बेंगलुरु में 26 नवंबर 2016 को आयोजित एक मनोवैश्लेषिक सम्मेलन के एक सत्र में 'नो वुमन्स लैंडरूस्ट्राइविंग टू अक्युपाई द स्पेस बिटविन ट्रेडीशन एंड मॉडर्निटी' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

------ : न्यू जर्सी, यूएसए में 13–16 अक्टूबर 2016 को आयोजित एक वार्षिक सम्मेलन में 'लॉक्ड इन ए फोसिल वेटिंग टू बी टच्ड बाय ए ड्रीमः रिफ्लेक्शन्स ऑन एन इंडियन डाउटर' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

मानसिक स्वास्थ्य दिवस–आवाज 2016

केंद्र एवं स्कूल ने नवंबर 2016 में 'आवाज 2016' का आयोजन किया जिसका विषय था – 'शिक्षण एवं मनोवैश्लेषिक प्राथमिक उपचार' ('पैडागौजी एंड साइकोलोजिकल फर्स्ट ऐड')। यह शिक्षण एवं अधिगम से संबन्धित अपने अनुभवों को साझा करने पर केन्द्रित था जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के परिप्रेक्ष्य में छात्रों को होने वाली मनोवैज्ञानिक परेशानियों का उपचार किया जाता है। फिल्म प्रदर्शिनी, चर्चा–परिचर्चा, नुक्कड़ नाटक, काव्य पाठ आदि कई गतिविधियों के माध्यम से यह प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया कि किस प्रकार विश्वविद्यालय को अशांति के माहौल से खुशनुमा माहौल में बदला जा सकता है, जिससे विद्यार्थियों में एक गहरी नैतिकता की भावना का विकास किया जा सकता है।

चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक सम्मेलन का आयोजन

भारतीय मनोचिक्त्सकीय सभा एवं जापानी मनोचिक्त्सकीय सभा के सहयोग से 6–8 जनवरी 2017 को चौथे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय मनोवैश्लेषिक सम्मेलन "ड्याड्स द लाईफ साइकिल–एन इंडो–जापनीज साइकोएनलाइटिकल कन्वर्सेशन" का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय संगोष्ठी का उदघाटन एयूडी के कुलपति द्वारा किया गया। अवकाश प्राप्त प्रोफेसर एवं मनोचिकित्सक ओस्माउ किटायमा ने संगोष्ठी को संबोधित

करते हुए 'एम्बिगुइटी टोलरेंस' पर मुख्य वक्तव्य दिया। उदघाटन समारोह की अध्यक्षता प्रोफेसर सुधीर कक्कड एवं आईपीए के अध्यक्ष पुष्पा मिश्रा ने किया। इस कार्यक्रम में मनोविश्लेषक, मनोचिकित्सक, साहित्य के विद्वान, मानसिक स्वास्थ्य उपचार कर्मी एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय समुदाय बड़े उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

7 सितंबर 2016 को मनोविश्लेषक, मनोचिकित्सक, मानसिक स्वास्थ्य उपचार कर्मी आदि द्वारा मानसिक स्वास्थ्य निदान अधिनियम के ऊपर पुनर्विचार किया गया।

10 फरवरी 2017 को एडेल्फी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जैकस बारबर ने 'द स्टेटस ऑफ साइकोडाइनामिक रिसर्च' विषय पर व्याख्यान दिया।

12 जनवरी 2017 को एनपीएपी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मनोविश्लेषक स्टीवन येगरमेन ने 'टर्निंग इन साइकोएनलाइसिस' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

एनपीएपी के मनोविश्लेषक एलन रोनाल्ड ने 8,9 फरवरी 2017 को 'अंडरस्टेंडिंग ड्रिमिंग इन द क्लीनिकल कांटेक्स्ट' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर सलमान अख्तर ने 18 फरवरी 2016 को 'मदर, फादर एंड साइकोएनलाइसिस' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर सलमान अख्तर ने 18 फरवरी 2017 को 'ट्रांजिशनल स्पेस एंड क्रिएटिविटी' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया जिस पर दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी के प्रोफेसर हरीश त्रिवेदी द्वारा टिप्पणी की गई।

3.7. प्रकाशन केंद्र

एयूडी में दोहरे उद्देश्यों के साथ वर्ष 2013 में प्रकाशन केंद्र (सीएफपी) शुरू किया गया, जिसका कार्य – (1) प्रकाशन शुरू करना एवं (2) प्रकाशन में शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रावधान करना है।

वर्ष 2017 में अकादमिक परिषद द्वारा इसे एक केंन्द्र के रूप में स्थापित करने की अनुमति प्रदान की जा चुकी है।

एयूडी प्रेस

एयूडी प्रेस के नाम से अपने प्रकाशन गतिविधियों द्वारा सीएफपी सर्वोत्कृष्ट प्रणालियों और नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए विद्वतापूर्ण एवं सृजनात्मक सूचना तथा ज्ञान का सुनियोजित अधिग्रहण व प्रचार–प्रसार करने की आशा करता है। यह न केवल शिक्षक एवं शोधार्थी बल्कि समाज के एक बड़े हिस्से के लिए भी फायदेमंद होगा।

इस दिशा में पहले कदम के रूप में एयूडी ने सीएफपी हेतु एक सम्पादन समिति का गठन किया है। इसमें एयूडी के प्राध्यापक वर्ग के सदस्यों एवं सदस्य सचिव के रूप में श्री सी. साजीश कुमार को नियुक्त किया गया है। नवंबर 2014 से अब तक 12 संपादक समिति की बैठक की जा चुकी है तथा प्रेस गतिविधियों में प्रभावी सुधार तथा विकास हेतु कई जरूरी निर्णय लिए गए हैं।

पी.जी. डिप्लोमा, प्रकाशन

केंद्र एक आदर्श प्रकाशन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है जो पारंपरिक एवं आधुनिक सभी प्रकार के प्रकाशन गतिविधियों को समायोजित कर सके जिसके अंतर्गत प्रकाशन उद्योग में विभिन्न भूमिका निभाने हेतु छात्रों को कुशल प्रशिक्षित एवं पेशेवर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए प्रकाशन उद्योग से ताल्लुक रखने वाले पेशेवर एवं विशेषज्ञ लोगों की टीम बुलाकर अभ्यास आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा छात्रों को समसामयिक विषयों पर प्रकाशन के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाएगा साथ ही साथ तकनीकी रूप से दक्ष बनाने हेतु क्षेत्र अध्ययन एवं अन्य अभ्यास आधारित कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

2015–16 बैच के सभी विद्यार्थी जिसका प्रकाशन कार्यक्रम में डिप्लोमा हेतु नामांकन किया गया है, उसने 2016 में अपनी स्नातक की डिग्री पूरी कर ली। केंद्र ने 2016–17 को पी.जी. डिप्लोमा, प्रकाशन के लिए 'जीरो वर्ष' घोषित किया है। इस संबंध में यह निर्णय लिया गया है कि प्रकाशन संबंधी विशेषज्ञों की सहायता से पुनः इस कार्यक्रम की समीक्षा की जाएगी एवं उसके बाद दुबारा पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम को लागू किया जाएगा।

व्याख्यान / गतिविधियाँ / कार्यक्रम / क्षेत्र–अध्ययन

सजीश कुमार सी. ने 2–6 मई 2016 को लोक सभा सचिवालय में ब्योरो ऑफ पार्लियामेंटरी स्ट्डीज एंड ट्रेनिंग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण 'एप्रिसिएशन कोर्स इन पार्लियामेंटरी प्रोसेस एंड प्रोसिड्युर्स' में हिस्सा लिया।

माइलस्टोन सॉफ्ट स्किल कंसल्टेंसी, नई दिल्ली की निर्देशक अल्का नंदा दास ने 5 अप्रैल 2016 को सृजनात्मक लेखन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

सेज प्रकाशन की उत्पादन संपादक श्रेया चक्रवर्ती एवं संपादक पर्यवेक्षक संगीता गुप्ता ने 8 अप्रैल 2016 को ऑनलाइन सम्पादन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रथम बुक्स की निर्देशिका मनीषा चौधरी के साथ मिलकर केंद्र ने बच्चों के लिए प्रकाशित होने वाले किताबों पर परिचर्चा हेतु प्रथम बुक्स का दौरा किया। बाल साहित्य पर चर्चा हेतु 11 अप्रैल 2016 को छात्रों ने सफदरजंग इंकलेव के एक पुस्तक भंडार का भी दौरा किया।

पेयर्सोन एजुकेशन के उप निर्देशक, (राइट्स एंड रॉयलटीज) चारु अग्रवाल ने 22 अप्रैल 2016 को एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

जर्मन बुक्स ऑफिस के निर्देशक प्रहस्ती रस्तोगी ने 29 अप्रैल 2016 को 'स्काउट्स एंड एजेंट्स' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

स्कोलास्टिक इंडिया के सायोनि बसु (प्रकाशक) टीना नारंग (संपादक) ने 2 मई 2016 को एयूडी में आयोजित एक परिचर्चा 'बीजनेस ऑफ चिल्ड्रेन पब्लिशिंग' में हिस्सा लिया।

एयूडी प्रेस के संपादकीय नीति पर चर्चा करने हेतु 17 जनवरी 2017 को बाहरी विशेषज्ञ (आशीष गुप्ता, ओमिता गोयल, प्रीति गिल एवं चंदन दत्ता) के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया।

3.8. सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र

स्कूल, केंद्र, कार्यक्रमों, एवं संस्थाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ एयूडी को शोध–प्राविधि की व्यापक समझ के साथ अकादमिक क्षेत्रों में नित नए शोधो की चुनौतीयों का सामना करने हेतु नए–नए केन्द्रों की स्थापना करना आवश्यक है और विश्वविद्यालय इसमें सक्षम भी है। इसी चीज को ध्यान में रखते हुए सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र (सीएसएसआरएम) का गठन एक स्वतंत्र इकाई के रूप में हुआ है।

सामजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र (सीएसएसआरएम) का विचार दिसंबर 2010 में आयोजित 'सामजिक विज्ञान शोध प्रणाली महोत्सव' के दौरान उत्पन्न हुआ। इसकी कल्पना अनुसंधान विषयों से संबंधित शोध, प्रशिक्षण एवं क्षमता–निर्माण गतिविधियों के लिए सभी संकायों के मध्य संवाद की संभावना बढ़ाने हेतु केन्द्रीय–बिंदु के रूप में की गई।

5 अक्टूबर 2016 को शिक्षण शोध में शामिल/रूचि रखने वाले संकाय सदस्यों के साथ तथा 23 सितम्बर 2016 को विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के साथ सीएसएसआरएम ने एक बैठक आयोजित की जिसमें सीएसएसआरएम विश्वविद्यालय में शोध के क्षेत्र में सीएसएसआरएम अपनी भूमिका किस तरह से निभा सकता है एवं उससे और क्या–क्या सेवाएँ ली जा सकती हैं, इस पर विचार–विमर्श किया गया।

केंद्र ने सीएसएसआरएम एवं संबंधित स्कूल/केंद्र के मध्य आपसी मामलों व रूचिपूर्ण–क्षेत्रों की पहचान करने हेतु एयूडी के स्कूल/केंद्र के संकाय सदस्यों से व्यक्तिगत परामर्श–प्रक्रिया आरम्भ की। संबंधित स्कूलों के अधिष्ठाता/संकाय सदस्यों द्वारा किये गए अनुरोधों के आधार पर, सीएसएसआरएम ने अनुसंधान प्रणालियों के शिक्षण एवं लघु शोध–प्रबंध के मूल्यांकन में अपना योगदान देना शुरू किया।

आर.वी. रमानी (अतिथि प्रोफेसर एवं फिल्म मेकर) के सानिध्य में छात्रों को वीडियो डॉक्युमेंटेशन का प्रशिक्षण देने हेतु नोडल गाइडेंस सेंटर का भी गठन किया गया है।

परियोजना

नक्कीरण, एन., मुखर्जी, सी., शर्मा, जी., अखा, एम., ने "नीड एसेसमेंट ऑन डिमांड फॉर टेरिटरी एजुकेशन इन एनसीटी एरिया ऑफ दिल्ली" (अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्व ारा वित्तपोषित रु. 15.9 लाख प्रस्तावित)।

प्रस्तुतियाँ

पी. एस. गांगुली, एन. नक्कीरण, हीना पटेल, खुशी कंसारा एवं मीनल दोशी ने कनाडा में 14–18 नवम्बर 2016 को स्वास्थ्य व्यवस्था पर आयोजित चौथे वैश्विक विचार गोष्ठी में "कॉर्पोरल वायलेंस ऑर लिबरेटेड बॉडीज : रिमेनिंग बॉडी आफ्टर हिस्टरेक्टोमी" विषय पर व्याख्यान दिया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

एन. नक्कीरण ने विकास अध्ययन स्कूल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा 18–19 जनवरी 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी "रिसर्च मैथड्स इन डेवलपमेंट स्टडीज" के परिचर्चा में भाग लिया।

——— : जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मनोविज्ञान विभाग में 24 मार्च 2017 को आयोजित एक कार्यशाला में "सोशल डिटर्मिनेंट्स ऑफ हेल्थ : एन इंट्रोडक्शन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : एनसीईआरटी, दिल्ली में 17 मार्च 2017 को आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "क्वालिटेटिव रिसर्च इन एजुकेशन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर विश्वविद्यालय, गुजरात में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए क्वालिटेटिव रिसर्च कार्यक्रम में 14 दिसंबर 2016 को एक व्याख्यान प्रस्तुत किया दिया।

——— : अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 28 नवंबर 2016 को शोधार्थियों के लिए आयोजित शोध–लेखन कार्यशाला में "राइटिंग रिसर्च मैथोडॉलोजी–डिस्कृप्टीव एंड नैरेटिव" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

——— : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ दिल्ली में 3, 4 और 6 मई 2016 को एक लघु कार्यक्रम 'मेडिकल एंथ्रोपोलोजी इन पब्लिक हेल्थ' में 'रिलेशन बिटविन एंथ्रोपोलॉजिकल एंड क्वालिटेटिव रिसर्च', 'फूड एंड कल्चर' तथा 'एथिकल डाइमेन्शन ऑफ एंथ्रोपोलॉजिकल रिसर्च' विषय पर तीन व्याख्यान प्रस्तुत किये गए।

——— : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर, गुजरात में 22 अप्रैल 2016 को स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित 'पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम' में ' एथनोग्राफी' 'रिसर्च मैथोडॉलोजी इन डेवलपमेंट स्टडीज' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम–गतिविधियाँ

पीटर वर्नेज, एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में 22 मार्च 2017 को "द यूज एंड अब्युज ऑफ फालेसाइज इन एकेडमिक आर्ग्युमेंटेशन" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 15–16 मार्च 2017 को एम.फिल / पीएचडी के शोधार्थियों के लिए गुणात्मक आंकड़ों के विश्लेषण हेतु एटलस टी के प्रयोग पर लघु कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अतिथि प्रोफेसर के रूप में 1–28 फरवरी 2017 दौरान 'द स्ट्रीट सर्वे : गाइडलाइंस फॉर फील्डवर्क' (14 फरवरी 2017) एवं 'डूइंग सोशल साइंसेस विथ मैप' (15 फरवरी 2017) विषय पर दो व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 28 नवंबर से 2 दिसंबर 2016 तक एमफिल, पीएचडी के शोधार्थियों हेतु शोध लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

3.9. शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र

शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र (सीयूईएस) की स्थापना स्थायी शहरों के निर्माण की दिशा में कार्य करने एवं दिल्ली शहर से प्राप्त अनुभवों से शहरी जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु की गई थी। इससे उम्मीद है कि यह केंद्रीय बिन्दु के रूप में शहरों में स्थायी पर्यावरणीय परियोजनाओं के नियोजन, कार्यान्वयन व मूल्यांकन में भाग लेने वाले वैज्ञानिकों, सरकारी एजेंसियों, निजी सलाहकारों तथा व्यक्तियों हेतु कार्य करेगा। केंद्र एयूडी के स्कूलों एवं अन्य केन्द्रों के साथ सामान्य हित के क्षेत्रों में सहयोग करता है। इसके अतिरिक्त यह विश्वविद्यालय के उन अकादमिक कार्यक्रमों के साथ भी संबंध बनाने की कोशिश करता है जो विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का अधिक से अधिक अवसर प्रदान करते हैं। केंद्र का संचालन निर्देशक करता है, जिनका मार्गदर्शन विधिवत रूप से गठित सलाहकार मण्डल करता है।

सहकार्यता (सहयोग)
दिल्ली विकास प्राधिकरण

केंद्र की प्रथम एवं प्रतिष्ठित परियोजना धीरपुर जलभूमि की पुनर्स्थापना है। यह एयूडी एवं डीडीए का सहयोगात्मक प्रयास है। इसके अंतर्गत डीडीए से संबन्धित आद्रभूमि के टुकड़े को भूमिगत बहाली हेतु एयूडी को सौंपा गया है। परियोजना आरंभ करने के लिए डीडीए ने सीमित वित्तीय सहायता भी दे दी है।

शोध परियोजनाएँ

धीरपुर आद्रभूमि सुधार परियोजना : यह परियोजना पाँच वर्ष की अवधि में पारिस्थितिकी रूप से सुधार करने की परिकल्पना ले कर चल रही है। डीडीए एवं एयूडी के मध्य हुए समझौते के अनुसार सुधार विज्ञान की सुव्यवस्थित रूप–रेखा के उपयोग द्वारा धीरपुर की 25.28 हेक्टेयर भूमि पर झीलों का संरक्षण किया जाएगा। वेटलैंड पार्क बनने के बाद मुखर्जी नगर, निरंकारी कॉलोनी, गांधी विहार एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के आगामी परिसर के लोगों को जल विज्ञान, विनियामक, सांस्कृतिक तथा सौन्दर्य संबंधी लाभ प्राप्त होगा। यह भी माना जाता है कि पार्क का वेटलैंड संसाधन सेंटर प्राकृतिक शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमों हेतु एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इससे भविष्य में झीलों व शहरी संधारणीयता को दीर्घकालिक संरक्षण प्राप्त होगा।

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

सुरेश बाबू, निर्देशक सीयूईएस : दिल्ली सरकार द्वारा वर्ष 2015–16 के लिए "महाविद्यालय के श्रेष्ठ गुणी शिक्षक" का पुरस्कार दिया गया।

सुरेश बाबू : ब्राजील में पारिस्थितिकी नवीनीकरण पर आयोजित होने वाले सातवें विश्व अधिवेशन, 2017 में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए चयनित किये गये।

शोध सहायक सशांक भारद्वाज एवं सोनाली चौहान ब्राजील में पारिस्थितिकी नवीनीकरण पर आयोजित होने वाले सातवें विश्व अधिवेशन, 2017 में पोस्टर प्रदर्शनी के लिए चयनित किये गये ।

शोध सहायक, विजयलक्ष्मी सुमन 1–6 मई 2017 को तमिलनाडु में पारिस्थितिकी नवीनीकरण पर आयोजित कार्यशाला में शरीक हुए।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

इलिनोएस विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डेनियल स्नाइडर ने 15–21 नवंबर 2016 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय कार्यक्रम के तहत "अर्बन इकोलोजी : इंटीग्रेटिंग सोशायटी एंड नेचर इन द स्टडी ऑफ अर्बन एनवायरोमेंट्स" विषय पर एक कोर्स कार्यक्रम आयोजित किया।

धीरपुर प्रोजेक्ट स्थल पर मिट्टी एवं वनस्पति सम्बन्धी कई प्रकार का सर्वेक्षण किया गया।

अस्थाई फील्ड नर्सरी एवं फील्ड स्टेशन लगाए गए ।

मच्छरों के फैलाव को नियंत्रित करने एवं अविफौना पक्षियों के आहार हेतु लार्विवोरस मछलियों को लाया गया।

धीरपुर परिसर में 17, 20 फरवरी 2017 को टेरा (एयूडी का पारिस्थितिकी क्लब) एवं दिल्ली बर्ड क्लब के सदस्यों ने मिलकर कैंपस बर्ड काउंट (सीबीसी) कार्यक्रम का आयोजन किया।

गियान एमएचआरडी कोर्स धीरपुर वेटलैंड पार्क के लिए फील्ड की यात्रा

4. प्रकाशन

कठपुतली, कालोनी और कलाकार
रैन बसेरे का बचपन
नरेंद्र कुमार मौर्य
मानसी वर्मा
fasaane
STORIES FROM KASHMERE GATE AND ITS ENVIRONS
काली हुई कमाई
नरेंद्र कुमार मौर्य
कात्यायिनी दाश

व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

अग्रवाल एस., कौल, ए., गुप्ता, ए, – झा पी.सी (2016) : ओप्टिमल एडवरटाइजमेंट प्लानिंग ऑन वेब कंसिडरींग टाइम विंडो कांसेप्टय गुप्ता ए., दवे के (सं) रीटेल मार्केटिंग इन इंडिया : ट्रेंड्स एंड फ्यूचर इनसाइट्स, इंडिया, इमेराल्ड प्रकाशन।

अवस्थी, आर. (2016) : ए केस ऑफ एन इंडियन रुरल मनेजमेंट कंसल्टेंसी फर्म, मेनेजमेंट एंड लेबर स्टडीज. 40 (3 एवं 4), 1–19।

ब्रायसन, डी., अटवाल, जी., चौधरी, ए., दवे, के., (2016) एंटीसीडेंट्स ऑफ ईंटेंशन टू यूज ग्रीन बैंकिंग सर्विसेस इन इंडिया, स्ट्रेटजिक चेंज. 25 (5), 551–567।

गाबा, एन., अनिल, के., (2016) : ए स्टडी ऑन सतीस्फेक्टसन ऑफ मार्केट प्लेस वेंडर्स विद द ई – कॉमर्स कंपनीज सर्विसेस व्यू पॉइंट, एन इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मेनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, 7 (1)।

गुप्ता, ए., दवे, के., (सं), (2016) : रिटेल मार्केटिंग इन इंडिया : ट्रेंड्स एंड फ्यूचर इनसाइट्स, इंडिया, इमेराल्ड प्रकाशन।

गुप्ता, ए., अग्रवाल एस., कौल, ए., झा पी.सी (2016) : ओप्टिमल प्लेसमेंट ऑफ एड्वार्टाइस्मेंट्स ऑन ए पिक्सेलटेड वेब बैनर, जर्नल ऑफ इनफॉरमेशन एंड ओप्टिमाइजेशन साइंसेस 37(5), 693–716।

गुप्ता, ए., शर्मा, पी., मालिक, एस. सी., अग्रवाल, एन., झा पी.सी. (2016) : प्रोडक्टिविटी इंप्रूव्मेंट इन द क्लासिक प्रिपरेशन स्टेज ऑफ द एम्प्लीफायर प्रोडक्शन प्रोसेस : ए डीएमएआईसी सिक्स सिग्मा मेथोडोलोजी, इंटरनेश्नल जर्नल ऑफ रिलायबलिटी, क्वालिटी एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग। 23, 1640012 (1–13)।

झा, पीसी., अग्रवाल, एस., गुप्ता, ए., (2016) : ओप्टिमल ड्यूरेशन ऑफ प्रोमोशन ओर ड्यूरेबल टेकनोलॉजी प्रोडक्ट इन ए सेगमेंट मार्केटय जर्नल ऑफ प्रोमोशन मनेजमेंट, 22 (5), 751–771।

झा, पीसी., अग्रवाल, एस., गुप्ता, ए., सरकार, आर., (2016) : मल्टी क्राइटेरिया मीडिया मिक्स डीसीजन मॉडल फॉर एडवरटाइजिंग ए सिंगल प्रोडक्ट विथ सेगमेंट स्पेसिफिक एंड मास मीडिया। जर्नल ऑफ इंडसट्रियल एंड मेनेजमेंट ओप्टीमाइजेशन। 12 (4), 1367–1389।

केकर, एन., कुलकर्णी, वी., गाइहा, आर., (12 जुलाई, 2016,) : न्यूट्रिशन इन इंडिया – छेव ऑन दीज एवरेजेज। ड इकोनोमिक टाइम्स।

कौल, ए., अग्रवाल, एस., गुप्ता, ए., डायमा, एन., कृष्णमूर्ति, एम., झा, पी.सी., (2017)

: ओप्टिमल एडवरटाइजिंग ऑन ए टू डाइमेन्श्नल वेब बैनर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एस्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मेनेजमेंट, 1–6।

कौल, ए., अग्रवाल, एस., झा, पी.सी., गुप्ता, ए., (2016) : ओप्टिमल एडवरटाइजमेंट एलोकेशन फॉर प्रॉडक्ट प्रोमोशन ऑन टेलीविजन चौनल्स। सिन्हा, ए. के., राजेश आर., न, पी., सिंह, आर. पी., (सं) रिसेंट एडवानसेस इन मैथमैटिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर साइंस, सिंगापूर : वर्ल्ड साइंटिफिक।

त्रिपाठी, जी., दवे के., (2016) : एसेसिंग द इम्पैक्ट ऑफ रेस्टौरेंट सर्विस क्वालिटी डाइमेन्सन ऑन कस्टमर सटीस्फेक्शन एंड बिहेवियरल ईंटेंसन्स। जर्नल ओ सर्विसेस रिसर्च 16 (1), 13।

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

बिस्वास, बी : {पुस्तक समीक्षा – बंगाली थियेटर : 200 इयर्स बाइ यू. के. बनेर्जी एंड बादल सरकार : टूवर्डस अ थिएटर ऑफ कॉनशीएन्स बाइ ए कात्याल}, इंटेक जर्नल ऑफ हेरिटेज स्टडीज, 2 (1), 66–68।

—————— (2017) : औरलिटी, क्वालिटी एंड इंबोडिड मेमोरिज : हिस्टोरीसाइजिंग कास्ट इन बंगाल थ्रू नामसूद्र परफॉरमेंस. सईदा आशा अली, तान्या चटर्जी (सं) इंटरप्रेटेशन ऑफ मेमोरिज : लिटररी, साइकोलॉजिकल एंड हिस्टोरिकल आस्पेक्ट्स, 173–188, कोलकाता : रोहिणी नन्दन।

—————— चेरियन, ए. (सं), 2017 : टिल्ट पाउज शिफ्ट : डांस इकोलॉजीज इन इंडिया, नई दिल्ली : तूलिका बुक्स।

—————— (2017) : डान्सिंग इन द नॉउ : कंडीशंस, कैटेगरीज, पौसीबलिटीज। चेरियन ए द्वारा संपादित : टिल्ट पाउज शिफ्ट : डांस इकोलॉजी इन इंडिया, नई दिल्ली : तूलिका बुक्स।

—————— (2017) : रीडिफाइनिंग द पब्लिक, नेचुरलाइजिंग द प्राइवेट : द रिवायरिंग ऑफ कल्चरल पॉलिसी डिस्कोर्स इन इंडिया, 1989–2005. चेरियन, ए. (सं) : टिल्ट पाउज शिफ्ट : डांस इकोलॉजी इन इंडिया, नई दिल्ली : तूलिका बुक्स।

—————— (2017) : कोरियोग्राफिक पोर्ट्रेट, निम्मी राफील, निद्रावथ्वाम, चेरियन, ए. (सं) : टिल्ट पाउज शिफ्ट : डांस इकोलॉजी इन इंडिया, नई दिल्ली तूलिका बुक्स।

कृष्णन, आर. (2016) : एनिग्मा ऑफ आल्टर्नेटिव, इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 51 (46), 25–27।

संतोष, एस. (2017) : काउंटर हिस्ट्री ऑफ द (इंडियन) नेशनल मॉडर्न : द लाइफ एंड वर्क्स ऑफ रामकिंकर बैज, द प्रोग्रेसिव कल्चर मूवमेंट : ए क्रिटिकल हिस्ट्री, नई दिल्ली : सहमत।

शिवरमन, डी., (31 अगस्त 2016) : द शिफ्टिंग नोशन्स ऑफ थियेटर स्पेस (वी. पुखन, साक्षात्कारकर्ता) फोर्ब्स इंडिया, मुंबई।

—————— (21 जनवरी, 2017) : मेकर ऑफ ग्रैंड स्पेक्टेकल्स (वी. पुखन, साक्षात्कारकर्ता), द हिंदुस्तान टाइम्स, मुंबई।

—————— (16 मार्च 2017) : कोर्टिंग खसक ऑन स्टेज (एन सुधीश, साक्षात्कारकर्ता), द न्यू इंडियन एक्सप्रेस, कोच्चि।

—————— (स्केनोग्राफर) (2017) : तलातुम–एन एडाप्टेशन ऑफ शेक्सपियर टेम्पेस्ट (मोशन पिक्चर्स), नई दिल्ली, एनडीटीवी।

संतोष, एस. (मार्च, 2017) : दलिताइजेशन ऑफ पॉलिटिक्स एंड द सुसाइड नोट ऑफ रोहित वेमुला, सेमिनार, 691, 56–61।

जैन, एस. (नवंबर 2016) : पायल खो गई, संदर्भ।

डिजाइन स्कूल

बालासुब्रमण्यम, एस., (2016) : इमेजनिंग द इंडियन नेशन : द डिजाइन ऑफ गांधीज दांडी मार्च एंड नेहरूज रिपब्लिक डे पैरेड। के. फॉलन एवं जी.लीस.माफ्फी (सं) डिजाइनिंग वर्ल्ड्स : नेशनल डिजाइन हिस्ट्रिज इन द ऐज ऑफ ग्लोबलाइजेशन, 108–124, न्यू यॉर्क : बर्घन बुक्स, 2016।

—————— (2017) : पैडागौजी फॉर सोशल डिजाइन प्रैक्टिस : द चौलेंज ऑफ डिजाइनिंग डिजाइन असाइनमेंट्स। एम. सलाउद्दीन, फराह महबूब एवं मुहम्मद अली खान (सं) : प्रोसीडिंग्स फ्रॉम इंडस वेली स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड आर्किटेक्चर : डिजाइन इवोल्यूशन (एजुकेशन एंड प्रैक्टिस), पाकिस्तान : केन्नेसव स्टेट यूनिवर्सिटी।

चोपड़ा, डी., (2016) : प्लेस, पीपल, प्रेक्सिस : कलेक्टिव इंगेज्मेंट्स टुवर्ड्स मेडिएटेड अर्बन फ्यूचर्स। गोलचहर (सं) आइनले आर, फ्रेंड ए, जॉन सी रक्ज्य्न्स्का (उप सं): प्रोसीडिंग्स फ्रॉम रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट्सः मेडिएशन्स– आर्ट एंड डिजाइन एजेंसी एंड पार्टीसिपेशन इन पब्लिक स्पेस, रॉयल कॉलेज ओ आर्ट, लंदन।

मद्दीपति, वी (मार्च 2017) : वाटर इन द एक्स्पेंडेड फील्ड : आर्ट थौट्स एंड इमर्शन इन द यमुना रिवर : 2005–11। देबोरह एस. हट्टान एंड रेबेक्का एम. ब्राउन (सं) रिथिंकिंग प्लेस इन साउथ एशियन एंड इस्लामिक आर्ट, 1500–प्रजेंट (60–77) न्यूयार्क रौट्लेज।

विकास अध्ययन स्कूल

भारती एम (फरवरी 2017) : अंडरस्टेंडिंग द दलित सेल्फ : पॉलिटिक्स एंड वर्ल्ड व्यू, सोशल साइंटिस्ट 45 (1,2), 33–47।

चक्रवर्ती डी एवं चक्रवर्ती, आई (2016) : वुमन, लेबर एंड द इकॉनोमी : फ्राम माइग्रेंट मेल टू अप : टेड गर्ल चिल्ड्रेन मेड्स। लंदन एवं न्यूयॉर्क : रुट्लेड्ज।

दामोदरन, एस (2016) : प्रोटेस्ट एंड म्यूजिक, ऑक्सफोर्ड रिसर्च इनसायक्लोपीडिया ऑफ पॉलिटिक्स, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2016।

—————— (2016) : न्यू स्ट्रेटजीज ऑफ इंडस्ट्रियल ऑर्गनाइजेशन एंड लेबर इन मोबाइल टेलिकॉम इन इंडिया। डी, नाथा, एम, तिवारी एवं एस.सरकार (सं) लेबर इन ग्लोबल वैल्यू चेंस इन इंडिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

—————— (2017) : द रेडिकल इम्पल्स–म्यूजिक इन द ट्रेडीशन ऑफ द इंडियन पीपल्स थियेटर एसोसिएशन, नई दिल्ली, इंडिया, तूलिका बुक्स।

नायक, एन., (2016) : वुमन वर्कर्स, कलेक्टिव एक्शन एंड द 'राइट टू वर्क' इन मध्य प्रदेश। के. बी. निल्सन एवं ए. निल्सेन (सं) सोशल मूवमेंट्स एंड द स्टेट इन इंडिया : डीपिंग डेमोक्रेसी? रिथिंकिंग इंटरनेशनल डेवलपमेंट। हिडेलबर्ग, पालग्रेवय मैकमिलन।

—————— (2017) : वर्कर्स ऑर बेनीफिशियरिज? : द वेरीड पॉलिटिक्स ऑफ नरेगा इम्प्लीमेंटेशन ऑफ साउथ वेस्ट मध्य प्रदेश। आर. नागराज एवं एस. मोतिराम (सं) द पॉलिटिकल इकॉनमी ऑफ कंटेम्प्ररी इंडिया, नई दिल्ली, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

नायक, एन., एवं नेहरा, एस., (2017) : एक्सेसिंग द राइट टू फूड इन दिल्ली, इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 52 (23)।

खेरा, आर., एवं नायक, एन., (2016) : वुमन वर्कर्स एंड पर्सेप्शन्स ऑफ द नेशनल रुरल इंप्लोयमेंट गारंटी एक्ट। जिन ड्रेज (सं) सोशल पॉलिसी। इसी शृंखला में रीडिंग ऑन द इकॉनमी, पॉलिटी एंड सोशायटी : एस्सेज फ्रॉम इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, नई दिल्ली : ओरिएंट ब्लैकस्वान एवं इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली।

रमेश बी. पी., (2016) : औटोमोटिव रिवोल्यूशन इन नियो–लिबरल इंडिया : इवोल्यूशन, स्ट्रक्चर एंड प्रोस्पेक्ट्स। आर. ट्रौब मर्ज (सं) द औटोमोटिव सेक्टर इन इमर्जिंग इकॉनमीज : इंडस्ट्रियल पॉलिसिज, मार्केट डायनामिक्स एंड ट्रेड यूनियन्स, बर्लिन, फ्रेडरिक–इबर्ट–स्टीफटंग।

—————— (2017) : इन्फॉर्मलाइजेशन ऑफ वर्क इन द फॉर्मल सेक्टर : कान्सेप्चुलाइजिंग द चेंजिंग रोल ऑफ स्टेट इन इंडिया। ई.नोर्नुहा एवं पी. डीक्रूज (सं) कृतिकाल पर्सपेक्टिव्स ऑफ वर्क एंड इंप्लोयमेंट इन इंडिया, सिंगापुर, स्प्रिंगर।

सेनगुप्ता, ए., (2016) : एन्ट्रिप्रेनियोरशिप एंड सोशल कैपिटल : रिलेशनशिप्स एंड स्टार्ट–अप्स इन इंडियन आईसीटी इंडस्ट्री। जयपुर, इंडिया : रावत प्रकाशन।

शैक्षिक अध्ययन स्कूल

डार, ए., (2016) : साउथ एशियन यूथ ग्रुप्स। सिमोन ब्रोनर एवं सैंडी डेल क्लार्क (सं) यूथ कालचर्स इन अमेरिका (641–45), 2 खंड संता बरबारा, सीएःएबीसी–सीएलआईओ ग्रीनवुड।

नाग, एस., (2017) : थियोरेटिकल एजंप्शन रिगार्डिंग द माइंड कल्चर लैंगवेज रिलेशनशिप अंडरलाईंग मॉडेल्स ऑफ मल्टीलींगुअल एजुकेशन इन इंडिया एंड देयर इम्पैक्ट ऑन रिजल्टिंग प्रैक्टिसेस। कोलेमन एवं हायवेल (सं), मल्टीलींगुअलिज्म एंड डेवलपमेंट (पी पी 131–150), लंदन, ब्रिटिश परिषद।

नवाणी, एम. टी., (2017) : एक्सपेंडिंग हाइयर एजुकेशन इन इंडिया : द चौलेंज फॉर इक्विटी। ग्रीम एथर्टन (सं) एक्सेस टू हाइयर एजुकेशन : अंडरस्टेंडिंग ग्लोबल इनइक्वालिटीज (पी पी 109–120) लंदन पालग्रेव।

राय, पी., (2016) : द रोल ऑफ बिल्डिंग कॉमन नॉलेज इन टीचर डेवलपमेंट। द लर्न टुडे जर्नल, 1 (2), 1–8।

—————— (2017) : बिल्डिंग एंड यूजिंग कॉमन नॉलेज फॉर डेवलपिंग स्कूल–कम्यूनिटी लिंक्स। एनी एडवर्ड्स (सं) वर्किंग रिलेशनली इन एंड अक्रौस प्रैक्टिसेस–ए कल्चरल हिस्टोरिकल एप्रोच टू कोलेबोरेशन (पी पी 96–112), न्यू यॉर्क, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

शर्मा, जी. (2016) : रिवर्सिंग ट्विन आइडियल्स ऑफ राइट टू एजुकेशन : नो डिटेन्शन एंड कंटिन्युअस कम्प्रिहेंसिव इवोल्यूशन, इकनॉमिकल एंड पॉलिटिकल वीकली, 51 (9), 85–89।

—————— (2016) : शेपिंग एवरीडे एजुकेशनल वोकेबलरी : स्टेट पॉलिसी एंड ए स्लम स्कूल। ऐ. के. सिंह (सं), एजुकेशन एंड इम्पॉवरमेंट : पॉलिसिज एंड प्रैक्टिसेस। (खंड 1 पी पी. 275–292), दिल्ली रुट्लेड्ज।

थफलियाल, एम. एवं चाहिल, एम., (21 अगस्त 2016) : इन न्यू ड्राफ्ट एचआरडी पॉलिसी, मोदी गवर्नमेंटस कैजुअल प्लेजिरिज्म कंटिन्यूज। द वायर।

मानव पारिस्थितिकी स्कूल

चक्रवर्ती, एस., एवं नेगी, आर., (सं), 2016 : स्पेस प्लानिंग एंड एवरीडे कंटेस्टेंट्स इन दिल्ली, नई दिल्ली : स्प्रिंगर।

चक्रवर्ती, एस., एवं नेगी, आर., 2016 : कंटेस्टेड अर्बनिज्म इन डेल्हिज इंटरस्टीसियल स्पेसेस। चक्रवर्ती, एस., एवं नेगी, आर., (सं), स्पेस, प्लानिंग एंड एवरीडे कंटेस्टेंट्स इन दिल्ली, (पी पी 1–17) नई दिल्ली : स्प्रिंगर।

देवी, ओ.एच., (2016) : चाइल्डहुड एक्सपेरिएन्सेज एंड डिस्कोर्सेस : एन इंटर्प्रेटेशन, मारक, क्यू (सं) डूइंग ऑटोएथनोग्राफी (पी पी 250–267) नई दिल्ली, सीरियल्स प्रकाशन।

काबरा, ए. एवं चन्द्र शंकर (4 फरवरी 2017) : मेक वे–द क्वारी स्टोरी विडियो फाइल http://www.youtube.com/watch?v=1YY8VROan-w.

नेगी, आर., ठाकुर, के., एवं शोएब, एस. (2017) : काउंटर अर्बनिज्म : पीपल, प्रॉपर्टी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर्स इन द इंडियन हिमालयाज, अर्बनाइजेशन, 1 (2), 1–15।

नेगी, आर (2016) : पुस्तक समीक्षा : रूल बाइ एस्थेटिक्स : वर्ल्ड क्लास सिटी मेकिंग इन दिल्ली, लेखक : डी. ए. घेर्टनर,। सोशल एंड कल्चरल जियोग्राफी। 18 (1), 110–112। डीओआई : 10.1080/14649365.2016.1236772।

नेगी, आर (9 जून, 2016) : द ग्रेट हिमाचल रोड सिचुएशन : नेगोशियेटिंग मल्टीपल डायलेमाज। कैच न्यूज।

–––––– (2017) : एट नेचर्स एंड, संगोष्ठी, 690, 50–53।

तारापोरेवल, पी., एवं नेगी. आर., (31 मई 2016) : अटैक्स ऑन अफ्रीकन इन दिल्ली : ग्रापलिंग विथ आवर प्रिजूडिसेस, द हिन्दू, 31 मई।

मानव अध्ययन स्कूल

अत्लुरी, टी., (2016) : आजादी : सेक्शुअल पॉलिटिक्स इन पोस्ट कोलोनियल वर्ल्ड्स। टोरंटो : डिमेटर प्रेस।

–––––– (2016) : लाइक पीएलओ आई डोंट सरेंडर : जेनेलोजीज ओ फेमिनिन 'टेरर' एंड द एविल्स ऑफ ओरिएंटलिस्ट डिजायर। एल. फालवेल, एवं के विलियम्स (सं) : एविल वुमन एंड मीन गर्ल्स। न्यूयॉर्क, रुट्लेज।

–––––– (2016) : बस (1) द दिल्ली गेंग रेप, सिटी बसेस एंड द घोस्ट ऑफ रोजा पार्क्स। आर. नेगी एवं एस. चक्रवर्ती (सं) स्पेस, प्लानिंग एंड एवरीडे कंटेस्टटेशंस इन दिल्ली : एक्सप्लोरिंग अर्बन चेंज इन साउथ एशिया सीरीज। नई दिल्ली : स्प्रिंगर।

चौधरी, आर., (2015) : अनजजिंग वुमन, रोहतक : ऑथर इंक।

–––––– (2015) : रिथिंकिंग द सेक्शुअल पॉलिटिक्स ऑफ लॉ एंड ऑर्डर। एनयूएसआरएल जर्नल ऑफ लॉ एंड पॉलिसी। 2 (2), 61–74।

–––––– (2016) : जजिंग डिसएबिलिटी। जे. गुप्ता (सं) लॉ एंड सोशायटी खंड 3 (1), 91–94।

——— (2017) : जजिंग द आइडियल फैमिली। वी. कुमार एट. एल. (सं). जुडीसीयरी एंड गवर्नेंस : ए फेस्ट्श्चृफ्ट इन ऑनर ऑफ प्रोफेसर (डॉ.) मूलचंद शर्मा, 362–370, गुरूग्राम, यूनिवर्सल (लेक्सिस नेक्सिस)।

धर, ए (2016) : द एशियाटिक मार्क्स : टू हिस्ट्रिज ऑफ नॉन–कैपिटल। ए भट्टाचार्य, एस.के. रे एवं एस. रे (सं). मार्क्सियन थियरी एसेसमेंट एंड रिलीवेंस इन द पोस्ट रिफॉर्म एरा (22–36). दिल्ली, माधव बुक्स।

धर, ए., एवं चक्रवर्ती, ए., (2016) : मार्कसिज्म ऐज एस्केटिक, स्पिरिचुअलिटी ऐज फ्रोनेटिकः रिथिंकिंग प्रक्सिस, रिथिंकिंग मार्कसिज्म। 28 (3–4), 563–583।

धर, ए., चक्रवर्ती, ए., एवं स्टीफन, सी., (2016) : अनडूइंग मार्कसिज्म फ्रॉम द आउटसाइडय रिथिंकिंग मार्कसिज्म। 28 (2), 276–294।

धर, ए., (2016) : व्हाट इफ, द यूनिवर्सिटी इज ए पैरोट्स ट्रेनिंग। कैफे डिससेंसस। 29।

——— (2016) : टैगोर एंड द फ्यूचर ऑफ एन इल्यूजन इन रबींद्रनाथ टैगोर ऑन एकोनोमी पॉलिटिक्स एंड सोशायटी–कंटेम्प्ररी डिस्कोर्सेज। एस. जाना (सं). रबींद्रनाथ टैगोर ऑन इकॉनमी, पॉलीसिज एंड सोशायटीज–कंटेम्प्ररी डिस्कोर्सेज (123–135) कोलकाता : डे बूक कंसर्न।

धर, ए., चक्रवर्ती, ए., एवं टेकीं, एस.ए., (2016) : क्रॉसिंग मेटेरियलिज्म एंड रिलीजन : एन इंटरव्यू ऑन मार्कसिज्म एंड स्पिरिचुअलिटी विथ द फोर्टींथ दलाई लामा। रिथिंकिंग मार्कसिज्म 29(1), 584–598।

डे, आई (2016) : सोशियलिटी एंड रिप्रजेंटेसन्स ऑफ एवरीडे लाइफ ऑफ स्वीटसौप्स एंड स्वीट्स। पी. रे एंव एन. घोष., (सं). प्रत्याहा एवरीडे लाइफवर्ल्ड्स डाइलीमाज, कंटेस्टेसन्स (259–277), दिल्ली : प्रीमस बुक्स।

कामेई, जी., (2017) : इंटरप्रेनरशिप इन कल्चरल मेटेरियल्स : फ्रॉम ट्रेडीशनल टू कमर्शियल अस। दिल्ली : श्री कला प्रकाशन।

मल्होत्रा एम., एवं मेनन के (2016) : स्टेट इंटरवेंशन इन वुमन्स राइट्स। बी. बिस्वास एवं आर. कौल (सं) वुमन एंड इम्पॉवरमेंट इन कंटेम्पररी इंडिया (142–154) नई दिल्लीः वर्ल्डव्यू प्रकाशन।

मेनन, के., (2017) : रजिस्टिंग वायलेन्स–एन एनोटेड बिबलियोग्राफी। नई दिल्लीः विस्कोम।

नगलिया, एस (2016) : मित्रो मरजानी : रिकास्टिंग वुमन एंड सब्वर्सन। यू चक्रवर्ती (सं). थिंकिंग जेंडर, डूइंग जेंडर : फेमिनिस्ट स्कॉलरशिप एंड प्रैक्टिस टुडे (सं). आंध्र प्रदेश : ओरीएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड।

चित्रांशी, बी., एवं धर, ए., (2016) : द लिविंग डेड। डी.पी. सेल्यूलर एवं एन.एल. जूनियर (सं). फ्रॉम डेथ ड्राइव टू स्टेट रिप्रेशन : मार्कसिज्म, साइकोएनालाइसिस एंड द स्ट्रक्चरल वाइयलेंस ऑफ कैपिटलिज्म (59–77), मेक्सिको : इंप्रेसन मेक्सिको।

मेनन, के., (2016) : पुस्तक समीक्षा ; इंडियन वुमन एंड देयर जरनीज फ्रॉम द सलून टू द स्टूडियो, लेखक–विद्या साह, पुस्तक समीक्षा, एक्स एल (10), 68–69।

मेनन, के., (7 मई 2016) : मेरिटल रेप एंड द डाइनामिक्स ऑफ पावर : 'द एशियन ऐज? एंव 'द डक्कन'।

मेनन, के., (जुलाई 2016) : पुस्तक समीक्षा ; फेमिनिज्म ओफ डिसकंटेन्टः कंटेसटेसन्स। ए. बार्न्स (सं). बूक रिव्यू 7–8।

कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल

लियांग, लौरेंस (2017) : एकेडमिक फरीडम एंड द ऑनरशिप ऑफ नॉलेज। डी भट्टाचार्य (सं) द आइडिया ऑफ द यूनिवर्सिटी, नई दिल्लीः रुट्लेड्ज।

–––––– (13 दिसंबर 2016) : द एसेंस ऑफ एजुकेशन। द हिन्दू।

–––––– (19 सितंबर 2016) : ए ब्लो फॉर द राइट टू नॉलेज। द हिन्दू।

–––––– (25 अगस्त 2016) : द न्यू वार ऑन पायरेसी। द हिन्दू।

लिबरल अध्ययन स्कूल

अल्काहतानी, बी. एस., अलगहतानी, ओ.जे., दुबे, आर.एस., एवं गोस्वामी पी. (2017) : सल्यूशन ऑफ फ्रेक्स्नल ऑक्सीजन डिफ्यूजन प्रौब्लम हैविंग विदाउट सिंगुलर कर्नल, द जर्नल ऑफ नॉनलाइनर साइंस एंड एप्लीकेशन्स, 10(10), 299–307।

बनर्जी, ए. (2016) : डीमोनेटाइजेशन : इल्यूजरी गेन्स, इंड्यूरिंग डैमेजेज। माइक्रोस्केन http://www.macroscan.org/dem/nov16/pdf/Enduring_Damages.pdf

भट्टाचार्य, जे., (2016) : मोनेट्री इक्वीलिब्रियम एंड इनर्सियल एक्सपेक्टेसंस। दास, एम., कार, एस. एवं नाब्न, एन., (सं). इकनॉमिक चौलेंजेज फॉर द कंटेम्प्ररी वर्ल्ड : एस्सेज इन ऑनर ऑफ प्रभात पटनायक, नई दिल्ली : सेज प्रकाशन।

बिस्वास, ए., (2016) : द मार्शल आइसलैंड, द फेडेरेटेड स्टेट ऑफ मैक्रोनेशिया एंड पलाऊ। जे. चो. एवं आर. एस. रत्न, (सं). द एशिया–पेसिफिक ट्रेड एग्रीमेंट : प्रोमोटिंग साउथ–साउथ रिजनल इंटीग्रेसन एंड सस्टेनेबिल डेवलपमेंट। बैंकॉकः संयुक्त राष्ट्र ईएससीएपी।

बिस्वास, ए., एवं रत्न, आर.एस., (2016) : पोटेन्शियल सप्लाई चेन बिटविन द पार्टीसीपेटिंग स्टेट्स ऑफ एपीटीए एवं पीआईसीटीए मेंबर्स। जे. चो. एवं आर.एस.रत्न, (सं). द एशिया–पेसिफिक ट्रेड एग्रीमेंट : प्रोमोटिंग साउथ–साउथ रिजनल इंटीग्रेसन एंड सस्टेनेबिल डेवलपमेंट। बैंकॉक : संयुक्त राष्ट्र ईएससीएपी।

——— (2016) : डिटरमिनेंट्स ऑफ एक्स्पोर्ट्स ऑफ इंडियन मैन्यूफेक्चरिंग : ए फर्म लेवल एनालिसिस। डी. चक्रवर्ती एवं ज. मुखर्जी (सं) ट्रेड, इनवेस्टमेंट एंड इकनॉमिक डेवलपमेंट इन एशिया : इम्पेरिकल एंड पॉलिसी इश्यू य लंदन, रुट्लेड्ज।

चक्रवर्ती, पी., (2016) : ए क्रिटकल एनालिसिस ऑफ द केटेगरी ऑफ द रिफ्यूजी वुमन इन पोस्ट–पार्टिशन स्टडी। रिफ्यूजी वॉच ऑनलाइन। http://refugeewatchonline.blogspot.in/2016/09/a-critical-analysis-of-category-of.html

चौधरी. एस., (2017) : ए पोस्ट कलोनियल आइकोनी–सिटी री–रीडिंग उत्तम कुमारस सिनेमा ऐज मेट्रोपोलर मेलोड्रामा। जर्नल ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री एंड कल्चर, 8(2), 1382–5577. doi: 10.1080/19472498.2017.1304090।

——— (2017) : ली पोंट सुर ले फ्ल्युव हुगली : मोडेर्नाइट, मोबिलाइट, विजुवलाइट (ब्रिज ओवर रिवर हुगली : मोडेर्नीटी, मोबिलिटी, वीजुअलिटी) टी.डेब्रोक्स, वाई. वानहेलेन एवं जे. ली माइरी (सं) : ली एंट्री एन विले : एमेनगर, एक्सपेरिमेंटर, रीप्रजेंटर (131–145). ब्रुसेल्स, बेल्जियमः एडिशन दे ई' उनिवेर्सिते दे ब्रुकसेललेस।

——— (2016) : अनविलिंग द एंथ्रोपोसिन : बरनिंग सीज, सिनेमा ऑफ मौर्निंग एंड द ग्लोबलाइजेशन ऑफ एपोकल्यप्से। सी. मैथिसन (सं). सी नैरेटिव्स : कल्चरल रिस्पोंसेस टू द सी 1600–प्रेजेंट (217–238) लंदन : पालग्रेव मैकमिलन।

——— (2016) : द ईररस्पोंसिबल सिटि ऑफ मोडेरनिटी {पुस्तक समीक्षा कोलकाताः द स्टोरमी डिकेड्स, लेखक : टी. सरकार एवं एस. (सं.)}। एकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 51(20), 28–31।

——— (2016) : द फॅमिली एंड द सिटि {पुस्तक समीक्षाः द रेज बिफोर सत्यजित, क्रीएटिविटि एंड मोडेरनिटी इन कोलोनियल इंडिया, लेखक : सी. सेनगुप्ता}। संदर्भः ए रिवियू ऑफ बुक्स, एक्सएक्सआइ (12), 23।

——— (2016) : क्रूसिबल ऑफ इंटेलेक्ट, {पुस्तक समीक्षा : पेट्रीओट्स, पोएट्स एंड पृसोनेर्सः सिलेक्शोंस फ्रॉम रामनन्दा चटर्जीस द मॉडर्न रिव्यू, 1907–1947}। आउटलूक, एलवी (41), 88।

——— (2016) : द शेम इज स्कूयरली ऑन देम {पुस्तक समीक्षा, टी. नसरीन}। आउटलूक, एलवीआई (49), 76।

——— (2017, 8 अप्रैल) : बीइंग हिउमेन इज सो येसटेरडे। बिसनीस स्टेंडर्ड, 11।

——— (2016, 21 मई) : ममता टेक्स ऑल। इंडियन एक्सप्रेस, 9।

——— (2016, 25 जून) : बंगाली सिनेमा इस मोरिबुंद एंड स्मूग इन इट्स कफोर्ट जोन। द वायर।

चौधरी, एस. एवं मेहदी, जेड. (2017) : इन शेक्स्पेयरेस डू वुइ ट्रस्ट? एस. अख्तर द्वारा संपादित, मिस्ट्रस्टः डेवलेपमेंटल, क्ल्चरल एंड क्लीनिकल रिल्म्स (83–106)। लंदनः कर्नाक बुक्स।

झा, पी. (2017) : रिलीजियन एंड कल्चर इन द मेकिंग ऑफ नेशन इन साउथ एशिया। आर. बासु एवं एस. रेहमान द्वारा संपादित, गवारनेंस इन साउथ एशिया (19–39), लंदनः राऊटलेज।

कोठियाल, टी. (2016) : नमाडिक नैरेटिव्सः ए हिस्टरी ऑफ मोबिलिटी एंड आइडैनटिटि इन द ग्रेट इंडियन डिसर्ट, न्यू दिल्लीः केंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

—————— (2017) : परसिसटेन्स ऑफ मेमरीः नेवर माइंड हिस्टोरी, पद्मावती इज एज रियल फॉर राजपुट्स एज दिएर फेम्ड valour.Scroll.https://scroll.in/article/827966/persistence-of-memory-never-mind-history-padmavati-is-as-real-for-rajputs-as-their-famed-valour

महाजन, के. (2017) : रेंफोल शोक्स अँड जेंडर वेज गेपः एग्रिकल्चर लेबर इन इंडिया। वर्ल्ड डेवलेपमेंट, 91, 156–172।

रामास्वामी, बी. एवं महाजन, के. (2017) : कास्ट, फीमेल लेबर सप्लाई एंड द जेंडर वेज गेप इन इंडियाः बोसरूप रिविजिटेड। एकोनोमिक डेवलेपमेंट एंड कालचरेल चेंज, 65(2), 339–37।

महाजन, के. अफरीदी, एफ. डिंकेल्मन, टी. (5 मार्च, 2007) : डेकलिंग फीमेल लेबर फोर्स पार्टीसीपेसन इन रुरेल इंडियाः द सप्लाई साइड। आइडियास फॉर इंडिया। http://ideasforindia.in/Article.aspx?article-id=1782।

महाजन, के., एवं गोएल, वाई. (2017, फरवरी 2016) : एनरिच्ड बाइ द आउटडोर। द इंडियन एक्सप्रेस।

निटे, डी. के. (2016) : वोरशिपिंग द कोलिएरी–गोडेसः एन एक्सप्लोरेशन ऑफ द रिलीजियस व्यू ऑफ सेफ्टी इन इंडियन कोल माईनर्स (झारिया), 1895–2009। कंट्रीबुशन टु इंडियन सोशियलोजी। 50 (2), 163–186 ।

—————— 'लेबर एंड डेवलपमेंटः हिस्टॉरिकल एक्सपेरियन्स,' इन इगनू बुक्स फॉर एमए इन लेबर एंड डेवलपमेंट (ब्लॉक 2/कोनसेप्टुयलिंग लेबर–1, यूनिट 4), 2016।

—————— (2016) : {पुस्तक साक्षात्कार : द वार्णाकुलराइजेशन ऑफ लेबर पॉलिटिक्स एस. भट्टाचार्या एवं आर. पी. बेहाल द्वारा संपादित}। लेबर एंड डेवलपमेंट 23 (1), 136–144।

——— (2016) : प्लांटेशन कैपिटलिज्म एंड द वर्किंग पीपल। {आर. पी. बेहाल द्वारा किया गया पुस्तक समीक्षा वन हंड्रेड येयर्स ऑफ सर्विटूडः पॉलिटिकल इकॉनमी ऑफ टी प्लांटेशन्स इन कोलोनियल असाम}, सेमिनार 68, 2।

प्रधान, जी. (2016) : समग्र संघर्ष की महाकाव्यात्मक गाथा, आर. एन. राम द्वारा संपादित, सत्ता विमर्श और दलित आत्मकथा, इलाहाबादः सांस्कृत संकुल।

——— (2016) : इक्कीसवी सदी के समाजवाद का गायक. प्रेमशंकर द्वारा संपादित रहूँगा भीतर नमी की तरहः विरेन दंगवाल। इलाहबादः सांस्कृत संकुल।

——— (2016) : कार्यकर्ताओं की कला, समकालीन जनमत।

——— (2016) : विनाशक पूंजीवाद, समकालीन जनमत।

——— (2016) : क्रांति और विद्रोह का विश्वकोश, समकालीन जनमत।

——— (2016) : सत्ता, अवाम और साहित्य, समकालीन जनमत।

——— (2016) : 'शिवशंभू के चिट्ठे' का विश्लेषण, शाब्दिता, 5(10), 35–39।

——— (2016) : रामविलास शर्मा की आलोचना–दृष्टी, बनास।

——— (2016) : आचार्या रामचन्द्र शुक्ल की निबंध दृष्टि, अधहन, 1 (2,3)।

——— (2017) : नोम चोम्स्की के विचार, समकालीन जनमत।

——— (2017) : वोट के लुटेरे, समकालीन जनमत।

——— (2016) : हिन्दी की जनपक्षधर साम्राज्यवाद–विरोधी अवधारणा के निर्माता, पुस्तक वार्ता, 66, 9–11।

——— (2017) : नव– उदरवाद की समझ, समकालीन जनमत।

——— (2017) : चुनाव के सवाल पर मार्क्स की निरंतरता में लेनिन, कथांतर, 109–12।

गोपालजी, पी., अवधेश एवं मृत्युंजय, (2016) : अस्तित्ववाद में अलगाव की धारणा (गोरख पांडे की पीएचडी थेसिस), दिल्लीः आकार बुक्स।

——— (2016) : अल्का सरावगी के शिल्प की नवीनता का कारण क्या है?, नया प्रतिमान।

गोस्वामी, पी., बुलबोका, टी. एवं अकहतनी, आर. (2016) : सिम्पल सफिश्यंट कोंडीशंस फॉर स्टारलाइकनेस एंड कन्वेसिटी फॉर मेरोमोर्फिक फंसन्स, द ओपेन मेथमेटिक्स जरनेल 14 (1), 557–566।

शर्मा, आर.के., एवं प्रजापति, बी., (2017) : जेनेरलाइज्ड डेरीवेशन्स एंड कम्यूटेटीवीटि ऑफ प्राइम बंच अल्जेब्राज, बेइट्रेज जुर अल्जेब्राज एंड जियोमेट्री/कंट्रीब्यूसंस टू अलजेबरा एंड जियोमेट्री, 58 (1) 179–187।

सम्पत, पी., (2017) : इन्फ्रास्ट्रक्चर ऑफ ग्रोथ, कोर्रिडोर्स ऑफ पावर : द मेकिंग ऑफ द स्पेशल इकोनोमिक जोन्स एक्ट 2005। एस. मोतिराम., एवं आर. नागराज., (सं) पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ कंटेम्पररि इंडिया (230–259)। कैम्ब्रिज : कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

——— (2016) : ढोलेरा : द इंपेरर्स न्यू सिटी। इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली 51 (17), 59–67।

——— (2016) : इंडियाज लैंड इम्पासेस, सेमिनार, 682, 48–52।

——— (31 जनवरी, 2017) : दिस लैंड इज देयर लैंडय द हिन्दू।

सम्पत, पी., एवं सन्नी, एस., (2016) : लैंड पूलिंग फॉर धोलेरा स्मार्ट सिटी। सोसिओ –लीगल रिव्यू, 12 (2), 1–17।

सांकृत, एस., (2017) : संत काव्य और गुरु जंभोजी की प्रासंगिकता। भक्ति आंदोलन और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुरु जंभोजी का चिंतन।

——— (2016) : हिंदीतर प्रदेश के कश्मीरी भक्त कवि परमानंद : साहित्य परिषद पत्रिका।

——— (2016) : बाबूजी के बिना दिवाली (संस्मरण) बहुवचन पत्रिका।

सांकृत, एस., (लेखक) 2016 : रितिकालीन कविता की उपलब्धियाँ, मोशन पिक्चर। (ईपीजी पाठशाला, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय)।

——— 2016 : हिन्दी नवजागरण की परिस्थितियाँ, मोशन पिक्चर। (ईपीजी पाठशाला, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय)।

——— 2016 : नाटक के तत्व, मोशन पिक्चर। (ईपीजी पाठशाला, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय)।

——— 2017 : अंधायुग की रंगमंचीयता, मोशन पिक्चर। (ईपीजी पाठशाला, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय)।

स्नेही, वाई., (2016) : फ्रॉम फेडरलिज्म टू स्टेट डेवलपमेंटलिज्म : चेंजिंग इकनॉमिक फॉरमेशन ऑफ हिमाचल प्रदेश, इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली एलआई (26–27), 101–110।

सेन, आर., (2016) : राइट टू केयर, होम एंड फैमिली : एथिक्स ओफ रेस्पोंसिबलिटि टुवर्ड्स पर्सन विथ डिसएबिलिटीज। नंदिनी, जी., (सं) इंटेरोगेटिंग डिसएबिलिटी इन इंडिया (65–75), नई दिल्ली, स्प्रिंगर प्रकाशन।

——— (2016) : स्टील माईसेल्फ ऑर द लॉस ऑफ सेल्फ कैफे डिससेंस। http://cafedissensus.com/2016/08/15/contents-intersectional-identities-disability-and-the-other-margins-issue-28/

सिंह, एस. के., (2016) : डी–प्लगिंग द रुरल : अर्बन मिथ्स अबाउट रुरल कंजम्प्सन, इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली। 51 (25)।

सिन्हा, डी., (2016) : वुमन, हेल्थ एंड पब्लिक सर्विसेज इन इंडिया– व्हाइ आर स्टेट्स डिफरेंट? इंडिया, रुट्लेड्ज।

सिन्हा, डी., जोशी, ए., पटनायक, बी., (2016) : क्रेडिबिलिटी एंड पोर्टेबिलिटी? लेसन्स फ्रॉम कोर पीडीएस रिफॉर्म्स इन छतीसगढ़, इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली : 51 (37), 51–59।

सिन्हा, डी., नेहरा एस., खनुजा, जसमीत., मथारु, एस. एवं फल्काओ वी.एल., (2016): रियालाईजिंग यूनिवर्सल मैटरनिटी एनटाइटलमेंट्स : लेसन्स फ्रॉम इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना। इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली 51 (34), 49–55।

सिन्हा, डी. एवं नेहरा, एस., (2016) : एड्रेसिंग मालन्यूट्रेशन इन इंडिया : नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट एंड बियोंड। बजट ट्रैक, 11, 25–28।

——— (27 मार्च, 2017) : सबका स्वास्थ्य : ए मस्ट इन यूपी, बिजनेस स्टैंडर्ड।

——— (9 मार्च, 2017) : आधार लिंक्ड टू मिड–डे मील : व्हाइ पूत द बर्डन ऑन चिल्ड्रेन? हिंदुस्तान टाइम्स।

——— (10 फरवरी, 2017) : एन इनसाइडर्स पर्सपेक्टिव ऑन इंडियाज फेलिंग पब्लिक हेल्थ सिस्टम। पुस्तक समीक्षा : हू केयर्स, लेखक : एस.राव, द वायर।

——— (3 फरवरी 2017) : बजट 2017, डिसेपोइण्ट्मेंट्स, मेटरनीटी बेनीफिट प्रोग्राम अंडरफंडेड, एक्सक्लूड्स दोज हू नीड इट द मोस्ट, एवरी लाइफ कौंट्स {विब लॉग कमेंट्स}। http://www.everydaylifecounts.ndtv.com

——— (1 फरवरी 2017) : व्हाइ द बजट इज अनहेल्पफुल एंड अनइमेजिनेटिव व्हेन इट कम्स टू हेल्थकेयर, द वायर।

——— (26 जनवरी 2017) : सोशल सेक्टर शुड गेट इट्स ड्यू शेयर इन बजट 2017, मिंट।

सिन्हा, डी., नंदी एस., आर. दासगुप्ता. एस.गर्ग., एस. साहू एवं आर. महोबे : इफेक्टिव्नेस ऑफ यूनिवर्सल हेल्थ इन्स्योरेंस फॉर वुमन इन अर्बन स्लम्स ऑफ रायपुर, छतीसगढ़। बीएमजे, ग्लोबल हेल्थ 1 (सप्लीमेंट 1), ए12–ए13।

सिन्हा, डी., नंदी एस., डी. जोशी., आर. दुबे एवं वी. प्रसाद (2016) : ऑफ द जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम : फाइंडिंग ऑन इनइक्विटी इन एक्सेस फ्रॉम छतीसगढ़, इंडिया", बीएमजे ग्लोबल हेल्थ, 1(सप्लीमेंट 1), ए4।

—————— (10 नवंबर, 2016) : रिप्लेसिंग आंगनबाड़ी विद फूड सेसेज विल ओनली सेट इंडियाज न्यूट्रिशन स्किम्स बैक। scroll.in ।

—————— (13 जून, 2016) : ए वाइडर बैटल। इंडियन एक्सप्रेस।

सिन्हा, डी., कपूर, ए., मीणा, जी., (2016) : प्रोग्रेस ऑफ चिल्ड्रेन अंडर सिक्स। ए रिपोर्ट ऑन इम्प्लीमेंटेशन ऑफ आईसीडीएस इन सिक्स स्टेट्स। नई दिल्ली, सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज।

वेंकटरमन, जी., (2016) : थ्रू द सिमेट्री लेंसः पार्ट 2 वालपेपर्स पार्टनर्स एंड सिमेट्री एराउंड अस। एट राइट एंगल्स। 5 (2), 11–16।

स्नातक स्कूल

महरोत्रा, आई., (2017) : सब्सिडाइजिंग कैपिटलिज्म एंड मेल लेबर : द स्कैंडल ऑफ अनफ्री दलित फीमेल लेबर रिलेशन्स। के. करीन एवं आनंदी. एस., (सं) : दलित वुमनः वैन्गार्ड ऑफ एन अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स इन इंडिया। लंदन, रुट्लेड्ज।

पांडे, एम. एच., (2017) : क्लासरूम इंटरेक्शन, दिल्ली : इग्नू।

त्रिपाठी, एम., (2017) : "लाइने जन्मो मारो लाइनहीन" द लल्लनटॉप। www.thelallantop.com ।

—————— (2017) : अजी समझ लो उनका अपना नेता था जयचंद। द वायर (हिन्दी) http://thewirehindi-com/12343/baba&nagarjun&birth&anniversary ।

—————— (2017) : हिन्दी ट्रांसलेटर। द वाटरफॉल {मोशन पिक्चर्स}।

झा. पी., (2017) : रिलीजन एंड कल्चर इन द मेकिंग ऑफ नेशन इन साउथ एशिया। आर. बसु एवं एस. रहमान., (सं) गवर्नेंस इन साउथ एशिया, 19–39, लंदन, रुट्लेड्ज।

मिर्जा, एस., (2017) : लॉस्ट वर्ल्ड्स : पर्सपेक्टिव ऑफ डिकलाइन अमंग शियस ऑफ हैदराबाद ओल्ड सिटी। कंट्रिब्यूशन टू इंडियन सोशियोलॉजी।

सांकृत, एस., (2016) : हिंदितर प्रदेश के कशमीरी भक्त कवि परमानन्द : साहित्य परिषद पत्रिका।

—————— (2016) : बाबूजी के बिना दिवाली (संस्मरण)। बहुवचन पत्रिका।

—————— (2017) : संत काव्य और गुरु जंभोजी की प्रासंगिकता, स्मारिका।

—————— (2017) : भक्ति आंदोलन और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुरु जंभोजी का चिंतन : जंभानी साहित्य अकादमी।

वैभव (2016) : भारत : एक आत्मसंघर्ष। पंचकुला आधार प्रकाशन।

—————— (2016) : एजाज अहमद : आलोचना और साहित्य चिंतन। पल प्रतिफल। 96, 46—62।

—————— (2016) : मुक्तिबोध — आत्मसंघर्ष के निहितार्थ, साखी 11, 32—43।

—————— (2016) : कृष्ण की त्रासदी, इंद्रप्रस्थ भारती, जनवरी 2017, 96—99।

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

झा, ए.. आर, डे., एम, झा, एम डोगरा एवं एस सिंह (2016) : इवेल्यूशन ऑफ पीपल्स रुरल एजुकेशन मूवमेंट कम्यूनिटी बेस्ड चाइल्ड डेवलपमेंट सेंटर इन ओडिशा। बर्नार्ड वान लीर फाउंडेशन, प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली।

सिंह, एस., एस मेनन, एस सचदेवा, एम शारदा, आर एस सेन, वी कौल (2016) : अर्ली लैंगवेज एंड लिटरेसी इन इंडिया : ए पोजीशन पेपर। प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली, केयर इंडिया एवं यूएसएआईडी।

वत्स. आर., (2017) : बेसलाइन स्टडी ऑफ अर्ली चाइल्डहुड कॉम्पोनेंट ऑफ स्टार्ट अर्ली : रीड इन टाइम प्रोजेक्ट इन ओडिशा (केयर इंडिया द्वारा बालिका शिक्षा कार्यक्रम) प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र, अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, दिल्ली।

सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र

साहू, बी., जेफ्री, पी., एवं एन. नक्कीरण (2016) : कंटेक्श्चुलाइजेशन वुमन्स एजेंसी इन मेरिटल नेगोशिएशन्स : मुस्लिम एंड हिन्दू वुमन इन कर्नाटका, इंडिया, एसएजीई ओपेन। 6 (3), 1—13 doi: 10.1177/2158244016667450।

साहू, बी., जेफ्री, पी., एवं एन. नक्कीरण (2017) : बेरियर्स टू हाइयर एजुकेशन : कॉमनोलिटिज एंड कन्ट्रस्ट्स इन द एक्सपीरिएन्स ऑफ हिन्दू एंड मुस्लिम यंग वुमन इन अर्बन बेंगलुरु। कोंपयर : ए जर्नल ऑफ कम्पैरेटिव एंड इंटरनेशनल एजुकेशन, 47(2), 177—191. Doi: 10.1080/03057925.2016.1220825।

पुस्तकालय सेवाएँ

जैन, पी. के., कार, डी.सी., एवं अन्य (संपादन); 2016 : इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड इश्यूज इन साइण्टोमेट्रिक्स, इन्फोर्मेट्रिक्स एंड वेबोमेट्रिक्स। नई दिल्ली, एनी बुक्स।

—————— (2016) : बिबलियोमेट्रिक्स डाटा एंड इम्पैक्ट मेनेजमेंट इन इनफॉरमेशन साइंस। नई दिल्ली, बुकवेल प्रकाशन।

कार, देबाल सी (2016) : डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया : एन इनिशिएटिव फॉर द प्रेजर्वेशन एंड सिससिमिनेशन ऑफ द नेशनल हेरिटेज एंड रेयर बुक्स एंड मनुस्क्रिप्ट। वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरिज : एन इंटरनेशनल जर्नल, 9 (1), 2016, 45–60।

कार, डी. सी., एवं कुमार डी., (2016) : ईबुक प्रोवाइडर्स ऑन सोशल साइन्सेज एंड ह्यूमनिटीज। देबाल.सी. कार एवं अन्य (सम्पादन) फ्रॉम ऑनरशिप टू एक्सेस : लेवरेजिंग द डिजिटल पैरडाइम (15–20)। नई दिल्ली : सिनर्जी बुक्स इंडिया।

कार, देबाल सी, एवं अन्य (सम्पादन) फ्रॉम ऑनरशिप टू एक्सेस : लेवरेजिंग द डिजिटल पैरडाइम। नई दिल्ली सिनर्जी बुक्स इंडिया।

कुमार, डी एवं कार, डी. सी (2016) : ट्रान्स्फोर्मेशन थ्रू आईसीटी इन लाइब्रेरिज : ए प्रैक्टिकल अप्रोच। देबल, सी. कार एवं अन्य (सम्पादन) : फ्रॉम ऑनरशिप टू एक्सेसः लेवरेजिंग द डिजिटल पैरडाइम (77–79), नई दिल्ली : सिनर्जी बुक्स इंडिया।

प्रसाद, एस एवं मंजू (2016) : सोशल मीडिया एंड इट्स एप्लीकेशन्स इन लाइब्रेरिज। देबल, सी. कार एवं अन्य (सम्पादन) : फ्रॉम ऑनरशिप टू एक्सेस : लेवरेजिंग द डिजिटल पैरडाइम (192–195), नई दिल्ली, सिनर्जी बुक्स इंडिया, 2016।

राय, अलका (2016) : चौलेंजेज ऑफ पब्लिशर्स इन प्रोमोशन ऑफ ई बुक्स। देबल, सी. कार एवं अन्य (सम्पादन) : फ्रॉम ऑनरशिप टू एक्सेस : लेवरेजिंग द डिजिटल पैरडाइम (162–167), नई दिल्ली, सिनर्जी बुक्स इंडिया।

——— (2016) : सेटिंग अप ए यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी : एक्सपीरिएन्स, इनोवेशन्स एंड करेंट चौलेंजेज। सलेक चंद (सं), रोल ऑफ लाइब्रेरिज इन सोशल इम्पॉवरमेंट (337–341), दिल्ली : आहूजा प्रकाशन सदन, 2016।

——— (2016) : लाइब्रेरी सोशल मीडिया एंड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क। सलेक चंद (सं), रोल ऑफ लाइब्रेरिज इन सोशल इम्पॉवरमेंट (353–357), दिल्ली आहूजा प्रकाशन सदन, 2016।

——— (2016) : ई–लर्निंग : गवर्मेंट ऑफ इंडिया इनिशिएटिव्स : ए क्रिटिकल रिव्यू। शांतनु गांगुली, पी. के. भट्टाचार्य एट. एल. (सं); स्मार्ट फ्यूचर : नॉलेज ट्रेंड्स दैट विल चेंज द वर्ल्ड (खंड 1, 537–542), नई दिल्ली, टेरी।

——— (2017) : टेक्नॉलॉजी, डेमोक्रेटिक वैल्यूज एंड चौलेंजेज ऑफ लाइब्रेरिज। एल. एन. आसोपा एट. एल. (सं); इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नॉलॉजी इन नॉलेज मेनेजमेंट (86–90), जयपुर : प्रतीक्षा प्रकाशन।

——— (2016) : रिसर्च एंड टेक्नॉलॉजी : इमर्जिंग इश्यूज ऑफ ईटीडी, वेल्यूज एंड डिजिटल लाइब्रेरिज। इन्फ्लिब्नेट http://ir.inflibnet.ac.in/handle/1944/2055।

5. अंतरराष्ट्रीय साझेदारियाँ

अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के उद्देश्यों को वहनीय बनाने और उच्च शिक्षा में प्रभावकारी संयोजन तथा विदेशी संस्थानों से सहयोग प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण सहयोग और बहुत सारे विदेशी संस्थानों के साथ सहमति बनाने हेतु द्विपक्षीय ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय लगातार छात्रों और अध्यापकों की अदला–बदली, संयुक्त डिग्री योजना, शोध सहभागिता और शैक्षिक कार्यक्रम डिजाइन के लिए संस्थानों से बातचीत कर रहा है।

इन साझेदारियों की देखरेख अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी सलाहकार समिति (एसीआइपी)के द्वारा की जाती है, जिसका प्राथमिक कार्य विश्वविद्यालय और विदेशी संस्थानों/ अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के मध्य शैक्षिक समझौतों के तहत छात्रों और अध्यापकों के आदान–प्रदान, सीखने और शोध कार्यक्रम का सरलीकरण एवं सहयोगपूर्ण डिजाइन, छात्रों तथा शोधार्थियों एवं विश्वविद्यालय सदस्यों के विदेश जाकर अध्ययन एवं शोध करने में सहायता करता है।

साझेदारियाँ

विश्वविद्यालय ने बहुत सारे शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों के साथ भागीदारी सुनिश्चित कर ली है। सहयोगी संस्थानों की सूची नीचे दी हुई तालिका में है–

वर्तमान साझेदारियाँ :

क्र. सं.	विश्वविद्यालय	उद्देश्य	स्थिति
1	मेम्बर ऑफ अर्बन नॉलेज नेटवर्क एशिया, (यूकेएनए) कॉन्सोर्टियम	अंतर–विश्वविद्यालय सहयोगात्मक संबंध, अकादमिक गतिविधियों तथा सदस्यों के आदान प्रदान के तहत शोध कार्य में हिस्सेदारी	जारी
2	सेन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए	समझौते : 1) परस्पर रुचि के क्षेत्र में होने वाले शोध परियोजनाओं पर सहयोग 2) पाठ्यक्रम तथा अध्यापन पर विशेषज्ञों का आदान–प्रदान 3) संयुक्त परियोजनाओं के लिए संगोष्ठियाँ 4) संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों का परस्पर आदान–प्रदान 5) विद्यार्थियों का विनिमय 6) शिक्षकों का आदान–प्रदान 7) संयुक्त शिक्षा कार्यक्रमों का विकास 8) अन्य गतिविधियों का विकास	जारी
3	द अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट, नई दिल्ली	संचालित परियोजनाओं में ज्ञान एवं साझेदारियों का क्रियान्वयन	जारी

क्र. सं.	विश्वविद्यालय	उद्देश्य	स्थिति
4	हवाई यूनिवर्सिटी, आई मानोअ स्टडी अब्रोड सेन्टर, यूएसए	संकाय संबन्धित संस्थानों में शैक्षिक प्रक्रियाओं को बढ़ाने हेतु पाठ्यक्रम विकसित करना, पढ़ाना व अनुसंधान का संचालन करना है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय आधारित विदेश–सहभागिता अध्ययन कार्यक्रम की शुरुआत करना।	जारी
5	नॉर्थम्प्टन यूनिवर्सिटी (यूके)	1)शैक्षिक आदान–प्रदान व सामाजिक उद्यम में शिक्षण/अनुसंधान में संकाय के सहयोग को बढ़ावा देने 2) विद्यार्थी विनिमय 3) शैक्षिक कार्यक्रमों की रूप रेखा एवं क्रियान्वय (जैसे एमबीए सामाजिक उद्यमिता) आदि।	जारी
6	बैंक स्ट्रीट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, न्यूयार्क यूएसए	परस्पर हित एवं लाभ की शोध परियोजनाओं पर सहयोग, पाठ्यचर्या एवं अध्यापन विशेषज्ञ को साझा करना, संगोष्ठियों, परिसंवादों, सम्मेलनों तथा संयुक्त परियोजनाओं का आयोजन करना, संयुक्त सहयोगी परियोजनाओं हेतु सांधनों का आदान–प्रदान करना तथा अकादमिक व्यक्तियों का आदान–प्रदान एवं संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास करना।	जारी
7	इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, इरेस्मस यूनिवर्सिटी राउटरलैंड, निड्दरलैंड	अकादमिक एवं शैक्षिक सहयोग को बढ़ावा देने हेतु 1) द्वि उपाधि कार्यक्रमों : एयूडी–आईएसएस स्नातकोत्तर कार्यक्रम एवं विशेष प्रमाणपत्र कार्यक्रम 2) संकाय व / या शोध अध्येताओं का विनिमय 3) सहयोगी अनुसंधानों, व्यख्यानों, संगोष्ठियों तथा कार्यशालाओं का आयोजन करना।	जारी
8	नावेर्जियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स	शोध एवं विकास परियोजना "भारत में राज्य, वैश्वीकरण तथा औद्योगिक विकास" का क्रियान्वयन	जारी
9	येल विश्वविद्यालय	सीईसीईडी – अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट फॉर द पूअर : इम्पैक्टिंग एट स्केल (एनआईएच अध्ययन) के तहत 1) वैकल्पिक सेवा प्रावधान विधियों, पिछले छोटे प्रयासों के सापेक्ष उनकी प्रगति एवं प्रभावशीलता की जांच की जाएगी 2) उन तंत्रों की पहचान की जाएगी जो बाल विकास पर ईसीडी के प्रभाव का निर्धारण करते हों।	जारी

क्र. सं.	विश्वविद्यालय	उद्देश्य	स्थिति
10	यूरोपियन संघ (2013–2017) : डीसीआई–एएसएफई 2012 / 5 (साझेदार संस्था : किंग्स कॉलेज लंदन, बोलोग्ना विश्वविद्यालय) (2013–2017)	भारत में स्नातक स्तर की शिक्षा की पहुँच को बढ़ाना तथा उसकी गुणवत्ता में सुधार करना, (ई–क्यूयूएएल)	जारी
11	ब्रिटिश अकादमी, यूके	ब्रिटिश अकादमी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी तथा विकलांग सहायता योजना 2014–2017 क्षेत्रीय संस्थाओं को मजबूत बनाना जैसे भारतीय हस्तशिल्प संस्था से सीखना	जारी
12	बेब्स बोल्याई विश्वविद्यालय, क्लूज, रोमानिया	इरेस्मस प्लस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों तथा विद्यार्थियों का विनिमयन	16. 09. 2015 को अनुबंध पर हस्ताक्षर किया गया।
13	भारतीय विश्वविद्यालय न्यास (इंडियाना यूनिवर्सिटी), यूएसए	सहकारी अकादमिक कार्यक्रम तथा विनिमय की शृंखला का क्रियान्वयन : प्रथम वर्ष – (2016 / 17) संयुक्त शोध विचार गोष्ठी द्वितीय वर्ष – (2017 / 2018) अल्पावधि अकादमिक विनिमय कार्यक्रम तृतीय वर्ष – अल्पावधि स्नातक छात्र शोध विनिमय कार्यक्रम (2018 / 2019) चतुर्थ वर्ष – स्नातक छात्र विनिमय कार्यक्रम (2019 / 2020)	17.10. 2016, को हस्ताक्षरित, जारी
14	सदस्य, एशिया महादेश में उच्च–शिक्षा शोध साझेदारी (एपीएचईआरपी), पूर्व–पश्चिम केंद्र, हवाई विश्वविद्यालय, यूएसए	एशिया महादेश में नीति, नवाचार, प्रशासन, तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता संबंधी प्रभावी शोध–कार्य का प्रसार	जारी 01.10. 2016 से 01.09. 2017
15	शास्त्री इंडो–कनाडियन संस्था सदस्य, दिल्ली, भारत	डॉक्टरल / पोस्ट डॉक्टरल छात्रवृत्ति	15.12.2016 से जारी

भावी/प्रस्तावित सहयोग

1	लुडविग्सबर्ग शिक्षा विश्वविद्यालय, जर्मनी	निम्न कार्यक्रमों के लिए संयुक्त आवेदन तथा सहयोग– (1) इरेस्मस प्लस (2) बडेन वुर्ट्म्बर्ग संस्थान 2016–2017 के बीडबल्यूएस प्लस कार्यक्रम
2	वर्जीनिया विश्वविद्यालय (यूवीए), यूएसए	यूवीए छात्रों को विदेशों में अध्ययन की सुविधा, ई–पुस्तकालय की सुविधाओं का लाभ तथा परस्पर रुचि के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन
3	कोपेनहेगेन विश्वविद्यालय, डेनमार्क	विनिमयन एवं अन्य अकादमिक अनुबंध
4	लीसेस्टर विश्वविद्यालय, यूके	अकादमिक अनुबंध 8 अप्रैल को एसीआईपी द्वारा अनुबंध ज्ञापन का पुनःपरीक्षण तथा उसके नए संस्करण हेतु आवेदन।
5	एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड	समाज विज्ञान, लिबरल स्टडीज, विकास अध्ययन जैसे विषयों में परस्पर रुचि वाले क्षेत्रों में सहभागिता
6	हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी	परस्पर रुचि के क्षेत्र में शोध–कार्य
7	कार्डिफ विश्वविद्यालय, यूके	प्राध्यापक एवं छात्र का विनिमय तथा शोध कार्य
8	मेट्रोपॉलिटन राज्य विश्वविद्यालय, डेनेवर, यूएसए	फुलब्राइट हेज समूह परियोजना "आधुनिक भारत में राज्य एवं समाज : कोलोराडो के शिक्षार्थियों हेतु संगोष्ठी 2018" के लिए विदेश–अध्ययन कार्यक्रम
9	सेंट मार्टिन विश्वविद्यालय, यूएसए	प्राध्यापकों तथा छात्रों का आदान–प्रदान तथा अकादमिक संगोष्ठी

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

24 जनवरी 2017 को हावर्ड–येंचिंग संस्थान, चाइना के संयुक्त निर्देशक ली रुओहाँग ने एक परिचर्चा में छात्रों को चीन–अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया जिसमें हावर्ड–येंचिंग संस्थान (एचवाईआई) द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा भी है।

सेंट मार्टिन यूनिवर्सिटी, यूएसए के मोली स्मिथ एवं शिष्ट मंडल ने 17 जनवरी 2017 को दोनों विश्वविद्यालय के बीच परस्पर सहयोग एवं अकादमिक विनिमय पर एक बैठक में चर्चा किया।

शान रिनौल्ड्स (एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट इंटरनेशनल) माइकल एस. डॉडसन (निदेशक, धर भारत अध्ययन कार्यक्रम) एवं शालिनी चौबे (आइयू ग्लोबल गेटवे सेंटर, इंडिया) ने

28 फरवरी 2017 को विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक संबंधो की संभावना पर विचार करने हेतु विश्वविद्यालय का दौरा किया।

रॉयल यूनिवर्सिटी, भूटान के प्रतिनिधि दल ने 17 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक संबंधो की संभावना पर विचार करने हेतु विश्वविद्यालय का दौरा किया।

अमेरिका के उच्च शिक्षा संस्था के एक प्रतिनिधि दल एवं प्रशासक ने यूएसआईईएफ फुलब्राइट कार्यक्रम के तहत 20 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय का दौरा किया।

विश्वविद्यालय ने जनवरी से अप्रैल 2017 के बीच कार्थेज कॉलेज विस्कॉन्सिन के विद्वान फुलब्राइट स्कालर (यूएसआईईएफ) प्रो. पीटर वर्नेज से अतिथ्य प्रोफेसर के रूप में सेवा लिया।

डिजाइन स्कूल ने ग्रीष्मकालीन सत्र 2017 में स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए डेन्मार्क के रॉयल दानिश एकेडमी ऑफ डिजाइन में एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया।

कार्तिक दवे, शुभ्रा नगालिया एवं निधि केकर ने इरेसमस प्लस उच्च शिक्षा सदस्य भ्रमण परियोजना के सदस्य के तौर पर 6–14 मार्च 2017 को बेब्स बोलयाई यूनिवर्सिटी, रोमानिया का दौरा किया।

6. अनुसंधान परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय ने शोध एवं परियोजना क्षेत्र से संबन्धित कार्यों के विकास एवं उसके बेहतर प्रबंधन हेतु एक शोध एवं परियोजना प्रबंधन सलाहकार समिति (एसीआरपीएम) का निर्माण किया है। अकादमिक शोध परियोजनाओं को विभिन्न अनुदान अभिकरणों, उद्योगों तथा अन्य संगठनों के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

एसीआरपीएम के निम्नलिखित कार्य हैं:

i. विश्वविद्यालय के लक्ष्य एवं उद्देश्य के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न शोध प्रस्तावों का मूल्यांकन करना।

ii. प्रस्तावित परियोजना तथा परियोजना संबंधी किसी भी प्रकार के अनुबंध अथवा सहयोग के कार्यान्वयन हेतु तत्परता दिखाना।

iii. वित्तीय समझौतों के प्रभाव का परीक्षण करना।

iv. परियोजना की स्वीकृति कार्यान्वयन, साझेदारियाँ तथा अनुदान की स्वीकृति के संबंध में उप कुलपति को सुझाव देना।

v. स्वीकृत परियोजनाओं के सुगमतापूर्वक संचालन हेतु वित्तीय प्रबंधन तथा सांस्थानिक सहायता प्रदान करना।

vi. परियोजना के विकास एवं उसके नतीजे की सावधानी पूर्वक जांच करना तथा उसका मूल्यांकन करना।

01.02.2017 को इस शोध एवं परियोजना प्रबंधन सलाहकार समिति (एसीआरपीएम) के निम्नलिखित सदस्य हैं :

वनिता कौल (11.12.2016 तक)	अध्यक्ष
डीन, अकादमिक सेवा	सदस्य
डीन, योजना	सदस्य
जतिन भट्ट	सदस्य
सुमंगला दामोदरन	सदस्य
अनूप धर	सदस्य
अशोक नागपाल	सदस्य
प्रवीण सिंह	सदस्य
कुल सचिव	सदस्य
वित्त नियंत्रक	सदस्य
सुरजीत सरकार	संयोजक
सर्मिष्ठा रॉय उप कुल सचिव (पीआर एवं आईपी)	सचिव (30.09.2016 तक)
सुनीता त्यागी, सहायक कुलसचिव	सचिव (01.10.2016 से)

दिनांक 2 फरवरी 2017 से इस पुनर्गठित समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :

अनूप कुमार धर	अध्यक्ष
बाबू पी. रमेश	संयोजक
सलिल मिश्रा	सदस्य
प्रवीण सिंह	सदस्य
सिकंदर एम.ए	सदस्य
अर्नेस्ट सैमुअल रत्नकुमार	सदस्य
राजन कृष्णन	सदस्य
सुरेश बाबू	सदस्य
अरिंदम बनर्जी	सदस्य
रुक्मिणी सेन	सदस्य
सुचित्रा बालासुब्रमण्यम	सदस्य
योगेश स्नेही	सदस्य
रचना मेहरा	सदस्य
सुनीता त्यागी	सचिव

पहल / गतिविधियाँ

1. अकादमिक शोध की गुणवत्ता में सुधार एवं शोध कार्य हेतु अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु समिति निम्नलिखित बिन्दुओं पर सलाह एवं सुझाव लेती है :

a) अकादमिक शोध (व्यक्तिगत अथवा सहयोगात्मक) कार्य को प्रोत्साहित एवं मजबूत बनाने का हर संभव प्रयास करना जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय में शोध कार्य हेतु एक बेहतर माहौल का निर्माण किया जा सके।

b) किसी प्रक्रिया संबंधी परेशानी होने पर आंतरिक परियोजनाओं के निधिकरण की व्यवस्था तथा बाह्य सहयोगी परियोजनाओं का प्रबंधन/निरीक्षण।

c) शोध की अमानक रूप–रेखाओं को सुगम बनाने पर ध्यान देना।

2. अकादमिक शोध को प्रोत्साहित करने हेतु एक दस्तावेज के रूप में एसएमजीएफआर (अकादमिक शोध हेतु बीज अनुदान) तैयार किया गया है। यह अकादमिक सदस्यों को शोध गतिविधियों के लिए प्रेरित करने तथा विश्वविद्यालय में हो रहे शोध कार्य की जीवंतता बढ़ाने का कार्य करता है। शोध के शुद्ध नए क्षेत्रों को तलाशने के अतिरिक्त 'एसएमजीएफआर' शिक्षण संबंधी सामग्री/आधारभूत पाठ तैयार करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। साथ ही जिन क्षेत्र/विषय में शिक्षक पहले से काम कर

रहे हैं उनमें शोध के नए आयाम को विस्तार देने का भी काम करेगा। चूँकि यह वित्तीय विषयों से जुड़ा है इसलिए अनुमोदन हेतु इसे सक्षम पदाधिकारियों के द्वारा समक्ष रखा जाएगा।

3. अकादमिक संगोष्ठी एवं शोध पत्र–प्रस्तुति शृंखला (एफएसीएसएएपी) की शुरुआत की गई है। इस वर्ष 31 मार्च 2017 को अनिर्बान सेनगुप्ता ने अपनी प्रस्तुति दी।

समीति एफएएससीएएपी के साथ संकाय के शोध कार्यों की सूची तैयार करने की योजना बना रही है।

अन्य संबन्धित कदम :

- एसीआरपीएम के लिए विश्वविद्यालय में हो रहे एवं पूर्ण हो चुके शोध कार्यों के लिए विस्तृत आंकड़ा तैयार करना।
- इस प्रारूप का निर्माण को शोध परियोजनाओं पर लागू करने के लिए किया गया है।

शोध एवं अन्य परियोजनाओं का विस्तृत ब्यौरा नीचे सारणी में है :

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक / पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
			विस्तृत परियोजनाएं (जारी)			
1.	शोध (वैश्वीकरण के दौर में भारत में औद्योगिक विकासः वित्त नीतियों का क्रियान्वयन तथा निष्क्रियता)	अरिंदम बनर्जी	3 वर्ष	अंतराष्ट्रीय साझेदारी संस्था, नौर्वे (एनयूपीआई)	50000 अमरीकी डॉलर	33.08
2.	स्नातक शिक्षा के पाठ्यक्रमों का विकास (भारत में स्नातक शिक्षा के संचालन, प्रसार एवं गुणवत्ता, में विकास–ई–क्यूयूएएल)	डेनिस लेघटन, अस्मिता काबरा, सुरेश बाबू, रोहित नेगी	मई 2014 –मई 2017	ब्रिटिश परिषद, यूरोपीय संघ समिति	162455 यूरो	110.18

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक / पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
3.	भाषण / स्मृति व्याख्यान– वार्षिक, विकास अध्ययन के एमफिल शोधार्थियों के लिए छात्रवृति	अनूप धर	लागू नहीं	रोहिणी घडिओक प्रतिष्ठान		8.30
4.	मौखिल ऐतिहासिक अभिलेख का निर्माण एवं प्रकाशन–शोध में प्रवृत्त, साक्षात्कार, अभिलेखीकरण, प्रकाशन (दिल्ली मौखिल अभिलेख परियोजना)	संजय शर्मा	2 साल	आई सी एस एस आर	12.00	9.60
5.	शोध (समाज–परिस्थितिकी प्रवणता की खोज : प्रकृति, समाज एवं बाजार)	प्रवीण सिंह	लागू नहीं	आई सी एस एस आर	21.87	18.59
6.	विकास अध्ययन एमफिल पाठ्यक्रम का विकास	अनूप धर	4 साल	जमशेदजी टाटा ट्रस्ट	346.97	238.53
7.	शोध (लिवलीहुड अँड आइडेंटिटी अमंग द पुलयस : ए केस स्टडी ऑफ सर्पम थूल्लाल इन केरला)	शैलजा मेनन	2 साल	आई सी एस एस आर	15.00	12.75
8.	एमफिल कार्यक्रम 2014–15 वर्ग के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था	अनूप घर		एन एस डी एल– ई गवर्नेंस	52.95	50.36
9.	शोध प्रवासी शहरी इलाकों की आजीविका	सुमंगला दामोदरण	2 साल	इंदिरा गांधी शोध विकास संस्थान	10.00	4.50

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक / पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
10	शोध (सपोर्ट फॉर रिसर्च ऑन नॉन–टिंबर फॉरेस्ट प्रोड्यूस मार्केट्स टू स्टेंथ लिवलीहुडस ऑफ ट्राइबल कम्युनिटीज इन इंडियाज पूअरेस्ट मार्जिनलाइज्ड रिजन्स)	अनूप धर	2 साल	फोर्ड फाउंडेशन, यूएसए	370000 यूएस डॉलर	81.48
11	अभिकल्पना नवीनीकरण केंद्र	जतिन भट्ट		मानव संसाधन विकास मंत्रालय	100.00	25.00
12	इंक्यूबेटिंग कम्यूनिटी बेस्ड सोशल इनिसिएटिव – किनारे	अनूप धर	1 साल	पीडबल्यूसी इंडिया फाउंडेशन	4.00	4.00
13	डेरिवेशन ऑन ग्रुप अलजेबरा एंड इट्स एप्लिकेशन	बालचंद प्रजापति		विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध संस्था		2.28
14	एमफिल कार्यक्रम के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था	अनूप धर		भारती गुप्ता रमोला	12.6	12.6
15	अर्लि चाईलहूड़ डेव्लपमेंट फॉर द पुअर : इंपेक्टिंग स्केल	सुनीता सिंह	1 साल	एन आई एच – येल	34.87	27.93
16	इम्पैक्ट ऑफ अर्लि लर्निंग, सोशलाईजेसन एंड स्कूल रैडिनैस एक्सपेरिएंसेज इन प्री – स्कूल ऑन एजुकेसनल एंड बेहवियर आउटकोम्स अलोंग द प्रारएमरी स्टेट	सुनीता सिंह	5 साल	सी आई एफ एफ	186.00	

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक/ पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
17	कोर्स एंड डिजाइनिंग करीकुलम (डेवलपिंग एंड लौंचिंग ऑफ एकेडमिक प्रोग्राम ऑन ईसीसीई)	सुनीता सिंह	2 साल	सर रतन टाटा न्यास	70.00	70.00
18	टेक्निकल असीस्टेन्स ऑन अर्लि चाईलहूड़ एजुकेसन टु स्टेटस	सुनीता सिंह	1 साल	यूनिसेफ, डबल्यूबी	27.76	18.28
19	कपैसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर स्केलिंग अप ऑफ मदर टंग बेस्ड मल्टी लिंगुअल लर्निंग एंड पैरेंट	सुनीता सिंह	8 माह	दिशा–बी वी एल ए एफ	38.53	19.26
20	इम्पाक्ट ऑफ द मोबाइल रीडिंग टु चिल्ड्रेन इंटेर्वेंसन ऑन केर गिवेर्स बेहवियर एंड एट्टीट्यूड	सुनीता सिंह	1 साल	एम आर टू सी	39.58	20.35
21	री – सेंटरिंग अफरोएशिया थ्रू एंड अर्क ऑफ लमेंट	सुमंगला दामोदरण	1 साल	ए डबल्यू मेलन फाउंडेशन, केपटाउन यूनिवर्सिटी, दक्षिण अफ्रीका	8.25	8.25
22	शहरी धरोहर पर संगोष्ठी	संजय शर्मा	4 साल	इंटेक, एयूडी, जेएनयू, आईएएस लाइडेन		4.58

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक/ पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
			मुख्य परियोजनाएं (पूर्ण)			
1	डेवेलपिंग अर्लि लर्निंग एंड डेवेलपमेंट स्टैंडर्डस (ईएलडीएस) फॉर चिल्ड्रेन फ्रोम एट इयरस इन द इंडियन कांटेक्स्ट	सुनीता सिंह	1 साल	ईएलडीएस (यूनिसेफ)	170.49	149.59
2	स्ट्रेन्थेनिंग क्वालिटी इन अर्लि चाईलहूड़ केर एंड एजुकेसन (ईसीसीई) इन सपोर्ट ऑफ आर्किविंग ससटेनबल डेवेलपमेंट गोल्स	सुनीता सिंह	1 साल	आई ई सी ई आई (यूनिसेफ)	84.00	84.00
3	शोध (उत्तर भारत के विशेष राज्यों में रेस्तरां कारोबार की गुणवत्ता)	कार्तिक दवे	1.5 साल	आइ सी एस एस आर	5.00	4.99
4	सपोर्ट्स एक्सेप्शनल सोशल इंटरप्रेनर्स विथ पावरफूल इडियाज प्रोवाइड्स ए प्लेटफॉर्म फॉर द शेयरिंग ऑफ इनोवेशन एंड हाइलाइट्स लर्निंग एंड नॉलेज देट केन इन्फ्लुएन्स पब्लिक पॉलिसी	सुनीता सिंह	1 साल	सी एस एफ (सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन)	35.00	17.50
5	सेविंग ब्रेन : चेंजिंग माइंडसेट	सुनीता सिंह	2 साल	मोबाइल क्रेचेज	40.16	31.35
6	पीआरईएम सीबीसीडी केंद्र का मूल्यांकन	सुनीता सिंह	1 साल	बी वी एल एफ	20.57	20.57

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक / पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
7	भारत–इंग्लैंड सहयोग के माध्यम से सामाजिक उद्योग–उपक्रम शिक्षा एवं विकास	के. मम्कूट्टम	1 साल	ब्रिटिश परिषद्	30000 पाउंड	7.00
8	ग्रामीण विकास सुधार हेतु प्रोत्साहन	अनूप घर	1 साल	जमशेदजी टाटा न्यास	4.59	4.59
9	ज्ञायन परियोजना	रोहित नेगी		आईआईटी खड़गपुर	5.44	5.44
10	मेकिंग लाइवेबल लाइव्स : रिथिंकिंग सोशल एक्सक्लूजन	निहारिका बनर्जी	8 माह	ब्रिंघटन विश्वविद्यालय	8.55	8.55
11	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एक्सआईआई प्लान		5 वर्ष	यूजीसी	700.00	420.00
			लघु परियोजनाएं (जारी)			
1	बिल्डिंग एन आर्काइव– इन्वोल्व्स रिसर्च, डिजिटाइजेशन एंड आर्काइविंग (लोटिका वरदराजन इथ्नोग्राफिक आर्काइव)	संजय शर्मा	9 माह	वसंत जे सेठ स्मृति न्यास	3.00	3.00
2	हेल्प योर एनजीओ	अनूप धर		हेल्प योर एनजीओ		3.30
3	डिगिटाईजिंग एंड आर्किविंग ऑफ द सज्जाद जहीर कोल्लेक्सन ऑफ राइटिंग एंड रिकॉर्डिंग	संजय शर्मा	2 साल	द यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस, ऑस्टिन, यूएसए		1.33
4	मध्य भारत के शुष्क भूमि प्रदेश में कृषि कार्य (म.प्र.)	संजय शर्मा		इंटेक		1.25

क्र. सं.	परियोजना का स्वरूप	निर्देशक / पी. आई.	कुल अवधि	अनुदान संस्था	कुल स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान (भारतीय रुपए, लाख में)*
			लघु परियोजनाएं पूर्ण			
1	शोध मणिपुर के पवित्र मंदिरों तथा उपवनों की संस्कृति तथा पारिस्थितिक तंत्र	ओइनम हेमलता देवी	1 वर्ष	आई सी एस एस आर	4.00	4.00
2	ए बेसलाएन स्टडि ऑफ ईसीई कॉम्पोनेंट ऑफ अर्लि स्टार्ट रीड इन टाइम प्रोजेक्ट इन ओड़ीशा	सुनीता सिंह	3 महीना	केयर इंडिया	4.23	1.67
			व्यवसाय प्रायोजित			
1	शोध (इकोलोजिकल रेस्टोरेशन ऑफ डिग्रेडेड लैंडस्कैप्स इन बोलानी आइरन ओर माइंस एरिया ऑफ सेल– ए मॉडल फॉर सस्टैनबल डेवलपमेंट, बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन एंड को–मिटिगेशन स्ट्रेटजी)	सुरेश बाबू	3 वर्ष	स्टील औथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	74.97	74.97

*यूएसडी / यूरो / पाउंड्स के अलावा

7. विश्वविद्यालय के विभाग

7.1. पुस्तकालय सेवा

एयूडी के दोनों परिसर में पुस्तकों से सुसज्जित आधुनिक पुस्तकालय है। पुस्तकालय तीन राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पूरे वर्ष सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक खुला रहता है। पुस्तकालय के अधिकांश कार्य कंप्यूटरकृत (स्वचालित) कर दिये गए हैं तथा शेष कार्यप्रणालियाँ भी स्वचलन की प्रक्रिया में है। इस वर्ष पुस्तकालय ने अपने आंकड़ों को एलआईबीएसवाईएस से कोहा पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली में बदल दिया है। कोहा एक ओपेन रिसोर्स सॉफ्टवेयर प्रणाली है। 10 निजी कंप्यूटर इलेक्ट्रोनिक संसाधनों एवं 3 कंप्यूटर ओपेक प्रणाली के अंतर्गत पुस्तकालय की पुस्तक सूची में से पुस्तक खोजने हेतु दोनों परिसर में लगाए गए हैं। पुस्तकालय समिति में कुल 24 सदस्य हैं जिसकी अध्यक्षा अनीता घई हैं।

संसाधन वितरण

एयूडी का पुस्तकालय डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) एवं इन्फोर्मेशन एंड लाइब्रेरी नेटवर्क सेंटर (सूचना एवं पुस्तकालय तंत्र केंद्र/इनफ्लिब्नेट) का सदस्य है। इसके अलावा पुस्तकालय ने शोध एवं उच्च शिक्षा में सहायता हेतु अल्पकालिक अवधि के ई–शोध सिंधु एवं शोधगंगा (भारत के शोध ग्रन्थों का विशाल संग्रह) की सदस्यता हासिल किया है।

पुस्तकालय ने डेलनेट के माध्यम से 29 पुस्तकालयों से 86 शोध ग्रंथों का जोड़ दिया है साथ ही देश भर के 64 अलग–अलग पुस्तकालयों से 186 शोध सामग्री प्राप्त किया है। पुस्तकालय ने विभिन्न पुस्तकालयों एवं प्रकाशकों से 150 आलेख एवं पुस्तक अध्याय का प्रबंधन किया है।

पाठक सेवाएँ

वर्तमान वर्ष में करीब 2700 विद्यार्थी, संकाय, सदस्य, विद्वान, प्रशासनिक कर्मचारी तथा अतिथि संकाय ने पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग किया जिसमें 180 उपयोगकर्ता करमपुरा परिसर से हैं। दोनों परिसर के पुस्तकालय को मिलाकर कुल 51056 बार देखा गया एवं 36586 पुस्तकें इस दौरान जारी की गयी। पुस्तकालय ने इस दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन भी किया जिसमें इलेक्ट्रोनिक संसाधनों के इस्तेमाल तथा संदर्भों की चोरी की जांच के बारे में बताया गया। संकाय के सदस्यों को नई पुस्तकों, विश्वविद्यालय से संबन्धित खबरों तथा संकाय के प्रकाशन के बारे में ईमेल से जानकारी दी गई।

पुस्तकालय संसाधन

एयूडी के पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी की ई–पत्रिकाओं का विशाल संग्रह है। ऑनलाइन संसाधनों की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है।

इस वर्ष कश्मीरी गेट परिसर में 3682 पुस्तकों का संकलन किया गया। इससे पूर्व पुस्तकालय में संसाधनों की कुल संख्या 39889 थी जिसमें 4087 पुस्तकें उपहार में मिली थी एवं 254 सीडी/डीवीडी थी। पुस्तकालय का कुल खर्च 25,507,946 रुपए था जिसमें 9,357,143 रुपए पुस्तकों की खरीद पर खर्च किया गया जबकि 11,914,337 रुपए प्रिंट एवं ऑनलाइन पत्रिकाओं की सदस्यता हासिल करने पर खर्च हुआ। करमपुरा परिसर के पुस्तकालय में 4,236,466 रुपए पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की खरीद पर खर्च हुआ। इस वर्ष एयूडी के पुस्तकालय ने इब्रेरी ईबुक्स प्रणाली शुरू की है जिसके अंतर्गत समाज विज्ञान एवं मानविकी क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन के 65000 से अधिक पुस्तकें शामिल हैं।

एयूडी पुस्तकालय ने 27 नई और पुरानी पत्रिकाओं की सदस्यता हासिल किया है जिसमें 30,000 से अधिक पत्रिकाएँ शामिल हैं। इसके अंतर्गत यूजीसी इन्फो नेट डिजिटल लाइब्रेरी के 9 मुफ्त डाटाबेस एवं 76 मुद्रित पत्रिकाओं (40 करमपुरा परिसर के लिए) के साथ साथ दोनों परिसरों के लिए 86 ऑनलाइन पत्रिकाएँ भी शामिल हैं। एयूडी के दोनों परिसर के पुस्तकालय ने 11 हिन्दी/अँग्रेजी एवं 19 प्रतियोगिता परीक्षाओं की पत्रिका के अलावा विभिन्न राजनीतिक पत्रिकाओं की सदस्यता लिए हुए है।

ई–शोधसिंधु पुस्तकालय के सदस्य के रूप में एयूडी पुस्तकालय निम्नलिखित प्रकाशन के पत्रिकाओं की ऑनलाइन सेवा ले रहा है :

1. विली बलैकवेल (908 पत्रिकाएँ, 1997 से पुरानी पत्रिकाओं का अभिलेखन)
2. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, (198 पत्रिकाएँ, 1997 से पुरानी पत्रिकाओं का अभिलेखन)
3. स्प्रिंगर (1400 पत्रिकाएँ, 1997 से पुरानी पत्रिकाओं का अभिलेखन)
4. टेलर एंड फ्रांसिस 1365 पत्रिकाएँ, 1998 से पुरानी पत्रिकाओं का अभिलेखन)
5. प्रोजेक्ट म्यूस (100 अंतराष्ट्रीय प्रकाशन की 400 पत्रिकाएँ)
6. जे–गेट कस्टम कंटेन्ट फॉर कोन्सोर्टीयम (जेसीसीसी)
7. इकनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली
8. साउथ एशियन आर्काइव्स
9. वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरी

उपलब्धियाँ/सम्मान

अलका राय, मेंडेले (एक डेक्सटॉपवेब कार्यक्रम, जिसे एल्सेवियर ने शोध पत्रों एवं शोध आंकड़ों को साझा करने के उद्देश्य से बनाया था) की सलाहकार एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी समिति एलआईएस 2017, सपोरो, जापान की सदस्य बनाई गई।

प्रस्तुतियाँ

अलका राय ने 18–19 मई 2016 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली मे आयोजित इंटरनेशनल लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन प्रोफेशनल सम्मिट (एलआईपीएस) 2016 में "चौलेंजेज ऑफ पब्लिशर्स इन प्रोमोशन ऑफ ई–बुक्स" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 21–22 अक्टूबर 2016 को एलपीए एवं एएमएलए द्वारा गांधी पीस फाउंडेशन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सेटिंग अप ए यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी : एक्सपेरिएंस, इनोवेशंस एंड करेंट चौलेंजेज' तथा 'टेक्नॉलॉजी, डेमोक्रेटिक वैल्यूज एंड चौलेंजेज ऑफ लाइब्रेरिज' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : आईएचसी, नई दिल्ली में 13–16 दिसंबर 2016 को टेरी द्वारा डिजिटल पुस्तकालय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ई–लर्निंग : गवरमेंट ऑफ इंडिया इनिशिएटिव्स : ए कृतिकाल रिव्यूज" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

देबल सी कार ने 12–14 जून 2016 को यूएसए में आयोजित एशियन चौप्टर बिजनेस मीटिंग में 'डेलनेट : एन इनिशिएटिव फॉर रिसोर्स शेयरिंग' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 21–22 अक्टूबर 2016 को सूचना विज्ञान एवं पुस्तकालय विभाग, कलानीया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "पुस्तकालय एवं सूचना प्रबंधन" में 'डेलनेट सर्विसेस टुवर्ड्स शेयरिंग बिटविन इन्स्टीट्यूशन' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 12–16 दिसंबर 2016 को फ्रांस में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एवं आईएनआईएसटी द्वारा फ्रांस में आयोजित 17वें कोलनेट कार्यक्रम में 'डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया : एन इनिशिएटिव फॉर द प्रिजर्वेशन ऑफ द रेयर बुक्स विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दिनेश कुमार ने 12–16 दिसंबर 2016 को फ्रांस में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित 17वें कोलनेट कार्यक्रम में "क्वालिटी एनहेंसमेंट इन अकेडमिक लाइब्रेरिजः रोल ऑफ नैक" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

–––––– : 28 जनवरी 2017 को इन्दिरा गांधी नेशनल कॉलेज, कुरुक्षेत्र में डीएचई द्व ारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी 'रोल ऑफ लाइब्रेरीज इन मेकिंग डिजिटल इंडिया' में "ग्रोथ ऑफ नॉलेज रिसोर्सेज इन अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली" विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अलका राय ने स्नातकोत्तर के छात्रों के लिए 22 एवं 23 फरवरी 2017 को "हाउ टू यूज ऑनलाइन रिसोर्सेज, डेलनेट सर्विसेज, कोहा" एवं "हाऊ टू यूज रेफ्रेंसिंग टूल लाइक मेंडेले" विषय पर 2 व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

18–19 मई 2016 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में सोशायटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स एवं एसएलए एशियन चौप्टर द्वारा संयुक्त रूप से एक संगोष्ठी 'इंटरनेशनल लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन प्रोफेशनल सम्मिट एलआईपीएस 2016' आयोजित किया गया।

दिनेश कुमार ने 13 फरवरी 2017 से 10 मार्च 2017 को यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 'शोध प्रविधि (अंतर्विषयक)' में हिस्सा लिया।

मंजु ने 20–24 जून 2016 को एनआईएससीएआईआर (सीएसआईआर), दिल्ली द्वारा आयोजित एक कार्यशाला "लाइब्रेरी ऑटोमेशन यूजिंग कोहा" में हिस्सा लिया।

मंजु ने 1–2 सितंबर 2016 को केंद्रीय पुस्तकालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक एक प्रशिक्षण सह कार्यशाला "इन्स्टिट्युशनल डिजिटल रिपोजीटरी एंड मेटा डाटा इंजीनियरिंग" में हिस्सा लिया।

7.2. सूचना एवं तकनीकी विभाग

सूचना एवं तकनीकि सेवाएँ सभी आईटी संबंधित गतिविधियों के लिए रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करती है। इसके द्वारा प्रदान की गई सेवाएँ हैं : इन्टरनेट एक्सेस, ईमेल, ईआरपी (वर्तमान में विद्यार्थी लाइफ सर्कल, एचआर, वित्त, खरीद/प्राप्ति, भंडार सूची हेतु), वाई–फाई कनेक्टिविटी, इंटरनेट, मॉडेल सर्वर, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क एवं लाइब्रेरी सेवा। नेटवर्क में 650 से अधिक नोड्स शामिल हैं। प्रभाग इंटरनेट की सुविधा एवं ऑनलाइन अधिगम सामग्री उपलब्ध कराने हेतु नेशनल नॉलेज नेटवर्क को 100 एमबीपीएस लिंक की सेवा देता है। पूरा परिसर एमपीएलएस–वीपीएन तकनीकि से जुड़ा हुआ है।

अपग्रेडेड सेवाएँ/तकनीकी

अनुभाग ने पहले से सेवारत तकनीकि को नई एवं उन्नत तकनीकि से परिनियोजित किया है :

साइबरोम यूटीएम द्वारा गेटवे सिक्योरिटी एवं एंटी स्पम का उन्नयन।

एंडपॉइंट इंटरप्राइज एंटीवायरस सर्वर का उन्नयन।

दोनों परिसर में बायोमेट्रिक एटेंडेंस सिस्टम का समावेशन।

ऑनलाइन कोर्स प्रबंधन सेवा हेतु मोडल का उन्नयन एवं टर्निटिन द्वारा ऑटो प्लेगीयरिज़्म चेक का समावेशन।

करमपुरा परिसर हेतु वीएलएएन का निर्माण।

इंटरनेट सेवा का उन्नयन।

दोनों परिसर के छात्र, संकाय एवं कर्मचारी हेतु वाई–फाई की सुविधा।

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों हेतु नए जॉब पोर्टल का विकास।

कश्मीरी गेट परिसर के समाज विज्ञान विभाग हेतु नेटवर्किंग सुविधा का विस्तार।

लाइनेक्स एवं विंडो सर्वर का उन्नयन।

दोनों परिसर की निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाना।

स्टोर मेनेजमेंट सॉफ्टवेयर का विकास।

ईआरपी निर्माण/विस्तार

ईआरपी निर्माण/विस्तार इस प्रकार से है :

दीक्षांत समारोह हेतु डिग्री का हिंदी एवं अँग्रेजी में मुद्रण।

पेमेंट गेटवे पेटीएम द्वारा पेमेंट गेटवे सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन।

पेटीएम एवं बिलडेस्क द्वारा नए बैंक अकाउंट का एमआईडी मैपिंग।

एक्सल सीट पर मासिक उपस्थिती दर्ज करना।

एडमिटेड स्टूडेंट पेज पर केटेगरी एवं सब–केटेगरी फिल्टर जोड़ा गया।

सर्वर पर ट्रांस्क्रिप्टिंग एवं सेविंग क्यूआर कोड का निर्माण।

मासिक पे–बिल एक्सल रिपोर्ट पर 'टिप्पणी' का कॉलम जोड़ा गया।

ग्रेड, कोर्स रजिस्ट्रेशन, उपस्थिती एवं डिग्री की छपाई हेतु सिक्योरिटी मेजर्स, डबल लॉक सिस्टम आदि को और उन्नत बनाना।

जरूरत के अनुसार नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन फॉर्म की एंट्री को नियंत्रित करना।

ग्रेड को अंतिम रूप देने से पहले उसके घटकों को देखने की व्यवस्था।

प्री–मोडरेटेड मोडरेटेड एवं फाइनल कॉम्पोनेंट कोर्स ग्रेड की व्यवस्था।

एक्सल शीट पर सभी सत्र के फाइनल ग्रेड रिपोर्ट तैयार करना।

सभी प्रोग्राम के ट्रांस्क्रिप्ट का रिडिजाइनिंग

एपीआई गपशप/जीमेल सेलेक्सन बेस्ड इंटीग्रेशन सर्विस की शुरुआत।

सभी ऑनलाइन आवेदन फॉर्म में सब–केटेगरी फिल्टर को जोड़ना।

आवेदक के एनसीटी/ओएनसीटी श्रेणी की स्वचालित छंटनी।

एमफिल/पीएचडी ऑनलाइन आवेदन हेतु रिसर्च प्रोपोजल फाइल को फॉर्म में अपलोड करने की सुविधा।

डोमेन

एयूडी परिसर में नई डोमेन इकाई http://idp.aud.ac.in जोड़ी गई।

करमपुरा परिसर

इस वर्ष सूचना तकनीकी विभाग ने अपनी सभी सेवाएँ करमपुरा परिसर में देना शुरू कर दिया है। कॉन्फिगर्ड चाइल्ड डोमेन एवं डीएचसीपी पर आधारित यह तकनीकी स्वतंत्र रूप से परिसर में अपनी सेवाएँ दे रहीं हैं तथा एमपीएलएस–वीपीएन तकनीकि से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। दोनों परिसर एक ही लेन से जुड़ी हुई है ताकि संसाधनों को एक केंद्रीय स्थान से साझा किया जा सके।

आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के तहत निम्न चीजें हैं :

कंप्यूटर प्रयोगशाला 2 (प्रत्येक कक्ष में 40 कंप्यूटर)

कर्मचारियों के लिए कुल कंप्यूटर 35

प्राध्यापकों के लिए कुल कंप्यूटर 15

प्रिन्टर 10

वाई–फाई नियंत्रक 25

कक्षा में दृश्य–श्रव्य प्रक्षेपकों (प्रोजेक्टर) की कुल संख्या 10

24 घंटे ऊर्जा सेवा देने वाला एक मध्यम श्रेणी का बैरा (सर्वर)

करमपुरा परिसर में इंटरनेट सुविधा के अबाध संचालन हेतु एक बैरा (सर्वर) उपलब्ध है। 62.5 तथा 125 किलोवाट एम्पियर के दो जेनेरेटर अबाध रूप से ऊर्जा आपूर्ति हेतु परिसर में लगाए गए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण

विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण की सूची इस सारिणी में दी गई है :

क्र. सं.	उपकरण	वर्तमान साल (2016–2017)
1	सर्वर	08
2	डेस्कटॉप	458
3	लैपटॉप	145
4	स्विच	73
5	वाई–फाई नियंत्रक बिन्दु	50
6	प्रिंटर/स्कैनर/छाया–प्रति मशीन/डेक्सटॉप	100
7	यूपीएस (ऑनलाइन/ऑफलाइन)	124
8	प्रक्षेपक	79
9	कक्षा के लिए ध्वनि यंत्र	43

सॉफ्टवेयर

उन्नत एवं विकसित नेटवर्क लाइसेन्स/सॉफ्टवेयर की सूची नीचे दी गई है :

1. प्रोपिएट्री सॉफ्टवेयर

- टर्निटिन एंटी–प्लेगियारिज़्म एप्लिकेशन (100 यूजर 20 इंस्ट्रक्टर)
- दिव्यांग हेतु जावा सॉफ्टवेयर
- ईजी टीडीएस 20 यूजर

2. ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर

- उबुंटू 14.04
- सेंटोस
- एमवाई स्कल 5.6
- कोहा सर्वर डेबियन

7.3. छात्र सेवा अनुभाग

छात्र सेवा अनुभाग विद्यार्थी सेवा के डीन द्वारा संचालित होता है। यह विश्वविद्यालय की छात्र इकाइयों के साथ सहयोग करता है। यूडीएफएमसी (विश्वविद्यालय विकास निधि प्रबंधन समिति) इस विभाग के निम्नलिखित कार्यों को लेकर उत्तरदाई है :

- नामांकन से जुड़े विज्ञापन एवं प्रचार संबंधी मुद्दे, प्रवेश प्रक्रियाओं का समन्वयन करना, नामांकन/मूल्यांकन प्रक्रियाओं संबंधित बैठकों का आयोजन, आवेदन/प्रवेश फॉर्म के संग्रह अभिलेख का रख रखाव, छात्र शुल्क के लेन–देन और संग्रह की देख–रेख करना।
- अंतिम प्रतिलेख/प्रवासन/बोनाफाइड/स्थानांतरण/उपाधि प्रमाणपत्र जारी करना, जमा धन को वापस करना।
- शुल्क छुट समिति की बैठकों का आयोजन तथा छात्रवृत्ति का वितरण एवं शोध विद्यार्थियो को मासिक छात्रवृत्ति जारी करना।
- उच्च शिक्षा निदेशालय व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार से संपर्क स्थापित करना तथा शैक्षिक मेलों मे भागीदारी करना एवं विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन समस्या निवारण प्रणाली (ओपीआरएसएस) को संचालित करना।

नामांकन प्रक्रिया

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया मई/जून 2016 में तथा एमफिल व पीएचडी कार्यक्रमों की जून/अगस्त 2016 में आरंभ हुई।

आरक्षण

नामांकन उच्चतर शिक्षा संस्थानों हेतु लागू विभिन्न सामाजिक समूहों एवं अन्य श्रेणियों संबंधित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार की आरक्षण नीतियों के अनुसार किया गया। इसके अंतर्गत एनसीटी दिल्ली के छात्रों के लिए 85 प्रतिशत एवं एनसीटी दिल्ली से बाहर के विद्यार्थियों हेतु 15 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है।

विदेशी छात्र

प्रत्येक कार्यक्रम में विदेशी छात्रों के लिए कुछ सीटें आरक्षित हैं। विदेशी नागरिक, जो भारत के नहीं हैं। उन्हें अपने वाणिज्यदूत या दूतावास के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता है। विदेशी नागरिकों का विद्यार्थी वीजा (विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्राप्त) को अध्ययन की सम्पूर्ण अवधि के लिए मान्य होना चाहिए। इसके अलावा विदेशी नागरिकों की उपाधि भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।

विदेशी छात्रों का शुल्क, भारतीय विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में दुगना है। इसके अतिरिक्त

उन्हें 500 रुपया प्रति सत्र छात्र कल्याण कोष में तथा 10,000 रुपया जमानती राशि के रूप में देना पड़ता है।

विद्यार्थियों का चयन

स्नातक कार्यक्रम में छात्रों का नामांकन, योग्यता (12वीं कक्षा में प्राप्त अंक) पर एवं स्नातकोत्तर व शोध (एमफिल व पीएचडी) कार्यक्रमों में लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा हुआ।

स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश– की निम्नलिखित शर्तें थी–

स्नातक, गणित : अभ्यार्थी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित विषय में न्यूनतम अंक 65 प्रतिशत होने आवश्यक थे।

स्नातक, अर्थशास्त्र : अभ्यार्थी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित विषय में प्राप्त अंक को अनिवार्य रूप से 'श्रेष्ठ चार विषयों' की गणना में जोड़ा गया।

स्नातक, अँग्रेजी : अभ्यार्थी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में अँग्रेजी विषय में न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक होने आवश्यक हैं।

विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी के अभ्यार्थियों को प्रवेश मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट दी गई थी।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम में प्रवेश–पात्रता की निम्नलिखित शर्तें थी :

किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि में 45 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। परंतु एम. ए शिक्षा, एम. ए सामाजिक उद्यमिता एवं प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अथवा इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। एससीसीईई हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि में 40 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी के अभ्यार्थियों को पात्रता मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट दी गई थी।

एमफिल : मान्यता प्राप्त संस्थान से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के किसी भी क्षेत्र में स्नातकोत्तर की उपाधि में 55 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष सीजीए (एससी/एसटी/पीडबल्यूडी आवेदकों हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक या इससे अधिक)।

पीएचडी : मान्यता प्राप्त संस्थान से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के किसी भी क्षेत्र में एमफिल (शोध प्रबंध के साथ) । विशेष मामलों में, एम.ए में अतिरिक्त इतिहास पाठ्यक्रम (उदाहरण स्वरूप बिना शोध प्रबंध के एमफिल पाठ्यक्रम) पूरा करने वाले प्रत्याशी प्रवेश की पात्रता रखते हैं।

पार्श्विक प्रवेश समिति :

पार्श्विक प्रवेश समिति अध्ययन के किसी भी विशेष कार्यक्रम में पार्श्विक प्रविष्टियों की प्रक्रिया को सुगम बनाती है। इस श्रेणी के माध्यम से नामांकन हेतु सभी संबंधित दस्तावेजो (पहले सत्र/वर्ष आदि का परिणाम) को प्रस्तुत करना तथा शैक्षणिक कार्यक्रम की निर्धारित न्यूनतम योग्यता (यदि अतिरिक्त कोई हो) को पूरा करना आवश्यक है।

करमपुरा परिसर

इस वर्ष चार स्नातक कोर्स के लिए कुल 160 छात्रों ने दाखिला लिया। स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज तथा स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस को इस परिसर में स्थापित किया गया है।

आने वाले वर्षों में सरकार की कौशल विकास योजना को ध्यान में रखते हुए नौकरी उद्योग को पैदा करने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। वर्तमान में एसयूएस के अंतर्गत निम्न कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं :

1. स्नातक मनोविज्ञान
2. स्नातक, अँग्रेजी
3. स्नातक, समाज विज्ञान तथा मानविकी
4. स्नातक, वाणिज्य

शुल्क संरचना

एयूडी की शुल्क संरचना प्रति क्रेडिट 1000 रु. से 2000 रु. तक है। इसके अलावा अधिनियम के अनुसार 500 रु. प्रति सत्र 'छात्र कल्याण कोष' में तथा नामांकन के समय 5000 रुपया वापसी योग्य सावधि जमानत राशि के रूप में एक बार देने होते हैं।

शुल्क वापसी

नामांकन के बाद यदि कोई छात्र अपना नामांकन रद्द कराता है तो उसे निम्नलिखित नियमानुसार शुल्क की राशि वापस की जाती है :

- उन्मुखीकरण कार्यक्रम से पूर्व कार्यक्रम छोडने पर 1000 रुपए की कटौती की जाती है।

- उन्मुखीकरण कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम छोडने पर केवल सावधि जमानत राशि वापस की जाती है।

शुल्क–माफी

विश्वविद्यालय सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर अनुसूचित जाति/जनजाति एवं

दिव्यांग श्रेणी के छात्रों का पूरा शुल्क माफ करता है। इन श्रेणी के अतिरिक्त आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर अपना शिक्षा–शुल्क माफ करा सकते हैं। नीचे दी गई सारणी में परिवार की कुल वार्षिक आय के आधार पर शुल्क माफी का ब्यौरा दिया गया है :

श्रेणी	शिक्षा शुल्क माफ (प्रतिशत में)	पारिवारिक कुल वार्षिक आय
श्रेणी–1	100% शिक्षा शुल्क माफी	3 लाख या उससे कम
श्रेणी–2	75% शिक्षा शुल्क माफी	3 लाख से अधिक किन्तु 4 लाख या उससे कम
श्रेणी–3	50% शक्षा शुल्क माफी	4 लाख से अधिक किन्तु 5 लाख या उससे कम
श्रेणी–4	25% शिक्षा शुल्क माफी	5 लाख से अधिक किन्तु 6 लाख या उससे कम

इस वर्ष कुल 995 छात्रों का शुल्क माफ किया गया। शुल्क माफ किए गए छात्रों का स्कूल वार ब्यौरा इस प्रकार है :

स्कूल	**छात्र की संख्या**
एसबीपीपीएसई	35
एससीईई	62
एसडीएस	51
एस डीईएस	19
एसईएस	74
एसएचई	48
एसएचएस	113
एसएलएस	181
एसयूएस	412
कुल	**995**

छात्रवृत्ति

कुल शिक्षा शुल्क का दस प्रतिशत हिस्सा छात्रवृत्ति के रूप में विद्यार्थियों को दिया जाता है। यह छात्रवृत्ति प्रतिभा आधारित अथवा सीजीपीए प्रणाली में अच्छे प्रदर्शन के आधार

पर दिया जाता है।

इस वर्ष कुल 635 छात्रों ने प्रतिभा आधारित छात्रवृत्ति तथा 36 छात्रों ने अकादमिक प्रदर्शन के आधार पर छात्रवृत्ति का लाभ उठाया है। छात्रवृत्ति लाभ लेने वाले छात्रों की कुल संख्या इस प्रकार है :

स्कूल	प्रतिभा आधारित छात्रवृत्ति	अकादमिक छात्रवृत्ति
एसबीपीपीएसई	45	03
एससीसीई	31	–
एसडीएस	31	02
एस डीईएस	13	–
एसईएस	39	06
एसएचई	22	03
एसएचएस	67	07
एसएलएस	136	–
एसयूएस	251	15
कुल	**635**	**36**

छात्र कल्याण कोष

विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण कोष का निर्माण जरूरतमन्द विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता देने हेतु किया है। इसके अंतर्गत छात्रों को आकस्मिक चिकित्सा सहायता, पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री की खरीद, एयूडी की छात्रावास सुविधाओं की राशि के समतुल्य भोजन व आवास व्यय तथा उनकी अन्य आवश्यकताओं से संबन्धित सहायता प्रदान की जाती है।

छात्र कल्याण कोष हेतु सभी विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में 500 रु. की राशि ली जाती है एवं इतनी ही राशि का योगदान विश्वविद्यालय की ओर से भी दिया जाता है। कोष का प्रबंधन एवं निगरानी एक समिति करती है, जिसमें छात्र समुदाय द्वारा नामित विद्यार्थी भी शामिल होता है।

इस वर्ष इस निधि से 326 विद्यार्थियों का भुगतान किया गया। इसका स्कूल वार ब्यौरा इस प्रकार है :

स्कूल	**छात्रों की संख्या**
एसबीपीपीएसई	04
एससीसीई	37
एसडीएस	29
एस डीईएस	02
एसईएस	42
एसएचई	19
एसएचएस	66
एसएलएस	45
एसयूएस	82
कुल	**326**

अध्ययन वृद्धि कोष

अध्ययन वृद्धि कोष (संग्रहित फीस का 25 प्रतिशत) छात्रों के क्षेत्र अध्ययन यात्रा के खर्चों के लिए वितरित किया जाता है। इस वर्ष मे यह धनराशि स्कूलों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की क्षेत्र यात्रा, वर्कशॉप, इन्टर्निशप में उपयोग किया गया।

छात्र यात्रा ग्रांट फंड को भी स्थापित किया गया है जो की विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने जाने वाले छात्रों की यात्रा तथा अन्य खर्चों के लिए वितरित किया जाता है। इस वर्ष ऐसे बीस छात्रों विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और इस फंड का उपयोग किया।

इस वर्ष विभिन्न कोर्स कार्यक्रमों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में दाखिला लिए कुल छात्रों की कुल संख्या निम्न सारणी में है :

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा/सी डबल्यू एपी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
स्नातक अध्ययन स्कूल										
कश्मीरी गेट परिसर										
स्नातक, वाणिज्य	41	23	18	06	03	15	01	–	–	16
स्नातक, इतिहास	42	30	12	11	04	09	–	–	–	18
स्नातक, मनोविज्ञान	49	09	40	10	05	08	–	–	–	26
स्नातक, समाज विज्ञान एवं मानविकी	29	11	18	08	01	13	–	–	–	07
स्नातक, अँग्रेजी										
स्नातक, गणित	21	19	02	05	–	06	–	–	–	10
स्नातक, समाज शास्त्र	37	15	22	04	06	09	01	–	–	17
करमपुरा परिसर										
स्नातक, वाणिज्य	46	25	21	14	–	09	–	–	–	23
स्नातक, मनोविज्ञान	43	11	32	06	01	10	–	–	–	26
स्नातक, समाज विज्ञान एवं मानविकी	37	21	16	06	01	06	–	–	–	24
स्नातक, अँग्रेजी	34	10	24	05	–	11	–	–	–	18

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा/सी डबल्यू एपी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
कुल छात्र (स्नातक)	379	174	205	75	21	96	02	–	–	185
विकास अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर विकास अध्ययन स्कूल	41	19	22	05	03	07	–	–	–	26
मानव पारिस्थिकी स्कूल										
स्नातकोत्तर, पर्यावरण एवं विकास	31	13	18	07	03	04	–	–	–	17
लिबरल अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, वाणिज्य	40	12	28	06	–	04	–	–	–	30
स्नातकोत्तर, अँग्रेजी	43	08	35	06	03	07	–	–	–	27
स्नातकोत्तर, इतिहास	46	22	24	08	09	04	–	–	–	25
स्नातकोत्तर, समाज शास्त्र	43	14	29	07	04	04	–	–	–	28
मानव अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, मनोविज्ञान	46	09	37	06	07	06	02	–	01	24

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा/सी डबल्यू एपी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
स्नातकोत्तर, लैंगिक अध्ययन	44	05	39	07	03	09	–	–	–	25
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, फिल्म अध्ययन	17	13	04	03	01	03	–	–	–	10
स्नातकोत्तर, साहित्य कला	09	05	04	01	01	01	–	–	–	06
स्नातकोत्तर, दृश्य कला	10	06	04	–	02	–	–	–	–	08
स्नातकोत्तर, अभिनय अध्ययन	15	11	04	03	–	–	–	–	–	12
शिक्षा अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, शिक्षा	21	04	17	02	03	04	–	–	–	12
स्नातकोत्तर, प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास	24	04	20	03	02	02	–	–	–	17
स्नातकोत्तर डिप्लोमा, प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास	04	02	02	01	01	01	–	–	–	01

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू एपी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
व्यवसाय लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, वाणिज्य व्यवस्था	39	23	16	08	04	08	01	–	–	18
डिजाइन स्कूल										
एम डीईएस (समाज डिजाइन)	17	08	09	03	–	–	–	–	–	14
कुल	**490**	**178**	**312**	**76**	**46**	**64**	**03**		**01**	**300**

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कर रहे छात्रों की कुल संख्या निम्न सारणी में दी गई है :

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
स्नातक अध्ययन स्कूल										
स्नातक, वाणिज्य	152	91	61	33	03	33	01	––	––	82
स्नातक, इतिहास	113	73	40	22	05	24	01	––	01	60
स्नातक, मनोविज्ञान	157	36	121	22	07	28	––	––	––	100
स्नातक, समाज विज्ञान एवं मानविकी	128	64	64	22	03	29	––	––	05	69

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
स्नातक, अँग्रेजी	137	47	90	29	06	35	––	––	01	66
स्नातक, गणित	57	40	17	08	––	13	––	––	––	36
स्नातक, समाज विज्ञान	92	61	31	16	07	21	01	––	––	47
कुल (स्नातक छात्र)	**836**	**412**	**424**	**152**	**31**	**183**	**03**	––	**07**	**460**
विकास अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, विकास अध्ययन	76	34	42	06	11	13	––	––	––	46
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
स्नातकोत्तर, पर्यावरण एवं विकास अध्ययन	58	23	35	10	10	07	01	––	––	30
लिबरल अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, वाणिज्य	74	21	53	08	––	13	––	––	––	53
स्नातकोत्तर, अँग्रेजी	85	20	65	11	09	17	––	––	––	48
स्नातकोत्तर, इतिहास	79	37	42	10	19	05	––	––	––	45
स्नातकोत्तर, समाज विज्ञान	77	19	58	08	11	07	––	––	––	51

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
मानव अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, मनोविज्ञान	93	21	72	16	11	12	03	——	01	50
स्नातकोत्तर, लैंगिक अध्ययन	71	05	66	10	06	11	——	——	——	44
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, फिल्म अध्ययन	29	21	08	04	01	03	——	——	——	21
स्नातकोत्तर, साहित्य कला	19	09	10	02	02	02	——	——	——	13
स्नातकोत्तर, दृश्य कला	18	08	10	..	02	——	——	——	——	16
स्नातकोत्तर, अभिनय कला	25	11	14	03	——	——	——	——	——	22
शिक्षा अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, शिक्षा	51	06	45	08	05	09	——	——	01	28
स्नातकोत्तर, प्रारंभिक बाल विकास एवं अध्ययन	44	05	39	06	07	03	——	——	——	28
स्नातकोत्तर, डिप्लोमा प्रारंभिक बाल विकास एवं अध्ययन	04	02	02	01	01	01	——	——	——	01

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
				व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल						
स्नातकोत्तर, उद्योग व्यवस्था	76	43	33	14	04	19	01	––	––	38
स्नातकोत्तर, सामाजिक उद्योग उपक्रम	03	01	02	––	––	––	––	––	––	03
डिजाइन स्कूल										
एम डीज (सोशल डिजाइन)	40	15	25	03	01	––	––	––	––	36
कुल (स्नातकोत्तर)	**922**	**301**	**621**	**120**	**100**	**122**	**05**	––	**02**	**573**

इस वर्ष दाखिला लेने वाले शोधार्थियों की कुल संख्या इस प्रकार है :

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्राएं	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
				लिबरल अध्ययन स्कूल						
एमफिल, इतिहास	05	02	03	01	–	–	–	–	–	04
				मानव अध्ययन स्कूल						
एमफिल, विकास अध्ययन	19	14	05	02	03	02	–	–	–	12

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्राएं	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
एमफिल, स्त्री एवं लैंगिक अध्ययन	12	04	08	02	01	02	–	–	–	07
कुल (एमफिल)	**36**	**20**	**16**	**05**	**04**	**04**	–	–	–	**23**
लिबरल अध्ययन स्कूल										
पीएचडी, हिंदी	04	01	03	01	–	01	–	–	–	02
पीएचडी, इतिहास	03	02	01	–	01	–	–	–	–	02
विकास अध्ययन स्कूल										
पीएचडी, विकास अध्ययन	02	01	01	01	–	–	–	–	–	01
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
पीएचडी, मानव पारिस्थितिकी	03	01	02	–	–	01	–	–	–	02
कुल पीएचडी	**12**	**05**	**07**	**02**	**01**	**02**	–	–	–	**07**
लिबरल अध्ययन स्कूल										
एमफिल, हिन्दी	07	02	05	02	––	01	––	––	––	04
एमफिल, इतिहास	19	07	12	03	01	01	01	––	––	13
मानव अध्ययन स्कूल										
एमफिल, मनोवैश्लेषिक मनोचिकित्सा	09	01	08	––	––	01	––	––	––	08

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्राएं	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
एमफिल, विकास अभ्यास	53	29	24	05	06	06	——	——	——	36
एमफिल, स्त्री एवं लैंगिक अध्ययन	32	06	26	06	03	06	——	——	——	17
कुल (एमफिल)	**120**	**45**	**75**	**16**	**10**	**15**	**01**	——	——	**78**
लिबरल अध्ययन स्कूल										
पीएचडी, हिन्दी	15	04	11	04	——	02	——	——	——	09
पीएचडी, इतिहास	07	04	03	——	01	——	——	——	——	06
विकास अध्ययन स्कूल										
पीएचडी, विकास अध्ययन	10	05	05	02	01	01	——	——	——	06
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
पीएचडी, मानव पारिस्थितिकी	13	06	07	01	——	02	——	——	——	10
मानव अध्ययन स्कूल										
पीएचडी, मनोविज्ञान	13	04	09	02	01	02	——	——	——	08
पीएचडी, स्त्री एवं लैंगिक अध्ययन	06	01	05	——	——	01	——	——	——	05

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्राएं	एससी	एसटी	ओबीसी	दिव्यांग	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य वर्ग
				सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल						
पीएचडी, दृश्य कला	02	01	01	——	——	——	——	——	——	02
पीएचडी, साहित्य कला	02	01	01	01	——	——	——	——	——	01
पीएचडी, फिल्म अध्ययन	03	02	01	——	——	01	——	——	——	02
कुल (पीएचडी)	**71**	**28**	**43**	**10**	**03**	**09**	——	——	——	**49**

विभिन्न विषयों में प्रवेश लेने वाले शोधार्थियों की कुल संख्या उपरोक्त सारणी में दी गई है।

विभिन्न विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों एवं शोध क्षेत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का संक्षेप ब्यौरा इस प्रकार है :

कार्यक्रम	छात्रों की कुल संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा / सी डबल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
स्नातक	836	412	424	152	31	183	03	——	07	460
स्नातकोत्तर	922	301	621	120	100	122	05	——	02	573
एमफिल	120	45	75	16	10	15	01	——	——	78
पीएचडी	71	28	43	10	03	09	——	——	——	49
कुल संख्या	**1949**	**786**	**1163**	**298**	**144**	**329**	**09**	——	**09**	**1160**

नामांकन

विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। नीचे की सारणी में प्रति वर्ष छात्रों की नामांकन संख्या में सुधार को दर्शाया गया है :

कार्यक्रम	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17
स्नातक		68	208	399	546	650	670	836
स्नातकोत्तर	100	118	306	651	795	885	882	922
एमफिल	–	–	32	73	77	135	142	120
पीएचडी	–	–	14	33	39	57	63	71
कुल संख्या	**100**	**186**	**560**	**1156**	**1457**	**1727**	**1757**	**1949**

निम्नांकित आरेख पिछले वर्षों में एयूडी में नामांकन की बढ़ती संख्या को प्रस्तुत करता है :

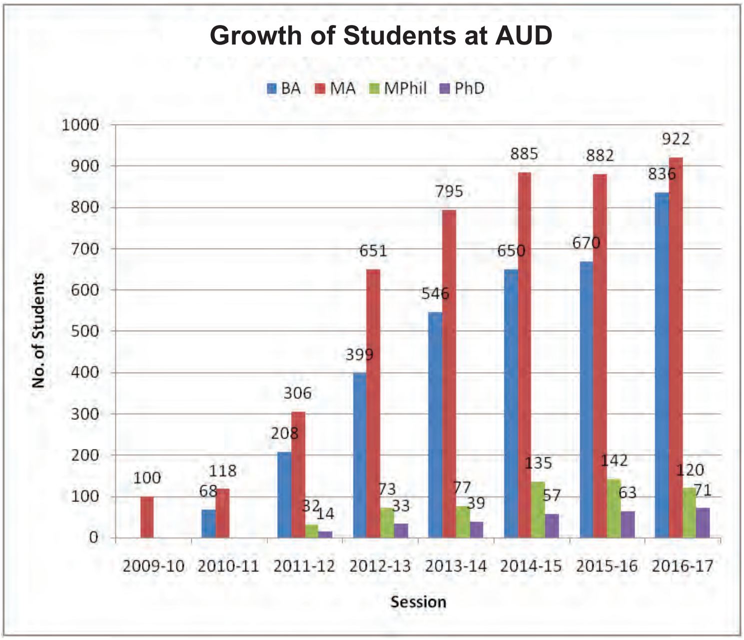

छात्रावास सुविधा

छात्राओं के लिए अम्बेडकर विश्वविद्यालय को इंदिरा गांधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली के कावेरी छ्त्रावास का 45 छात्राओं की क्षमता वाला ऊपरी तल आवंटित किया

गया है। आवेदन करने वाले सभी योग्य एससी/एसटी छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश मिला। सभी सीटों का आवंटन आरक्षण नीति को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार किया गया :

वर्ग	संख्या
सामान्य	26
अनुसूचित जाति	08
अनुसूचित जनजाति	11
अन्य पिछड़ा वर्ग	00

छात्र–कल्याणकारी उपाय

विश्वविद्यालय ने छात्रों की सहायता एवं जरूरत के अनुसार मदद करने हेतु विभिन्न प्रकार के छात्र–कल्याणकारी प्रकोष्ठों का गठन किया है।

आजीविका प्रकोष्ठ

एयूडीसीसी की स्थापना छात्रों एवं बाहरी विश्व में मौजूद अवसरों के बीच अन्योन्य क्रिया हेतु की गई है। एयूडीसीसी विद्यार्थियों को नौकरी/प्रशिक्षण देने वाली विभिन्न संस्थाओं की पहचान करता है।

भाषा प्रकोष्ठ

अँग्रेजी में पठन, लेखन एवं समझ कौशल को विकसित करने हेतु छात्रों के लिए एयूडी ने भाषा प्रकोष्ठ का गठन किया है।

छात्र प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने छात्र प्रकोष्ठ का गठन विद्यार्थियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए किया है। ऐसे छात्र जो आर्थिक, अकादमिक, सामाजिक या भावनात्मक कमजोरियों का सामना कर रहे हैं, छात्र प्रकोष्ठ उनकी हर संभव सहायता करता है। यह एक अर्द्ध–आधिकारिक संस्था है जो विद्यार्थी सेवाओं एवं छात्रों के बीच एक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करता है। प्रकोष्ठ विद्यार्थी एवं प्रशासन के बीच मध्यवर्ती भूमिका निभाता है।

छात्र संघ

छात्र संघ का गठन अप्रैल 2016 में हुआ। लिंगदोह समिति की अनुशंसा को ध्यान में रखते हुए पहला छात्र संघ चुनाव 18 अप्रैल 2016 को संपन्न हुआ। छात्र संघ के इकाई के रूप में कुल 28 छात्र निर्वाचित हुए। निर्वाचित छात्रों को छात्र संघ अधिनियम बनाने की जिम्मेदारी दी गई। कई बैठकों एवं विचार–विमर्श के बाद छात्र संघ ने मसौदा तैयार

कर विश्वविद्यालय को उस पर विचार करने हेतु सौंप दिया।

छात्र–शिक्षक संघ

छात्र–शिक्षक संघ (एसएफसी) एक ऐसा मंच है जहां छात्र एवं शिक्षक एक साथ बैठकर अकादमिक मुद्दों और समस्याओं मसलन कक्षा में होने वाली पढ़ाई, उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन, उपस्थिती, परीक्षा संचालन, फीडबैक आदि पर बात–चीत करते हैं तथा उन्हें सुलझाने का प्रयास करते हैं। यह एसएफसी कार्यकारिणी तथा एक साल के लिए निर्वाचित छात्र एवं शिक्षक संघ की एसएफसी सामान्य इकाई से मिलकर बना द्वि–सांस्थानिक संरचना है।

मनोचिकित्सा एवं परामर्श सेवा केंद्र

विश्वविद्यालय ने 'एहसास' नामक एक मनोचिकित्सा एवं परामर्श सेवा केंद्र की स्थापना की है जो छात्रों की भावनात्मक जरूरतों को पूरा करती है। यह विद्यार्थियों को मुफ्त में परामर्श एवं मनोचिकित्सकीय उपचार करता है।

शिकायत निपटारा प्रक्रिया

ऑनलाइन रिड्रेसल सिस्टम फॉर स्टूडेंट (ओपीआरएसएस) का गठन छात्रों की शिकायतों और समस्याओं को देखने एवं उसको सुलझाने हेतु किया गया है। यह इन सभी समस्याओं और उसके निपटारे का ऑनलाइन रेकॉर्ड भी रखता है जो प्रबंधन के निर्णय में सहायक होता है।

छात्र अपनी शिकायत ऑनलाइन माध्यम से दर्ज कर सकते हैं तथा उस पर होने वाली कारवाई तथा उसकी स्थिति भी ऑनलाइन जांच सकते हैं।

मनोचिकित्सा एवं परामर्श सेवा

विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र/छात्राओं के किसी भी प्रकार के अकादमिक अथवा सामाजिक

बंधनों से मुक्ति के लिए किए जाने वाले संघर्ष में उसकी सहायता का प्रयास करता है। इस सुविधा हेतु विश्वविद्यालय में परामर्श एवं मनोचिकित्सा सेवा की व्यवस्था की गई है।

रैगिंग–विरोधी समिति

यूजीसी अधिनियम, 2009 के अनुसार उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की घटना को नियंत्रित करने हेतु एक रैगिंग–विरोधी समिति के साथ रैगिंग–विरोधी दस्ते का गठन किया है।

यह समिति विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग मुक्त माहौल की संस्कृति को विकसित करने हेतु कार्य करती है। रैगिंग–विरोधी समिति के अंतर्गत कार्य करने हेतु रैगिंग–विरोधी दस्ते का निर्माण किया गया है जो रैगिंग संबंधी किसी भी तरह की घटनाओं

पर रोकथाम हेतु छात्रावास, कैंटीन, कक्षा एवं अन्य स्थानों पर नजर रखती है। इसके साथ ही यह व्यापक पैमाने पर विश्वविद्यालय के छात्रों को रैगिंग की घटनाओं एवं उससे होने वाले नुकसान तथा रैगिंग करने पर मिलने वाले सजा के प्रावधानों के बारे में छात्रों को जागरूक करती है।

रैगिंग–विरोधी समिति

नाम	पद	ईमेल आईडी	संपर्क
कुल सचिव	अध्यक्ष	registrar@aud.ac.in	011–23865075
सलिल मिश्रा	प्रोफेसर	salil@aud.ac.in	011–23863740
डेनिस पी. लिङ्घ्टन	डीन, एसएलएस	denys@aud.ac.in	
सत्यकेतु सांकृत	ओएसडी, करमपुरा	satyaketu@aud.ac.in	
ओइनम हेमलता देवी	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएचई एवं वार्डन	hemlata@aud.ac.in	

रैगिंग विरोधी दस्ता

नाम	पद	ईमेल आईडी	संपर्क
अंशु गुप्ता	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसबीपीपीएसई	anshu@aud.ac.in	
अखा कैहरी माओ	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसईएस	akha@aud.ac.in	
आइवी धर	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसडीएस	ivy@aud.ac.in	
पुलक दास	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएचई	pulak@aud.ac.in	
ओइनम हेमलता देवी	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएचई एवं वार्डन	hemlata@aud.ac.in	011–23863740
रचना चौधरी	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएचएस	rachna@aud.ac.in	
बिधान चंद्र दास	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएलएस	bidhan@aud.ac.in	
प्रणय गोस्वामी	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएलएस	pranay@aud.ac.in	
भूमिका मिलिंग	असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएलएस	bhoomika@aud.ac.in	

अनुशासकीय समिति

यह समिति विद्यार्थियों से संबन्धित शिकायतों/झगड़ों को निपटाने हेतु इस समिति का गठन किया गया है।

सलाहकार समिति

विश्वविद्यालय में नामांकन तथा नियुक्ति के संबंध में आरक्षण व्यवस्था को प्रभावकारी ढंग से लागू करने हेतु एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इस समिति की अध्यक्षता डीन (अकादमिक सेवा) अथवा डीन (छात्र सेवा) के द्वारा किया जाएगा साथ ही इसके अन्य सदस्य इस प्रकार होंगे :

डीन (अकादमिक सेवा)	अध्यक्ष
डीन (छात्र सेवा)	अध्यक्ष
कुल सचिव	सदस्य
रींजू रसाइली	असिस्टेंट प्रोफेसर , एसएलएस सदस्य, संपर्क अधिकारी (एससी)
अखा काहिरी माओ	असिस्टेंट प्रोफेसर , एसईएस सदस्य, संपर्क अधिकारी (एसटी)
संदीप आर सिंह	असिस्टेंट प्रोफेसर , एसएलएस सदस्य, संपर्क अधिकारी, (पीडबल्यूडी)
मंजीत सिंह राणा	सहायक कुलसचिव, सदस्य, संपर्क अधिकारी, (ओबीसी)
सुनीता त्यागी	सहायक कुल सचिव (समन्वय), अतिरिक्त सदस्य

छात्र कल्याण कोष प्रबंधन समिति

छात्र कल्याण कोष प्रबंधन समिति का पुनर्गठन डीन (अकादमिक सेवा) की अध्यक्षता में हुआ। इस में सदस्य सचिव, अन्य सदस्य तथा छात्र प्रतिनिधि शामिल हैं। सभी नामित सदस्य की पद अवधि 2 वर्ष तथा छात्र प्रतिनिधि की 1 वर्ष है। यह समिति छात्र कल्याण कोष के उचित संयोजन एवं व्यय की देख भाल करती है।

संजय कुमार शर्मा	डीन, छात्र सेवा (अध्यक्ष)
राजन कृष्णन	डीन, एससीसीई
सुमंगला दामोदरण	डीन, एसडीएस
हनी ओबेरॉय वहाली	निर्देशक, सीपीसीआर
सुचित्रा बालासुब्रमण्यम	असोसिएट प्रोफेसर, एसडीईएस
राजेंद्र पी. कुंडु	असोसिएट प्रोफेसर, एसएलएस

पुलक दास	असोसिएट प्रोफेसर, एसएचई
विनोद आर.	असोसिएट प्रोफेसर, एसएचएस
अमित सिंह	असोसिएट प्रोफेसर, एसयूएस
सैम जैकब	शोध छात्र, एसएचएस (एमफिल विकास अध्ययन, प्रथम वर्ष)
प्रशांत कुमार	छात्र प्रतिनिधि, एसबीपीपीएसई (स्नातकोत्तर, प्रबंधन, प्रथम वर्ष)
शैलेंद्र जैन	छात्र प्रतिनिधि, एसयूएस (स्नातक, अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष)
वर्षा मोहन	छात्र प्रतिनिधि, एसयूएस (स्नातक, अँग्रेजी, तृतीय वर्ष)
रंजीत अरोड़ा	छात्र प्रतिनिधि, एसईएस (स्नातकोत्तर, शिक्षा, द्वितीय वर्ष)
अर्नेस्ट सैमुअल आर.जे	वित्त नियंत्रक अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति
बिन्दु नायर	सहायक कुल सचिव, एसएस (सदस्य सचिव)

छात्र नीति स्थायी समिति

एससीएसए का गठन डीन, छात्र सेवा के अध्यक्षता में हुआ था। यह समिति छात्रों से जुड़े सभी मुद्दों की जांच करेगी तथा उस संबंध में समय–समय पर अपनी रिपोर्ट अकादमिक परिषद को सौंपेगी। पदेन अध्यक्ष के अलावा बाकी सभी सदस्यों का कार्यकाल 2 वर्षों के लिए रहेगा।

डीन, छात्र सेवा	अध्यक्ष (पदेन)
हनी ओबेरॉय वहाली	सदस्य
राधारानी चक्रवर्ती	सदस्य
राजन कृष्णन	सदस्य
ओइनम हेमलता देवी	सदस्य
सहायक कुल सचिव, एसएस	सदस्य सचिव

सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ (सीसीए)

परिसर में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक एवं पाठ्येतर जीवन को समृद्ध करने के ध्येय से एयूडी में विविध छात्र सभाओं/मंचों का गठन किया गया है। छात्रो रंगमंच सभा, क्रीड़ा–समिति, वाद–विवाद सभा तथा साहित्यिक सभा में सक्रियता से भाग लेते हैं। अर्थशास्त्र सभा एवं दृश्य संस्कृति सभा भी सक्रिय है। विद्यार्थियों के लिए परिसर में नियमित रूप से वार्ताओं, व्याख्यानों, प्रदर्शनों और अभिनय प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त इन उत्सवों का प्रबंध करने तथा इनमें सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित भी किया जाता है।

करमपुरा परिसर

छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु परिसर में संगीत सभा, नृत्य सभा, साहित्य सभा, सुनियोजित सांस्कृतिक उत्सव, तथा अंतः महाविद्यालय वाद–विवाद, नए विचारों की अभिव्यक्ति, महत्वपूर्ण व्यक्तियों के व्याख्यान आदि का आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम

- नवागंतुक स्वागत समारोह (एमएस 2016) तथा दिवाली मिलन।
- 15 अगस्त 2016 को स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन।
- 1 फरवरी 2017 को 'अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान' में सुश्री गिन्नी माही का संगीत कार्यक्रम।
- चुनाव आयोग, भारत सरकार द्वारा निर्वाचन पंजीकरण शिविर लगाया गया।

औडेसिटी (AUD@city) 2016

विश्वविद्यालय में 4,5 नवंबर 2016 को 5वां वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'एयूडी एट सिटी' मनाया गया। कुलपति द्वारा इस उत्सव का उद्घाटन किया गया। सह–पाठ्यक्रम सभा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों जैसे वाद–विवाद (अँग्रेजी), वाद–संवाद (हिंदी), एडी–एमएडी (फोटोग्राफी प्रतियोगिता), स्वरसंगति एवं वाद्ययंत्र कार्यक्रम, हल्ला बोल (नाट्य–प्रतियोगिता), क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन करवाया। पूर्वोत्तर मंच ने भी इस उत्सव में परिचर्चा के माध्यम से इस उत्सव में भाग लिया। इनके द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल के माध्यम से पूर्वोत्तर की पाक शैली का झलकियाँ भी देखने को मिलीं।

इस उत्सव की मुख्य झलकियाँ थीं : नीरज आर्य कबीर कैफे एवं स्का वेंजर्स की शानदार प्रस्तुति, एयूडी के छात्रों की प्रस्तुतियाँ, अन्तर महाविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता, भारत के विभिन्न क्षेत्रों की पाक शैली को प्रस्तुत करता फूड स्टॉल इत्यादि।

वसंत–उत्सव

अम्बेडकर विश्वविद्यालय के करमपुरा परिसर में 8 मार्च 2017 को वार्षिक वसंत उत्सव "बारदेसिखला 2017" का आयोजन किया गया। भारत सरकार के दिशानिर्देशानुसार पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्येशय से इस उत्सव में असम के कलाकरों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। इसके साथ साथ अम्बेडकर विश्वविद्यालय के सीसीए सभा के छात्र एवं कर्मचारियों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। इस उत्सव में सभी लोग प्रसिद्ध गायिका विद्या साह द्वारा ठुमरी गायन एवं उसकी परंपरा से परिचित हुए। इस उत्सव में असम के कपड़ा उद्योग की एक प्रदर्शनी एवं विक्रय किया गया।

खेल–कूद गतिविधियाँ

क्रीड़ा–समिति उन छात्रों के साथ मिल कर काम करती है जो खेल–कूद एवं उसके आयोजन में सक्रिय रहता है। विभिन्न स्कूल से निर्वाचित छात्र सदस्य क्रीड़ा परिषद का प्रतिनिधित्व करता है जो क्रीड़ा समिति की एक सामान्य इकाई है। दोनों परिसरों के क्रीड़ा–समिति के सदस्य मिलकर संयुक्त रूप से करमपुरा परिसर में खेल–गतिविधियों को बढ़ावा देते है। समिति छात्रों को खेल के माध्यम से एक ऐसा मंच देना चाहती है, जिससे वे स्वयं को उस क्षेत्र में अभिव्यक्त कर सकें।

विश्वविद्यालय ने छात्रों को खेल–कूद में अच्छे प्रशिक्षण हेतु कुशल एवं पेशेवर कोच (प्रशिक्षकों) को नियुक्त किया है जो छात्रों को प्रशिक्षित करने के साथ–साथ खेल के मैदान में अपने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु योग्य छात्रों का चयन भी करता है। पूर्णकालिक प्रशिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय एक बहु–क्रियात्मक व्यायामशाला (जिम) भी परिसर में लगाने जा रहा है।

वार्षिक खेल उत्सव के अलावा खेल–प्रतियोगिताओं की एक शृंखला भी आयोजित की गई जिसमें शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। करमपुरा परिसर में पहली बार छात्र और शिक्षकों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। मानसून एवं शीतकालीन सत्र में दो क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भी सफल आयोजन किया गया।

एक मिश्रित दल बना कर अंतर–परिसर बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

करमपुरा परिसर में 25 फरवरी 2017 को खेल दिवस मनाया गया।

पूर्व–छात्र संघ

कुछ स्कूल ने अपने स्तर पर पूर्व–छात्रों का एक संगठन बना लिया है, तथापि विश्वविद्यालय औपचारिक रूप से अपने स्तर पर एक पूर्व–छात्र संघ की स्थापना हेतु कार्य कर रहा है।

एयूडी में जीवन

7.4. आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति (एईएस)

एईएस 27 मई 2016 को नए विभाग के रूप में गठित हुआ। जिसका कार्य, आकलन, मूल्यांकन तथा छात्रों की प्रगति का निरीक्षण करना है। एईएस के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के अधिनियम 7 ए के द्वारा डिन को बनाया गया है। छात्र सेवा विभाग द्वारा भी इस विभाग के कार्य संपादित किए जाते हैं। एईएस ऑफिस में वर्तमान में सहायक कुलसचिव, प्रशासनिक निरीक्षक, कार्यालय सहायक तथा एक डाटा एंट्री ऑपरेटर हैं।

एईएस के मुख्य कार्य हैं :

1. छात्रों का कोर्स पंजीकरण करना।
2. उपस्थिती का रेकार्ड रखना।
3. मूल्यांकन एवं ग्रेड प्रदान करना।
4. डिग्री/प्रमाणपत्र जारी करना।

एईएस विभाग छात्र सेवा विभाग के सहयोग एवं समन्वयन से कार्य करता है। एईएस विभाग विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के मूल्यांकन संबंधी अभिलेखों के कोष के रूप में कार्य करता है। यह ईआरपी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया जाता है। एईएस छात्रों के प्रतिपुष्टी के प्रति भी जिम्मेवार होता है।

इस विभाग को अंतिम प्रमाणपत्र, अस्थाई प्रमाणपत्र, डिग्री एवं प्रवास प्रमाण पत्र जारी करने तथा दीक्षांत समारोह आयोजित करने का कार्यभार सौंप दिया गया है। एईएस को सभी स्कूल के साथ मिलकर कार्य करना होता है जिसमें समय पर कोर्स पूरा करना, मूल्यांकन पद्धति का अनुसरण करना, अंतिम तिथि से पूर्व उपस्थिती पंजी सौंपना, ग्रेड प्रदान करना, तथा विहित समयावधि में स्नातक एवं पदोन्नत छात्रों की सूची सौंपना आदि शामिल है।

गतिविधियाँ

स्कूल द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों जैसे उपस्थिती, मूल्यांकन, ग्रेड प्रस्तुति, पाठ्यक्रम निर्धारण, समय सारणी एवं शैक्षणिक जरूरतों को समय से पूरा करने हेतु एक कैलेंडर बनाया गया। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधार्थियों के लिए अलग–अलग कैलेंडर बनाया गया।

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर प्रयोगशाला में स्नातक अध्ययन स्कूल के ऑनलाइन पंजीकरण का निरीक्षण किया गया।

सभी स्कूल (डिन/कार्यक्रम समन्वयक/स्कूल कर्मचारी) के साथ अकादमिक मापदंडों के लिए ईआरपी के प्रयोग में आने वाली समस्या को समझने हेतु नियमित बैठक आयोजित किया गया। एईएस संबंधी समस्याओं को सुलझाने हेतु विभाग ने सभी नियमों को एकत्रित कर उसका संक्षेपन किया। विभाग यह भी सुनिश्चित करता है कि मूल्यांकन संबंधी सभी नियम एवं कानून का पालन करते समय विश्वविद्यालय के मूल्यांकन नीति के अनुसार किया जा रहा है। और अगर इस संबंध में कोई चूक होती है तो उसे सुधार लिया जाता है।

ईआरपी विक्रेताओं के साथ अकादमिक मापदंडो के लिए आवश्यक जरूरतों को पूरा करने एवं पिछले ईआरपी संबंधी समस्याओं को सुलझाने हेतु मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

ईआरपी के अकादमिक मापदंडो में कुछ परिवर्तन किया गया है। इस परिवर्तन में प्रथम वर्ष से द्वितीय वर्ष में स्वतः पदोन्नति, एसयूएस उपस्थिती नियमानुसार स्वतः ग्रेड की कटौती, क्यूआर कोड डिग्री का निर्माण, अंतिम प्रमाणपत्र का निर्माण आदि को सम्मिलित किया गया है।

ईआरपी अभिविन्यास कार्यक्रम प्रत्येक सत्र में आयोजित किया जाता है ताकि ईआरपी कार्यप्रणाली में सुधार एवं ईआरपी के नियम के प्रति पूर्व प्राध्यापकों को सहज कराया जा सके।

परीक्षा प्रणाली में सुधार

विभाग ने ईआरपी में मूल्यांकन एवं ग्रेड प्रदान करने हेतु एक ढांचा तैयार किया है। विभाग ने स्कूल के डीन, कार्यक्रम समन्वयक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक के साथ मिलकर निरीक्षण प्रक्रिया का भी विकास किया है।

सभी पाठ्यक्रम समन्वयक के लिए समय से ईआरपी में विषयवार ग्रेड प्रदान करना आवश्यक है। तब ईआरपी प्रणाली अंतिम ग्रेड की गणना करता है। इस प्रकार किसी भी पाठ्यक्रम के मूल्यांकन का पूरा ब्यौरा ईआरपी में मौजूद रहता है। फलस्वरूप छात्रों के मूल्यांकन के विस्तृत ब्यौरे को जाने हेतु ईआरपी को एक कोष के रूप में विकसित किया गया है।

दीक्षांत समारोह 2016

9 दिसंबर 2016 को पांचवें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दलाई लामा को आमंत्रित किया गया था। कुल 549 छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक उपाधि दी गई जिनमें से 365 छात्राएं थी। छात्रों का श्रेणी–वार वर्गीकरण नीचे दिया गया है :

कार्यक्रम	छात्र	छात्रा	एससी	एसटी	ओबीसी	सामान्य	कुल
स्नातक	93	76	12	01	32	123+1*	169
स्नातकोत्तर	81	257	19	38	59	22+1#	338
पीजी डिप्लोमा	02	17	–	–	–	19	19
एमफिल	08	14	02	03	4	13	22
पीएचडी	–	01	–	–	–	01	01
						कुल योग	**549**

* विदेशी छात्र

सीडबल्यू श्रेणी

पांचवां वार्षिक दीक्षांत समारोह

7.5. शैक्षिक सेवा विभाग

अकादमिक प्रभाग की गतिविधियों में विश्वविद्यालय का शैक्षणिक शासन एवं विनियामक ढाँचा, संकाय भर्ती, आजीविका प्रबंधन नीतियों को कार्यान्वित करना और बाह्य आमंत्रित व अतिथि संकाय से संबन्धित मामलों का प्रबंधन करना शामिल है। इनके अतिरिक्त, अकादमिक प्रभाग शिक्षकों की नियुक्ति संबंधी मामलों, छुट्टी से जुड़े मुद्दों, मूल्यांकन, कैरियर उन्नति योजना, प्रशिक्षण आदि को भी संभालता है।

प्रकार्य

इस विभाग के अंतर्गत संकाय से जुड़ी सारी गतिविधियां जैसे भर्तियाँ, नियुक्तियाँ, वेतन–निर्धारण, वार्षिक अनुदान, विभागीय पदोन्नति समिति का प्रबंधन, परिवीक्षा अवधि की प्रक्रिया, अनुबंधित कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा, अनौपचारिक नियुक्तियाँ, दीर्घ एवं लघु अवधि के अनुबंधित कर्मचारियों के अनुबंध की विस्तारण/समाप्ति, कार्यों एवं निजी फाइलों का रेकॉर्ड, छुट्टी का रेकॉर्ड, कर्मचारियों के एलटीसी/एचटीसी की जिम्मेदारी, आरक्षण प्रणाली का प्रबंधन, नियामक इकाइयों की बैठकों के रेकॉर्ड का डिजिटलिकरण, संकायों (अनुबंधित कर्मचारियों समेत) के लिए ग्रुप इंस्योरेंस योजना की देख–रेख, अनापत्ति एवं अदेयता प्रमाण पत्र जारी करना, अवकाश की अवधि एवं दिवस की सूची को अंतिम रूप देना, कोर्ट केसों का निपटारा आदि शामिल हैं।

भर्तियाँ

विभिन्न संकायों में भर्तियाँ प्रमुख अखबारों में ऑनलाइन आवेदन के लिए विज्ञापन निकाल कर किया जाता है। सक्षम अधिकारियों द्वारा गठित जांच समितियां प्राप्त आवेदन की जाँच करती है। इसके बाद संक्षिप्त सूची में आए प्रतिभागियो में से योग्य अभ्यर्थियों के चयन हेतु सक्षम अधिकारी एक चयन समिति गठित करती है जिसमें कम से कम तीन बाह्य विशेषज्ञ शामिल होते हैं। इसके अनुसार चयन समिति द्वारा प्रस्तावित सूची को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाता है। तत्पश्चात प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र जारी किया जाता है। चयन समिति द्वारा प्रस्तावित सूची को अगली बैठक में प्रबंधन समिति के सामने पुष्टीकरण हेतु रखा जाता है।

संकाय

इस वर्ष नियुक्त/भर्ती किए गए प्राध्यापकों (असिस्टेंट प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/प्रोफेसर) की सूची इस प्रकार है :

संकाय (स्थायी, सावधिक, आगंतुक, अनुबंधित)	संख्या
असिस्टेंट प्रोफेसर	10
असोसिएट प्रोफेसर	04

संकाय (स्थायी, सावधिक, आगंतुक, अनुबंधित)	संख्या
प्रोफेसर	04
सावधिक	22
आगंतुक	09
अनुबंधित	59
कुल	108

पदोन्नति योजना

विश्वविद्यालय प्राध्यापकों की पदोन्नति के लिए कैरियर पदोन्नति योजना का पालन करती है। इसके अंदर श्रेणी 1 से श्रेणी 4 में अर्थात असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर में पदोन्नति की योजना है। श्रेणी 1 से श्रेणी 2 तथा श्रेणी 2 से श्रेणी 3 में पदोन्नति हेतु एक जांच समिति का गठन किया जाता है जिसमें एक बाहर के विशेषज्ञ शामिल होते हैं। ये समिति संबन्धित प्राधायपकों की जांच एवं उनके सीएएस दस्तावेज का मूल्यांकन करती है। जांच समिति के अनुशंसा पर प्राध्यापक की पदोन्नति को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाता है। इसके बाद मामले को प्रबंधन समिति के सामने पुष्टीकरण हेतु रखा जाता है। वहीं श्रेणी 3 से श्रेणी 4 एवं श्रेणी 4 से श्रेणी 5 में पदोन्नति हेतु जांच समिति के साथ साथ एक चयन समिति का भी गठन किया जाता है जिसके अंतर्गत बाहर के 3 विशेषज्ञ शामिल होते हैं। इसमें प्राध्यापकों का साक्षात्कार एवं प्रस्तुतीकरण किया जाता है। जांच/चयन समिति की अनुशंसा पर प्राध्यापकों की पदोन्नति की जाती है।

इस वर्ष पदोन्नत हुए प्राध्यापकों की सूची इस प्रकार है

श्रेणी	संख्या
असिस्टेंट प्रोफेसर – श्रेणी 1 से श्रेणी 2	05
असिस्टेंट प्रोफेसर – श्रेणी 2 से श्रेणी 3	01
असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर – श्रेणी 3 से श्रेणी 4	01
एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर – श्रेणी	08

31 मार्च 2017 तक कुल 23 प्रोफेसर, 18 एसोसिएट प्रोफेसर, 78 असिस्टेंट प्रोफेसर, 9 अतिथि शिक्षक, 4 अल्पकालिक प्राध्यापक, 23 अनुबंधित प्राध्यापक, 9 शोध सहायक, 3 पुस्तकालय कर्मचारी थे। इनमें से 3 असिस्टेंट प्रोफेसर तथा 9 अनुबंधित प्राध्यापक

करमपुरा परिसर में नियुक्त किए गए थे।

व्यावसायिक एवं यात्रा भत्ता

अनुभाग अकादमिक विकास हेतु प्राध्यापकों को व्यावसायिक एवं यात्रा भत्ता देती है। इस वर्ष कुल 51 प्राध्यापकों ने पत्र प्रस्तुति/शोध कार्य के लिए विभिन्न राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लेने हेतु व्यावसायिक एवं यात्रा भत्ता का लाभ उठाया।

7.6. मानव संसाधन विभाग

मानव संसाधन सेवा विभाग मानव संसाधन सेवाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय के स्कूल, केंद्र एवं परिसरों को संबल प्रदान करता है। यह मुख्य रूप से सभी सेवा संबंधी मामलों, भर्ती व कर्मचारियों की पूर्ति, प्रशिक्षण एवं विकास का ध्यान रखने तथा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों के कल्याण हेतु पहल करने के साथ–साथ कुल सचिव के वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में उनकी सहायता करता है। इसमें उपयुक्त कर्मचारी नीतियों व प्रक्रियाओं को विकसित तथा कार्यान्वित करना, संबन्धित सहयोगियों को उचित सहायता और जानकारी प्रदान करना एवं कर्मचारी रिकॉर्ड व कर्मचारियों से संबंधित आंकड़ों की देख–रेख करना शामिल है।

गतिविधियाँ

मानव संसाधन विभाग द्वारा भर्ती, चयन, स्टाफिंग, नियुक्ति, वेतन–निर्धारण, वार्षिक अनुदानों में बढ़ोत्तरी, अकादमिक पदोन्नति हेतु समिति का गठन, प्रतिनियुक्ति का कार्यभार, अनुबंधित कर्मकारियों के कार्यों की समीक्षा, नैमित्तिक कार्य, लघु एवं दीर्घ अवधि के अनुबंधित कर्मचारियों के कार्यावधि का विस्तारण अथवा समापन करना, आईसीएसआईएल संस्था के द्वारा कर्मचारियों की भर्ती, सेवा कार्य एवं व्यक्तिगत फाइलों का रख–रखाव, नियमित प्रतिनियुक्त अधिकारियों के एलटीसी एवं एचटीसी, न्यायिक मामले, आरक्षण प्रणाली लागू करवाना, स्थापना समिति के मुद्दे को देखना, नए परिसर की स्थापना करना, यात्रा मामला, पदों का सृजन, अधिकृत इकाइयों के बैठकों के रिकॉर्ड का डिजिटलिकरण करना, अवकाश रिकॉर्ड मूल्यांकन की देख–रेख, बायो मेट्रिक उपस्थिती प्रणाली, अनुपस्थिति वक्तव्य, शिक्षक एवं शिक्षाकेत्तर कर्मचारियों (अनुबंधित समेत) का समूह बीमा योजना, अदेय प्रमाणपत्र जारी करना, अवकाश की सूची बनाना, शिक्षाकेत्तर कर्मचारियों का प्रशिक्षण, वार्षिक प्रदर्शन अभिलेखों का रख–रखाव, शिक्षाकेत्तर कर्मचारियों/अधिकारियों के अचल संपति विभाग एवं बाहरी संस्थानों के साथ अनुबंधित समझौतों के रिकॉर्ड की देख–रेख, आर एंड आई इत्यादि जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।

नियुक्ति प्रक्रिया

2016–17 में व्यापक स्तर पर भर्ती प्रक्रिया की गई जिसके तहत प्रशासनिक कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु 87 नियमित पद (13 श्रेणी ए, 25 श्रेणी बी, 49 श्रेणी सी पद) के लिए 5 विज्ञापन निकाले गए। इस विज्ञापन के तहत श्रेणी ए में उप कुल सचिव, सहायक कुल सचिव, सहायक प्रशासक की नियुक्ति इस वर्ष पूरी हुई। श्रेणी बी एवं श्रेणी सी के पदों के लिए भर्ती–प्रक्रिया जारी है।

प्रशिक्षण एवं विकास

प्रशिक्षण एवं विकास, मानव संसाधन विभाग के महत्वपूर्ण पहलू हैं जो विश्वविद्यालय को कुशलतापूर्वक कार्य करने तथा तरक्की करने की शक्ति प्रदान करता है। नए नियुक्त श्रेणी ए अधिकारियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के गतिविधियों से भली भांति परिचित होने के लिये वे विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभागों/स्कूल में सम्मिलित किए गए। जून 2016 में सहायक–श्रेण ी कर्मचारियों के लिए एयूडी द्वारा एक महीने का अँग्रेजी निपुणता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 32 सहायक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। चार अधिकारी विश्वविद्यालय के बाहर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु प्रतिनियुक्त किए गए। इसके साथ–साथ चार संपर्क अधिकारी को आरक्षण प्रणाली के ऊपर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु प्रतिनियुक्त किया गया। ग्रुप बी एवं सी के पाँच कर्मचारियों को प्रशिक्षण निदेशालय, यूटीसीएस, यौन शोषण, आपदा प्रबंधन, सेवानिवृत योजना हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम–जीएनसीटीडी, में प्रतिनियुक्त किया गया।

31–03–2017 को प्रशासनिक कर्मचारियों के स्वीकृत एवं खाली पदों का ब्यौरा :

कश्मीरी गेट परिसर :

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	कुलसचिव	ए	पीबी–4+जीपी 10000 रु.	1	1	0
2	वित्त नियंत्रक	ए	पीबी–4+जीपी 10000 रु.	1	1	0
3	निदेशक (आईटी सेवा)	ए	पीबी–4+जीपी 10000 रु.	1	0	1
4	उप–कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	5	5	0
5	अधिशासी अभियंता (सिविल)	ए	पीबी–3+जीपी 6600 रु.	1	0	1
6	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	15	15	0
7	सहायक कुलसचिव (योजना)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
8	सहायक कुल सचिव (पीआर)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
9	सहायक कुल सचिव (प्रकाशन)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
10	व्यवस्था प्रशासक (आईटी)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	2	1	1

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
11	उद्यान विशेषज्ञ	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
12	चिकित्सा अधिकारी	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
13	कनिष्ठ व्यवस्था प्रशासक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
14	कार्यकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	18	0	18
15	कनिष्ठ कार्यकारी (पुस्तकालय)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	3	2	1
16	कनिष्ठ कार्यकारी (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
17	कनिष्ठ कार्यकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	30	9	21
18	सुरक्षा पर्यवेक्षक	बी	पीबी –2+जीपी 4200 रु.	2	1	1
19	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत/सिविल)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	2	1	1
20	तकनीकी निदेशक (मैकेनिकल)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
21	तकनीकी निदेशक (सॉफ्टवेयर तथा आईटी)	बी	पीबी–2+पी 4200 रु.	1	0	1
22	स्टाफ नर्स (महिला)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
23	तकनीकी सहायक (आईटी)	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	3	3	0
24	स्टुडियो सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	0	1
25	पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	2	0	2
26	उद्यान–निरीक्षक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	1	0
27	सहायक कार्यवाहक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	36	27	9

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
28	कनिष्ठ सहायक / सहायक कार्यवाहक	सी	पीबी–1+जीपी 1900 रु.	5	3	2
29	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	27	21	6
30	एमटीएस (माली)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	6	5	1
31	एमटीएस (विद्युत्कर्मी)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	2	1	1
32	एमटीएस (नालसाज)	सी	पीबी–1+जीपी 1800	1	0	1
33	प्रयोगशाला तकनीशियन – मेकेनिकल एवं मैटेरियल वर्कशॉप	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
34	प्रयोगशाला तकनीशियन – लैदर एवं सॉफ्ट मैटेरियल वर्कशॉप	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
कुल				**177**	**98**	**79**

करमपुरा परिसर :

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	उप कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	0	1
2	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	3	3	0
3	व्यवस्था संचालक(आईटी)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
4	कनिष्ठ व्यवस्था संचालक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
5	सुरक्षा अधिकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
6	कार्यकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	2	0	2
7	कनिष्ठ कार्यकारी(आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
8	कनिष्ठ कार्यकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	5	2	3
9	तकनीकी सहायक (आईटी)	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	1	0

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
10	पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	1	0
11	सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	4	1	3
12	सहायक कार्यवाहक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	1	0	1
13	सहायक (सचिव सेवा)	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	1	0	1
14	कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2000 रु.	1	1	0
15	कनिष्ठ सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 1900 रु.	4	1	3
16	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	4	2	2
17	एमटीएस (माली)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
कुल				**33**	**13**	**20**

परिसर विकास (परियोजना, पद) :

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड+ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	सह–निदेशक (तकनीकी)	ए	पीबी–4+जीपी 10000 रु.	1	1	0
2	उप निदेशक (प्रशासन/वित्त)	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	2	1	1
3	वास्तुकार	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	1	0
4	वरिष्ठ परियोजना अभियंता (सिविल)	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	0	1
5	वरिष्ठ परियोजना अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	0	1
6	परियोजना अभियंता (सिविल)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
7	परियोजना अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
8	कनिष्ठ कार्यकारी (तकनीकी)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	1	0
9	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	1	0
कुल				**10**	**7**	**3**

7.7. योजना विभाग

अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली का योजना विभाग विश्वविद्यालय के समग्र विकास हेतु कार्य करता है। इसमें विश्वविद्यालय के विकास कार्यक्रमों को स्कूल के परामर्श द्वारा तैयार करना, बजट के आवंटन को ध्यान में रखते हुए पंच वर्षीय योजना तैयार करना, विश्वविद्यालय संबंधी सूचनाओं के प्रकाशन का आयोजन एवं नियोजन करना, विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाना तथा उसका निरीक्षण करना, सभी महत्वपूर्ण वित्त पोषित उपक्रमों हेतु योजना तैयार व प्रस्तुत करना और इन प्रस्तावों के लिए जीएनसीटीडी एवं यूजीसी जैसे निधि निकायों से सहायता प्राप्त करना शामिल है। इसके अतिरिक्त यह समय–समय पर विश्वविद्यालय की वार्षिक रपट एवं अन्य सूचना बुलेटिन की तैयारी व प्रकाशन का भी प्रबंधन करता है।

दीर्घ कार्यक्रम

एकाधिक परिसर एकात्मक विश्वविद्यालय की स्थापना

एयूडी ने व्यावसायिक एवं सामुदायिक महाविद्यालय आधारित कार्यक्रमों पर अतिरिक्त ध्यान केन्द्रित करने हेतु एकाधिक–परिसर एकात्मक विश्वविद्यालय बनाने का निश्चय किया है। अभी यह कश्मीरी गेट परिसर से संचालित किया जा रहा है। नए परिसरों के निर्माण हेतु रोहिणी एवं धीरपुर में परिसर निर्माण हेतु भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। विश्वविद्यालय लोधी रोड में भी एक परिसर स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

विभाग कश्मीरी गेट परिसर तथा करमपुरा परिसर की योजना और विस्तारण हेतु संसाधन उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय के विकेंद्रीकृत एवं सुचारु कार्य–प्रणाली को जारी रखने हेतु विभाग सेवा एवं संसाधन प्रदान करने के साथ–साथ विभिन्न परिसर की स्थापित संस्थाओं, प्रशासनिक संरचना एवं कार्य प्रणाली से जुड़े मुद्दों को सुलझाता है।

वित्तीय योजना एवं संसाधन वितरण तथा प्रबंधन

यह विभाग विश्वविद्यालय को वित्तीय योजना बनाने में मदद करता है जिसके तहत तय लक्ष्य को ध्यान में रख कर बजट का निर्माण किया जाता है। यह विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना एवं सामरिक महत्व की योजना भी बनाता है और उस अनुसार संसाधन का वितरण एवं प्रबंधन करता है।

नए स्कूल, केंद्र एवं कार्यक्रम

विभाग ने नए स्कूल– वोकेशनल स्टडीज स्कूल, लेटर्स स्कूल, विधि, शासन एवं नाग. रिकता स्कूल, तथा अँग्रेजी साहित्य शिक्षा केंद्र की स्थापना की। दोनों परिसर में स्नातक अध्ययन स्कूल के विस्तार एवं पुनरसंरचना हेतु सम्यक बैठक का भी आयोजन किया गया। अर्बन स्टडीज एवं ग्लोबल स्टडीज कार्यक्रमों को और व्यापक बनाने की तैयारी

की जा रही है। स्कूल ऑफ एजुकेशन जिसके तहत नए तथा पुराने शिक्षकों का प्रशिक्षण शामिल है, उसे भी विस्तृत करने की योजना बनाई गई।

दस वर्षीय समीक्षा

गौरतलब है कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 10वें वर्ष में पहुँच गया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय व्यापक स्तर पर अपने दस वर्षीय कार्यों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है। इस कार्य के लिए विभाग कार्यात्मक सहायता प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए)

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के माध्यम से अनुदान प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय ने दिल्ली सरकार को अपने संस्थानिक विकास की योजना सौंप दी है।

राष्ट्रीय सांस्थानिक श्रेणी संरचना (एनआईआरएफ)

विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एनआईआरएफ द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा संस्थान क्रम–सूची में हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की वरीयता सूची में 101–150 श्रेणी के अंतर्गत एयूडी का स्थान आया।

वैश्विक अकादमिक संघ पहल (जीआईएएन)

विश्वविद्यालय को जीआईएएन के सदस्य के रूप में चुना गया। संघ ने परियोजना कार्य हेतु सांस्थानिक सहयोग देने के साथ–साथ 15–21 नवंबर 2016 तक 'शहरी पारिस्थितिकी' विषय पर एक साप्ताहिक कोर्स का आयोजन किया।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

आईक्यूएसी ने इस वर्ष नैक को अपनी द्वितीय आईएक्यूएआर (वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रपट) प्रस्तुत की। आईक्यूएसी ने विश्वविद्यालय के संकायों हेतु विभिन्न अकादमिक विकास कार्यशाला आयोजित की। प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन किया। विभाग द्वारा इन प्रशिक्षण एवं कार्यशाला हेतु सचिवालय सहायक की सेवा उपलब्ध कराया गया।

7.8. अभिशासन विभाग

विभाग विश्वविद्यालय के अधिकृत विभागों जैसे न्यायालय, प्रबंधन समिति, अकादमिक परिषद, योजना विभाग,(अब आद्य योजना विभाग), वित्त विभाग, स्कूल अध्ययन आदि से जुड़े मुद्दों को देखता है। विभाग से विश्वविद्यालय के अन्य घोषित अधिकृत इकाइयों के मुद्दों को भी सुलझाने की अपेक्षा की जाती है। सभी अधिकृत निकायों के संवैधानिक सभा का आयोजन, उन सभाओं के लिए मुद्दों को तैयार करना, उन सभाओं में होने वाली घटनाओं का लिखित ब्यौरा तैयार करना तथा उन्हें सभी सदस्यों में वितरित करना, अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णयों को सूचित करना, तथा समय–समय पर उन निर्णयों के क्रियान्वयन का निरीक्षण करना ही इस विभाग का कार्य है। यह विभाग स्थापित समिति, स्थायी प्रबंधन मण्डल के मुद्दों को निपटाने के साथ–साथ अधिकृत इकाइयों के निर्माण कार्य इत्यादि की भी जिम्मेदारी लेता है।

17 अक्टूबर 2016 को इंडियाना विश्वविद्यालय के साथ एमओयू

7.9. परिसर विकास विभाग

धीरपुर परिसर

शहरी विकास मंत्रालय दिल्ली, भारत सरकार ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय के धीरपुर परिसर के पहले चरण की स्थापना हेतु 20 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। आवंटित भूमि के चारो तरफ चाहरदीवारी बनाने का कार्य सम्पन्न हो चुका है। स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए इस भूखंड के भीतर तीन उच्च मस्तूल प्रकाश बल्ब की व्यवस्था की गई है। इस भूखंड की सुरक्षा हेतु 24 घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात रहते है।

विद्युत तार का स्थानांतरण

भूखंड में स्थित ओवरहेड 33/11 केवी एचटी–एलटी विद्युत तार निर्माण कार्य में बढ़ा उत्पन्न कर रहे थे। जीएनसीटीडी द्वारा इस मुद्दे को सुलझा लिया गया है। निर्माण कार्य अब एमएस टाटा पवार दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड को सौंप दिया गया है जिसके द्वारा अप्रैल, 2017 तक निर्माण कार्य पूरा होने की उम्मीद की गई थी।

जलविज्ञान संबंधी अध्ययन

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच), रुड़की को धीरपुर स्थल पर जलविज्ञान संबंध अध्ययन (1) उपलब्ध सतह जल व भूजल की मात्रा तथा गुणवत्ता, दोनों के संदर्भ में मूल्यांकन करने, (2) वर्षा जल संचयन, (3) जमा पानी की निकास पद्धति की योजना बनाने हेतु लगाया गया है। एनआईएच ने अपना सर्वेक्षण पूरा कर लिया है और सर्वेक्षण सम्बंधित सारे आंकड़े विश्वविद्यालय को सौंप दिया है।

आद्रभूमि मैदान

डीडीए के स्वामित्व वाली करीब 25 हेक्टेयर आद्रभूमि पर विश्वविद्यालय द्वारा मानव पारिस्थितिकी केंद्र स्कूल बनाने का प्रस्ताव दिया गया है। इस संबंध में डीडीए एवं विश्वविद्यालय के बीच अनुबंध पर पहले ही हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इस भूखंड पर विकास कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

रोहिणी परिसर

डीडीए ने वर्ष 2010 में एयूडी को नए परिसर हेतु रोहिणी में 2.98 हेक्टेयर एवं 4.03 हेक्टेयर भूमि के दो भूखंड आवंटित किया। पीडबल्यूडी ने इस भूखंड के पर बनी पुरानी जीर्ण चाहरदीवारी के मरम्मत का कार्य करते हुए उस पर कंटीले तारों का बार लगाया ताकि अनधिकृत प्रवेश पर रोक लगाया जा सके। रात को बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पीडबल्यूडी ने इस भूखंड में दो उच्च मस्तूल लाइट बल्ब की व्यवस्था की है। रोहिणी परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के हाथ में है जिसके तहत भूखंड पर प्रभावी निरीक्षण एवं नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। परिसर के बेहतर विकास के

लिए इस भूखंड का विस्तृत सर्वेक्षण कर सारी सूचनाएँ एवं आंकड़े पीडबल्यूडी को सौंप दी गई है।

बागवानी : नए परिसरों के एक भाग के रूप में एयूडी के दोनों स्थलों पर बागवानी संचालन शुरू करने का फैसला लिया गया है।

परियोजनाओं का कार्यान्वयन

जीएनसीटीडी द्वारा यह निर्णय लिया गया कि दोनों स्थलों धीरपुर एवं रोहिणी, परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु पीडबल्यूडी परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में कार्य करेगा। इस संबंध में 2 मार्च 2017 को विश्वविद्यालय एवं पीडबल्यूडी के बीच अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। एयूडी ने अपने आंतरिक संसाधानों के द्वारा तैयार अनिवार्य परियोजना विवरण को पीडबल्यूडी के पास आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। पीडबल्यूडी ने धीरपुर एवं रोहिणी परिसर के निर्माण कार्य के लिए अनुमानित बजट तैयार किया है। पीडबल्यूडी ने परियोजना के बेहतर निर्माण कार्य के लिए निविदा के द्वारा सलाहकार के चयन की योजना भी बना रहा है। अगस्त 2021 तक कार्य पूरा होने की संभावना पर दोनों पक्षों ने अपनी सहमति दे दी है।

कश्मीरी गेट परिसर

पीडबल्यूडी द्वारा वार्षिक पुनर्निर्माण व रखरखाव का कार्य जारी है। पीडबल्यूडी ने प्रमुख नवीकरण कार्यों का संचालन भी किया है। जीर्ण शीर्ण चाहरदीवारी के पुनर्निर्माण का कार्य भी किया गया है। कक्ष संख्या 402 का पुनर्निर्माण, सीईसीईडी एवं समाज विज्ञान अनुभाग को ठीक करने हेतु पीडबल्यूडी को सौंप दिया गया है। इलेक्ट्रिकल एवं सिविल कार्य के लिए मीडिया सेंटर की शुरुआत की गई है। परिसर विकास विभाग द्वारा इंक्यूबेशन सेंटर, कुलपति सचिवालय एवं एन 6 का नवीकरण कार्य किया गया है।

करमपुरा परिसर

डीएचई द्वारा स्नातर कोर्स के संचालन हेतु एयूडी को करमपुरा में दिनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय का परिसर आवंटित किया गया है। इस परिसर का कुल क्षेत्रफल 6.3 एकड़ है। वर्तमान में परिसर के अंदर एक पुराना भवन समूह है तथा एक नया एक्सटेंशन भवन है। इस भवन को नवीकरण के बाद संचालित किया जा रहा है।

यह परिसर सभी बुनियादी सुविधाओं जैसे तकनीकी शिक्षा, ऑनलाइन शिक्षा, कंप्यूटर प्रयोगशाला, खेल कक्ष, पुस्तकालय, अध्ययन कक्ष, शौचालय, कैंटीन, फोटोकॉपी मशीन की दुकान, एहसास (चिकित्सा केंद्र), फूटबाल, वोलीबॉल बास्केटबॉल कोर्ट खेल का मैदान आदि से परिपूर्ण है।

करमपुरा कैम्पस की उद्घाटन

7.10. प्रशासन विभाग

प्रशासन विभाग विश्वविद्यालय–संचालन की सम्पूर्ण व्यवस्था को प्रशासनिक एवं रसद सहायता प्रदान करता है। यह एडीयू के स्कूल, केंद्र तथा प्रभागों के लिए सामग्री एवं सेवाओं का उपार्जन करता है। विभाग वार्षिक खरीद योजना तैयार करने और कार्यान्वित करने हेतु उत्तरदायी है। इसके अलावा यह वस्तुसूची का प्रबंधन भी करता है, जिसमें सम्पत्तियों की रसीद संबन्धित मुद्दे तथा लेखा–जोखा शामिल है।

खरीद–फरोख्त

प्रशासन विभाग द्वारा एक लाख रुपए से अधिक मूल्य के खरीद–फरोख्त की सूची इस प्रकार है :

मद	मूल्य (रुपए में)
सूचना प्रौद्योगिकी	4,477,877
उपस्कर (फर्नीचर)	1,198,720
टोनर्स तथा कार्ट्रेज	3,631,878
कार्यक्रम (उदघाटन, दीक्षांत समारोह इत्यादि)	2,962,279
दीमक सफाई कार्य	342,965
प्रकाशन एवं विज्ञापन	661,800
लेखन सामग्री	863,022

करमपुरा परिसर

जीएफआर के निर्देशनुसार वे सभी कार्य जिसका भुगतान शुल्क एक लाख से ऊपर है वे कश्मीरी गेट से संचालित किए जा रहे हैं। सभी मानव श्रम अनुबंधों का निरीक्षण एवं भुगतान भी कश्मीरी गेट परिसर द्वारा ही किया जाता है। जेनेरेटर सुविधा का संचालन एवं भुगतान करमपुरा परिसर द्वारा किया जा रहा है।

कार्य अनुबंध एवं रख रखाव

सभी कार्य अनुबंधों तथा वार्षिक रख रखाव अनुबंधों का ब्यौरा निम्न सारणी में दिया गया है :

क्र. सं.	अनुबंध	राशि (रुपए में)
1	रद्दी कागजों का पुनर्चक्रण	विनिमय आधारित
2	यूपीएस बैटरी	84,270
3	किताब एवं पत्रिकाओं की खरीद/नवीनीकरण	25,507,946

क्र. सं.	अनुबंध	राशि (रुपए में)
4	टोनर/कार्टेज आपूर्ति	958,262
5	लेखन सामाग्री एवं मुद्रण कार्य	2,161,454
6	एयूडी जॉब पोर्टल	241,500
7	सर्वर एवं एनएएस उपकरणों का रख–रखाव	81,420
8	लैपटाप बैटरी का रख–रखाव	100,000
9	डेक्सटोप कंप्यूटर का रख रखाव	158,203
10	कोहा पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस)	123,660
11	मंकी हेंडलर	252,000
12	शौचालय सुविधा एवं साफ सफाई	8,076,427
13	एयूडी वेबसाइट का रख–रखाव	360,000
14	प्रक्षेपकों का रख–रखाव	338,850
15	छायाप्रति उपकरणों का रख–रखाव	166,796
16	पानी प्यूरिफायर यूवी प्रणाली का रख–रखाव	99,100
17	श्रव्य उपकरणों का रख–रखाव	414,000
18	प्रिन्टर तथा स्कैनर का रख रखाव	162,058
19	ईआरपी अनुबंध	920,400
20	सुरक्षा सेवा अनुबंध	10,387,340

संपत्ति

विश्वविद्यालय के संपत्ति का वर्गीकरण इस प्रकार है :

क्र. सं.	ब्यौरा	मात्रा (संख्या में)
1	वातानुकूलित उपकरण	234
2	पहचान पत्र मशीन (इवोलीस, प्राइमेसी ड्यूपलेक्स)	1
3	पीए/श्रव्य उपकरण	34
4	बायोमेट्रिक उपस्थिती मशीन	6
5	कैमरा	14
6	सीसीटीवी कैमरा	23
7	डेक्सटॉप कम्प्यूटर (एचपी406 जी1)	440
8	चिकित्सा संबंधी उपकरण	3

क्र. सं.	ब्यौरा	मात्रा (संख्या में)
9	पैनासोनिक स्मार्ट आईपी पीबीएक्स सिस्टम	1
10	जेनेरेटर 15 केवीए स्वदेशी	1
11	जीपीएस	6
12	लैपटॉप	188
13	पोस्ट–बेड लॉक स्टिच मशीन	31
14	संगीत उपकरण	4
15	मोबाइल फोन	8
16	छायाप्रति मशीन	7
17	प्रिन्टर	121
18	प्रक्षेपक (प्रोजेक्टर)	71
19	वाई–फाई राउटर	10
20	स्कैनर	5
21	सर्वर	1
22	एलईडी टीवी	3
23	यूपीएस	170
24	मौड्यूलर वर्कस्टेशन्स	240

7.11. सम्पदा विभाग

परिसर का विस्तार, उचित प्रबंधन एवं बेहतर रख रखाव विश्वविद्यालय की छवि एक प्रभावी शैक्षणिक संस्थान निर्मित करने एवं वहाँ बेहतर अकादमिक माहौल निर्मित करने में सहायक होता है। परिसंपत्ति विभाग विश्वविद्यालय में साफ, स्वच्छ एवं उत्तम बुनियादी ढांचा प्रदान करता है जो विश्वविद्यालय को सुचारु रूप से चलाने हेतु बेहतर वातावरण का निर्माण करता है।

आधारभूत संरचना

प्रशासनिक कक्ष	29
अकादमिक कक्ष	50
कक्षा	36
दीर्घ कक्षा	04
अध्ययन कक्ष	01
समिति कक्ष	04
शैक्षणिक कक्ष	01
संगोष्ठी कक्ष	01
रसोई खाना	03
प्रयोगशाला	
कंप्यूटर प्रयोगशाला	04
पारिस्थितिकी प्रयोगशाला	03
कार्यशाला	04
प्रसार कक्ष	02
छात्र मनोरंजन कक्ष	01
जिम (व्यायामशाला)	01
कैफेटेरिया	02
छायाप्रति कक्ष	01
चिकित्सा केंद्र	01
क्लीनिक– एहसास	05
छात्रावास	22 कक्ष (क्षमता : 45)
भंडार गृह	03

शौचालय	पुरुष : 21 महिला : 29 सार्वजनिक : 05 दिव्यांग : 03
पेय जल केंद्र	10

करमपुरा परिसर

दिन दयाल उपाध्याय कॉलेज के लगभग सारी बड़ी संपत्ति विश्वविद्यालय को सौंप दिया गया है। वर्तमान में 22 नए कक्ष विद्यार्थियों के लिए क्लास रूम/प्रयोगशाला/समिति कक्ष/पुस्तकालय/अध्ययन कक्ष आदि के रूप में संचालित हो रहे हैं।

दिव्यांग छात्र/छात्राओं की सुविधा हेतु रास्तों को स्टील की रेलिंग डाल कर सुगम बनाया गया है।

चिकित्सा केंद्र

विश्वविद्यालय का चिकित्सा केंद्र प्राथमिक एवं सामान्य चिकित्सकीय उपचार के लिए सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस है।

प्रबंधन

भूसंपत्ति विभाग भवनों, सड़कों, उद्यानों, बिजली उपकरणों, जल आपूर्ति, टेलीफोन, ईपीएबीएक्स एक्सचेंज आदि समेत सभी भौतिक सुविधाओं का प्रबंधन करता है। बाहरी संस्थाओं की सहायता से यह विभाग सुरक्षा, साफ–सफाई, ढुलाई आदि का प्रबंध भी करता है।

सुरक्षा

विभाग विश्वविद्यालय समुदाय के प्रति भयरहित एवं सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए उत्तरदाई है। इसके लिए यह कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आगंतुकों को सुरक्षा एवं सहाता प्रदान करता है।

दिव्यांग जन हेतु विशेष व्यवस्था

परिसर में दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए जगह जगह संकेत बोर्ड लगाए गए हैं। सभी सड़कें एवं रास्ते चौड़े एवं बाधामुक्त हैं। बहुत सारी जगहों पर ढलान वाले रास्तों का निर्माण किया गया है, एवं आवश्यकतानुसार उसके दोनों तरफ सहारा देने वाली रेलिंग का भी इस्तेमाल किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर दिव्यांगों की सुविधा हेतु व्हील चेयर रखा गया है। सभी सीढ़ियों पर फिसलन से बचने के लिए टेप लगाए गए हैं। परिसर में सुरक्षित रास्तों और बधामुक्त सड़कों का विशेष तौर पर ध्यान

रखा गया है। दिव्यांग जन के लिए दो कार पार्किंग स्थल आरक्षित है। 3 शौचालय को दिव्यांग शौचालय में परिवर्तित कर दिया गया है।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

1 अप्रैल 2016 को प्राथमिक चिकित्सा एवं जीवन रक्षक उपायों के लिए एक व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

8 अप्रैल 2016 को अग्नि शमन एवं सुरक्षा हेतु एक व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

12 अप्रैल 2016 को आपदा प्रबंधन पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

18 अप्रैल 2016 को अग्नि सुरक्षा अभ्यास शिविर का आयोजन किया गया।

21 जून 2016 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

21 जून 2016 को छात्रों एवं कर्मचारियों को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण दिया गया।

15 अगस्त 2016 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।

9 सितंबर 2016 को ईशा फाउंडेशन के साथ स्ट्रेस प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समीरेन्द्र चटर्जी (सेवानिवृत आईएएस) कार्यकारी प्रशासक, सुलभ अंतरराष्ट्रीय समाज सेवा संस्था, ने स्वछता एवं सफाई से जुड़े मुद्दे पर 23 सितंबर 2016 को एक व्याख्यान दिया।

आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए 22 सितंबर 2016 को एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

14–16 अक्टूबर 2016 को पीतमपुरा दिल्ली हाट, नई दिल्ली में मेरी दिल्ली उत्सव में हिस्सा लिया।

एयूडी के प्रोफेसर सलिल मिश्रा ने 4 नवंबर 2016 को राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार पटेल को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक व्याख्यान दिया।

सूरत– प्लेग ग्रस्त शहर से सबसे स्वछ शहर में कैसे परिवर्तित हुआ इस विषय पर 4 नवंबर 2016 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

1 जनवरी 2017 को नया साल मनाया गया।

13 जनवरी 2017 को नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया।

9 मार्च 2017 को आपदा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान, पूर्वाभ्यास एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

मार्च 2017 में मलेरिया जनित मच्छर एवं दीमकों से बचाव हेतु रोहिणी एवं करमपुरा परिसर में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया गया।

23 नवंबर 2017 को स्वच्छता शपथ

7.12. वित्त विभाग

वित्त विभाग कुलपति की अध्यक्षता वाली वित्त समिति के निर्देशानुसार कार्य करता है। यह अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली अधिनियम, 2007 के तहत दिये गए अधिदेश का पालन करता है। यह कोष प्रबंधन संबंधी आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु कार्य करता है जिसमें नियमों के अनुसार समय समय पर धन की उपलब्धता एवं उसका उचित उपयोग शामिल है।

प्रबंधन मण्डल के अनुमोदन हेतु वित्त समिति द्वारा एयूडी के वार्षिक खाते तदर्थ, विच. ारित एवं संस्तुत किए जाते हैं। प्रबंधन मण्डल के अनुमोदन के बाद, वार्षिक खातों को कुलाधिपति की अध्यक्षता में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के निर्णायक मण्डल द्वारा अपनाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान, विभाग ने निर्धारित समय के भीतर 2016–17 वर्ष हेतु वार्षिक खातों को अंतिम रूप देने का वैधानिक कार्य पूर्ण किया। इसके अलावा विभाग ने निरीक्षण के उचित संचालन को सुनिश्चित करने हेतु राज्य व केंद्र सरकारों के वैधानिक लेखा–परीक्षा दलों के साथ सहयोग किया।

वित्त विभाग ने फीस भुगतान सेवा को सरल करने हेतु कई कारगर उपाय किया है। इसके तहत विभाग ने डिजिटल माध्यमों से फीस भुगतान सेवा को सुनिश्चित किया। विभाग ने प्रत्यक्ष भुगतान सेवा के अलावा सीधे विद्यार्थियों के बैंक खाते में सभी बकाया राशि एवं छात्रवृत्ति वितरण संबंधी सेवाएँ समय पर सुनिश्चित की है।

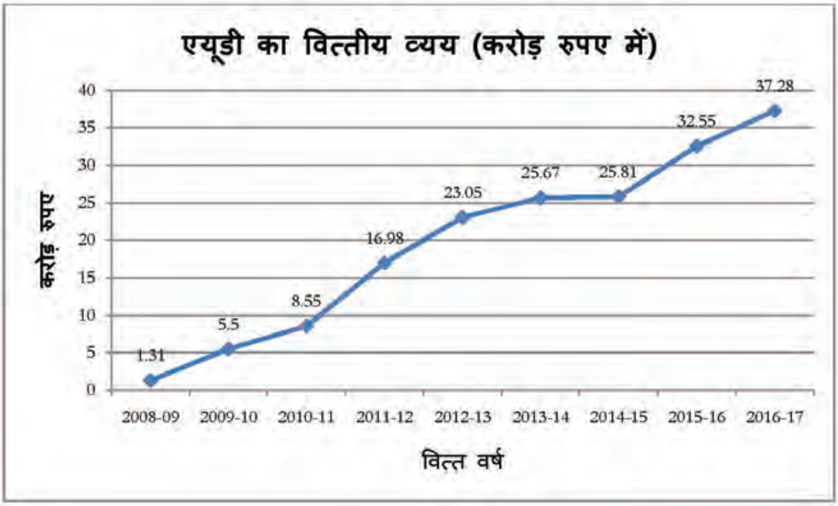

AMBEDKAR UNIVERSITY DELHI

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2017

(Amount in Rs.)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	2016-17	2015-16
CORPUS/CAPITAL FUND	1	161,64,08,744	45,36,73,937
DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	37,13,64,353	30,99,62,848
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	49,51,97,548	24,83,92,868
TOTAL		**248,29,70,645**	**101,20,29,653**
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		154,65,44,841	40,56,90,148
Intangible Assets		96,59,238	7,349
Capital Works-In-Progress		0	0
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	5		
Long Term		0	0
Short Term		24,21,34,194	2,01,37,671
INVESTMENTS - OTHERS	6	4,29,78,548	32,11,29,307
CURRENT ASSETS	7	37,16,13,568	6,73,45,959
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	27,00,40,256	19,77,19,219
TOTAL		**248,29,70,645**	**101,20,29,653**
PRINCIPLE ACCOUNTING POLICIES	23		
NOTES TO ACCOUNTS	24		

वित्त नियंत्रक / Controller of Finance
अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
Ambedkar University, Delhi
लोथियान रोड, कशमीरी गेट, दिल्ली-110006
hian Road, Kashmere Gate, Delhi-110006
वेबसाइट/website : www.aud.ac.in

AUD -ANNUAL ACCOUNTS 2016-17

8. यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति

16 सितम्बर 2015 को आधिकारिक रूप से चुनी गयी पहली यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति की सूचना दी गई। इसमें 9 सदस्य हैं– जिसमें 3 संकाय शिक्षक, 4 विद्यार्थी और 2 प्रशासनिक कर्मचारी हैं। समिति के विद्यार्थी सदस्यों की एक–वर्षीय कार्यावधि सितम्बर 2016 में तय की गई। मार्च 2017 में नए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए एक चुनाव हुआ। जेंडर पहचान और लैंगिक अभिविन्यास के आधार पर होने वाले यौन उत्पीड़न एवं भेदभाव से बचाव, निषेध और निवारण पर एयूडी की नीति के रूप में 'शिकायतों पर कार्यवाही की त्वरित प्रक्रिया' को तय किया गया। शिकायतों की बढ़ोतरी से निपटने के लिए सदस्यों की संख्या बढ़ाने के आग्रह को स्वीकार कर लिया गया है।

सीपीएसएच ने जेंडर जागरूकता पर पहले से काम कर रहे तंत्र में शामिल होने का प्रयास किया है और गैर सरकारी संगठनों जैसे– ब्रेक थ्रू, पार्टनर्स इन लॉ एंड डेवलपमेंट और जीएसएस साथ ही साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों के केंद्रों जैसे, एडवांस सेंटर फॉर विमेंस स्टडीज, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुम्बई के साथ मिल कर काम कर रही है ताकि उनके अनुभव और विशेषज्ञता से परिसर में जागरूकता बढ़ाया जा सके।

समिति ने कुल 5 शिकायत दर्ज की और जाँच–पड़ताल के बाद तय नीतियों के आधार पर निष्पादन किया गया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

छात्रों के साथ अधिवेशन के दौरान उन्हें परिसर में सीपीएसएच की उपस्थिति के बारे में बताया गया और आवश्यकता पड़ने पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को समझाया गया। सीपीएसएच द्वारा अगस्त 2016 में दोनों परिसरों के नए विद्यार्थियों के साथ बातचीत की गई ताकि वे व्यक्तिगत और पेशेवर जगहों की सीमाओं को समझ पाए और सम्मान दें। सत्र को रोचक और दवाब रहित बनाने के लिए बॉलीवुड की फिल्मों के दृश्यों को दिखाया गया ताकि पॉपुलर कल्चर में अनुचित व्यवहार की तरफ ध्यान आकर्षित किया जा सके। विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ बातचीत के लिए जेंडर एक्टिविस्ट्स के द्वारा बनाई गई एनिमेटेड फिल्मे भी दिखाइ गई।

सितम्बर 2016 में नए सदस्य शिक्षकों के लिए सीपीएसएच पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सीपीएसएच के साथ मिल कर 31 मार्च 2017 को एयूडी क्यूअर कलेक्टिव के द्वारा क्यूअरिंग दलित कलेक्टिव, निरंतर, सेंटर फॉर जेंडर एडुकेशन, वाईपी फाउंडेशन और पिंजड़ा तोड़ कलेक्टिव के साथ क्यूअर हिंसा और समकालीन भारत में संघर्ष के स्वरूप विषय पर चर्चा–परिचर्चा आयोजित की गई।

9. परिशिष्ठ

परिशिष्ठ.1 : संकाय

क्र. सं.	प्रोफेसर	स्कूल
1	सी आर बाबू	एसएचई
2	विजय शंकर वर्मा	

क्र. सं.	अवकाश प्राप्त प्रोफेसर	स्कूल
1	कुरियाकोस मम्कूट्टम	एसबीपीपीएसई
2	वेनिता कौल	एसईएस

क्र. सं.	प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1.	अनीता घई	विकलांगता अध्ययन	एसएचएस
2.	अनूप कुमार धर	मनोविज्ञान	एसएचएस
3.	अशोक नागपाल	मनोविज्ञान	एसएचएस
4.	अस्मिता काबरा	ई–डी',अर्थशास्त्र	एसएचई
5.	बाबू पी. रमेश	विकास अध्ययन, अर्थशास्त्र	एसडीएस
6.	चन्दन मुखर्जी	अर्थशास्त्र	एसएलएस
7.	डेनिस पी लीटन	इतिहास	एसएलएस
8.	डेबल सी कार	पुस्तकालय	पुस्तकालय
9.	धीरेंद्र दत्त डंगवाल	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
10.	गीता वेंकटरमन	अंक शास्त्र	एसयूएस
11.	गोपालजी प्रधान	हिन्दी	एसयूएस/एसएलएस
12.	हनी ओबेरॉय वाहाली	मनोविज्ञान	एसएचएस
13.	जतिन भट्ट	डिजाइन	एसडीईएस
14.	कृष्णा मेनन	लैगिक अध्ययन,राजनीतिक विज्ञान	एसएचएस
15.	लॉरेंस लियांग	कानून	एसएलजीसी
16.	रचना जोहरी	मनोविज्ञान	एसएचएस
17.	राधारानी चक्रवर्ती	सीएलटीएस''	एसएलएस
18.	सलिल मिश्रा	इतिहास	एसएलएस
19.	संजय कुमार शर्मा	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
20.	सत्यकेतु सांकृत	हिन्दी	एसयूएस/एसएलएस

क्र. सं.	प्रोफेसर	विषय	स्कूल
21.	शिवाजी के. पणिक्कर	दृश्य कला	एससीसीई
22.	श्याम बी. मेनन	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
23.	स्मिता तिवारी जस्सल	समाजशास्त्र	एसएलएस
24.	सुचिता बालासुब्रमण्यम	डिजाइन	एसडीईएस
25.	सुमंगला दामोदरण	विकास अध्ययन,अर्थशास्त्र	एसडीएस

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1.	अनीता ई. चेरियन	साहित्य कला	एससीसीई
2.	अरिंदम बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
3.	बोध प्रकाश	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
4.	दीपन सिवारमन	प्रदर्शन कला	एससीसीई
5.	दीपिता चक्रवर्ती	विकास अध्ययन, अर्थशास्त्र	एसडीएस
6.	डायमंड ओबेरॉय वाहाली	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
7.	कार्तिक दवे	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
8.	मो. शारीक फरूकी	डिजाइन	एसडीईएस
9.	नक्कीरण नांजाप्पन	नृविज्ञान	सीएसएसआरएम
10.	निहारिका बनर्जी	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
11.	प्रवीण सिंह	वैश्विक अध्ययन, ईडी', इतिहास	एसएचई
12.	राजन कृष्णन	चलचित्र कला	एससीसीई
13.	राजेंद्र पी. कुंडु	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
14.	रुक्मिणी सेन	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
15.	सजीश कुमार सी	प्रकाशन	सीपी
16.	सुनीता सिंह	अर्ली चाइल्डहुड	सीईसीईडी
17.	सुरेश बाबू	परिस्थितिकी	एसएचई
18.	तनुजा कोठियाल	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1.	अबीर गुप्ता	डिजाइन	एसडीईएस
2.	अखा काइहरि माओ	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
3.	अलका राय	पुस्तकालय	पुस्तकालय

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	स्कूल
4.	अमित सिंह	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस
5.	आनंदिनी डार	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
6.	अनिल पेरसौद	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
7.	अनिरबान बिसवास	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
8.	अनिरबान सेनगुप्ता	विकास अध्ययन,समाजशास्त्र	एसडीएस
9.	अनूप कुमार कोइलेरी	मनोविज्ञान	एसयूएस
10.	अंशु गुप्ता	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
11.	अंशुमिता पाण्डेय	मनोविज्ञान	एसएचएस
12.	बालचंद प्रजापति	अंक शास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
13.	बेनिल बिसवास	प्रदर्शन कला अध्ययन	एससीसीई
14.	भूमिका मेलिंग	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
15.	बिधान चंद्र दाश	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
16.	बिन्दु के. कोविलकाम	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
17.	दीप्ति सचदेव	मनोविज्ञान	एसएचएस
18.	धारित्रि चक्रवर्ती	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
19.	धीरज कुमार निते	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
20.	दिनेश कुमार	पुस्तकालय	पुस्तकालय
21.	दीपा सिन्हा	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
22.	दिव्या चोपड़ा	डिजाइन	एसडीईएस
23.	गङ्ग्मूमेई कामे	मनोविज्ञान	एसएचएस
24.	गुंजन शर्मा	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
25.	गुंजीत अरोड़ा	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
26.	इमरान अमीन	विकास अभ्यास	सीडीपी
27.	इशिता डे	विकास अभ्यास	सीडीपी
28.	इवी धर	विकास अध्ययन, राजनीतिक विज्ञान	एसडीएस
29.	ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
30.	कालिंदी माहेश्वरी	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
31.	कांचरला वैलेंटिना	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
32.	कनिका महाजन	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
33.	कंवल अनिल	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	स्कूल
34.	क्रांति कुमार	अंक शास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
35.	कृतिका माथुर	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
36.	लोविटोली जिमों	लैगिक अध्ययन	एसएचएस
37.	ममता करोल्लिल	मनोविज्ञान	एसएचएस
38.	मानसी थपलीयाल नवानी	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
39.	मनीष जैन	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
40.	मोग्गल्लन भारती	विकास अध्ययन	एसडीएस
41.	मौशुमी कंदली	दृश्य कला	एससीसीई
42.	नंदिनी नायक	विकास विज्ञान	एसडीएस
43.	नीतू सरीन	मनोविज्ञान	एसएचएस
44.	निधि केकर	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
45.	ओइनम हेमलता देवी	ईडी', नृविज्ञान	एसएचई
46.	पल्लवी बनर्जी	मनोचिकित्सा विज्ञान	एसएचएस
47.	पल्लवी चक्रवर्ती	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
48.	पार्था साहा	विकास विज्ञान, अर्थशास्त्र	एसडीएस
49.	प्रणय गोस्वामी	अंक शास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
50.	प्रीति सम्पत	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
51.	प्रियशा कौल	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
52.	पुलक दास	पारिस्थितिकी विज्ञान	एसएचई
53.	रचना चौधरी	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
54.	रमणीक खस्सा	अंक शास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
55.	ऋचा अवस्थी	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
56.	रींजू रसाइली	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
57.	रोहित नेगी	ईडी', भूगो	एसएचई
58.	साबित्री दत्ता	अर्थशास्त्र	एसयूएस
59.	संदीप आर. सिंह	सीएलटीएस''	एसयूएस/एसएलएस
60.	संजु थॉमस	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
61.	संतोष एस.	दृश्य कला	एससीसीई
62.	संतोष कुमार सिंह	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
63.	सरणिका सरकार	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस

क्र. सं.	एसोसिएट प्रोफेसर	विषय	स्कूल
64.	सयान्देब चौधरी	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
65.	शाद नावेद	सीएलटीएस''	एसयूएस/एसएलएस
66.	शैलजा मेनन	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस
67.	शिफाली जैन	दृश्य कला	एससीसीई
68.	शेलमी संखिल	सीएलटीएस''	एसयूएस/एसएलएस
69.	शीफा हक	मनोविज्ञान	एसएचएस
70.	शिवानी नाग	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
71.	शुभ्रा नगलिया	लैंगिक अध्ययन	एसएचएस
72.	तपोसिक बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
73.	थोकचोम बीबीनाज देवी	मनोविज्ञान	एसएचएस
74.	उरफत अंजेम मीर	समाजशास्त्र	एसयूएस/एसएलएस
75.	उषा मुदिगंती	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
76.	वेणुगोपाल मड्डीपति	डिजाइन	एसडीईएस
77.	विक्रम सिंह ठाकुर	अँग्रेजी साहित्य	एसयूएस/एसएलएस
78.	विनोद आर.	मनोविज्ञान	एसएचएस
79.	ऋक मित्रा	मनोविज्ञान	एसएचएस
80.	योगेश स्नेही	इतिहास	एसयूएस/एसएलएस

*** पर्यावरण एवं विकास (ईडी)**
**** तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन**

क्र. सं.	अतिथि संकाय	विषय	स्कूल
1.	अनुराधा कपूर	प्रोफेसर	एससीसीई
2.	बेलिंदर धनोआ	एसोसिएट प्रोफेसर	एससीसीई
3.	शेरिल आर. जेकब	असिस्टेंट प्रोफेसर	एसवीएस
4.	गार्गी भारद्वाज	असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रदर्शन कला	एससीसीई
5.	हरीश नारंग	प्रोफेसर	एसएलएस
6.	राखी पेसवानी	एसोसिएट प्रोफेसर, दृश्य कला	एससीसीई

क्र. सं.	अतिथि संकाय	विषय	स्कूल
7.	आर वी रमानी	प्रोफेसर	एससीसीई
8.	साइकत बनर्जी	असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसयूएस
9.	शैलेश कुमार त्रिपाठी	असिस्टेंट प्रोफेसर, अंक शास्त्र	एसयूएस

क्र. सं.	अस्थाई संकाय	विषय	स्कूल
1.	अक्षय कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर, फिल्म अध्ययन	एससीसीई
2.	मोनीमालिका डे	एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र	एसईएस
3.	प्रभात राय	असिस्टेंट प्रोफेसर,शिक्षाशास्त्र	एसईएस
4.	विकास बनिवाल	असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र	एसईएस

क्र. सं.	कार्यकाल/संविदात्मक संकाय	विषय	स्कूल
1.	अपराजिता भारगढ़	असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्ली चाइल्डहुड	सीईसीईडी
2.	आशीष रॉय	मनोचिकित्सक (असिस्टेंट प्रोफेसर)	सीपीसीआर
3.	अवधेश कुमार त्रिपाठी	असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी	एसयूएस
4.	सीविल के विनोदन	असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
5.	गुलशन बानो	असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी	एसयूएस
6.	इशिता महरोत्रा	असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
7.	मोनिशिता हाजरा पांडे	असिस्टेंट प्रोफेसर, ईएलटी	एसयूएस
8.	मृत्युंजय त्रिपाठी	असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी	एसयूएस
9.	नुरु निक्सन	असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
10.	निकिता जैन	मनोचिकित्सक (असिस्टेंट प्रोफेसर)	सीपीसीआर
11.	नूपुर सैमुएल	असिस्टेंट प्रोफेसर, ईएलटी	एसयूएस
12.	प्रियंका	असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
13.	रचना मेहरा	असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास	एसयूएस
14.	रचना शोखंडा	असिस्टेंट प्रोफेसर, अंक शास्त्र	एसयूएस
15.	राजिन्दर सिंह	मनोचिकित्सक (असिस्टेंट प्रोफेसर)	सीपीसीआर
16.	रुणा चक्रवर्ती	असिस्टेंट प्रोफेसर, ईएलटी	एसयूएस
17.	शालिनी मसीह	मनोचिकित्सक, (असिस्टेंट प्रोफेसर)	सीपीसीआर
18.	शिरीन मिर्जा	असिस्टेंट प्रोफेसर (समाजशास्त्र)	एसयूएस
19.	शिव कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर (ईएलटी)	एसयूएस

क्र. सं.	कार्यकाल/संविदात्मक संकाय	विषय	स्कूल
20.	सुमना दत्ता	असिस्टेंट प्रोफेसर (पर्यावरण विज्ञान)	एसयूएस
21.	सुरजीत सरकार	कार्यक्रम समन्वयक, एसोसिएट प्रोफेसर	सीसीके
22.	स्वाती श्रेष्ठ	असिस्टेंट प्रोफेसर (पर्यावरण विज्ञान)	एसयूएस
23.	वैभव	असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)	एसयूएस

परिशिष्ठ 2 : शिक्षकेतर कर्मचारी

क्र.सं.	नाम	पद
1.	एम.ए सिकंदर	कुलसचिव
2.	जे. अर्नेस्ट सैमुएल रत्नकुमार	वित्त नियंत्रक
	कुलपति कार्यालय	
3.	बी. मल्लेशा	सहायक कुलसचिव
4.	सुनीता त्यागी	सहायक कुलसचिव
5.	ममता असवाल	सहायक
6.	रुद्रेश सिंह नेगी	एमटीएस
7.	संदीप	एमटीएस
	कुलसचिव कार्यालय	
8.	लोकेश गर्ग	उप कुलसचिव
9.	नीलिमा घिल्दियाल	सहायक
10.	महेश कुमार	सहायक
11.	रोहित कुमार	एमटीएस
	एचआर प्रभाग	
12.	प्रसाद टी.एस.वी.के	उप कुल सचिव
13.	ऊर्मिल शेखावत	सलाहकार
14.	भूपेन्द्र सिंह	सहायक
15.	नीरू शर्मा	सहायक
16.	सुशीला देवी	एमटीएस
	प्रशासन विभाग	
17.	मनीष कुमार (लेफ्टिनेंट कर्नल, सेवानिवृत)	उप कुलसचिव

क्र.सं.	नाम	पद
18.	नरेंद्र मिश्र	सहायक कुलसचिव
19.	उपेंद्र नाथ सिंह	सहायक कुलसचिव
20.	केशर सिंह बिष्ट	सलाहकार
21.	सतीश कुमार	कनिष्ठ सलाहकार
22.	सुभाष	कनिष्ठ कार्यपालक
23.	सौरभ	सहायक
24.	रीतिका कट्टर्मल	सहायक
25.	नवीन कुमार	एमटीएस
	सम्पदा विभाग	
26.	राजीव कुमार	सहायक कुलसचिव
27.	मो. हसीन	सुरक्षा पर्यवेक्षक
28	यतीन्द्र सिंह	प्रभारी
	योजना विभाग	
29.	पुनीत गोयल	सहायक कुलसचिव
30.	अंशु सिंह	सहायक कुलसचिव
31.	समीर खान	कनिष्ठ कार्यपालक
32.	शिव चरण	एमटीएस
	वित्त विभाग	
33.	ए.के. आहूजा	वरिष्ठ सलाहकार
34.	राज कुमार भारद्वाज	सहायक कुलसचिव
35.	सुमर पाल	सलाहकर
36.	अजय कुमार ठाकुर	कनिष्ठ कार्यपालक
37.	सना खान	कनिष्ठ कार्यपालक
38.	प्रभात कुमार	कनिष्ठ कार्यपालक
39.	ब्रजेश कुमार गुप्ता	सहायक
40.	मोहित जगोटा	सहायक
41.	अंजना कुमारी	सहायक
42.	सुमन नेगी	सहायक
43.	केशव ठाकुर	एमटीएस

क्र.सं.	नाम	पद
	अकादमिक सेवा विभाग	
44.	पी.के.कटर्मल	वरिष्ठ सलाहकार
45.	सुंदर लाल सेठी	सलाहकर
46.	युसुफ रजा नकवी	सहायक
47.	मोनिका रंजन	लेखा प्रविष्टि संचालक
48.	अशोक कुमार–1	एमटीएस
	छात्र सेवा विभाग	
49.	बिन्दु नायर	सहायक कुलसचिव
50.	अरुणिमा पॉल	सहायक
51.	नितिन चौधरी	सहायक
52.	अजय कुमार	एमटीएस
53.	सुमित सोलंकी	एमटीएस
	एईएस विभाग	
54.	मनमोहन असवाल	सहायक
55.	संदीप कुमार	लेखा प्रविष्टि संचालक
	परिसर विकास विभाग	
56.	एन.के. वर्मा	सह–निदेशक (तकनीकी)
57.	आर.पी. शर्मा	वरिष्ठ सलाहकार (प्रशासक)
58.	मंजुला खान	शिल्पकार
59.	आशीष पटीदार	सहायक कुलसचिव
60.	दीपक कपूर	सहायक कुलसचिव
61.	अभिषेक अग्रवाल	परियोजना अभियंता (सिविल)
62.	गौरव सक्सेना	परियोजना अभियंता (एलेक्ट्रिकल)
63.	के.युधिष्ठिर	कनिष्ठ अभियंता (एलेक्ट्रिकल)
64.	विकास दलाल	सलाहकार
65.	भूपेंद्र सिंह चौहान	सहायक
66.	मीना सेनवाल	एमटीएस
	पुस्तकालय	
67.	रविंदर रावत	कनिष्ठ कार्यपालक (पुस्तकालय)

क्र.सं.	नाम	पद
68.	मंजू	कनिष्ठ कार्यपालक (पुस्तकालय)
69.	संजय सिंह रावत	एमटीएस
70.	नेक्सोन	एमटीएस
71.	पिंकी	एमटीएस
	सूचना एवं तकनीकी विभाग	
72.	दीपक बिसला	कार्यकारी प्रशासक (आइ टी)
73.	मुकेश सिंह दांगी	तकनीकी सहायक (आईटी)
74.	रमीज काज्मी	तकनीकी सहायक (आईटी)
75.	मानस रंजन दाकुय	तकनीकी सहायक (आईटी)
76.	आशु मन	एमटीएस
77.	अजय सिंह दांगी	एमटीएस
	पर्यावरण प्रबंधन इकाई	
78.	दया चंद	उद्यान
79.	राज कुमार मौर्य	माली
80.	नरेश कुमार	माली
81.	रिजवान	माली
82.	रंजीत भुईमाली	माली
83.	फिदा हुसैन	माली
	स्कूल और केंद्र	
	स्नातक अध्ययन स्कूल	
84.	हर्ष कपूर	सहायक कुलसचिव
85.	एन.टी. दीहेउंग	सहायक कुलसचिव
86.	प्रियंका अलघ	कनिष्ठा कार्यपालक
87.	आशा देवी डी.	सहायक
88.	सुनीता महर	लेखा प्रविष्टि संचालक
89.	संदीप कुमार–2	एमटीएस
	लिबरल अध्ययन स्कूल	
90.	पूनम पेटवाल	सहायक
91.	अशोक कुमार–2	एमटीएस

क्र.सं.	नाम	पद
	मानव अध्ययन स्कूल	
92.	संतोष थॉमस	कनिष्ठ कार्यपालक
93.	मीनाक्षी सिंह जुगरान	सहायक
94.	संदीप कुमार–1	एमटीएस
	विकास अध्ययन स्कूल	
95.	संगीता	सहायक
	मानव परिस्थितिकी स्कूल	
96.	राज कुमार	सहायक
97	तिलक राज	एमटीएस
	व्यवसाय, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल	
98.	दीपक कुमार	सहायक
99.	शिवम कौशिक	सहायक
	सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल	
100.	रामाकृष्णन पोत्ती. एस	परामर्शदाता
	शैक्षिक अध्ययन स्कूल	
101.	तेजेश्वर सिंह	सहायक
102.	विजय कुमार	एमटीएस
	डिजाइन स्कूल	
103.	निशांत सोलोमोन	सहायक
104.	रुद्र पाल	एमटीएस
	प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र	
105.	अनिल सिंह रावत	सहायक
	स्वास्थ्य केंद्र	
105.	अर्चना गुप्ता	चिकित्सा अधिकारी
	करमपुरा परिसर	
107.	हरीश गुरनानी	सलाहकार
108.	प्रवीण भट्ट	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)
109.	मोहन सिंह यादव	कनिष्ठ कार्यपालक
110.	शिव कुमार	कनिष्ठ सलाहकार

क्र.सं.	नाम	पद
111.	शंभू शरण सिंह	तकनीकी सहायक(आईटी)
112.	आशुतोष त्यागी	आईटी सहायक
113.	ओमप्रकाश मिश्रा	पुस्तकालय सहायक
114.	मीनाक्षी	कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक
115.	आयुषी वर्मा	डाटा एंट्री परिचालक
116.	मेवा लाल	एमटीएस (विद्युत विभाग)
117.	शफिक अहमद	एमटीएस
118	स्वामी नाथ	एमटीएस

परिशिष्ठ 3 : वर्ष 2016–17 में निम्न शिक्षकेतर कर्मचारी अनुबंध समाप्त होने पर सेवामुक्त हुए

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यारंभ तिथि	नियुक्ति विवरण
1.	शुश्री सर्मिष्ठा राय	उप कुलसचिव	22.09.2016	अनुबंधित
2.	श्री चरण प्रताप सिंह	सहायक कुलसचिव	09.03.2017	अनुबंधित
3.	श्री सतपाल	परामर्शदाता (एचआर)	05.11.2016	अनुबंधित
4.	श्री पी.मणि	परामर्शदाता (सीडी)	25.05.2016	अनुबंधित
5.	श्री एम.आर.कपूर	प्रशासनिक सलाहकार	09.07.2016	अनुबंधित
6.	डॉ. निधि चोपरा	चिकित्सा अधिकारी (संक्षिप्त–अवधि)	21.11.2016	अनुबंधित
7.	श्री अजित सिंह	सुरक्षा पर्यवेक्षक	31.10.2016	अनुबंधित
8.	श्री जितेंद्र कुमार दुग्गल	कनिष्ठ सलाहकार	15.02.2017	अनुबंधित
9.	श्री सीता राम शर्मा	प्रभारी	31.05.2016	अनुबंधित
10.	श्री दीपक	मल्टी टासकिंग स्टाफ (विद्युत विभाग)	30.11.2016	अनुबंधित

परिशिष्ठ 4 : वर्ष 2016–17 में निम्न अधिकारी एवं कर्मचारी सीधी भर्ती / प्रतिनियुक्ति / अनुबंध के तहत शामिल हुए

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यारंभ तिथि	नियुक्ति विवरण
1.	लोकेश गर्ग	उप कुलसचिव	01.03.2017	प्रतिनियुक्ति
2.	अंशु सिंह	सहायक कुलसचिव	10.03.2017	नियमित

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कार्यारंभ तिथि	नियुक्ति विवरण
3.	श्री उपेंद्र नाथ सिंह	सहायक कुलसचिव	10.03.2017	नियमित
4.	दीपक कपूर	सहायक कुलसचिव	14.03.2017	नियमित
5.	दिहेउंग एन टी	सहायक कुलसचिव	17.03.2017	नियमित
6.	दीपक बिशला	कार्यकारी प्रशासक	17.02.2017	नियमित
7.	मंजुला खान	वास्तुकार (सी डी)	04.04.2016	अनुबंधित
8.	गौरव सक्सेना	विद्युत परियोजना अभियंता (सी डी)	12.04.2016	अनुबंधित
9.	अभिषेक अग्रवाल	परियोजना अभियंता (सी डी)	13.04.2016	अनुबंधित
10.	मीना सेनवल	मल्टी टास्किंग स्टाफ (सी डी)	01.04.2016	अनुबंधित
11.	सुंदर लाल सेठी	परामर्शदाता (ए एस)	21.06.2016	अनुबंधित
12.	ऊर्मिल शेखावत	परामर्शदाता (एच आर)	28.06.2016	अनुबंधित
13.	सतीश कुमार	कनिष्ठ परामर्शदाता (स्टोर्स)	26.12.2016	अनुबंधित

एयूडी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एयूडी में प्रशासनिक कर्मचारियों (नियमित / प्रतिनियुक्ति / अनुबंध) की वृद्धि

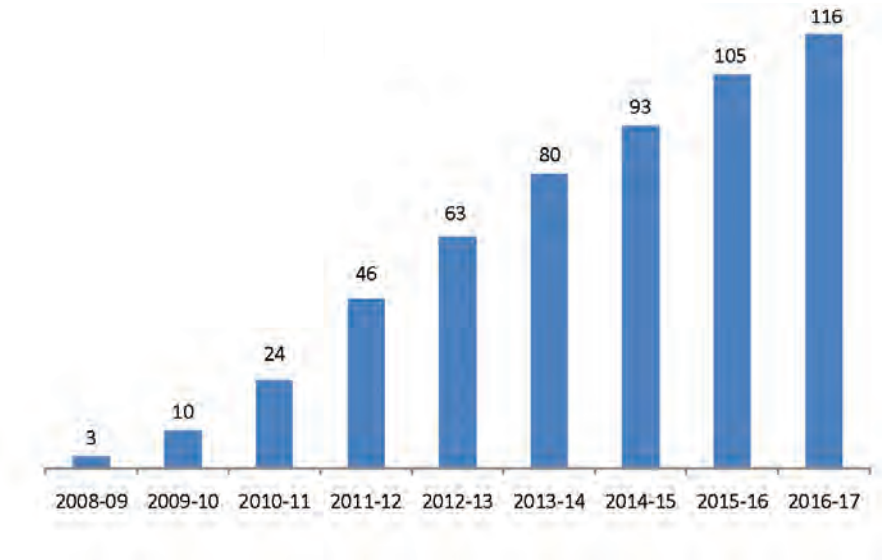

AUD

लोथियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110 006
www.aud.ac.in